भूगोल विभाग पृथ्वी विज्ञान संकाय मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

विश्व जल दिवस, 22 मार्च 2024

दिनांक 21 मार्च 2024 को भूगोल विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय तथा उदयपुर वाटर फॉरम, सिटिजन साइंस लेब–DANIDA IWRM, विद्याभवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर तत्वाक्यान् में 'विश्व जल दिवस' मनाया गया जिसमें Water for Peace विषय पर प्रसिद्ध संरक्षक डॉ. अनिल मेहता द्वारा एक व्याख्यान एवं संवाद सत्र तथा सुरतान बावड़ी के भ्रमण का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभाग के 36 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। व्याख्यान के माध्यम से डॉ. अनिल मेहता ने वर्तमान में जल के लिए विश्व शांति की अपील करते हुए जल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। भारतीय संस्कृति तथा सभी धर्मों में जल के पूजनीय होने एवं जल के प्रति मानव के वर्तमान आर्थिक दृष्टिकोण में बदलाव लाने की बात कही। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान ने दिन–प्रतिदिन के कार्यों में जल संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनचर्या बनाने संबंधी अपने विचार व्यक्त किए। इस व्याख्यान में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. उर्मि शर्मा, डॉ. सबिहा खान एवं डॉ. वी.एस. मीणा भी उपस्थित रहे।

विद्याभवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर में आयोजित इस व्याख्यान एवं संवाद सत्र के बाद सभी विद्यार्थी प्रसिद्ध सुरतान (सुल्तान) बावड़ी भ्रमण हेतु गए। लगभग तीन सौ वर्ष पूरानी इस बावड़ी का जिक्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'मन की बात' में भी कर चुके हैं। श्री सुनील लढा के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं ने मिलकर इस बावड़ी में सफाई अभियान चलाया जिससे इसका कायापलट हो गया। सुश्री योगिता ने इस बावड़ी के जल का सेंपल लेकर फिल्ड वाटर टेस्टिंग किट के जरिये विद्यार्थियों को जल के विभिन्न पेरामीटर टेस्ट करना सिखाया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने जल से जुड़ें हुए कई आयामों पर ज्ञान प्राप्त किया जिससे उनमें जल के प्रति सकारात्मक सोच एवं जागरूकता का विकास हुआ। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उत्यंत उपयोगी साबित हुआ। कार्यक्रम का संयोजन सहायक आचार्य डॉ. डी.एस. चौहान ने किया।



IDING (Raiasthe



DEPARTMENT OF GEOGRAPHY



Faculty of Earth Sciences Mohanlal Sukhadia University, Udaipur- 313001

Head

No.MLSU/Geog./2024/28

Date-19.03.2024

सूचना

विश्व जल दिवस (22 मार्च) के उपलक्ष्य में भूगोल विभाग एवं DANIDA समन्वित जल संसाधन प्रबंधन (उदयपुर वाटर फॉरम) के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 21 मार्च, 2024 को विद्याभवन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, बड़गांव, उदयपुर में एक वर्कशॉप, व्याख्यान एवं सूरतान बावड़ी का भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को भाग लेना अनिवार्य है। विद्याभवन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, बड़गांव, उदयपुर पहुंचने के लिए दिनांक 21.03.2024 को प्रातः 9 बजे भूगोल विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से बस की व्यवस्था की गई है।





Udaipur Water Forum

16th March 2024

Invitation

World Water Day Function: WATER FOR PEACE

Integrated Water Resource Management of Upper Berach Basin (Ahar River& Lakes)

Dear Madam/Sir,

We are delighted to invite you to the World Water Day celebration workshop organized by the DANIDA Integrated Water Resources Management (IWRM) project in collaboration with the Department of Geology, MLSU, Udaipur. The workshop will be held on 21 March 2024 at Vidya Bhawan Polytechnic, Badgaon, from 11:00 AM to 1:00 PM.

This year, the theme of World Water Day is "Water for Peace," highlighting the crucial role of water in promoting peace and sustainable development. The workshop aims to raise awareness about the importance of water management in fostering peace and harmony in communities.

Program theme: WATER FOR PEACE

- Opening Ceremony: Welcome Address-
- Keynote Speech: Importance of Water for Peace-Dr Anil Mehta
- Interactive Session: Citizen Science Approaches in Water Management (Water sampling and testing)
- Networking Break: Refreshments and Informal Discussions
- · Workshop Activity: Visit to Sultan Bavri,
- · Closing Ceremony: Summary followed by high tea.

We are honored to have your participation in this event, as your insights and expertise will contribute significantly to the discussions and activities planned for the day. Together, we can explore innovative approaches to water resources management that promote peace and cooperation among stakeholders.

We look forward to your presence at the workshop as we join hands to celebrate World Water Day and advocate for a more peaceful and sustainable future.

Best regards,

Yours sincerely,

Dr D S Chouhan Department of Geology Convenor World Water Day Function

Development Alternatives

Dr. Anil Mehta Project Co-Lead IWRM Study, & Principal Vidya Bhawan Polytechnic, Udaipur (aniljheel@gmail.com) Mob. No. -94141-68945



UNIVERSITY OF COPENHAGEN





Department of Geography

University College of Social Sciences and Humanities Mohanlal Sukhadia University, Udaipur Faculty of Earth Sciences

Telebrating

WORLD WATER DAY' 22 MARCH In Collaboration with

the Udaipur Water Forum, Citizen Science Lab- DANIDA IWRM Vidya Bhawan Polytechnic, College, Udaipur

Date & Time: March 21, 2024, 11 AM to 1 PM

Venue: Vidya Bhawan Polytechnic College, Udaipur

EVENTS

- Expert Lecture by Dr. Anil Mehta, Principal, VB Polytechnic College, Udaipur
- Field Visit: Citizen Science Lab-Vidya Bhawan Polytechnic College & Surtan Bawdi

Patron

Prof. Hemant Dwivedi Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Sunita Mishra

MLSU

Department of Geography Prof. Seema Jalan DEAN, UCSSH Co-Patron

Dr. Bh.V.R. Singh, Dr. Urmi Sharma Dr. Sabiha khan, Dr. V.S. Meens

Department of Geography

Dr. D.S. Chouhan

Convener

Organizing Committee

Department of Geography

University College of Social Sciences and Humanities Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

WORLD WATER DAY, 22 MARCH

Attendance

Vanue: VB Polytechnic College, Udaipur & Surtan Bawdi

	21.03.2024 Vanue: V	Class	Signature
5.N.			Bhard
1	Bhawarg hal	Ph.D	वेन्द्रना स्नेन
2-	Vandama Saimi	Ph.D	Paizenka
3.	Priyarka	PhiD	Jour
4.	MS. PREM	ph.D	AA
5,	Umesh Kumar Jeenger	Ph.D	Un
6.	Upendra Kumer	Ph: D.	upen
7.	Grane Sharma	Ph.D	haw Shows
8	Ramesh Kumar	M.A IV	रमेरा कुमाट
q.	Acoujar Kunewass chauhern	M.A. IV	भूजा कुषर
0.	Aasti Sarangeleurot	M.A II'd	Aanti
1	Karing Sompula	MATEM	annt
2	Anju Suthas	M.A IT"	Ariju Suthas
3	-Dhany spike	M.A. I	Than
u	Sapra chundawat	M. A. Ind	Supry
5,	Dimple Soni	M.A. Ind	Dimplestoni
6	Tyoti Parteek	MA. Ind	with als
7,	Shishul chhapaowal	MA TTrol	अखेत झापश्वा
8.	hinily Teli	M.A II md.	(ARVINON)
9.	Amisha Gupta	M.A. Ind sen.	Arisha
	Sudarstang Rathore	M.A. IInd Sem.	Coly.
4	Kadamleini Rathara	M.A. The Sen.	æ.
2	Twinkle Sharima	M.A.I dem	hind
3	Kaving KANWAR	M.A. Ind sem	akaving.
14	Shaiten Singh	MA Ind Sem	Shail
15		m.A Ith sem	19605
26	Vyas Tejasmi	. MA TV Sem	Veran

27.	Christie Latta	MA. IV sem	apert
28		HATTISem.	flandikaj-
	Kiran Kanwar	MAI sem.	Kiron
	Preeti kumani Patidon	MAIP Sem	priets
31	Deepold Solayki	M.A.J. Som.	0
32	chandrepal Singh	M. AT Sem	×
	Vashwant frumor trheetik	M. AJT Som	matter
	Mansi Kanwar Kumpamat	MAIsen	Ramile
35	Jacei Singh Curren	Ph.P	Chami
36	Komal benuse chundaust	The second second second	R
-22			
			¥0.
	2 2 4 1	is since yith en	The The
		4	
			1
	6		
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
)	
		2	
-	5		

Dr. D.S. Chouhan Convener

7.1.5. Geog. a





देश की जल्मनों के लिए, देश का जपमा जिंहा 🎯 संस्थान हिन्दुम्लान जिंक

🖝 HATIONAL BUILNES RAHATIKAN - INTERUMBANI SPORTS HZI EDUCATION HEALTH JOITISH VIDEO EPIGEUM MAVIS

Malaga to Liverpool

💥 Skyscanner

from Rs3.302



खारा कुए का पानी कितना खारा

खात कुआ (तु भूपालपुरा) क्षेत्र के पानी की जांच मोहन ताल सुखाड़िया प्रतिवर्धित के भूपांत विभाग के खात छात्राओं ने घर घर जाकर की।अधिकार घरों के पानी का दी डी एस जिनके ट्यूब वेत है बढ़ा हुआ था पर आरो का दी डी एस सामान्य से बहुत कम थासिटी सत्वाई का दी डी एस पीने तायक था। कार्यक्रम का प्रारम्भ जत एन दी मेडिकत कोतज के पूर्व प्रिसिपत डा डी पी सिंह के घर से किया गया इस अवस्त पर उन्होंने कहा कि मेरे घर का पानी में न तो प्राय में न पीथे में डाल स्कता था ओर न ही मुंह में रख सकता था इतना खारा



था जिसका दी ही एस 2600 मिली खम पर लीटर था पर रूफ टॉप रेन वाटर हार्वस्टिंग करने के बाद अब पीने लायक और पेड़ पौधों में डालने लायक हो गया है। दी दी एस 456 हो मया है।जल मित्र डा पी सी जैन त्रिनके नेतृत्व में यह कार्य हो रहा है सारे समय इस अभियान में उपस्थित रहे।



विभाग के सहायक आचार्य डा विजय सिंग मीना ने इस कार्य का नेतृत्व किया। डा सीमा जातान विभाग अध्यक्ष ने आवश्यक दिया निर्देश जारी किए। जय श्री नंदवाना रिसर्व प्रोजेक्ट की ने भी इसमें सकिय भाग लिया।इस अभियान में इन छात्र छात्राओं ने आग तिया।श्रवण कुमार, संतीय पार्टीदार वर्षा खटीक, मोडतों कृष्णावत, दिव्या कुवर, गांगी श्रार्थ, उज्जवत गर्ग मीरा माली, भावना जाट, जितेन्द्र कुमार, पोगिता सिंह तजातत, प्रिया चुंठावत, प्रियंका सुंडावत, गौरब भोई, काजत जेन, आया जाट, राजेड्र

मवाडा, नरेंड साटवी, पुज कुमावत, सुनीता विराणी, रूपांच डोमली, प्रवन कुमार होर, कौलल्या व्यास,नाना लाल प्रजापत।

Water Quality Survey in Khara Kuan Area No. of Participants = 24 Date: 4-5.08.2023





Report of Scientific Research Paper Writing and Publication Workshop, 2023

(08th September, 2023) Organized by Department of Geography, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

The "Scientific Research Paper Writing and Publication" workshop was organized in the Department of Geography, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur on the 08th September, 2023. There are numerous topics covered by eminent speakers as "Misconception in Social Sciences Research" by Prof. Prof. Kaushal Kishore, "Doing field in Geography" by Dr. Manjit Singh, "Process of Publishing in an Academic Journals" by Dr. Mukesh Kumar Meena, "Mendeley for Beginners: Streamlining the Reference Management" by Dr. Lokesh Kumar Agarwal, "Navigating Scientific Writing: Challenges and Breakthroughs" by Dr. Kuldeep Sharma. This sessions and express their knowledge, exposure to the current significance of scientific research papers and publications, also it is created on the ground of ethical standards, focus on the peer-review process to contribute valuable knowledge to scientific community. It's interactive concourse ignited the inquisitiveness of participants as well as also triggered the young minds into thinking in innovative ways. The immense enthusiasm and zeal of the students and research scholars to learn is the main driving factor.

That day almost 20 online and 15 off-line participants were participated at the Department of Geography, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

Eventually, the informative and enlightening lecture culminated with group photos with distinguished guests.



Ment OF GEOMANN Ome?

भूगोल विभाग पृथ्वी विज्ञान संकाय मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर अधिष्ठापन कार्यक्रम

दिनाक 19 सितम्बर 2023 को भूगोल विभाग में नवप्रवेशित स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु अधिष्ठापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं विभागीय स्तर पर संपूर्ण प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़ी सभी जानकारियां देने हेतु व्याख्यानों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी. जार. सुधार द्वारा सरस्वती वंदना एवं उदबोधन से हुआ। इस क्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान द्वारा विभागीय प्रशासनिक व्यवस्था, CBCS प्रणाली एवं नई साष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत निर्मित नवीन पाठ्यचर्थ के बारे में एवं डॉ. डी.एस. वौहान द्वारा विभाग. महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डॉ. मंवर विश्वनेन्द्रराज सिंह द्वारा भूगोल विषय में केरियर जवरारों तथा डॉ. ऊर्मि शर्मा, सहायक आचार्य ने भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहरादुन से ऑनलाइन प्रसारित होने वाले सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

अंग्रेजी विभाग से सहायक आचार्य डॉ. कोपल वत्स द्वारा विभाग में संचालित जर्मन, फ्रासीसी एवं अंग्रेजी नाषा के सर्टिफिकेट कोर्स करने के अवसरों को विद्यार्थियों के समक्ष रखा। रेड रिवन क्लब के संयोजक एवं पुस्तकालय विज्ञान विभाग में सहायक आवार्य डॉ. पी.एस. राजपुत ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में उपलब्ध पुस्कालयों से संबंधित सभी सुविधाओं के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड के तकनीकी एडवाइजर डॉ. डी.एस. चौहान द्वारा उपलब्ध खेल-कूद



सबंधी राविधाओं, उपलब्धियों तथा जीवन ने खेल-कूद एवं योग ये महत्व पर अपना वाख्यान देत हुए छात्रों को ाधिका िक संख्या में भाग लंगे हेतु प्रेरित किया। डॉ. रहिम सिंह, सहायक आचार्य गगोविज्ञान दारा कार्यक्रम का गहत्व जनाही हुए उसमें भाग ीने की लिए विद्यार्थियों को ्रेरित जिया गया। जॉ. देवेन्द्र िहि लेखान होरा धन्यवाद जापित करने के साथ ही कार्यक्रम समाप्त हआ।

इस कार्यक्रम में 20 नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं अधिष्ठापन कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा कर बताया कि यह कार्यक्रम उनके लिए बहुत उपयोगी रहा।



भूगोल विभाग पृथ्वी विज्ञान संकाय

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का स्वागत समारोह एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का विदाई समारोह

दिनाक 17 अक्टूबर 2023 को भूगोल विभाग में स्नासकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के नवआगन्तुक विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए विवाई समारोह का आयोजन महाविद्यालय के सेमीनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विमामाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान एवं अन्य शिक्षकों द्वारा मां सरस्यती के समक्ष वीप प्रज्ज्वलन कर की। कार्यक्रम में ततीय संगेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा जहां एक और प्रथम संगेस्टर के विद्यार्थियों का मौली एवं तिलक द्वारा रवागत किया तो वहीं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उपहार देकर विदाई दी गयी। विमागध्यक्ष प्रो सीमा जा नान ने प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अपने द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए वधाईयां देते हुए कु जमनाएं प्रेषित की तो यहीं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की। चतुर्थ संगेरटर के विद्यार्थियों द्वारा भूगोल विषय से संबंधित विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी 09 परलकों विभाग के पुस्तकालय को मेंट की। कार्यक्रम में उपस्थित विभाग के शिक्षक डों देवेन्द्र सिंह वीहान एवं ओं जींगे शर्मा ने अपने उदयोधन में चतुर्ध संमेरटर के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेत एमजामनाएं दी एवं नवआगन्तुक विद्यार्थियों का विभाग में स्वागत किया। कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रकोसन् में, संबिहा खान एवं डॉ विजय सिंह मीणा भी उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा कई रांस्ट के प्रस्तुतियां नृत्य, कविता पाठ आदि की प्रस्तुतियां दी गई एवं कुछ मनोरंजनात्मक खेलों का भी अण्णेलन किया गया। प्रथम सेमेस्टर के नवआगन्तक विद्यार्थियों में से श्री शैतान सिंह को मिस्टर देशार एवं राष्ट्री कृष्णा कंवर को मिस फ़ेशर चुना गया। चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने दो वर्ष के न्नातने र कार्यक्रम एवं विभाग द्वारा आयोजित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की प्रशंसा की तथा विभाग रो बाज कुछ सीख कर जाने के अपने नाव व्यक्त किए। कार्यक्रम में कुल 59 विद्यार्थियों ने भाग लिया।





Post Event Summary Report

Event Name-Screening of NITI Aayog Webinar on 'Accelerating Progress on Sustainable Development Goals (SDGs)'

Venue- GSDEC Lecture Room

Date- 6/11/2023

The Department of Geography, MLSU, Udaipur, organized a screening of the NITI Aayog webinar on "Accelerating Progress on Sustainable Development Goals (SDGs)". The webinar was divided into three sessions. The first session was an introductory session on the SDGs and emphasized India's role in achieving them. The session reiterated that in India's success lies the world's success. The session focused on three SDGs: SDG 2 (zero hunger). SDG 3 (good health and well-being), and SDG 4 (quality examination). Speakers touched on various issues like making people with special abilities equal partners in achieving SDG goals. Reducing digital divides in the Indian population with a special focus on upskilling the Indian youth population. Though outcomes in quality education may be poor, the enrolment ratio in higher education is still constantly improving. The mission undertaken by the UP government to improve basic infrastructure by using decentralized funds in schools was applauded. India's role in ensuring food security with the PM's LIFE initiative and emphasis on millets, which need less water and are more climate-supportive. India's role as the pharmacy of the world is to ensure a healthy world, and the world believes that India can turn targets into reality. The role of AYUSH in implementing SDG goals and improving preventive care can have positive effects on meeting the targets. Speakers raised concerns regarding the non-availability of continuous and comprehensive data. Overall, it was a very informative and insightful lecture. All the listeners appreciated this event.

EFARTMENT OF GEOGRAPHI

7.1.5. Geog. f



DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

Faculty of Earth Sciences Mohanlal Sukhadia University, Udaipur- 313001

Head

No.MLSU/Geog./Tour/2024/4119

Date-16.01.2024

सूचना

भूगोल विभाग द्वारा एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों के लिए दिनांक 27 से 30 जनवरी, 2024 तक गुजरात राज्य में Statue of Unity, दीव द्वीप, सोमनाथ आदि स्थानों पर शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक विद्यार्थी / शोधार्थी दिनांक 19.01.2024 तक डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान को अपना नाम मय अभिभावक सहमति पत्र आवश्यक रूप से जमा करवाएँ।

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

RTMENT OF GEOMEN S.H. M.L. SUKHADIA UNIV UDALPUR (Rajentin



DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

Faculty of Earth Sciences Mohanlal Sukhadia University, Udaipur- 313001

Head

No.MLSU/Geog./2024/ 412.9

Date-25.01.2024

Certified that this group comprises students, scholars and faculty members of Department of Geography, Mohan Lal Sukhadia University, Udaipur, Rajasthan.

This is an educational tour being officially conducted of M.A. I & III Semester (Geography) students and scholars with due approval of competent authorities.

List of Staff:

- 1. Dr. Devendra Singh Chouhan, Convener, Assistant Professor
- 2. Dr. Urmi Sharma, Member, Assistant Professor

List of Students:

S.No.	Name	Class
1	Aarti Sarangdewot	M.A. I Semester
2	Amisha Gupta	M.A. I Semester
3	Anshul Chaparwal	M.A. I Semester
4	Chandrapal Singh Chouhan	M.A. I Semester
5	Dimple Soni	M.A. I Semester
6	Jyoti Pareek	M.A. I Semester
7	Komal Chundawat	M.A. I Semester
8	Krishna Kunwar	M.A. I Semester
9	Preeti Patidar	M.A. I Semester
10	Sanwarlal Prajapat	M.A. I Semester
11	Shaitan Singh	M.A. I Semester
12	Gotam Lal Meena	M.A. III Semester
13	Jayshree Sahu	M.A. III Semester
14	Ramaram	M.A. III Semester
15	Ramesh Kumar	M.A. III Semester
16	Ravi Bhorayat	M.A. III Semester
17	Sakshi Mishra	M.A. III Semester
18	Suman Teli	M.A. III Semester
19	Anubhav Singh	Research Scholar
20	Bhanwar Lal	Research Scholar
21	Garv Sharma	Research Scholar
22	Barkha Khandelwal	Research Scholar
23	Khushbu Kulhari	Research Scholar
24	Vijay Kumar	Research Scholar
25	Rajesh Yadav	Guest Faculty

GEOO SAR H. M.L. SUKHADIA UNIV UDAIPUR (UDAIPUR (Raianthan

भूगोल विभाग पृथ्वी विज्ञान संकाय मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

शैक्षणिक भ्रमण-गुजरात राज्य में Statue of Unity, दीव द्वीप एवं सोमनाथ

दिनांक 27-30 जनवरी 2024 को भूगोल विभाग में एम. ए. प्रथम एवं तृतीय रोमेस्टर तथा शोधार्थियों के लिए गुजरात राज्य में स्थित Statue of Unity, फूलों की घाटी, सरवार सरोवर बांध, सरवार वल्लभगई पटेल जैविक उद्यान, दीव हीप पर दीव का किला, सेंट पॉल चर्च, गंगेश्वर महादेव मंदिर, आईएनएस खुकरी मेगोरियल, नागोआ बीच, गोधला बीच एवं सोमनाथ आदि स्थानों पर चार दिवसीय शैक्षणिक झमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने सरवार वल्लभगाई पटेल के आजादी के बाद मारत के एकीकरण में रही अहम भूमिका को समझा साथ ही विभिन्न प्रकार के फुलों एवं सरवार वल्लमगाई पटेल जैविक उद्यान में विभिन्न जीवों एवं उनके जीवन के बारे में जानने का अवसर मिला। पास ही स्थित सरदार सरोवर बांध का भ्रमण कर बांध निर्माण संबंधी कार्यप्रणाली को समझा। दीव द्वीप पर महासागर, सागर, खाडी, जवार–माटा, समुद्री लहरों एवं उनसे निर्मित अपरदनात्मक एवं निक्षेपात्मक स्थलाकृतियों जैसे बीच, खांच गुफा, क्लिफ, रुटेक, लघु निवेशिका, अंडाकार कटान आदि को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर प्रान्त हुआ। साथ ही दीव द्वीप पर दीव का ऐतिहासिक किला (1535–1541 AD), गंगेश्वर महादेव मंदिर, सेंट पॉल चर्च आदि ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का अवलोकन कर इनका महत्व समझा। भारत के 12 आदि ज्योर्तिलिंग में से प्रथम सोमनाथ ज्योर्तिलिंग के दर्शन का अवसर भी प्राप्त हुआ जो कि अत्यंत प्राचीन एवं ऐतिहासिक शिव मंदिर है।

इस अमण में विद्यार्थियों ने भारत के एकीकरण में सरदार वल्लममाई पटेल का योगदान, वनस्पति एवं वन्यजीव, बांध निर्माण - एवं उसकी कार्यप्रणाली, पर्यावरण, पारिस्थितिक तटीय तंत्र, महासागर, सागर, ज्वार-भाटा, खाडी. लहरों की समुद्री कार्यप्रणाली एवं उससे निर्मित स्थलाकृतियां, दुर्ग एवं उनकी महत्ता आदि का प्रत्यक्ष अवलोकन कर उन्हे



MENT OF GEOMER

UDAIPLIN (Raissthat

समझने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। यह अगण भूगोल के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुआ। इस अमण में सहायक आचार्य डॉ. डी.एस. चौहान, समन्वयक एवं डॉ. उमिं शर्मा तथा विभाग के शोधार्थी, एम. ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के कुल 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया।



भूगोल विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर पतिवेदन

भूगोल विभाग मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर में केन्द्र सरकार के द्वारा संचालित किया जा रहा मतदान / मतदाता जागरूकता अभियान ''मेरा पहला वोट – देश के लिए'' कार्यक्रम अभियान के तहत भूगोल विभाग में दिनांक 7 मार्च 2024 को एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।



इस प्रतियोगिता में विभाग के स्नातकोत्तर स्तर के 36 विद्याथियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने उपरोक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन से विद्यार्थियों में मतदान के प्रति जागरूकता का संचार हुआ तथा इनके द्वारा अपने परिवार, पड़ोस, मित्र एवं रिश्तेदारों में मतदान के महत्व को प्रवार/प्रसार करने प्रण लिया गया।

(Or. V.1. meens)

Jeemala

Campaign Mera Pehla Vote - Desh Ke Liye.

.No.	Name of the Participant	Signature
1		
2	Acuch Saxangdeurat	Aanti
3	Aasha Baranda	Ashen Aldanshy
4	Akonsha Pareak	Amisha
4	Amisha Buhara	Arishg
5	Amisha Grupta	2077 21212
7	Anju Buthar	TTOTAL GITCHERICH
	Anshal chhappanual	Chandrapal Singh
8	Chandrapal Sirgh	
9	Deepole Solanki	-5199-001
10	Dhannish Ka	Figure and
11	Dimple Singh	Dimplestoni
12	DIMPLESONI	DIRUT JON
13	(AIRITA KUMARI TELI	wille "tills
14	Jyphi Parcek	Padarbini
15	hadambini Rathace	La
16	Kaned Singh	karpin
17	KAPTI VATSHIVAN	leaving
18 19	KAVINA KANWAR	Kavida
20	Kavida Meghwall	kined.
20	Kiran Kanwar	()
21	Konnal Kamuras chundagoat	-07
22	Kenishna Kanabas	10 ·
24	Mansi kanwae kumpoweat	Bernill
25	Mitisha Damos	Nitisha
26	Payal Sisodiya	Pyd 31. 30di yg
27	Praksly Choudbary	Brakshi
28		Prech'
29	Preeti kumani fatielan	Tocort
30	2 10 1	de
	Samuar hat Brajapat	0
31 32	Shaiton Singh Sisadiya	Drate

33	shirani sen	Shivani
34	Sudaushana Rothour	Bust
35	Twinkle Sharma	Tuesde
36	Vinita Dargi	विनीता
37	VASHWANT KUMARKHATIK	Germus
38		0
39		
40		

(2) 2.5.24 (DT.V.S. Meeurs)

भूगोल विभाग पृथ्वी विज्ञान संकाय मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, जदयपुर

विश्व जल चिंचरा, 22 गार्च 2024

दिनाव २१ मार्च 2024 को भूगोल विभाग, गोएनलाल मुखाडिया विश्वविद्यालय तथा जवयपुर वाटर कॉरम, लिटिजन साइस लेव-DANIDA IWRM, विधामवन पोलिटेकिक कॉलेज, उदयपुर तत्याकवान में विश्व लल दिवस मनाया गया जिसमें Water for Peace विभव पर प्रसिद्ध संरक्षक ढॉ. अनिल मेहता द्वारा एक व्याख्यान एवं संबाद सन्न तथा सुरतान बावजी के धमण का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विमाम के ऊ स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने हिरसा लिया। व्याख्यान के माध्यम से ढॉ. अनिल मेहता न वर्तमान में जल के लिए विश्व शांति की अपील करते हुए जल सरक्षण के महत्व पर जोर दिया। मारतीय संस्कृति तथा सभी धर्मों में जल के पूजनीय होने एवं जल के प्रति मानव के वर्तमान आर्थिक दृष्टिकोण में बदलाव लाने की बात कही। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान ने दिन-प्रतिदिन के कार्यों में जल सरक्षण को अपनी देनिक जीवनवर्या बनाने संबंधी अपने विधार व्यक्त किए। इस व्याख्यान में विभाग के सहायक आवार्य डॉ. समिं शर्म डॉ. सबिहा खान एवं डॉ. वी.एस भीणा भी जपस्थित रहे।

विद्यानवन पॉलिटेविनक कॉलेज, उदयपुर में आयोजित इस व्याख्यान एवं संवाद सत्र के बाद समी विद्यार्थी प्रसिद्ध सुरतान (सुल्तान) बावडी प्रमण हेतु गए। लगभग तीन सौ वर्ष पूरानी इस बावडी का जिक्र प्रधाननंत्री नरेन्द्र मोदी 'मन की बात' में भी कर चुके हैं। श्री सुनील लढा के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं ने मिलकर इस बावडी में सफाई अभियान चलाया जिससे इसका कायापलट हो गया। सुश्री योगिता ने इस बावडी के जल का सेंपल लेकर फिल्ड वाटर टेस्टिंग फिट के जरिये विद्यार्थियों को जल के विभिन्न पेरामीटर टेस्ट करना सिखाया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने जल से जुडें हुए कई आयामों पर ज्ञान प्राप्त किया जिससे उनमें जल के प्रति सकारात्मक सोच एवं जागरूकता का विकास हुआ। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उत्वंत डपयोगी साबित हुआ। कार्यक्रम का संयोजन सहायक आचार्य डॉ. डी.एस. चौहान ने किया।



DEPARTMENT OF GEOGRAPHY



Faculty of Earth Sciences Mohanlal Sukhadia University, Udaipur- 313001

Head

दिनांकः 08.02.2024

सूचना

एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के अभिभावकों का विभागीय रनातकोत्तर पाठ्यक्रम पर अभिमत जानने हेतु दिनांक 13 फरवरी 2024 को दोपहर 02 बजे शिक्षक—अभिभावक बैठक का आयोजन (ऑनलाईन) किया जाना प्रस्तावित है। इस बैठक में वर्तमान पाठ्यक्रम एवं उसकी सार्थकता, विद्यार्थियों की समस्याओं आदि पर चर्चा की जानी है। समस्त अभिभावकों से निवेदन है कि इस बैठक में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर अपने बहुमूल्य सुझाव देवें। ऑनलाईन बैठक में जुड़ने हेतु लिंक दिनांक 13 फरवरी 2024 को प्रातः भेज दिया जाएगा।

धन्यवाद।

DEPARTMENT OF GEOGRAPHI LO.S. M.L. SUKHADIA UNIVERSIT UDAIPUR (Rejesthen)

भूगोल विभाग पृथ्वी विज्ञान संकाय मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

शिक्षक–अभिभावक समिति बैठक

आज दिनांक 13.02.2024 को भूगोल विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा विभाग स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों से ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। उक्त मीटींग में 30 विद्यार्थियों के अभिभावकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान द्वारा अभिभावकों के स्वागत उद्बोधन एवं विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर आयोजित गतिविधियों गतिविधियों का परिचय देकर की गयी। तत्पश्चात् शिक्षक–अभिभावक समिति के सचिव डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान ने पिछली बैठक में अभिभावकों द्वारा दिए गए सुझावों पर विभाग द्वारा किए गए कार्यों एवं उनसे प्राप्त परिणामों का विवरण अभिभावकों को बताया। शिक्षक-अभिभावक समिति के सदस्यों श्रीमती सुचित्रा सोनी, डॉ. कमलेश कुमार मिश्रा, श्री पुरूषोत्तम नागर, श्रीमती मंजु मीणा, श्री भवानी सिंह, श्री सुरेन्द्र सिंह राठौड़, श्री श्रीनाथ गुप्ता, श्रीमती मीनाक्षी भाटी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए एवं अपने बहुमूल्य सुझाव दिए जिसमें शोध कर भूगोल विषय आधारित सम्मेलनों में विद्यार्थियों को सहभागिता के लिए प्रेरित करना एवं नेट सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने में विद्यार्थियों की मदद करना, शैक्षिक भ्रमण का आयोजन करना आदि प्रमुख हैं। अन्य अभिभावकों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। अभिभावकों ने विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतिदिन चलने वाली अध्ययन-अध्यापन गतिविधियों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. भंवर विश्वेन्द्रराज सिंह, डॉ. सबिहा खान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अंत में कार्यक्रम संयोजक एवं शिक्षक–अभिभावक समिति के सचिव डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर ने अभिभावकों द्वारा दिए गए सभी सुझावों पर कार्य करने का आश्वासन देते हुए सभी अभिभावकों को बैठक में हिस्सा लेने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।



NENT OF GEOGRAPEY M.L. SUKHADIA UNIVERSI UDAIPLIR (Raiasth



डॉ. डी.एस. चौहान

भूगोल विभाग पृथ्वी विज्ञान संकाय मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों का विभाग भ्रमण एवं अन्तःक्रिया

दिनांक 06 फरवरी 2024 को भूगोल विभाग में पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा 12 के 56 विद्यार्थियों ने शिक्षकों श्री सूर्यकांत काले, श्री दिनेश कुमार पटेल एवं श्रीमती मोनी गोयल के नेतृत्व में शैक्षणिक भ्रमण के तहत विभाग का दौरा किया। उक्त विद्यार्थी 'आजादी का अमृत महोत्व' के तहत मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान भूगोल विभाग को देखने, विभाग के शिक्षकों से अन्तःक्रिया करने तथा भूगोल विषय में भविष्य के लिए मार्गदर्शन हेतु उपस्थित हुए थे। विद्यार्थियों के विभाग में पहुंचने पर कार्यकारी विभागाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान ने सबका स्वागत किया।

समस्त विद्यार्थी मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन एवं विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय को देखते हुए विभाग में उपस्थित हुए। सभी विद्यार्थियों को संपूर्ण विभाग जीआईएस लेब, पुस्तकालय, लेबोरेट्री एवं समस्त सर्वे उपकरण, लेक्चर थिएटर, स्मार्ट कक्ष, नवनिर्मित भूगोल भवन आदि का भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. उर्मि शर्मा, डॉ. सबीहा खान एवं डॉ. विजय सिंह मीणा ने विद्यार्थियों को विभाग की कार्यप्रणाली, प्रवेश प्रक्रिया, जीआईएस लेब, सर्वे उपकरणों का उपयोग एवं उनकी कार्यप्रणाली, भूगोल विषय का महत्व एवं भूगोल में भविष्य के बारे में विस्तार से जानकारियां प्रदान की। सभी विद्यार्थियों को कक्षा 12 की पढ़ाई पूर्ण करने के उपरांत मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से उच्च अध्ययन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। सभी विद्यार्थीयों ने विभाग के बारे मे जानने के बाद इस विश्वविद्यालय एवं भूगोल विभाग से उच्च अध्ययन करने की इच्छा प्रकट की तथा भ्रमण की सुविधा मुहैया करवाने के लिए विभाग एवं विश्वविद्यालय को धन्यवाद ज्ञापित किया। विभाग के भ्रमण करने के बाद सभी विद्यार्थी उत्साहित एवं प्रसन्न थे तथा विभाग की भूरी–भूरी प्रशंसा की ।



रि.2.24 AD HEAD NENT OF GEOGRA M.L SUKHADIA UNIV UDAIPUR (Rejesthen



पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय <u>PM SHRI School JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA</u>

ठाकरडा,जिला :डूँगरपुर (राजस्थान) पिन कोड- 314029 Thakarda, Distt.: Dungarpur (Raj.) Pin Code -314029 रिक्षा मंत्रालय, विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षपता विभाग का एक स्वायत्त संस्थान An Autonomous Organization of Education Ministry. Department of School Education & Literacy



भारत सरकार / GOVT. OF INDIA Web Site :<u>https://www.navodaya.gov.in/nvs/nvs-school/DUNGARPUR/en/home/</u> Affiliation No. 1740008 Emeil: <u>invdungarpur314029@gmail.com</u> School Code :14065

F.No/JNV-THAKARDA/2023-24/ 1005

Date: 05.02.2024

To.

The Head Department of Geography University College of Social Science & Humanities MLSU Udaipur, Rajasthan

Sub: Request to permit to visit MLSU for student of PM SHRI School JNV Dungarpur-Regarding.

Respected Madam/Sir,

With reference to the subject cited above, this is to bring to your kind notice that the 34 students of class 12th and 22 sudents of migration are eagerly awaited to visit MLSU campus of this vidyalaya on 06.02.2024.

It is therefore requested to your good self that the permission to vist your esteemed and prestigious institute on 06.02.2024 for students with escorts teachers so that they may be motivated and to join MLSU in near future and oblige.

With regards,

Encls: List of Students and Escorts.

Your faithfully 05/02/ Principal

Copy to:

- 1. The District Collector, Dungarpur cum Chairman Vidyalaya Management Committee, JNV Thakarda for kind information, please.
- 2. The Deputy Commissioner, NVS, RO, Jaipur for information, please.

Principal

JNV THAKAI

Allowed Ser 2.24

भूगोल विभाग पृथ्वी विज्ञान संकाय मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का स्वागत समारोह एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का विदाई समारोह

दिनांक 17 अक्टुबर 2023 को भूगोल विभाग में स्नांतकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के नवआगन्तुक विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन महाविद्यालय के सेमीनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान एवं अन्य शिक्षकों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर की। कार्यक्रम में तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा जहां एक और प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का मोली एवं तिलक द्वारा स्वागत किया तो वहीं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उपहार देकर विदाई दी गयी। विभागाध्यक्ष प्रो सीमा जालान ने प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अपने द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए बधाईयां देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की तो वहीं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की। चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा भूगोल विषय से संबंधित विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी 09 पुरतकें विभाग के पुस्तकालय को भेंट की। कार्यक्रम में उपस्थित विभाग के शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान एवं डॉ. उर्मि शर्मा ने अपने उद्बोधन में चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी एवं नवआगन्तुक विद्यार्थियों का विभाग में स्वागत किया। कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सबिहा खान एवं डॉ. विजय सिंह मीणा भी उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नृत्य, कविता पाठ आदि की प्रस्तुतियां दी गई एवं कुछ मनोरंजनात्मक खेलों का भी आयोजन किया गया। प्रथम सेमेस्टर के नवआगन्तुक विद्यार्थियों में से श्री शैतान सिंह को मिस्टर फ्रेशर एवं सुश्री कृष्णा कंवर को मिस फ्रेशर चुना गया। चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने दो वर्ष के स्नातकोत्तर कार्यक्रम एवं विभाग द्वारा आयोजित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की प्रशंसा की तथा विभाग से बहुत कुछ सीख कर जाने के अपने भाव व्यक्त किए। कार्यक्रम में कुल 59 विद्यार्थियों ने भाग लिया।



विभागाध्यक्ष

BEPARTMENT OF GEDERA H.M

भूगोल विभाग पृथ्वी विज्ञान संकाय मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर अधिष्ठापन कार्यक्रम

दिनांक 19 सितम्बर 2023 को भूगोल विभाग में नवप्रवेशित स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु अधिष्ठापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं विभागीय स्तर पर संपूर्ण प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़ी सभी जानकारियां देने हेतु व्याख्यानों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी. आर. सुथार द्वारा सरस्वती वंदना एवं उद्बोधन से हुआ। इस क्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान द्वारा विभागीय प्रशासनिक व्यवस्था, CBCS प्रणाली एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत निर्मित नवीन पाठ्यचर्या के बारे में एवं डॉ. डी.एस. चौहान द्वारा विभाग, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डॉ. भंवर विश्वेन्द्रराज सिंह द्वारा भूगोल विषय में केरियर अवसरों तथा डॉ. ऊर्मि शर्मा, सहायक आचार्य ने भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहरादुन से ऑनलाइन प्रसारित होने वाले सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

अंग्रेजी विभाग से सहायक आचार्य डॉ. कोपल वत्स द्वारा विभाग में संचालित जर्मन, फ्रांसीसी एवं अंग्रेजी भाषा के सर्टिफिकेट कोर्स करने के अवसरों को विद्यार्थियों के समक्ष रखा। रेड रिबन क्लब के संयोजक एवं पुस्तकालय विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. पी.एस. राजपुत ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में उपलब्ध पुस्कालयों से संबंधित सभी सुविधाओं के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड के तकनीकी एडवाइजर डॉ. डी.एस. चौहान द्वारा उपलब्ध खेल–कूद



संबंधी सुविधाओं, उपलब्धियों तथा जीवन में खेल-कृद एवं योग के महत्व पर अपना व्याख्यान देते हुए छात्रों को अधिकाधिक संख्या में भाग लेने हेतू प्रेरित किया। डॉ. रश्मि सिंह, सहायक आचार्य मनोविज्ञान विभाग द्वारा कार्यक्रम एनएसएस का महत्व बताते हुए उसमें भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ ही कार्यक्रम समाप्त हुआ।

इस कार्यक्रम में 20 नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं अधिष्ठापन कार्यक्रम की भूरी–भूरी प्रशंसा कर बताया कि यह कार्यक्रम उनके लिए बहुत उपयोगी रहा।

विभागाध्य GEOC

Tel: 0294-2470958, Fax: 0294-2470209



UNIVERSITY COLLEGE OF LAW

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY UDAIPUR-313001

No. F. Sports/Law/MLSU/2023-24/ 8/6

Dt. 05/11/2023

The Dean / Director /Principal All Constitute and Affiliated College, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Rai.)

Sub: Inter-Collegiate Athletics (M/W) Tournaments 2023-24.

Dear Sir/Madam,

With reference to the subject above-cited, it gives me pleasure to inform you that the University Sports Board, Mohanlal Sukhadia University Udaipur has entrusted us to organize following sports event for the inter-collegiate tournaments.

S. No.	Sports Event	Date of Tournament	Venue	Last Date of Receiving Detailed Entries	Manager Meeting
1.	Athletics (M/W)	29-11-2023 to 02-12-2023	M.B. Sports Complex, MLSU, Udaipur	24-11-2023	29-11-2023, 4.00 PM

Dr. Bheem Raj Patel, Assistant Director Physical Education, Univ. College of Law, MLSU, Udaipur will be the organizing secretary for the above mentioned tournaments. Please be in touch with him for further detail (Mobile: 9414474185)

The meeting of the managers of the tournament will be held at Secretary Office Univ. Sports Board, MLSU, Udaipur on time and date as mentioned above.

Eligibility for the participation inter collegiate tournament.

- 1. Please bring dully filled and signed eligibility proforma in triplicate.
- 2. Photo identification form for each member of participating team is essential.
- 3. Without manager the team will not be permitted to participate in Inter-Collegiate tournament.
- The participating Team/Player should be in appropriate kit for inter collegiate tournament event. 4.
- 5. It will be the responsibility of the team manager or the institutional head to ensure the team members to favour the discipline as well as the rules and regulations of journeys lodging boarding etc.
- During the tournament, for any disputes, protest fee of Rs. 500/- should be paid with a written application in 6. which brief description of the dispute should be mentioned. The decision of the protest committee will be final.
- 7. Lodging Arrangement will be made by the team themselves, however lodging charges of maximum Rs. 300/- per day per team will be paid by the constituents host college of Mohanlal Sukhadia University, Udaipur.
- 9. Officiating Charging Rs. 1000/- per team (M/W Separately).
- For all above tournament it is compulsory to bring the mark-sheets of 10th Class, 12th Class and the last passing 8. examination.
- 9. The org/secretary reserves the right to make changes in the schedule of the Events if required necessary. Looking forward for you kind co-operation for making the tournament success.

Yours faithfully,

CONSERVICE OF LAN CONSERVICE OF LAN HANL RESOLUTION OF A UNIVER

WIT AND RESIDE Vice-Chancellor, MLSU, Udaipur for his information

- 3. The Chairman/In-charge Sports board, MLSU, Udaipur

4 Guard File

EGE OF LAW MOHANILAL SUKHADIA UNIVERSITY



INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY UDAIPUR (Raj.)-313001

Date: 4th June, 2023

A report on Cycling Marathon

On the occasion of World Environment Day and World Bicycle Day, the students of IET, MLSU took part in a cyclothon, organised at the Fatesh Sagar Pal, Udaipur this Sunday evening at 6 PM. The cyclothon was organised as an activity of BIS standard club to make people aware about the importance of clean and pure atmosphere, along with health benefits of cycling. The students showed so much enthusiasm took active participation in the activity. This cyclothon was organised & well executed by students under the mentorship or BIS faculty mentor Er. Prafull Kothari. After the cyclothon the students and sir gave intel about the activity to the media person who covered the activity. Refreshments were provided to the students after the commencement of the cyclothon. Total 46 students participated in the same.



सुविविः इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग

सुविवि के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉर्जी में भारतीय मानक व्यूरो के चार्टेड क्लब के तहत फतहसागर पर बल्ड एनवायरमेंट डे पर साइकिलिंग का आयोजन किया गया। कॉलेज के निदेशक प्रो. बीएल आहुजा ने बताया कि साइकलिंग न केवल मनुष्य को अपितु पर्यावरण को भी स्वस्थ रखने में अव्वल है। आईईटी में कार्यरत एनवायरनमेंटल इंजीनियर एवं क्लब के फैकल्टी मेंटर इंजीनियर प्रफुल्ल कोठारी ने बताया कि कुल 50 छात्रों ने भाग लेकर झील किनारे 7.0 किलोमीटर का सफर तय किया।



Report: World Water Day Celebration

Date: March 22, 2024

Location: Gangaur Ghat, Udaipur



Introduction:

The Department of Economics & the NSS, Unit 3 of UCSSH, MLSU, Udaipur celebrated World Water Day with fervor and dedication on March 22, 2024, at Gangaur Ghat, Udaipur. The event aimed to raise awareness about the importance of water conservation and promote sustainable water management practices among the community.

Event Highlights:

Decoration and Cultural Elements: Gangaur Ghat was adorned with intricate rangoli designs and colorful flowers, creating a vibrant atmosphere for the celebration. The cultural richness of the event was enhanced by the traditional attire worn by two girls, adding a local flavor to the proceedings.

- **Pooja Ceremony**: The celebration commenced with a pooja ceremony, symbolizing reverence for water as a sacred element in Hindu culture. Volunteers performed rituals such as making swastik symbols, lighting oil lamps (deepaks), and offering flowers, invoking blessings for water conservation efforts.
- **Oath Taking:** A significant moment of the event was when 42 NSS volunteers took a solemn oath to prioritize water conservation and use water judiciously in their daily lives. This pledge underscored the NSS unit's commitment to environmental stewardship and sustainable practices.
- **Cultural Performances:** NSS volunteers showcased their talents through group songs that highlighted the themes of water conservation and environmental awareness. These performances served as engaging and educational tools to disseminate the message of water conservation to the audience.
- **Rally:** The celebration culminated in a rally organized from Gangaur Ghat to Jagdish Temple, symbolizing a collective call to action for water conservation and environmental protection. The rally served as a public demonstration of the NSS unit's dedication to advocating for sustainable practices and fostering community engagement.

Conclusion:

The World Water Day celebration at Gangaur Ghat was a resounding success, thanks to the active participation and dedication of NSS volunteers. Through a blend of cultural festivities, educational activities, and public outreach efforts, the event effectively raised awareness about the importance of water conservation and inspired positive action within the community.

The NSS unit remains committed to promoting sustainable water management practices and looks forward to organizing similar initiatives in the future to contribute towards a water-secure future for all.

Panel Discussion Report: Analysis of the Interim Union Budget 2024-25

Date: February 10th, 2024

Time: 11:30 AM

Venue: Smart Room, Department of Economics



Panel of Experts:

Prof. Bhagwati Prakash Sharma, Chairman UNESCO MGIEP, Ex. Vice-Chancellor, Gautam Budha University, Noida

Prof. Ashok Soni, Department of Economics, M. G. College, Udaipur

Dr. Balu Dan Barahth, Associate Professor, CUG, Gandhinagar

Introduction:

The Department of Economics at Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, organized a panel discussion to analyse the Union Budget 2024-25. The event aimed to provide insights into the economic policies proposed in the budget and their implications. Prof. Digvijay Bhatnagar presided over the panel discussion, with esteemed guests, scholars, and students from various departments in attendance.

Welcome Address:

Dr. Vinita Rajpurohit, Incharge-Head, Department of Economics, extended a warm welcome to all the guests. The panellist were welcomed with mementos, uparnas, and shawls, signifying our gratitude for their participation and expertise.

Keynote Speeches:

Prof. Bhagwati Prakash Sharma:

Prof. Sharma highlighted the macroeconomic implications of the budget and its alignment with national development goals. His key insights included:

Fiscal Policies and Development:

- Prof. Sharma highlighted the role of a high fiscal deficit and transitional velocity of money in contributing to development, citing examples like Korea's developmental phase.
- Comparisons were made with countries like Korea, where maintaining a fiscal deficit of 6.5% led to increased construction activities and infrastructural development.

Taxation and GDP Ratio Enhancement:

- Prof. Sharma suggested strategies for enhancing the tax GDP ratio, including increasing indirect taxes and research and development expenditures.
- He stressed the need to raise the tax GDP ratio from 0.7% to 2-3% to fulfil India's development aspirations and combat multidimensional poverty effectively.

Focus Areas for Development:

- The panel discussed the importance of prioritizing irrigation to boost agricultural productivity and position India as a global food power.
- It was noted that India's contribution to world manufacturing is relatively low (3.3%), indicating the need for efforts to increase this percentage.

Budget Deficit Management:

- Prof. Sharma identified subsidies and interest payments as major contributors to the budget deficit.
- Subsidies were suggested to be reduced as a measure to manage the deficit efficiently, highlighting the importance of fiscal management to prevent a "Ponzi collapse syndrome."

Prof. Bhagwati Prakash Sharma's insights provided valuable perspectives on fiscal policies, taxation, focus areas for development, and budget deficit management, crucial for India's economic growth and development aspirations.

Prof. Ashok Soni:

Professor Ashok Soni provided a comprehensive analysis of the Union Budget 2024-25, focusing on its impact on various sectors of the economy, particularly emphasizing its implications for education and skill development. Here are the key points highlighted by Prof. Soni during the panel discussion:

- **Fulfilling Government's Vision:** Prof. Soni emphasized the importance of the interim budget in fulfilling the government's vision of "Sabka Saath, Sabka Vikas, Sabka Vishwas." He underscored the significance of budgetary provisions aimed at fostering innovation in higher education, which are beneficial for society as a whole.
- **Balanced Fiscal Management:** Prof. Soni pointed out the dual objectives of the government: managing fiscal deficits while meeting the aspirations of the people. He commended the finance minister's skill in balancing the government's fiscal deficit while striving to fulfil public aspirations.
- **Symbol of Government's Commitment:** Prof. Soni viewed the government's ability to manage fiscal deficits as a symbol of its commitment to fulfilling India's aspirations. He suggested utilizing this commitment effectively to realize the government's vision.

Prof. Ashok Soni's insights shed light on the importance of balanced fiscal management and the government's commitment to fulfilling societal aspirations. His analysis provided valuable perspectives on how the Union Budget 2024-25 addresses the needs of various sectors, particularly in education and skill development, contributing to India's overall socio-economic development.

Dr. Balu Dan Barahth:

Dr. Barahth discussed the budget's provisions related to environmental sustainability and inclusive growth. His key findings included:

Constitutional Provisions and Women's Welfare:

- Dr. Barahth highlighted changes in constitutional provisions related to the budget and discussed specific budgetary provisions aimed at promoting the welfare of women.
- He emphasized India's commitment to gender equality in society and government, noting the provision of political and social rights for women since its inception.

Economic Empowerment of Women:

- The discussion emphasized the importance of economic empowerment for women and their mainstream inclusion in the economy.
- Dr. Barahth highlighted special provisions in the interim budget aimed at women's economic empowerment, such as offering a 7.5% interest rate on their savings and launching vaccination plans for young girls to combat cervical cancer.

Government Initiatives:

- Dr. Barahth highlighted the impact of government initiatives such as the Ujjwala scheme, benefiting over 100 million women, and the Lakhpatti Didi scheme, aiming to establish 3 million women as Lakhpatti Didis.
- These schemes were noted for their focus on women's economic empowerment, along with environmental and health benefits.

Infrastructure Development:

- The discussion also focused on the Prime Minister's emphasis on infrastructure development, particularly the expansion of rail and road networks.
- Dr. Barahth highlighted the government's goal of developing both basic amenities and personal development, with the aim of achieving a developed India by 2024.

Dr. Balu Dan Barahth's budget discussion provided valuable insights into India's budgetary provisions and their implications for women's welfare, economic empowerment, and infrastructure development. His analysis underscored the government's commitment to achieving inclusive growth and development for all sections of society, with a particular focus on women's empowerment and infrastructure enhancement.

Interactive Session:

The audience engaged in a lively interactive session with the panellists, raising questions and sharing insights, enriching the discussion further.

Vote of Thanks:

Dr. Neha Paliwal, Assistant Professor, Department of Economics, extended heartfelt thanks to the panellists and the audience for their valuable contributions and active participation.

Conclusion:

The panel discussion provided a comprehensive understanding of the Union Budget 2024-25 and its implications for various stakeholders. It served as a platform for meaningful dialogue and exchange of ideas, contributing to informed policy debates in the field of economics.



अर्थशास्त्र विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

विशिष्ट व्याख्यान

संपूर्ण रोजगारयुक्त भारत चुनौतियां एवं संभावनाएं

सोमवार, दिनांक: 16 अक्टूबर 2023



मुख्य अतिथि डॉ. बालू दान बारहठ सह-आचार्य केंद्रीय विश्वविद्यालय, ग्जरात



मुख्य वक्ता डॉ. सतीश कुमार आचार्य प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय, पीपलखूंट, प्रतापनगर

समय: प्रातः 12 बजे

स्थान: स्मार्ट रूम, अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. विनीता राजपुरोहित सहायक आचार्य, अर्थशास्र विभाग

आयोजन सचिव

डॉ. दीपा सोनी सहायक आचार्य. अर्थशास विभाग

विभागाध्यक्ष

डॉ. मुकेश मीणा सहायक आचार्य, अर्थशास्र विभाग

डॉ. अनीता जोया सहायक आचार्य, अर्थशास्र विभाग

डॉ. नेहा पालीवाल सहायक आचार्य, अर्थशास्र विभाग
भारत की मूल पहचान सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रही है जिसमे आर्थिक-भौतिक प्रगति भी अंतर्निहित है। भारतीय जान सम्पदा की यह सर्वसमावेशिता हमें आश्वस्त करती है कि सन 2047 में जब हम स्वाधीनता का शताब्दी उत्सव मना रहे होंगे तब हम न केवल भौतिक दृष्टि से विकसित राष्ट्र के रूप में उभरेंगे अपितु विश्व मानवता को दिशा देने के उत्तरभार का भी निर्वहन करेंगे। ऐसे विकसित एवं नेतृत्वशील भारत के निर्माण व विकास में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा संकलित पंच प्राणों की उपादेयता निश्चित ही रहने वाली है। वास्तव में गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता व नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्य पालन के पंच प्राण विकसित भारत के निर्माण के सूत्र वाक्य है।

अपने गौरवशाली इतिहास, विलक्षण सांस्कृतिक परम्पराओं, पुरुषार्थी संतों, जनजातीय मान्यताओं की विशिष्ट भौगोलिक संरचनाओं से युक्त जनजाति बहूल क्षेत्र दक्षिण राजस्थान जो जनमानस में मेवाइ-वागइ के रूप में ख्यात है, भारत के स्वाधीनता संघर्ष की प्रेरक भूमि रही है। बप्पा रावल, महाराणा प्रताप, पन्नाधाय, मीरा बाई, कल्लाजी राठौर, मावजी महाराज, गोविन्द गुरु, राणा पूंजा, कालीबाई व केसरी सिंह बारहठ इत्यादि का इतिहास रोमांचित, आकर्षित तथा प्रेरित करने वाला रहा है। ऐसे में इस पर चिंतन करना बहुत प्रासंगिक होगा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने हेत् इस क्षेत्र में किस तरह का मॉडल प्रभावी होगा? हम किस तरह प्रकृति और संस्कृति में अनुकूलन बनाए रखे, किस तरह की नीतियों से विकास व विरासत दोनों उददेश्यों को प्राप्त कर सकते है? यहाँ के प्राकृतिक संसाधन, पर्यटन, खनिज सम्पदा, जल, जंगल, जमीन, जानवर आदि का विकास की आध्निक जटिलताओं के साथ किस तरह सामंजस्य स्थापित किया जाए? किस तरह यहाँ की जनजातीय अस्मिता व अस्तित्व को संरक्षित-स्रक्षित रखते हुए विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके? इस क्षेत्र का विकसित भारत में क्या अवदान संभव है तथा इस क्षेत्र की क्या आवश्यकताएं है? इस व्यापक परिदृश्य में समृद्ध आलोक जगत सांस्कृतिक विरासत को आधार बनाए यह आवश्यक है। अतः गवरी जैसे आयोजनों को मात्र लोककला के रूप में ही परिभाषित नहीं कर सकते अपित् इसे जनजातीय गौरव व पहचान के सशक्त माध्यम के रूप में समझने की आवश्यकता है। इसलिए यह आयोजन व इससे निमिती व्यापक समझ विकसित भारत -विकसित मेवाड के सपने को साकार करने में सहायक होगी, ऐसी अपेक्षा, आवश्यकता व अवधारणात्मक स्पष्टता के निमित यह संगोष्ठी आयोज्य है।

उद्देश्य

- विकसित भारत में मेवाइ-वागइ के विकास के आयामों
 व जन- आकांक्षाओं पर चर्चा करना।
- सन 2047 में विकसित मेवाइ-वागइ की सम्भावनाओं, चुनौतियों व समाधानों को चिन्हित करना।
- जनजातीय समाज की विरासत, परम्पराओं व जीवन मूल्यों में सतत विकास की अवधारणाओं पर प्रकाश डालना।
- जनजातीय समाज के परम्परागत ज्ञान का आधुनिक
 पद्धतियों के साथ सामंजस्य पर चर्चा करना।
- दक्षिण राजस्थान की विरासत, विकास, नीति निर्माण व जन भागीदारी पर दृष्टिपत्र तैयार करना।
- लक्षित समूहो व सरकारी योजनाओं के मध्य के अंतराल को समाप्त करने हेत् रोडमैप तैयार करना।
- विभिन्न क्षेत्रो के सर्वोत्तम अभ्यासों का क्षेत्र में
 क्रियान्वयन व नवाचारों का रोडमैप तैयार करना।
- वन संरक्षण व जनजातियों के वनाधिकार प्रावधानों पर अवधारणात्मक स्पष्टता के प्रयास करना तथा क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों पर दृष्टिपत्र तैयार करना।
- क्षेत्र में जैविक कृषि को बढ़ावा देने का नीति पत्र तैयार करना।

विकसित भारत - विकसित मेवाड़ @2047:

संकल्पना और रणनीतियाँ





अर्थशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं अरावली विचार मंच, उदयपुर

के संयुक्त तत्वाधान में

28 मई 2024

स्थान - बप्पा रावल सभागार, स्वर्णजयंती अतिथि गृह, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रारूप

प्रस्तावित परिसंवाद में आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान, शोध पत्र प्रस्तुतिकरण, पैनल चर्चा, जनप्रतिनिधियों के व्यावहारिक अनुभवों आदि द्वारा मुक्त चिंतन प्रस्तावित है।

आमंत्रित प्रतिभागी

यह परिसंवाद आलोचित विषय में रूचि रखने वाले आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के लिए एक मंच है जो अपने व्यवहारिक अनुभव, शोध, अनुसन्धान एवं अध्ययन आदि के माध्यम से दक्षिण राजस्थान की विकास यात्रा एवं भावी दिशा में रूचि रखते है। आमंत्रित सहभागियों को बस अथवा रेल का वास्तविक किराया देय होगा। प्रमाणपत्र, भोजन की व्यवस्था आयोजकों का सौभाग्य रहेगा।

आयोजन सचिव

डॉ. विनीता राजपुरोहित प्रभारी-विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर सम्पर्क सूत्र: 8005802574 ईमेल:vinitarajpurohit@mlsu.ac.in

उद्घाटन सत्र

समय: प्रातः 9:00 बजें

मुख्य अतिथि	माननीय बाबूलाल जी खराड़ी, केबिनेट
	मंत्री, राजस्थान सरकार
बीजभाषण	डॉ. मन्नालाल जी रावत,
	पूर्व ACT राजस्थान सरकार तथा
	निदेशक TEER फाउंडेशन नासिक
सारस्वत	श्री तारा चंद जी जैन,
अतिथि	विधायक, उदयपुर शहर
अध्यक्षता	प्रो. सुनीता मिश्रा,
	कुलपति, सुखाड़िया विश्वविद्यालय,
	उदयपुर

समापन सत्र

समय: सायं 5:45 बजें

मुख्य अतिथि	श्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय,
	वरिष्ठ भाजपा नेता
सारस्वत	श्री इंद्रपाल सिंह मथारू,
अतिथि	आईएफएस (से. नि.)
अध्यक्षता	प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत,
	कुलपति, जनार्दन राय नागर, वि.वि.,
	उदयपुर

प्रथम सत्र: आधारभूत संरचना एवं समावेशी विकास समय: 10:45 से 12:45 मध्याहन

पैनलिस्ट :

- प्रो. विवेक विजय, आई. आई. टी., जोधपुर
- श्री एम. एल. वर्मा, सेक्रेटरी (से. नि.) पी.डब्ल्यू. डी.
- प्रो. अनिल मेहता, प्राचार्य, विद्या भवन, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय

द्वितीय सत्र: कौशल विकास वृहत योजना समय: 1:30 से 3:30 मध्याहन

पैनलिस्ट :

- प्रो. बी. पी. शर्मा, पूर्व कुलपति, गौतम बुद्ध वि. वि., नोएडा
- डॉ. जयन्ती भाई चौधरी, सदस्य, जनजातीय सलहाकार परिषद, गुजरात सरकार
- श्री. सतीश शर्मा, सहायक वन संरक्षक (से. नि.)

तृतीय सत्र: संस्कृति, पर्यटन एवं सुशासन समय: 3:45 से 5:45 अपराहन

पैनलिस्ट :

- श्री राजा राम कटारा, संस्थापक-शिवगंगा मिशन, झाबुआ
- श्री बंसी लाल कटारा, सामाजिक चिंतक, डूंगरपुर
- डॉ. शैलेन्द्र सोमानी, ट्रस्टी-निदेशक, एम.डी.एस. ग्रुप ऑफ स्कूल्स
- श्री लोकेश पालीवाल, आई. टी. प्रोफेशनल तथा सोशल एंटरप्रेनर

Report: World Water Day Celebration

Date: March 22, 2024

Location: Gangaur Ghat, Udaipur



Introduction:

The Department of Economics & the NSS, Unit 3 of UCSSH, MLSU, Udaipur celebrated World Water Day with fervor and dedication on March 22, 2024, at Gangaur Ghat, Udaipur. The event aimed to raise awareness about the importance of water conservation and promote sustainable water management practices among the community.

Event Highlights:

Decoration and Cultural Elements: Gangaur Ghat was adorned with intricate rangoli designs and colorful flowers, creating a vibrant atmosphere for the celebration. The cultural richness of the event was enhanced by the traditional attire worn by two girls, adding a local flavor to the proceedings.

- **Pooja Ceremony**: The celebration commenced with a pooja ceremony, symbolizing reverence for water as a sacred element in Hindu culture. Volunteers performed rituals such as making swastik symbols, lighting oil lamps (deepaks), and offering flowers, invoking blessings for water conservation efforts.
- **Oath Taking:** A significant moment of the event was when 42 NSS volunteers took a solemn oath to prioritize water conservation and use water judiciously in their daily lives. This pledge underscored the NSS unit's commitment to environmental stewardship and sustainable practices.
- **Cultural Performances:** NSS volunteers showcased their talents through group songs that highlighted the themes of water conservation and environmental awareness. These performances served as engaging and educational tools to disseminate the message of water conservation to the audience.
- **Rally:** The celebration culminated in a rally organized from Gangaur Ghat to Jagdish Temple, symbolizing a collective call to action for water conservation and environmental protection. The rally served as a public demonstration of the NSS unit's dedication to advocating for sustainable practices and fostering community engagement.

Conclusion:

The World Water Day celebration at Gangaur Ghat was a resounding success, thanks to the active participation and dedication of NSS volunteers. Through a blend of cultural festivities, educational activities, and public outreach efforts, the event effectively raised awareness about the importance of water conservation and inspired positive action within the community.

The NSS unit remains committed to promoting sustainable water management practices and looks forward to organizing similar initiatives in the future to contribute towards a water-secure future for all.

भारत की मूल पहचान सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रही है जिसमे आर्थिक-भौतिक प्रगति भी अंतर्निहित है। भारतीय जान सम्पदा की यह सर्वसमावेशिता हमें आश्वस्त करती है कि सन 2047 में जब हम स्वाधीनता का शताब्दी उत्सव मना रहे होंगे तब हम न केवल भौतिक दृष्टि से विकसित राष्ट्र के रूप में उभरेंगे अपितु विश्व मानवता को दिशा देने के उत्तरभार का भी निर्वहन करेंगे। ऐसे विकसित एवं नेतृत्वशील भारत के निर्माण व विकास में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा संकलित पंच प्राणों की उपादेयता निश्चित ही रहने वाली है। वास्तव में गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता व नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्य पालन के पंच प्राण विकसित भारत के निर्माण के सूत्र वाक्य है।

अपने गौरवशाली इतिहास, विलक्षण सांस्कृतिक परम्पराओं, पुरुषार्थी संतों, जनजातीय मान्यताओं की विशिष्ट भौगोलिक संरचनाओं से युक्त जनजाति बहूल क्षेत्र दक्षिण राजस्थान जो जनमानस में मेवाइ-वागइ के रूप में ख्यात है, भारत के स्वाधीनता संघर्ष की प्रेरक भूमि रही है। बप्पा रावल, महाराणा प्रताप, पन्नाधाय, मीरा बाई, कल्लाजी राठौर, मावजी महाराज, गोविन्द गुरु, राणा पूंजा, कालीबाई व केसरी सिंह बारहठ इत्यादि का इतिहास रोमांचित, आकर्षित तथा प्रेरित करने वाला रहा है। ऐसे में इस पर चिंतन करना बहुत प्रासंगिक होगा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने हेत् इस क्षेत्र में किस तरह का मॉडल प्रभावी होगा? हम किस तरह प्रकृति और संस्कृति में अनुकूलन बनाए रखे, किस तरह की नीतियों से विकास व विरासत दोनों उददेश्यों को प्राप्त कर सकते है? यहाँ के प्राकृतिक संसाधन, पर्यटन, खनिज सम्पदा, जल, जंगल, जमीन, जानवर आदि का विकास की आध्निक जटिलताओं के साथ किस तरह सामंजस्य स्थापित किया जाए? किस तरह यहाँ की जनजातीय अस्मिता व अस्तित्व को संरक्षित-स्रक्षित रखते हुए विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके? इस क्षेत्र का विकसित भारत में क्या अवदान संभव है तथा इस क्षेत्र की क्या आवश्यकताएं है? इस व्यापक परिदृश्य में समृद्ध आलोक जगत सांस्कृतिक विरासत को आधार बनाए यह आवश्यक है। अतः गवरी जैसे आयोजनों को मात्र लोककला के रूप में ही परिभाषित नहीं कर सकते अपित् इसे जनजातीय गौरव व पहचान के सशक्त माध्यम के रूप में समझने की आवश्यकता है। इसलिए यह आयोजन व इससे निमिती व्यापक समझ विकसित भारत -विकसित मेवाड के सपने को साकार करने में सहायक होगी, ऐसी अपेक्षा, आवश्यकता व अवधारणात्मक स्पष्टता के निमित यह संगोष्ठी आयोज्य है।

उद्देश्य

- विकसित भारत में मेवाइ-वागइ के विकास के आयामों
 व जन- आकांक्षाओं पर चर्चा करना।
- सन 2047 में विकसित मेवाइ-वागइ की सम्भावनाओं, चुनौतियों व समाधानों को चिन्हित करना।
- जनजातीय समाज की विरासत, परम्पराओं व जीवन मूल्यों में सतत विकास की अवधारणाओं पर प्रकाश डालना।
- जनजातीय समाज के परम्परागत ज्ञान का आधुनिक
 पद्धतियों के साथ सामंजस्य पर चर्चा करना।
- दक्षिण राजस्थान की विरासत, विकास, नीति निर्माण व जन भागीदारी पर दृष्टिपत्र तैयार करना।
- लक्षित समूहो व सरकारी योजनाओं के मध्य के अंतराल को समाप्त करने हेत् रोडमैप तैयार करना।
- विभिन्न क्षेत्रो के सर्वोत्तम अभ्यासों का क्षेत्र में
 क्रियान्वयन व नवाचारों का रोडमैप तैयार करना।
- वन संरक्षण व जनजातियों के वनाधिकार प्रावधानों पर अवधारणात्मक स्पष्टता के प्रयास करना तथा क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों पर दृष्टिपत्र तैयार करना।
- क्षेत्र में जैविक कृषि को बढ़ावा देने का नीति पत्र तैयार करना।

विकसित भारत - विकसित मेवाड़ @2047:

संकल्पना और रणनीतियाँ





अर्थशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं अरावली विचार मंच, उदयपुर

के संयुक्त तत्वाधान में

28 मई 2024

स्थान - बप्पा रावल सभागार, स्वर्णजयंती अतिथि गृह, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रारूप

प्रस्तावित परिसंवाद में आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान, शोध पत्र प्रस्तुतिकरण, पैनल चर्चा, जनप्रतिनिधियों के व्यावहारिक अनुभवों आदि द्वारा मुक्त चिंतन प्रस्तावित है।

आमंत्रित प्रतिभागी

यह परिसंवाद आलोचित विषय में रूचि रखने वाले आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के लिए एक मंच है जो अपने व्यवहारिक अनुभव, शोध, अनुसन्धान एवं अध्ययन आदि के माध्यम से दक्षिण राजस्थान की विकास यात्रा एवं भावी दिशा में रूचि रखते है। आमंत्रित सहभागियों को बस अथवा रेल का वास्तविक किराया देय होगा। प्रमाणपत्र, भोजन की व्यवस्था आयोजकों का सौभाग्य रहेगा।

आयोजन सचिव

डॉ. विनीता राजपुरोहित प्रभारी-विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर सम्पर्क सूत्र: 8005802574 ईमेल:vinitarajpurohit@mlsu.ac.in

उद्घाटन सत्र

समय: प्रातः 9:00 बजें

मुख्य अतिथि	माननीय बाबूलाल जी खराड़ी, केबिनेट
	मंत्री, राजस्थान सरकार
बीजभाषण	डॉ. मन्नालाल जी रावत,
	पूर्व ACT राजस्थान सरकार तथा
	निदेशक TEER फाउंडेशन नासिक
सारस्वत	श्री तारा चंद जी जैन,
अतिथि	विधायक, उदयपुर शहर
अध्यक्षता	प्रो. सुनीता मिश्रा,
	कुलपति, सुखाड़िया विश्वविद्यालय,
	उदयपुर

समापन सत्र

समय: सायं 5:45 बजें

मुख्य अतिथि	श्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय,
	वरिष्ठ भाजपा नेता
सारस्वत	श्री इंद्रपाल सिंह मथारू,
अतिथि	आईएफएस (से. नि.)
अध्यक्षता	प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत,
	कुलपति, जनार्दन राय नागर, वि.वि.,
	उदयपुर

प्रथम सत्र: आधारभूत संरचना एवं समावेशी विकास समय: 10:45 से 12:45 मध्याहन

पैनलिस्ट :

- प्रो. विवेक विजय, आई. आई. टी., जोधपुर
- श्री एम. एल. वर्मा, सेक्रेटरी (से. नि.) पी.डब्ल्यू. डी.
- प्रो. अनिल मेहता, प्राचार्य, विद्या भवन, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय

द्वितीय सत्र: कौशल विकास वृहत योजना समय: 1:30 से 3:30 मध्याहन

पैनलिस्ट :

- प्रो. बी. पी. शर्मा, पूर्व कुलपति, गौतम बुद्ध वि. वि., नोएडा
- डॉ. जयन्ती भाई चौधरी, सदस्य, जनजातीय सलहाकार परिषद, गुजरात सरकार
- श्री. सतीश शर्मा, सहायक वन संरक्षक (से. नि.)

तृतीय सत्र: संस्कृति, पर्यटन एवं सुशासन समय: 3:45 से 5:45 अपराहन

पैनलिस्ट :

- श्री राजा राम कटारा, संस्थापक-शिवगंगा मिशन, झाबुआ
- श्री बंसी लाल कटारा, सामाजिक चिंतक, डूंगरपुर
- डॉ. शैलेन्द्र सोमानी, ट्रस्टी-निदेशक, एम.डी.एस. ग्रुप ऑफ स्कूल्स
- श्री लोकेश पालीवाल, आई. टी. प्रोफेशनल तथा सोशल एंटरप्रेनर



DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur [Raj.]

(NAAC ACCREDITED "A" GRADE STATE UNIVERSITY)

Tel.: (0)+91-294247-0192,Email:pharmacymlsu@gmil.com.pharmacy@mlsu.ac.in

Event Report

Sports day Activity-2024

On 18 Feb 2024 Department of Pharmacy Organized stress-free game zone for all the students & faculty members.

More than 42 students participated.

Below are the pictures of some games



auton

HEAD Deptt. of Pharmaceutical Sciences Mi.L. S U



DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur [Raj.]

(NAAC ACCREDITED "A" GRADE STATE UNIVERSITY)

Tel.: (0)+91-294247-0192,Email:pharmacymlsu@gmil.com.pharmacy@mlsu.ac.in

Event Report

Pharmacist Day Celebration-2023

On 10 April 2024 Department of Pharmacy Organized Pharmacist Day Celebration for all the students & MLSU faculty members.

More than 198 participants participated.

Below are the pictures



Dauhan. HEAD



DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES Mohanlal Sukhadia University, Udaipur [Raj.]

(NAAC ACCREDITED "A" GRADE STATE UNIVERSITY)

Tel.: (0)+91-294247-0192,Email:pharmacymlsu@gmil.com.pharmacy@mlsu.ac.in

Event Report

ISN-MLSU First Neurochemistry School on "Advances in Neurochemical Research Techniques & Management of Neurological Disorders" **Funded by** International Society for Neurochemistry, USA

24 January, 2024

The ISN-MLSU First Neurochemistry School on "Advances in Neurochemical Research Techniques & Management of Neurological Disorders" Funded by International Society for Neurochemistry, USA with INR 28,08,249 was a highly successful seven-day event that brought together experts, researchers, and students for an enriching exploration of neurochemical advancements.

The program featured lectures by renowned scientists covering cutting-edge topics such as G-protein coupled receptor pharmacology, theranostic nanoparticles in neuro- oncology, and the neuroprotective potential of Quercetin. Discussions also delved into ethical dimensions of neuroscience research, innovative drug development, and advanced clinical trial designs for neurological disorders.



Hands-on laboratory sessions were a highlight, offering practical training in rodent brain surgery, DNA expression techniques, UHPLC, and NMR demonstrations. Participants also explored neuroplastic pathways, Parkinson's Disease biomarkers, and neural graft technologies, bridging theory with real-world applications.

The program featured lectures and insights from distinguished scientists, including Prof. Lance McMahon, Dr. Atulabh Vajpeyee, Prof. V.K. Khanna, Dr. Dharmendra Kumar Khatri, Dr. Awanish Mishra, Prof. Min Hua Chen, Dr. Ashok Datusalia, Dr. Phalguni Anand Alladi, Dr. Pallab Bhattacharya, Prof. Jens Hjerling-Leffler, Prof. L.C. Chiou, Prof. R.K. Goel, Dr. Kaisar Raza, Prof. Chrystalina Antoniades, Dr. Ashutosh Pareek, Dr. Sanket Jadhav, and Dr. Lokesh Agrawal. Their expertise enriched the discussions on neurochemical advancements and therapeutic innovations

This successful event fostered an enriching environment for sharing knowledge and inspiring advancements in neurochemical research. Our gratitude goes to all speakers, participants, and organizers for making this initiative a resounding success.

Colaubar MEAD

HEAD Deptt. of Pharmaceutical Sciences M.L. Sciences of the article Units of the article of the article

HEAD

Anneause - 7.1.1a



A REPORT OF THE INTERNATIONALWOMEN'S DAY CELEBRATION

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated International women's Day 2024 under the campaign theme of "Invest in women: Accelerate progress". This theme recognizes the efforts of women human rights defenders, peacebuilders, and feminist movements to build peace. Imagine a gender equal world. A world free of bias, stereotypes, and discrimination. A world that is diverse, equitable and inclusiveon 8th march, 2024. All the Teaching and Non-teaching staff members, research scholars, and students of B. Pharm. were present. Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan is felicitated Mrs. Meera Bai (sweeper) on this occasion followed by a speech of Prof. L. S. Chauhan.

Scheelay HEAD

HEAD Profit. of Pharmaceutical Science M.L. Sukhadia University HDAIPUR - 313001

Annexuse - 7.1.5a



DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, MLSU, UDAIPUR, RAJASTHAN-313001 INDIA

A REPORT OF THE MAHATMA GANDHI JAYANTI CELEBRATION 2023

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated 2nd October, 2023 as a Swachh Bharat Abhiyan is the most significant cleanliness launched on 2nd October 2014 to honour Mahatama Gandhi's vision of a clean country. All the Teaching, Non-teaching staff members, research Scholars and students of B. Pharm. were participated in the cleanliness. Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan given the guidelines and speech on this occasion.



colachan HEAD

HEAD Deptt. of Pharmaceutical Science M.L. Sukhadia University UDAIPUR - 313001

Annexix - 7.1.56



REPORT OF THE NATIONAL YOUTH DAY CELEBRATION 2024

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated 161st birth anniversary of Swami Vivekanand as a Rashtriya Yuva Diwas on 12th January, 2024 on the theme "**Arise, Awake, and Realize the Power You Hold**". The day is celebrated on January 12th to honor the birth anniversary of Swami Vivekananda, a 19th century Indian saint, philosopher, and spiritual leader." All the Teaching and Non-teaching staff members, research Scholars, and some of the students of B. Pharm. were present. A speech was delivered by Prof. L. S. Chauhan, Head of the Department.



aulan armaceutical Science M.L. Sukhadia University UDAIPUA-313001

Annexise-7.1.8a



N 10 0/ "

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, MLSU, UDAIPUR, RAJASTHAN-313001 INDIA

RAJASTHAN DIWAS CELEBRATION REPORT 2024

The Department of Pharmaceutical Sciences, MLSU celebrated the 75th "Rajasthan Diwas" on Tuesday, 30th March, 2024 on theme "Day to Save the Culture of Harmony". Carom and Chess and badminton competitions for the students and staff were organized. Students of semester I, III, V and VII as well as staff members actively participated in all the activities. Certificates were provided to all the participants, winners were rewarded with a trophy and in the evening a breakfast was served for all.



Raula HEAD HEAD armaceutical Science .L. Sukhadia University

HID STPUR - 313001

Annease - 7.1.90



Department of Pharmaceutical Sciences, MLSU, Udaipur, Rajasthan-313001 INDIA

REPORT OF WORLD PHARMACIST DAY CELEBRATION 2023

The Department of Pharmaceutical Sciences, MLSU has celebrated World Pharmacist Day on 25th September. 2023. on theme **"Pharmacy strengthening health systems"**. The theme was chosen to highlight the importance of pharmacists in health systems, especially in the post-COVID world, in which various activities were organized for the awareness and Health benefits of the society.

The some sports, curricular and extracurricular activities took place in the Department by the staff, research scholars and B. Pharm. students.

The Department also participated in the "Swachh Bharat Mission" by the Govt. of India on This campaign was officially launched on 2 October 2014 at Rajghat, New Delhi, where Prime Minister Narendra Modi himself wielded broom and cleaned a road. The campaign is India's biggest ever cleanliness drive and 3 million government employees and schools and colleges students of India participated in this event.



HEAD autom Depit. of Pharmaceutical Science M.L. Sukhadia University UPUA-313001

Anneaux - 7.1.10a



REPORT OF THE NATIONAL PHARMACY WEEK CELEBRATION 2023

The Department of Pharmaceutical Sciences. Mohanlal Sukhadia University is celebrated National Pharmacy Week on November, 2023. The theme for the 62nd National Pharmacy Week (NPW) in 2023 was "Join Pharmacists to Ensure Patient Safety". The week was celebrated from November 19–25, 2023.

The NPW is celebrated every year in the third week of November to recognize the important role Pharmacists play in the healthcare system. The week also highlights the responsibilities of Pharmacists to society, and the history of the Pharmacy profession. The some sports, curricular (Poster session, extempore, face making, and rangoli) and cultural activities took place in the Department by the staff, research scholars and B. Pharm. students. The gathering was guided and addressed by the Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan followed by the high tea.



bacehay

HEAD Depit. of Pharmaceutical Science (A.L. Sukhadia University UDAIPUN - 313001

Anneque - 7.1.105



REPORT OF THE WORLD YOGA DAY CELEBRATION 2024

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated Yoga on the occasion of 10th International Day of Yoga, 21 June, 2024 on the theme of "Yoga for Self and Society". Yoga, a transformative practice, represents the harmony of mind and body, the balance between thought and action, and the unity of restraint and fulfillment. All the Teaching and Non-teaching staff members, research scholars, and many of the students of B. Pharm. were present. A speech was delivered by Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan.





Rauhan HEAD

HEAD Uspit, of Pharmaceutical Science I.L. Suchadia University UDAIPUA - 313001

Annexure-7.1.119



REPORT OF THE INDEPENDENCE DAY CELEBRATION 2023

The Department of Pharmaceutical Sciences. Mohanlal Sukhadia University is celebrated Independence Day on 15th August, 2023. All the Teaching, Non-teaching staff members, research Scholars, and some of the students of B. Pharm. were present. The flag was hoisted by the Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan followed by the National anthem. A speech was given by Prof. L. S. Chauhan.



HEAD Deerborn

HEAD Depit. of Pharmaceutical Science M.L. Sukhadia University UDAIPUR - 313001

Amexume 7.1.116



A REPORT OF THE REPUBLIC DAY CELEBRATION 2024

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated Republic Day on 26th January 2024. All the Teaching and Non-teaching staff members, research Scholars, and some of the students of B. Pharm. were present. The flag was unfurled by the Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan followed by the National anthem. Gathering was addressed by Prof. L. S. Chauhan.



Lawlay HEAD Depit, of Pharmaceutical Science 1.L. Sukhadia University IDAIPUA 213001



Department of Biotechnology/Microbiology Vigyan Bhawan, Block – B, New Campus Mohanlal Sukhadia University Udaipur– 313001 Email – biotech@mlsu.ac.in Telephone No.:- 0294-2470071

Date: 19/02/2024

Notice

The department is going to organize "Scientific Poster and Scientific Rangoli Competition" to celebrate the National Science Day on 28.02.2024 from 11:00 am onwards. All faculty members and students are invited to attend the programme. Interested students are instructed to submit their name to the respective coordinators :-

- 1. Dr. Nitish Rai M.Sc. Biotechnology II & III Sem.
- 2. Dr. Avinash Marwal B.Sc. Biotechnology II, IV & VI Sem.
- 3. Dr. Namita Ashish Singh M.Sc. Microbiology II & III Sem.

The coordinators are requested to discuss and finalize the schedule.

\$

Dr. Harshada Joshi Course Director Deparament of Blotechnolog: Mohanlal Sukhadia University Udalpur (Rej.)



विश्वविख्यात डॉण् डीण्एसण् कोठारी जी की जयंती उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि

विश्वविख्यात व महान वैज्ञानिक डॉ. डी.एस.कोठारी जी की जयंती (6 जुलाई 2024) के उपलक्ष्य में बायोटेक़ोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में दिनांक 6 जुलाई, 2024 को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । डी. एस. कोठरी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च एवं विज्ञान समिति के गणमान्य पदाधिकारियों प्रोफेसर के. एल. कोठरी, प्रोफेसर सुरेंद्र पोखरना व अन्य सदस्यों ने विभाग के कैंपस गार्डन में स्थापित डॉ. कोठारी जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए । डॉ. हर्षदा जोशी कोर्स डायरेक्टर, बायोटेक्नोलॉजी व माइक्रोबायोलॉजी विभाग व सभी शिक्षकगण ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया । प्रोफेसर के. एल. कोठारी जी ने डॉ. डी.एस.कोठारी जी की जीवनी पर प्रकाश डाला । विभाग के सभी संकाय सदस्य, डॉ. टीकमचंद डाकल, डॉ. अविनाश मारवाल, डॉ. नमिता आशीष सिंह व विभाग के कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे ।





Date:10th March2023

Report on Women's Day and Ethnic Day Celebration

To celebrate the International Women's Day and Ethnic Day, 2023 the Institute of Engineering and Technology (MLSU) organized a special event on Women Empowerment on 8th March 2023. The event consists of many performances by the students. The active participation was given by the students and faculty members. For the Ethnic Day celebration everyone was dressed in Indian traditional attires. The event was full of joy by the dance and singing performances given by the students of 1st year and 2nd year. Some entertainment games were arranged for the faculty members like cup tower making competition for female faculties and balloon blowing competition for male faculties.

The event was held successfully and everyone enjoyed a lot. At the end the prizes were given to the winners and participants. And refreshments were given to the students.





Date:10th March2023

Report on Women's Day and Ethnic Day Celebration

To celebrate the International Women's Day and Ethnic Day, 2023 the Institute of Engineering and Technology (MLSU) organized a special event on Women Empowerment on 8th March 2023. The event consists of many performances by the students. The active participation was given by the students and faculty members. For the Ethnic Day celebration everyone was dressed in Indian traditional attires. The event was full of joy by the dance and singing performances given by the students of 1st year and 2nd year. Some entertainment games were arranged for the faculty members like cup tower making competition for female faculties and balloon blowing competition for male faculties.

The event was held successfully and everyone enjoyed a lot. At the end the prizes were given to the winners and participants. And refreshments were given to the students.





Date: 25th March,2023

Report on NSS Activity

The NSS (National Service Scheme) activity held at IET College was a commendable initiative that demonstrated the commitment of the students, particularly those in their first and second years, towards community service and social welfare. In this particular event, students were taken to a slum area where they engaged in a meaningful outreach effort.

During the visit to the slum area, the students distributed ORS (Oral Rehydration Solution) and energy drinks to the residents. This act of kindness not only provided essential health support to the community but also symbolized the students dedication to improving the well-being of the less privileged. Additionally, the students took the opportunity to educate their surroundings about the significance of sanitation and hygiene. They shared valuable insights on maintaining clean living conditions, which are vital for overall health and quality of life.

TheNSSactivitywasaremarkabledemonstrationofempathyandsocialresponsibility bythestudentsofIETCollege.Itnotonlyhelpedtheslumcommunitybutalsoinstilled asenseofcivicdutyandcompassionintheparticipatingstudents, showcasing the positive impact of such initiatives on both the beneficiaries and the volunteers.



सुविवि : इंजीनियरिंग कॉलेज के स्टूडेंट्स क्लब की नई पहल, जल संरक्षण के साथ देंगे खास्थ्य प्रबंध भी महत्वपूर्ण टिप्स

-झोपड़ियों में समझाएंगे जल का 'महत्व' सुखाड़िय विश्वविद्यालय के गंघटक इंस्टीट्यूट औफ इंजीनियरिंग रंड टेक्नोलॉजी के स्ट्डेंट्स क्लब ने फैकल्टी इंजीनियर प्रफुल्ल कोठारी के साथ मिलकर नई पहल को है। आगामी ग्रीप्पकाल को देखते हुए कॉलेन के आसपास स्थित झुग्गे के साथ स्वास्थ्य प्रबंधन के टिप्स देंगे। इसकी शरुआत कर दी गई है। इंजीनियर प्रफल्ल कोठारी ने

बताया कि आईईटी कलिज के नोडल अधिकारी डॉ. अविनाश पंचार के निर्देशन में हुए इस अहि को बारीकियां जाने तथा ताची-ऑंग्रयान में स्टेडेंटस क्लब के हाथ उन्हें कई तरह को महत्वपूर्ण मटम्यों ने डाम्गी-छोपही में मिथत जानकारी दी एवं सैकडों ओआरएस बच्चों, बुवाओं और महिलाओं से के पैकेट का वितरण किया। को पहल को जाएगो तो घर के बातचीत को तथा उनके क्षेत्र में स्टुडेंट्सने यहांविशेषरूप से बच्चों अन्य सदस्यों के लिए लाभकारी

पेयजल प्राप्ति, उसके सरंक्षण और युवाओं को इसे लेकर आगे आने का आकान किया। कता कि यदि घर के बच्चे और युवाओं द्वारा इस अभियान

रहेगा। आइंडेंटी के कुछ स्ट्डेंट्स ने यहां निवासरत युवाओं से आगामी गर्मों के दिनों में जल संरक्षण करने को विभिन्न प्रक्रियाओं को साझ किया तथा घर एवं आसपास में लंबे समय से जमा पानी को

हटाने की बात कही। कोठारी ने चताया कि आगामी दिनों में भी यह अभियान जारी रहेगा तथा स्टूडेंट्स शहर व आसपास के विभिन्न स्थलों पर जाकर इसी तरह से अभियान संचालित करेंगे।



Date:04th March,2023

Report on Worlds Engineer's Day

The Engineer's Day celebration was a momentous occasion for the students of IET College, where they gathered to honor the remarkable contributions of engineers to society. As part of the festivities, a captivating tech talk session was organized, providing a platform for students and faculty to delve into the latest technological advancements and engineering innovations. The session featured the speaker as Er. C.P. JAIN who shared their experiences and insights, inspiring the students to reach greater heights in their engineering pursuits.

In addition to the tech talk session, the college premises were adorned with a vibrant display of posters highlighting various engineering marvels and break thought. These posters served as informative and visually engaging exhibits, offering a glimpse into the fascinating world of engineering. The Engineer's Day celebration fostered a sense of pride among the students of IET College, reminding them of the critical role engineers play in shaping our world and driving innovation. It was an event that ignited enthusiasm for engineering and encouraged students to pursue their engineering dreams with dedication and passion.





Date: 5th June,2023

Report on Yoga Day

Yoga Day is an annual celebration observed worldwide, and it holds special significance for the students of IET College. On this day, "students of IET College" join people across the globe to promote physical and mental well-being through the practice of yoga. The day typically involves various yoga sessions, workshops, and demonstrations to emphasize the importance of yoga in maintaining a healthy lifestyle.

In IET College, students come together to participate in yoga sessions led by experienced instructors, allowing them to experience the physical and mental benefits of this ancient practice.YogaDayservesasareminderoftheimportanceofmindfulness, stress management, and physical fitness, which are vital aspects of a student's life.





Date: 04th March,2023

Report on Engineer's Day

The Engineer's Day celebration was a momentous occasion for the students of IET College, wheretheygatheredtohonortheremarkablecontributionsofengineerstosociety. Aspart of the festivities, a captivating tech talk session was organized, providing a platform for students and faculty to delve into the latest technological advancements and engineering innovations. The session featured the speaker as Er. C.P. JAIN who shared their experiences and insights, inspiring the students to reach greater heights in their engineering pursuits.

Inadditiontothetechtalksession, the college premises were adorned with a vibrant display of postershighlighting various engineering marvels and break throughs. These posters served

asinformative and visually engaging exhibits, offering aglimps eintothe fascinating world

of engineering. The Engineer's Daycelebration fostered as ense of pride among the students of IET College, reminding them of the critical role engineers play in shaping our worldand driving innovation. It was an event that ignited enthusiasm for engineering and encouraged students to pursue their engineering dreams with dedication and passion.





Date: 10th March,2023

Report on Seminar by DhruvAgrawal

A seminar of great significance took place within the premises of IET College, featuring a distinguished guest speaker, Mr. Dhruv Agrawal. Mr. Agrawal, not only an accomplished electrical engineer from IIT Delhi but also the co-founder and COO of Shipsy, shared his insights and expertise with the audience. His presence and background added an air of authority and excellence to the event.

During the seminar, Mr. Agrawal provided valuable insights into the world of electrical engineering and technology innovation. His journey from IIT Delhi to co-founding Shipsy, a notable company in the field of logistics and supply chaintechnology, served as an inspiring example for the students and faculty inattendance. The event allowed attendees to gain adeeper understanding of thepractical applications of electrical he harnessedforrealengineering and how it can worldsolutions.Mr.Agrawal'svisitandtheseminarservedasaplatform for students to explore exciting career possibilities and broaden their horizons in the field of electrical engineering.





Date: 15th July, 2023

Report on Women in Engineering Seminar

On the 15thand16thof July, as ignificant seminar unfolded at the Institute of Engineers (India) Udaipur Local Centre, dedicated to the theme of "Women in Engineering." The distinguished Chief Guests for this illuminating event were Dr.Ajit Kumar Karnatak, Prof. Padmakali Bannerjee, and Dr. NS Rathore, each contributing their invaluable insights. Their inspiring words on the pivotal role ofwomeninthecountry'sdevelopmentservedasabeacon of hope for all in attendance. The seminar witnessed enthusiastic participation from female engineering students andfaculty members, includingDr. Hemani Paliwal, Er. Vimla Dangi,and Er. Jaishree Chouhan. Their active engagement added depth tothe discussions, creating a vibrant atmosphere that celebrated the accomplishments of women in engineering and pavedthe way for a more inclusive and empowered future in the field.







Date:10thMarch, 2023

Report on Women's Day and Ethnic Day Celebration

To celebrate the International Women's Day and Ethnic Day, 2023 the Institute of Engineering and Technology (MLSU) organized a special event on Women Empowerment on 8th March 2023. The event consists of many performances by the students. The active participation was given by the students and faculty members. For the Ethnic Day celebration everyone was dressed in Indian traditional attires. The event was full of joy by the dance and singing performances given by the students of 1st year and 2nd year. Some entertainmentgames were arranged for the faculty members like cup tower making competitionfor female faculties and balloon blowing competition for male faculties.

Theeventwasheld successfully and everyone enjoyed alot. At the end the prizes were given to the winners and participants. And refreshments were given to the students.





Date:5th June,2023

ReportonYogaDay

Yoga Day is anannualcelebration observedworldwide, and it holdsspecial significance for the students of IET College. On this day, "students of IET College" join people across the globe to promote physical and mental well-being through the practice of yoga. The day typically

involvesvariousyogasessions, workshops, and demonstrations to emphasize the importance of yoga in maintaining a healthy lifestyle.

In IET College, students come together to participate in yoga sessions led by experienced instructors, allowing them to experience the physical and mental benefits of this ancient practice.YogaDayservesasareminderoftheimportanceofmindfulness,stress management, and physical fitness, which arevital aspects of a student's life.





Date:13th March, 2023

Report on BIS Activity

The Bureau of Indian Standards (BIS) club activity organized by second-year students of IET College was a commendable initiative that demonstrated their commitment to promoting and upholding quality standards in various industries. This activity allowed "students of IET College"toengageindiscussionsandactivitiesrelatedtoBISstandards,whichplayavital role in ensuring product safety and quality in India.

During the club activity, students had the opportunity to explore different BIS standards, understand their significance in various sectors, and discuss the impact of these standards on public safety and product quality.

The BIS club activity not only enhanced the knowledge of "students of IET College"but also instilled a sense of responsibility regarding quality standards in their respective disciplines. It encouragedthem to be more aware of the products they encounter in daily life and inspired them to promote the principles of safetyand quality assurance. This initiative showcased their dedication to a better andsafer future for all.



गः ऑधी जयन्ती भेषेयार ओष्टी ०२-१०-२०२३ विषयः जॅधीका आरत

and -

Udaipur, RJ, India

University Road, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, 313001, RJ, India Lat 24.596052, Long 73.730699 10/02/2023 11:35 AM GMT+05:30 Note : Captured by GPS Map Camera

GPS Map Camera

CLASS & DOM
Note: All Activities were carried out jointly by all the NSS Units.

13 Sep, 2023: Rajasthan Mission 2030 Essay and Extempore Competition

विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा 'राजस्थान मिशन -2030' पर निबंध एवं आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 13 सितंबर 2023 को किया गया। विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय की NSS की पांचो इकाइयों द्वारा राजस्थान सरकार के अभियान "राजस्थान मिशन -2030" के तहत निबंध एवं आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर तथा शोध विद्यार्थियों ने भाग लिया। अधिष्ठाता प्रो सी पी जैन, सहायक अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी और सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ सुशील गांधी के सानिध्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 75 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने राजस्थान मिशन- 2030 के अंतर्गत विभिन्न विषय-वस्तु जैसे उच्च शिक्षा, प्रशासन, पर्यावरण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, महिला सुरक्षा, शिक्षा एवं सशक्तिकरण, शोध और उन्नयन, रोजगार, विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा समसामयिक विषयों पर निबंध एवं आशुभाषण के स्वरूप में अपने सुझाव और विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के दौरान सहायक अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ सुशील गांधी, प्रॉक्टर डॉ प्रभात बारोलिया, प्रतियोगिता के संयोजक एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ गिरिमा नागदा, डॉ तृप्ता जैन, डॉ प्रदीप विश्वकर्मा, डॉ अविनाश मारवाल, डॉ दीपक चौधरी, श्री भरत कुमार यादव तथा अन्य संकाय सदस्य डॉ जया अरोड़ा, डॉ प्रदयुमन सिंह राणावत, डॉ अनिता मेहता और डॉ कीर्ति खुरदिया उपस्थित रहे।





23th Sept, 2023: A NSS Event on Grooming & Career Planning (Kar Lo Safalta Mutthi Mein)

" कर लो सफलता मुट्ठी में " विषय पर हुआ सेमिनार । मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के संघटक विज्ञान महाविद्यालय के पांचों NSS इकाइयों व महाविद्यालय प्रशासन के सानिध्य में "दैनिक जागरण व जिलेट गार्ड" द्वारा "Grooming & Career Planning Seminar" का आयोजन स्वामी विवेकानंद हॉल में 23/09/2023 को किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हरीश हरचंदानी उपस्थित रहे । उन्होंने स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों को साक्षात्कार संबंधित जानकारी प्रदान करवाई जिसमें बातचीत की शैली एवं अपने व्यक्तित्व को कैसे निखारा जाए इसके बारे में मार्गदर्शन दिया गया । विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर इस कार्यक्रम में भाग लिया एवं इस कार्यक्रम को सफल बनाया । कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो सी पी जैन, सह अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ एस के गांधी, प्रॉक्टर डॉ प्रभात बारोलिया , NSS प्रोग्राम ऑफिसर डॉ गिरिमा नागदा , डॉ तृप्ता जैन, डॉ प्रदीप विश्वकर्मा एवं डॉ अविनाश मारवाल और करीब 150 स्वयंसेवक मौजूद रहे ।





2 October, 2023: Gandhi Jayanti Celebration Cleanliness Drive

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन। विज्ञान महाविद्यालय की NSS की पांचों इकाइयों द्वारा गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती 2 अक्टूबर 2023 को प्रातः 11:00 बजे से स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी पी जैन, सह अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी, प्रॉक्टर डॉ प्रभात बारोलिया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम अधिकारी डॉ दीपक चौधरी, डॉ गिरिमा नागदा, डॉ तृप्ता जैन, डॉ प्रदीप विश्वकर्मा, और डॉ अविनाश मारवाल के साथ करीब 120 स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया। महाविद्यालय के परिसर की साफ सफाई की गई तथा विद्यार्थियों को स्वच्छता जागरूकता हेतु स्वच्छता शपथ, तथा स्वच्छता का महत्व, राष्ट्रहित और राष्ट्र निर्माण के विषयों पर अवगत कराया गया





28 October, 2023: Bhartiya Sanskriti Gyan Pariksha

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा *भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा (महाविद्यालय) - 2023-24* का आयोजन। विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा एनएसएस स्वयंसेवकों और छात्रों के लिए *भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा (महाविद्यालय)-2023-24* का आयोजन कराया गया। यह परीक्षा अखिल विश्व गायत्री परिवार, हरिद्वार के संरक्षण में हुई। परीक्षा का आयोजन *मेरी माटी मेरा देश* कार्यक्रम के अंतर्गत, 28 अक्टूबर, 2023 को दोपहर 12:00 बजे से 1:00 बजे तक महाराणा भूपाल विज्ञान महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में हुआ। इस परीक्षा के तीन चरण निर्धारित हैं, प्रथम चरण(महाविद्यालय स्तर), द्वितीय चरण(जिला स्तर) एवं तृतीय चरण(प्रान्तीय स्तर), जिसके प्रथम चरण के तहत महाविद्यालय में आयोजित हुई इस परीक्षा में 39 छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी स्वयंसेवकों को अपने समाज, संस्कृति और विरासत को समझने में मदद मिली। परीक्षा का आयोजन एवं संचालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी पी जैन, सह अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी, प्रॉक्टर डॉ प्रभात बारोलिया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम अधिकारी डॉ गिरिमा नागदा, डॉ तृप्ता जैन, डॉ प्रदीप विश्वकर्मा, डॉ अविनाश मारवाल और डॉ दीपक चौधरी के निरक्षण में सम्पन्न हुआ।



21 June, 2024: Yoga Day अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वयंसेवकों ने किया योग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संघटक विज्ञान महाविद्यालय की सभी पांच इकाइयों के स्वयंसेवकों ने योग के विभिन्न आसनों के साथ योगाभ्यास किया। योगासन करने से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करता है. योग से मांसपेशियों सुदृढ़ होती हैं, शरीर में प्राणाशक्ति बढ़ती है और आंतरिक अंगों में दृढ़ता आती है। साथ ही योग मानसिक तनाव से मुक्ति और मानसिक एकाग्रता प्रदान करता है। स्वयंसेवकों के इस प्रयास ने संदेश दिया कि योगाभ्यास स्वस्थ मन और शरीर के लिए आवश्यक है।





कॉसफेस्ट : आर्यन मिस्टर व विशाखा मिस कॉसफेस्ट ANNUAL CULTURAL UNCTION

के आर्यन खतुरिया मिस्टर कॉस्फेस्ट व विशाखा पालीवाल मिस कॉस्फेस्ट बने। हिमांशु पालीवाल और चित्रा भटनागर उपविजेता रहे। कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो सीपी जैन, सह अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी, प्रो आरती प्रसाद, प्रो जीएस राठौड़, प्रो सुधीश कुमार, प्रो मनोज जैन, प्रो एलएस चौहान, डॉ पीके बारोलिया, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ दीपक चौधरी, डॉ गिरिमा नागदा, डॉ तृप्ता जैन, डॉ प्रदीप विश्वकर्मा और डॉ अविनाश मारवाल मौजूद रहे। समापन पर सभी विजेताओं को पुरष्कार वितरित किया गया।

OSFE

उदयपुर। विज्ञान महाविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव के अंतिम दिन समूह गान, समूह नृत्य और मिस्टर एंड मिस कॉस्फेस्ट प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी।सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ एसके गांधी ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुनीता मिश्रा ने कार्यक्रम में शिरकत की एवं छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति प्रो. मिश्रा ने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम से छात्रों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास होता है व महाविद्यालय में निरंतर होने चाहिए। महाविद्यालय



15° at fam

साइंस कॉलेज का वार्षिकोत्सव संपन्न आर्यन मिस्टर कॉस्फेस्ट और विशाखा मिस कॉस्फेस्ट 2024 बनी



साइंस कॉलेज में शनिवार को कॉस्फेस्ट - 2024 सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते छात्र छात्राएं।



pus रिपोर्टर पत्रिका patrika.com

सी

उवयपुर. सांस्कृतिक कार्यक्रम से छात्रों के सम्पूर्ण व्यक्तिः च का विकास होता है। महाविद्यालय में। निरंतर ऐसे आयोजन होने चाहिए।यह बात एमएलएसयू की कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने कही। वे विज्ञान महाविद्यालय

के तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव के अंतिम दिन समारोह को संबोधित कर रही थी। सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. एस के गांधी ने बताया कि समारोह में समूह गान, समूह नृत्य और मिस्टर एंड मिस कॉस्फेस्ट प्रतियोगिताएं हुई। इस दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। महाविद्यालय के आर्यन खतुरिया

मिस्टर कॉस्फेस्ट-2024 और विशाखा पालीवाल मिस कॉस्फेस्ट बने। हिमांशु पालीवाल और चित्रा भटनागर उपविजेता घोषित हुए। कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो. सीपी जैन, सह अधिष्ठाता प्रो. अतुल त्यागी, प्रो. आरती प्रसाद, प्रो. जीएस राठौड़, प्रो. सुधीश कुमार, प्रो. मनोज जैन, प्रो. एल एस चौहान, डॉ पी के बारोलिया,

V

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक चौधरी, डॉ. गिरिमा नागदा, डॉ. तृप्ता जैन, डॉ. प्रदीप विश्वकर्मा और डॉ. अविनाश मारवाल और महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य मौजूद रहे। समापन पर प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

Email: usb@mlsu.ac.in

Website: www.mlsu.ac.in

Date 11/09/2023



No.: MLSU / USB / 2023-24/133

To,

The Director/Principal,

Sub.: Inter Collegiate Sports Calender Session 2023-24 & General Information.

Dear Sir/Madam,

It is my pleasure to forward you to Tentative Sports of Inter Collegiate Tournaments Session 2023-24, with other necessary enclosures regarding your active participation in the Inter Collegiate Tournaments & University Selection Trials of the current Session. Please **read carefully attached revised eligibility rules** of AIU, New Delhi.

The organizer of **Inter Collegiate Tournaments Session 2023-24** are hereby provided the list of all affiliated colleges for their general correspondence and invitations of the ICT through there concerning email id.

Please feel free in taking up any matter with us and when needed, we solicit your active co-operation in the smooth conduction of the Inter Collegiate Tournaments.

With Best Wishes,

Yours faithfully,

(Dr. Bheem Raj Patel) Secretary, USB

Enclosure:-

- 1. General Information for ICT/IUT with qualifying Mark.
- 2. Eligibility Performa.
- 3. Photo ID Performa.
- 4. Updated Eligibility Rules.
- 5. Invitation for University Selection Trials.
- 6. Tentative Sports Calender 2023-24
- 7. University Team Manager Duties & Rights.

(Dr. Bheem Raj Patel) Secretary, USB

Ur. Bheem Raj Patel Secretary University Sports Board M.L. Sukhadia University UDAIPUR-313004



UNIVERSITY SPORTS BOARD, MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY

MAHARANA BHUPAL SPORTS COMPLEX, SARASWATI MARG, UDAIPUR-313 001 (Rajasthan)

Ph.: +91-294-2417308, Fax: 2471150

Email: usb@mlsu.ac.in | Website: www.mlsu.ac.in

अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताएँ/विश्वविद्यालय स्तरीय चयन स्पंधाओं के आयोजन एवं उसमें भाग लेने के संदर्भ मेंसामान्य सूचनाएं एवं महत्वपूर्ण निर्दे झ। QUALIFYING MARKS FOR UNIVERSITY (TEAMS) COACHING CAMPS

सत्र 2023-24

Eligibility: Please send duly completed and signed (competent authority) eligibility Performa in triplicate, with one copy of Photo ID Form of each team member to the organizing secretary of ICT/ UST. आयु सीमा 17 से 25 वर्ष अर्थात 02 जुलाई 1998 या उसके पश्चात एवं महाविद्यालय में प्रवेश की तिथि तक 17 वर्ष का होना चाहिए। 2016 या उसके पश्चात 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के वर्ष को प्रथम अवसर मानते हुए अधिकतम 8 बार प्रतियोगिता में भाग ले सकेगें।

Officiating Charges: For the all Inter-collegiate games officiating charges will be paid of @ Rs. 1000/-(One Time) in the Athletics, Archery, Chess, Cross Country, Wt. Lifting, Power Lifting, Best Physique will be per team and Cricket will be per match. Rest all ICT Sport events will be charged of Rs. 500/- per match from the session 2022-23.

No officiating charges will be to paid for the university selection trials: Please send only outstanding players for the university selection trials, neither a certificate of participations nor staying charges (lodging) will be paid for university selection trials.

Selection Committee: Should be consist of Five members (1) Organizing President (2) Organizing Secretary (3) University Observer of ICT, nominated by USB (4) One Technical Person as member Selection Committee of ICT, nominated by USB (5) A Technical Person nominated by the Organizing President with concern to Organizing Secretary. Committee will recommend the names of probable Players for the university team's coaching camp with the name of best player in men & women section separately.

Protest Committee: Should be consist of three members (1) Organizing Secretary (2) University Observer (3) A Technical Person nominated by the organizing President. A protest can be lodge by the submission of an application with protest fee Rs. 500/- to the Organizing Secretary, within an hour after complete of the event.

Nomination of Team Captain

Lodging Arrangement: At Udaipur the Lodging arrangement will be made by the Teams themselves. However lodging charges of maximum of Rs. 300/per day per team will be paid by the constituent host college of M.L. Sukhadia University, Udaipur for ICT only.

Organizers of Inter Collegiate Tournaments shall inform and invite all the member colleges for the participation in the Inter Collegiate Tournament with in proper time. (The list of Member Colleges will be provided by University Sports Board). The Process of ICT with awarding of points/Team Championships etc. will be discuss in detail at the Managers Meeting by the Org. Secretary.

Event Details:

Archery: Indian Round (Men):(1) 50mtr. (2) 30mtr. Indian Round (Women) (1) 50mtr. (2) 30mtr. Fita & Compound Round (Men) (1) 90 mtr. (2) 70mtr. (3) 50 mtr. (4) 30mtr. (Women) (1) 70 mtr. (2) 60mtr. (3) 50 m (4) 30mtr.

 Boxing:
 For boxing, the candidate should have one Bout, Shadow Boxing of one round of 5 minutes, one round of Punching Bag of 5 minutes.

 Men: (1) 46-49 kg. (2) 49-52 kg. (3) 52-56kg. (4) 56-60kg.(5) 60-64kg. (6) 64-69kg. (7) 69-75 kg
 . (8) 75-81kg.(9) 81-91kg.(10) 91+kg

 Women: (1) 45-48 kg.(2) 48-51 kg.(3) 51-54 kg (4) 54-57 kg. (5) 57-60 kg. (6) 60-64 kg. (7)64-69 kg. (8) 69-75 kg. (9) 75-81 kg.(10) 81+kg.

Cross Country: (Men) 10 Kms. Race -Qualifying Mark 38 minutes. (Women) 10 Kms. Race Qualifying -Mark 50 minutes. *Men / Women : A team should be consist of maximum Six members, points of first Four members will be counted for team championship

Gymnastic: each gymnast should have perform on these equipments.

- Men section: Roman Rings, Vaulting horse, Parallel Bars, Horizontal Bars & Floor Exercise.
- Women section: Floor Exercise, Vaulting Table, Balancing Beam, Uneven Bars.

Judo: Each Judo candidate should have three Bouts, and will perform 5 techniques of Judo.

Men section

Under 56kg. (2) 56-60kg. (3) 60-66kg. (4) 66-73kg. (5) 73-81kg. (6) 81-90kg. (7) 90-100kg. (8) Open Weight Category. Women section

Up to 44kg. (2) 44-48kg. (3) 48-52kg. (4) 52-57kg. (5) 57-63kg. (6) 63-70kg. (7) 70-78kg. (8) Open Weight Category. Kayaking & Canoeing M/W:

Lawn Tennis (M/W): Maximum four players can participate in this

Pistol Shooting, Air Rifle Peep Sight (M/W): Clay Pigeon Shooting Trap, Double Trap & Skeet

Squash(M/W): Maximum four players can participate in this.

Taekwondo M/W: Each Competitor should have three Bouts and will demonstrate 5 techniques.

Wrestling: Greeko Roman & Free Style Each wrestler should have three Bouts and will demonstrate 5 techniques.

Men section: Up to 50kg. (2) 50-55kg. (3) 55-60kg. (4) 60-66kg. (5) 66-74kg. (6) 74-84kg. (7) 84-96kg. (8) 96 -120kg.

• Women section: Up to 48kg. (2) 51kg. (3) 55 kg. (4) 59 kg. (5) 63 kg. (6) 67 kg. (7) 72 kg.+

Wushu (M/W): TAOLU - Maximum 12 (M/W) Competitors and SANSHO-Maximum 19 Competitors (M/W) Yogasana (M/W): Maximum0 6 players in Men section & 04 Players in women section can participate in this. Karate (M/W): 60Kg., 67Kg., 75Kg., 84Kg. +84Kg. [Women] 50Kg., 55Kg., 68Kg.+68Kg.



	UN TREETERS AUT	ATHLETICS		AQUATICS (Swimming)						
S. No.	Events	Qualifying Marks Men	Qualifying Marks Women	Events	Qualifying Marks Men	Qualifying Marks Women				
1.	100 mtr.	10.70 sec.	12.11 sec.	50 m FS	0:27.50 Sec.	0:35.05 Sec.				
2.	200 mtr.	22.59 sec.	25.19 sec.	100 m FS	1:02.70 Sec.	1:12.50 Sec.				
3.	400 mtr.	49.31 sec.	56.58 sec.	200 m FS	2:15.10 Sec.	2:40.10 Sec.				
4.	800 mtr.	1.59.61 sec.	2.17.26 sec.	400 m FS	5:10.50 Sec.	6:15.20 Sec.				
5.	1500 mtr.	3.52.21 sec.	4.45.24 sec.	1500 m FS	20:10.80 Sec.	23:10.05 Sec.				
6.	5000 mtr.	14.28.28 sec.	17.05.93 sec.	100 m BK	1:14.82 Sec.	1:28.02 Sec.				
7.	10000mtr.	35.11.85 sec.	36.37.42 sec.	200 m BK	2:40.02 Sec.	3:10.51 Sec.				
8.	110 m Hurdles		15.14 sec.	100m BR	1:20.10 Sec.	2:32.25 Sec.				
9.	400 m Hurdles	53.80 sec.	1.08.16 sec.	200m BR	3:07.85 Sec.	3:30.50 Sec.				
10	4x100 m Relay	41.92 sec.	49.97 sec.	100 m BFS	1:07.05 Sec.	1:20.36 Sec.				
11.	4x400 m Relay	3.18.63 sec.	4.03.25 sec.	200 m BFS	2:35.55 Sec.	3:05.55 Sec.				
12.	Long Jump	7.28 mtr.	5.60 mtr.	200 m IM	2:35.15 Sec.	3:12.05 Sec.				
13.	High Jump	2.00 mtr.	1.65 mtr	400 m IM	5:59.00 Sec.	6:50.73 Sec.				
14.	Triple Jump	14.79 mtr.	12.34 mtr.	4x100m Relay FS	04:30.00 Sec.	5:50.00 Sec.				
15.	Pole Vault	4.70 mtr.	3.20 mtr.	Mediay Relay 4x100	5:01.05 Sec.	6:05.05 Sec.				
16.	Shot Put	16.25 mtr.	11.67 mtr.	Free Style						
17.	Hammer throw	55.16 mtr.	46.78 mtr.	4x200m Relay FS	10:10.35 Sec.	12:10.35 Sec.				
18.	Discus throw	47.88 mtr.	41.50 mtr.	Free Style						
19.	Javelin throw	67.20 mtr.	42.88 mtr.	800 FS	12:10.25 Sec.	14:15.25 Sec.				
20.	20 km Race Walk	1hr:32:07:22 Sec.	1hr:49:12:99 Sec.	50m Back Store	0:36.15 Sec.	0:41.18 Sec.				
21.			-	50m Breast ST.	0:38.18 Sec.	0:44.18 Sec.				
22.	-	-		50m BFS	0:30.15 Sec.	0:36.18 Sec.				

Qualifying Mark for University (Teams) Coaching Camps

		Weight Lifting	3	27.21	Power Lifting							
S. No.	Total =	Men Snatch & Jerk	The second se	Vomen Snatch & Jerk	1 Contraction and the second secon	Men ench Press + Dead Lift	A PROPERTY AND A REPORT OF A PROPERTY AND A PROPERT	omen ench Press + Dead Lift				
	Wt. Catg.	Qualifying Marks	Wt. Catg.	Qualifying Marks	Wt. Catg.	Qualifying Marks	Wt. Catg	Qualifying Marks				
1.	55 kg	170 kg	48 kg	90 kg	59 kg	420 Kg	47 kg	200 Kg				
2.	61 kg	205 kg	53 kg	95 kg	66 Kg	440 Kg	52 Kg	220 Kg				
3.	67 kg	220 kg	58 kg	100 kg	74 Kg	460 Kg	57 Kg	230 Kg				
4.	73 kg	230 kg	63 kg	105 kg	83 Kg	480 Kg	63 Kg	250 Kg				
5.	81 kg	240 kg	69 kg	110 kg	93 Kg	500 Kg	69 Kg	255 Kg				
6.	89 kg	250 kg	75 kg	110 kg	105 Kg	500 Kg	76 Kg	255 Kg				
7.	96 kg	250 kg	75+ kg	110 kg	120 Kg	505 Kg	84 Kg	260 Kg				
8.	102 kg	250 kg			120 Kg+	510 Kg	+84 Kg	265 Kg				
9.	109 kg	250 kg					-105					
10.	+109 kg	250 kg		the second second	maps	A CONTRACT OF A CONTRACT.	(1.1.1.1)					

> Best Physique: Men Section Up to 60kg. (2) 60-65kg. (3) 65-70kg. (4) 70-75kg. (5) 75-80kg. (6) 80-85kg. (7) 85-90kg. (8) +90 kg महत्वपूर्ण निर्देश :

 अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं / विश्वविद्यालय चयन स्पर्धा में भाग लेने हेतु आयु सीमा 17 से 25 वर्ष अर्थात 02 जुलाई 1998 या उसके पश्चात एवं महाविद्यालय में प्रवेश की तिथि तक 17 वर्ष का होना चाहिए। 2016 या उसके पश्चात् 12र्वी कक्षा उत्तीर्ण करने के वर्ष को प्रथम अवसर मानते हुए अधिकतम 8 बार प्रतियोगिता में भाग ले सकेगें। उक्त प्रतियोगिताओं हेतू 10वीं कक्षा, 12र्वी कक्षा, अंतिम कक्षा की अंकतालिका, महाविद्यालय में प्रवेश की फीस रसीद तथा आधार कार्ड की प्रतिलिपि सलंग्न करना अनिवार्य है।

 अन्तरमहाविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रारम्भिक से क्वार्टर फाईनल मुकाबलों तक 20-20 ओवर के मैच खेले जायेंगें तथा सेमीफाईनल व फाईनल 50-50 ओवर के मुकाबले होंगें, आयोजक महाविद्यालय पूर्व सूचना के साथ इसमें परिवंतन कर सकेगें।

3. अन्तरमहाविद्यालयी प्रतियोगिताओं में एयलेटिक्स, तीरंदाजी, शतरंज, क्रोस कट्री, वेट लिफ्टिंग, पावर लिफ्टिंग, बेस्ट फिजिक (पुरूष/महिला) की टीमों को रूपये 1000/-Officiating Charges के रूप में जमा करवाने होगें। क्रिकेट प्रतियोगिता की पुरूष/महिला प्रति टीम, प्रति मैच के रुपये 1000/- Officiating Charges के रूप में जमा कराने होगें। इसके अतिरिक्त अन्य खेलों की टीमों को प्रति मैच रूपये 500/- Officiating Charges के रूप में आयोजक महाविद्यालय को जमा करवाने होगें।

4. अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताएं/विश्वविद्यालय स्तरीय चयन स्पंधाओं में भाग लेने वाली टीमों/सदस्यों हेतु उपयुक्त खेल किट अनिवार्य है, इसके साथ महाविद्यालय संकाय सदस्य की टीम मैनेजर के रुप में उपस्थिती आवश्यक एवं अनिवार्य है, ऐसा न होने की स्थिती में संस्था प्रधान उत्तरदायी रहेगें।

5. अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिता से पूर्व आयोजक महाविद्यालय द्वारा आयोजित टीम मैनेजर्स मीटिंग में प्रत्येक टीम मेनेजर का अनिवार्य रुप से उपस्थित रहकर आयोज्य खेल प्रतियोगिता के सदर्भ में पूर्ण जानकारी लेने एवं अपनी टीम के सदस्यों को महत्वपूर्ण निर्देशों से अवगत कराने के उत्तरदायी रहेगे।

 अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताएं/विश्वविद्यालय स्तरीय चयन स्पंधाओं में भाग लेने के इच्छुक महाविद्यालय अपने स्तर पर भी आयोजक महाविद्यालय से निर्धारित तिथी एवं अन्य वांछित सूचनाओं हेतू आवश्यक एवं अनिवार्य रुप से सम्पर्क करें।

7. विद्यार्थी एक शैक्षेणिक सन्न के दौरान एथलेटिक्स मे अन्तर महाविद्यालय/विश्वविद्यालय स्तर पर अधिकतम (तीन ट्रेक तथा दो फिल्ड स्पंधाओं) में ही भाग ले सकेगा।

 पात्रता (एलिजिबिलिटी) नियमों में संशोधन को सावधानी पूर्वक पढकर विद्यार्थी (खिलाड़ी) का चयन करें। पात्रता (ईलिजिबिलटी) नियमों के उलंघनकर्त्ता महाविद्यालय को इस सत्र से निष्कासन के साथ रूपये 10,000 हजार जुर्माना राशि भी जमा करवानी होगी। (संलग्न प्रपत्र)



Name	Name of the Participating College:_	ge:		Manager's Name	Name			
Organ	Organizing College:		Place	Mana	Manager's Status	S		
Sr.	Name of the Participant	Father's Name	Mother's Name	Date of Birth	Year of Passing 12 th	Present Class	Duration of Course	Previous Participations UG+PG
F								
2.								
3.								
.								
'n								
6.								
7.								
8.								
9								
10.								
11.								
;								

In Charge, Sports with Seal Seal

à

Seal of the College

फोटो पहचान पत्र (महाविद्यालय के रिकार्ड हेतु) For Inter Collegiate Tournaments & UST of M.L.S.U, Session 2023-2024

Sports Event:	
Name:	
Father's Name:	Photo with
Mother's Name:	Signature of the
Date of Birth:	Student
Contact No. :	
Year of Passing 12 th Exam:	
Present Class / Course:	
	Signature with sea
	(In charge Sports)
Signature with seal X (Principal/Dean/Director of College/Institution)	
××	·**
फोटो पहचान पत्र (प्रतियो	गिता हेत साथ लावें)
For Inter Collegiate Tournaments & US	
Sports Event:	
College:	
Name:	Photo with
	Photo with Signature of
Name:	Photo with
Name: Father's Name: Mother's Name: Date of Birth:	Photo with Signature of the Student
Name: Father's Name: Mother's Name: Date of Birth: Aadhar Card No.:	Photo with Signature of the Student
Name: Father's Name: Mother's Name: Date of Birth:	Photo with Signature of the Student
Name:	Photo with Signature of the Student
Name: Father's Name: Mother's Name: Date of Birth: Date of Birth: Aadhar Card No.: Mobile No. : Year of Passing 12 th Exam: Present Class /	Photo with Signature of the Student
Name:	Photo with Signature of the Student
Name: Father's Name: Mother's Name: Date of Birth: Date of Birth: Aadhar Card No.: Mobile No. : Year of Passing 12 th Exam: Present Class /	Photo with Signature of the Student
Name:	Photo with Signature of the Student
Name:	Photo with Signature of the Student
Name:	Photo with Signature of the Student
Name:	Photo with Signature of the Student
Name:	Photo with Signature of the Student

अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं / विश्वविद्यालय चयन स्पर्धा में भाग लेने हेतु आयु सीमा 17 से 25 वर्ष अर्थात 02 जुलाई 1995 या उसके पश्चात एवं महाविद्यालय में प्रवेश की तिथि तक 17 वर्ष का होना चाहिए। 2016 या उसके पश्चात् 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के वर्ष को प्रथम अवसर मानते हुए अधिकतम 8 बार प्रतियोगिता में भाग ले सकेगें। उक्त प्रतियोगिताओं हेतू 10वीं कक्षा, 12वीं कक्षा, अंतिम कक्षा की अंकतालिका, महाविद्यालय में प्रवेश की फीस रसीद तथा आधार कार्ड की प्रतिलिपि सलंग्न करना अनिवार्य है।



UNIVERSITY SPORTS BOARD MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY

Ph.: +91-294-2417308, Fax: 2471150 Email: usb@mlsu.ac.in, usbmlsu@gmail.com | Website: www.mlsu.ac.in MAHARANA BHUPAL SPORTS COMPLEX, SARASWATI MARG, UDAIPUR-313 001 (Rajasthan)

विद्यार्थियों की खेल पात्रता (इलिजिबिलटी) के संदर्भ में संशोधित नियम

- विश्वविद्यालय की अन्तर महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं व चयन र्स्पधाओं हेतु विद्यार्थीयों की पात्रता (इलिजिबिलटी) व पहचान पत्रक में खेल प्रभारी तथा महाविद्यालय के प्राचार्य दोनों के हस्ताक्षर व संस्था की सील का होना आवश्यक है। ऐसा नही होने पर पात्रता (इलिजिबिलटी) पत्र अपूर्ण मानते हुये खेल प्रतियोगिता में भाग लेने से रोका जा सकेगा।
- 2. पात्रता (इलिजिबिलटी) के आधार अयोग्य पाये जाने वाले खिलाड़ी व खिलाड़ियों के संदर्भ में संबधित पूरी टीम उस सत्र के लिये अयोग्य मानी जायेगी । जिसका उतरदायित्व महाविद्यालय प्रशासन का होगा तथा सत्र 2017–18 से ऐसी टीम पर रूपये 10,000/– हजार का जुर्माना भी लागू होगा, जिसे संबधित महाविद्यालय को क्रीड़ा मण्डल में जमा करवाने पश्चात ही शेष खेल गति विधियों में भाग लेनें की पात्रता प्राप्त होगी, एवं यह अयोग्यता प्रकरण को विश्वविद्यालय प्रशासन और संबधित महाविद्यालय प्रशासन को आवश्यक कार्यवाही हेतू प्रेषित किया जायेगा।

उक्त नियम व्यक्तिगत स्पर्धाओं वाली खेल प्रतियोगिताओं में भी लागू होगें।

3. अन्तर विश्वविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं में चयन होने पर संबधित विद्यार्थी को 10 रूपये के नॉन ज्यूडीशियल शपथ पत्र पर क्रीड़ा मण्डल द्वारा उपलब्ध करायी गयी घोषणा, स्वंय के हस्ताक्षर व दिनांक सहित क्रीड़ा मण्डल कार्यालय में देनी होगी, उसके पश्चात ही विश्वविद्यालय टीम में उसका चयन सुनिश्चित हो सकेगा।







डॉ. बलजीत सिंह सेखों संयुक्त सचिव (वाई ए एंड एस) DR. BALJIT SINGH SEKHON Joint Secretary (YA&S) भारतीय विश्वविद्यालय संघ ए. आई. यू. हाउस, 16, कॉमरेड इंद्रजीत गुप्ता मार्ग (कोटला मार्ग), नई दिल्ली – 110002

Association of Indian Universities

AlU House, 16, Comrade Indrajit Gupta Marg (Kotla Marg) New Delhi- 110002

> No. S/NUG-2023-24/AIU August 18, 2023

The Vice Chancellors Member University AIU.

> Subject: Fixation of Upper age limit upto 25 years from this academic session 2023-24 onwards for participation in National University Games.

Dear Sir/Madam,

Greetings from AIU!

As you are aware that the Sports Board in its AGM unanimously decided to enhance the age limit from 25 years to 27 years for the academic session 2022-23 only for participation in National University Games on account of unprecedented Covid-19 situation.

Now, number of queries has been pouring in the office with regard to Age limit for this current academic session and this is to confirm that the upper age limit from this academic session 2023-24 onwards for participation in National University Games shall remain as 25 years. Hence, the eligibility rules for participation in National University Games for the year 2023-24 will be as under: -

- Age Limit of the student shall be minimum 17 years and Maximum upto 25 years from the current academic session.
- b. A student may be treated as eligible to participate in National University Games "On the Day" the student completes 17 years of age during the academic year in which he/she is admitted/enrolled for a degree or diploma whose examination is conducted by a university or college affiliated to university.
- c. Further, an athlete may participate if he/she is less than 25 years of age as on 1st July of the current academic year.

Kindly disseminate the same to all and your affiliated colleges, if any for information and compliance.

This may please be accorded top priority.

(Baljit Singh Sekhon)

CC: The Director Sports/Organizing Secretaries, Member Universities AIU for kind information.

E-mail: sports@aiu.ac.in; jointsecretarysekhon@gmail.com; aiusportsaiu@gmail.com Phone: (011) 23230059, 23231097, 23232429, 23232435, 23232305



Email: usb@mlsu.ac.in

Website: www.mlsu.ac.in

Date 11/09/2023



MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR

Maharana Bhupal Sports Complex, M.B. College Ground, Saraswati Marg, Udaipur-313001 (Rajasthan)

No.: MLSU / USB / 2023-24/134

The Principal / Dean / Director,

Sub.: University Selection Trials for the Session 2023-24.

Dear Sir/Madam,

As per the decision of University Sports Board meeting dated 26.08.2023, University Sports Board, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur shall organise the following sports events for the University Teams Coaching Camp:

S. No.	Sports Event	Date of Commen- cement	Venue	Timing
1.	Wrestling (M/W)	29.09.2023	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
2.	Aquatics (M/W) Swimming	03.10.2023	Maharana Pratap Khelgaon, Udaipur	11:00am
3.	Judo (M/W)	07.10.2023	Maharana Pratap Khelgaon, Udaipur	03:00pm
4.	Lawn Tennis (M/W)	01.11.2023	Lawn Tennis Court, Science College	11:00am
5.	Riffle & Pistol Shooting (M/W)	02.11.2023	Maharana Pratap Khelgaon, Udaipur	11:00am
6.	Kick Boxing (M/W)	04.11.2023	M.S. Boxing Hall, M. B. College Ground, Udaipur	03:00pm
7.	Yogasana (M/W)	18.11.2023	Yoga Hall, M. B. College Ground, Udaipur	11:00am
8.	Squash Racket (M/W)	20.11.2023	Maharana Pratap Khelgaon, Udaipur	03:00pm
9.	Karate (M/W)	01.12.2023	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
10.	Gymnastic (M/W)	02.12.2023	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	03:00pm
11.	Wushu (MAW)	06.12.2023	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
12.	Kayaking & Canoeing (M/W)	16.12.2023	Goverdhan Sagar Lake, Udaipur	03:00pm
13.	American Football (M)	23.12.2023	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
14.	Taekwondo (M/W)	05.01.2024	M.S. Boxing Hall, M. B. College Ground, Udaipur	03:00pm
15.	Rugby (M/W)	06.01.2024	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
16.	Boxing (M/W)	08.01.2024	M.S. Boxing Hall, M. B. College Ground, Udaipur	03:00pm
17.	Archery (M/W)	13.01.2024	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
18.	Indoor Hockey (M/W)	20.01.2024	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	03:00pm

Please send your entries at least two days before for above mentioned trials.

University Sports Board, MLSU, Udaipur will be organizing the above mentioned University Selection Trials. Please make all the correspondence regarding the selection trials to USB Office. (Office: 0294-2417308).

Eligibility: please bring duly filled and signed, eligibility Performa in triplicate, with one copy of Photo ID form of each team member to the organizing secretary of University Selection Trials.

No officiating charges will be paid for the University Selection Trials: Please send only outstanding players for the University Selection Trials, neither certificate of participations nor staying charges (lodging) shall be paid for the University Selection Trials.

Thanking You,

Yours faithfully.

atenate) UTD BREETRA Secretary University Sports Board M.L. Sukhadia University UDAIPUR-313001



23.	22.	21.	20.	19.	18.	17.	16.	15.	14.	13.	12.	11.	10.	9.	8.	7.	6.	5.	4.	ω	2.	1.	क्र.स.
योगासन (पुरूष/महिला) UST	हैंडबॉल (महिला)	किक बॉक्सिंग (पुरूष/महिला) UST	हैंडबॉल (पुरूष)	राईफल / पिस्टल शूटिंग (पु. / म.) UST	लॉन टेनिस (पुरूष∕महिला) UST	फुटबॉल (पुरूष / महिला)	हॉकी (पुरूष/ महिला)	वॉलीबाल (पुरूष)	टेबल टेनिस (पुरूष∕महिला)	कबर्डी (पुरूष)	बास्केटबॉल (पुरूष)	खो–खो (पुरूष)	शतरंज (महिला / पुरूष)	जूडो (पुरूष / महिला) UST	बारकेटबॉल (महिला)	वॉलीबाल (महिला)	कबर्डी (महिला)	तैराकी (पुरूष / महिला) UST	खो—खो (महिला)	क्रॉस–कन्ट्री (पुरूष/महिला)	कुश्ती ग्रीको / फ्री (पुरूष / महिला) UST	बैडमिंटन (पुरूष / महिला)	खेल स्पर्धाएं
18.11.2023	17-18 Nov., 2023	04.11.2023	03-04 Nov., 2023	02.11.2023	01.11.2023	28-30 Oct., 2023	26-27 Oct., 2023	19-20 Oct., 2023	17-18 Oct., 2023	14-15 Oct., 2023	12-13 Oct., 2023	10-11 Oct., 2023	09-10 Oct., 2023	07.10.2023	05-06 Oct., 2023	05-06 Oct. 2023	03-04 Oct., 2023	03.10.2023	01-02 Oct., 2023	30.09.2023	29.09.2023	26-27 Sep., 2023	प्रतियोगिता तिथि
विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	सुयश महाविद्यालय, राशमी	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	राणा प्रताप शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, भीण्डर	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	<mark>विश्वविद्यालय क्री</mark> ड़ा मण्डल, उदयपुर	विवि सामाजिक विज्ञान एपं मानविकी महाविद्यालय	विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय	राणा प्रताप शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, भीण्डर	ऐश्वर्या महाविद्यालय, उदयपुर	द्रोणाचार्य महाविद्यालय, भीण्डर	रविन्द्रनाथ टेगौर पी.जी. महाविद्यालय, कपासन	विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, उदयपुर	सन कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एण्ड साईस, उदयपुर	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	गुरूनानक कन्या महाविद्यालय, उदयपुर	गुरू नानक कन्या महाविद्यालय, उदयपुर	बी.एन. गर्ल्स महाविद्यालय, सलूम्बर	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	राजकीय कन्या महाविद्यालय, राजसंमद	सुयश महाविद्यालय, राशमी	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	विवि विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर	आयोजक महाविद्यालय
0294-2417308	9928029701	0294-2417308	9928070715	0294-2417308	0294-2417308	9414474185	9828045060	9928070715	9928906535	9785875863	9983505675	8764270893	7665155444	0294-2417308	9414164030	9414164030	9414609913	0294-2417308	9929340490	9928029701	0294-2417308	9828045060	सम्पर्क सूत्र
 khe so	Stanning Stressing																		a de la de				आयोजक विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय क्रीड्रा मण्डल, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय सत्र 2023-24

महाराणा भूपाल खेल परिसर, सरस्वती मार्ग, उदयपुर- 313 001

फोन-0294-2417308, E-mail: usb@mlsu.ac.in, Website: www.mlsu.ac.in म्रोतयोगिताओं के दौरान ही विश्वविद्यालय की अन्तर महाविद्यालयी खेल स्पर्धाओं का आयोजन अधोधर्णित तिथियों एवं महाविद्यालयों में किया जायेगा, उक्त प्रतियोगिताओं के दौरान ही विश्वविद्यालय की विभिन्न टीमों के प्रशिक्षण शिविरों तथा श्रेष्ठ खिलाड़ियों की अनुशंसा चयन समिति द्वारा नियमानुसार की जायेगी। निम्न वर्णित खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु इच्छुक महाविद्यालय के खेल प्रमारी संबंधित आयोजक से अपने स्तर पर समय से पूर्व सम्पर्क कर सकते है। इन तिथियों में तकनीकी कारणों से परिवर्तन हो सकता है अतः विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल से सम्पर्क करते रहें।

(डॉ. भीमराज पटेल) सचिव, वि.वि. क्रीड़ा मण्डल Ur. Bheem Ray Patel Secretary University Sports Board M.L. Sukhadia University UDAIPUR-313001

Symp



क्र.स.	खेल स्पर्धाएं	प्रतियोगिता तिथि	आयोजक महाविद्यालय	सम्पर्क रात्र
24.	रक्वेस रेकेट्स (पुरूष/महिला) UST	20.11.2023	टिश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	
25.	एथेलेटिक्स (पुरूष/ महिला)	21-24 Nov., 2023	तिवि विधि महाविद्यालय, उदयपुर	
26.	पावर लिपिटंग (पुरूष / महिला)	29-30 Nov., 2023	विवि सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय	đ
27.	वेट लिपिटंग (पुरूष/ महिला)	29-30 Nov., 2023	विवि सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय	
28.	बेस्ट पिःजिक (पुरूष)	29-30 Nov., 2023	विवि सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय	
29.	कराटे (पुरूष/महिला) UST	01.12.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	
30.	जिम्नारिटक (पुरूष/महिला) UST	02.12.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	
31.	सॉफ्टबॉल (पुरूष / महिला)	04-05 Dec., 2023	द्रोणाचार्य महाविद्यालय, भीण्डर	
32.	वुशू (पुरूष∕ महिला) UST	06.12.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	
33.	क्रिकेट (पुरूष / महिला)	09-18 Dec., 2023	विवि वाणिज्य महाविद्यालय	
34.	कयाकिंग एवं केनोइंग (पुरूष/महिला) UST	16.12.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	
35.	अमेरिकन फुटबॉल (पुरूष) UST	23.12.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	
36.	रग्बी (पुरूष/महिला) UST	06.01.2024	विश्वविद्यालय क्रीड़ा ग ण्डल, उदयपुर	
37.	ताईकांडो (पुरूष/महिला) UST	05.01.2024	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	
38.	बॉक्सिंग (पुरूष/महिला) UST	08.01.2024	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	
39.	तीरंदाजी (पुरूष/महिला) UST	13.01.2024	विश्वविद्यालय क्रीड़ा भण्डल, उदयपुर	
40.	इंडोर हॉकी (पुरूष/महिला) UST	20 01 2024	दिश्वविद्यालय क्रीडा मण्डल. उदयपुर	



UNIVERSITY SPORTS BOARD MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY

Ph.: +91-294-2417308, Fax: 2471150 Email: usb@mlsu.ac.in | Website: www.mlsu.ac.in MAHARANA BHUPAL SPORTS COMPLEX, SARASWATI MARG, UDAIPUR-313 001 (Rajasthan)

विश्वविद्यालय दल प्रबंधक (टीम मैनेजर) के कर्तव्य एवं अधिकार

विश्वविद्यालय की खेल टीम का प्रबंधन करते समय टीम प्रबंधक हेतु निम्नलिखित कर्तव्यों का निर्वहन करना आवश्यक है।

- 1. विश्वविद्यालय दल प्रबंधक (टीम मैनेजर) के नियुक्ति के साथ ही टीम मैनेजर को विश्वविद्यालय की उस टीम (जिसके वे प्रबंधक / मैनेजर नियुक्त किए गए है) के प्रशिक्षण शिविर को एक से अधिक बार अवलोकन करना तथा टीम के खिलाडियों से उनकी प्रशिक्षण तथा व्यक्तिगत कठिनाइयों के बारे में जानना और विश्वविद्यालय क्रीडा मण्डल कार्यालय के सहयोग से उसके निराकरण का प्रयास करना।
- विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल कार्यालय में उपस्थित होकर टीम से सम्बन्धित सभी दस्तावेजों इलिजिबिलिटी परफोरमा, आई.डी.कार्ड, टीम घोषणा एवं रवानगी आदेश, इन्ट्रोडक्श्न लैटर इत्यादि को प्राप्त कर उनकी जांच करना।
- 3. विश्वविद्यालय टीम के आवागमन हेतु क्रीडा मण्डल कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गए रेल / बस / टेक्सी के टिकटों एवं आरक्षण की पूर्ण जॉच करना तथा यात्रामार्ग के बारे मे भी विस्तार से जानकारी प्राप्त करने के साथ टीम को कहाँ और कब रिपोर्ट करना है, यह जानना।
- 4. विश्वविद्यालय क्रीडा मण्डल द्वारा खिलाडियों के लिए निर्धारित दैनिक भत्ता, प्रशिक्षण भत्ता, मैच रिफ्रेशमेंन्ट, खेल किट तथा ट्रेकसूट एवंम् अन्य भत्ते के सम्बंध में पूर्ण जानकारी लेकर अग्रिम धनराशि प्राप्त करना तथा खिलाडियों को नियमानुसार भुगतान सुनिश्चित कराना।
- 5. विश्वविद्यालय दल/टीम के साथ जा रहे खेल प्रशिक्षक, टीम/दल के सदस्यों के मध्य सामंजस्य बैठाना या रखना तथा निर्दिष्ट नियमावली (अनुशासन) के अनुरूप आचरण करने हेतु सभी को प्रेरित करना। विश्वविद्यालय क्रीडा मण्डल कार्यालय को खेल प्रतियोगिता में वास्तविक रुप से भाग लेने खिलाडियों की सूची (प्रमाण पत्र हेतू) उपलब्ध करवाना।
- 6. जिस खेल प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे है उस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का अच्छे से अच्छे प्रदर्शन हो सके इस हेतु दल सदस्यों एवम् प्रशिक्षक को उपलब्ध संसाधनों के आधार पर अधिकाधिक प्रोत्साहित करना।
- 7. खेल प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की गरिमा के अनुरूप सफलता पूर्वक भाग लेकर सम्पूर्ण दल को क्रीडा मण्डल कार्यालय तक पहुंचाना तथा उक्त खेल प्रतियोगिता हेतु विश्वविद्यालय क्रीडा मण्डल कार्यालय से प्राप्त अग्रिम धनराशि का नियमानुसार विस्तृत लेखा-जोखा कार्यालय में 7 दिनों के अन्दर प्रस्तुत करना ।

विश्वविद्यालय की खेल टीम मैनेजर/दल प्रबंधक के रूप में प्रबंधक को खेल टीम के एकाधिक सदस्यों या सर्म्यूण टीम को अनुशासन हीनता, टीम के विरुद्ध आचरण, दल प्रबंधक/खेल प्रशिक्षक के आदेश की अवहेलना, विश्वविद्यालय की गरिमा को टेस पहुंचाने जैसे कृत्य करनें पर सम्बंधित खेल प्रतियोगिता में भाग लेने से रोकने का अधिकार होगा।

विश्वविद्यालय की खेल टीम के आवागमन दौरान किसी भी प्रकार की प्राकृतिक या परिस्थिति जन्य आपदा जिसके कारण विश्वविद्यालय की खेल टीम/दल प्रभावित हो, ऐसी परिस्थिति में टीम मैनेजर/दल प्रबंधक को अन्य सुविधा जनक विकल्प के चयन के निर्णय का अधिकार होगा।













UGC- Malaviya Mission Teacher Training Centre (MMTTC) National Institute of Educational Planning and Administration (NIEPA), New Delhi

&

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

Invite you to join

Two-Week Online Refresher Programme on 'Research Methods: Approaches & Practices'

7th March to 21st March, 2024

Objectives	 To develop interdisciplinary approach and analytical thinking for research To explain important aspects of Research Methodology To impart intense knowledge about different types of research designs and sampling methods To enhance understanding of data types and basic as well as advanced tools and techniques of classification and analysis To enable the participants to apply tools and techniques for their research and reporting of research outcome with the help of appropriate software. To provide them with hands-on experience on different software of data analysis. To improve writing of research paper & understand the publishing process.
Expected Outcomes	After successful completion of this online program, the participants will be able to conduct quality research and produce fruitful outcomes. They will conduct research in a scientific manner by using appropriate quantitative and qualitative methods and effectively analyse the data. They will be competent to report their research outcomes impressively and generate quality publications.
Incentive for Faculty Members	This Refresher Course conducted under the Malaviya Mission Teacher Training Programme shall be taken into consideration for the fulfilment of the requirements as laid down in the Career Advancement Scheme as per UGC Regulations on Minimum qualifications for appointment of teachers and other Academic Staff in Universities and Colleges and Measures for the Maintenance of Standards in Higher Education 2018.
Programme Duration and Contact Hours	It is a two-week programme to be held from 7 th March to 21 st March, 2024 with 72 contact hours (6 hours daily on 6 working days of each of the two weeks).
Fees	No fees will be charged from participants.
Registration	Participants can register for the programme by filling the Google form <u>https://forms.gle/bXuoAoT2ynczdniy5</u> latest by 6 th March, 2024.
Eligibility Criteria	The programme is open to faculty members (regular/permanent/ad-hoc /contractual/guest) from all disciplines at all levels.
Expectation from the participants	 The participants are required to attend all the sessions of the programme sincerely. No leave will be granted during the programme. The participants will be requested to submit their opinions and suggestions (feedback) on the various components of the program.







.

Prof. Shashikala Wanjari

Hon'ble Vice-Chancellor NIEPA, New Delhi

Prof. Mona Khare

Director, UGC – Malaviya Mission Teacher Training Centre, NIEPA, New Delhi Email : niepammcdir@niepa.ac.in



Prof. Sunita Mishra Hon'ble Vice-Chancellor MLSU, Udaipur

Deputy Director, UGC – MMTTC



Dr. Amit Gautam Associate Professor Phone: 91- 011-26544889 Email: ddmmttcniepa@niepa.ac.in

Refresher Programme Coordinator



Dr. Neha Paliwal Dept. of Economics, MLSU, Udaipur Mb.N.-9829858589 Email: neha.paliwal03@gmail.com

Technical



Sh. Chandra Kumar M.J. Systems Analyst Phone: 91- 011-26544879 Email: chandrakumar@niepa.ac.in

"Microbial Techniques" workshop report

Department of Microbiology and Biotechnology have organized a workshop on "Microbial Techniques" on 18 October, 2023 for the B. Pharma students of Asian College of Pharmacy, Udaipur under the aegis of Azadi ka Amrit Mahtosav.

The objective of this workshop was to combine the theoretical knowledge of students along with the practical exposure. In this workshop twenty students have participated and hands on training includes experiments related to basic microbial techniques like gram staining, carbohydrate fermentation, isolation of microbes and antibiotic susceptibility test.

Students have visited research laboratories of the department and seen the instrumentation facility also.

Dr. Namita Ashish Singh

Coordinator

Dr. Harshada Joshi

Course-Director

3- Two Weeks Training Programme-III

Paragraph

F

On

"Research Methodology Using SPSS Software"

Research Skill Development in Social Sciences, Communication & Management' Organized by Dept. of Sociology under RUSA 2.0 project (8.01.2024 to 22.01.2024)

4- Two Weeks Training Programme-IV

On

"Research Methodology and Writing Skills"

'Research Skill Development in Social Sciences, Communication & Management' Organized by Dept. of Sociology under RUSA 2.0 project (5.02.2024 to 19.02.2024)

5- Two Weeks Training Programme-V

On

"Skill Development in Social Sciences"

'Research Skill Development in Social Sciences, Communication & Management' Organized by Dept. of Sociology under RUSA 2.0 project (18.11.2024 to 01.12.2024) जनजातीय अध्ययन : शोध प्रविधि एवं तकनीकी

राष्ट्रीय कार्यशाला

दिनांक : 9-10 मार्च, 2024

आयोजक :

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर ट्राईबल रिसर्च एंड नॉलेज सेंटर, नई दिल्ली वनवासी कल्याण आश्रम, उदयप्र

प्रतिवेदन

जनजातीय अध्ययन : शोध प्रविधि एवं तकनीक विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 9-10 मार्च, 2014 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर, माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर, ट्राईबल रिसर्च एंड नॉलेज सेंटर नई दिल्ली तथा वनवासी कल्याण आश्रम, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार में हुआ। इसका उद्घाटन 9 मार्च को सुबह 10:00 बजे अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस सत्र में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अतुल जोग, जनजातीय क्षेत्रीय विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुनीता मिश्रा, ट्राईबल रिसर्च एवं नॉलेज सेंटर नई दिल्ली के महासचिव प्रो. विवेक दुबे और कार्यक्रम संयोजक डॉ. मन्ना लाल रावत का मार्गदर्शन मिला।

कारक्राम का आरंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ अतिथियों का स्वागत एवं उद्घाटन भाषण, कार्यशाला का परिचय के साथ कार्यशाला में पधारने के लिए सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया गया।

इस उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अतुल जोग ने कहा कि प्राचीन काल के शासकों तथा कालांतर में ब्रिटिश शासन ने अपने स्वार्थ के लिए जनजातियों को गरीब बनाया। बदनाम करने के लिए क्रिमिनल घोषित किया और पिछड़ा साबित किया। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के बारे में अब तक जो इतिहास में पढ़ाया गया, वह गलत था। हमें आदिवासियों की अस्मिता को समझना और सही तरीके से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

जनजातीय क्षेत्रीय विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी जी ने कहा कि आजादी के बाद न तो जनजातियों का समुचित विकास हुआ और न ही उन पर महत्वपूर्ण शोध हुए। आज की जरूरत है कि आदिवासी समाज को जागृत किया जाए और उनके इतिहास को सही परिपेक्ष्य में लिखा और पढ़ा जाए। श्री खराड़ी ने कहा कि जनजाति समाज स्वाभिमानी समाज है। उन्हें अपने पैरों पर खड़ा कर स्वावलंबी बनाना होगा।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने कहा कि मैंने आदिवासी समाज को बहुत करीब से देखा है। ट्राईबल रिसर्च एवं नॉलेज सेंटर नई दिल्ली के महासचिव प्रोफेसर विवेक दुबे ने कहा कि हमारा संस्थान पूरे देश में जनजाति चिंतन से जुड़े विषयों पर लगातार कार्यशालाएं कर रहा है ताकि जनजातियों के विकास के लिए चिंतन प्रवाह को आगे बढ़ाया जा सके। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मन्ना लाल रावत ने कहा कि आदिवासी अध्ययन नहीं अनुभूति का विषय है क्योंकि आदिवासी समाज सदैव स्वाभिमानी समाज रहा है और इसके उत्थान और विकास के लिए जितने प्रयास होने चाहिए उतने नहीं हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ बालूदान बारहट ने किया और धन्यवाद डॉ. नवीन नंदवाना ने दिया।

प्रथम सत्र

चाय के लिए ब्रेक कार्यशाला का प्रथम सत्र 11: 45 पर प्रारंभ हुआ। उद्घाटन के बाद प्रथम तकनीकी सत्र में प्रो. फीरमी बोडो ने कहा कि जनजाति समाज को उन्हीं की नजर से देखने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने वक्तव्य में मिजो और मणिपुरी भाषाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें जनजाति समाज की Thought और understanding को समझना होगा। हमारी जनजातियां इतने वर्षों से यूं ही नहीं संघर्ष कर रही हैं। हमें जनजाति समाज को उनकी आंखों से देखने की आवश्यकता है।

द्वितीय सत्र

भोजनोपरांत दूसरा सत्र 2:00 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें मुख्य वक्ता श्री राजाराम कटारा, श्री गिरीश कुबेर जी एवं प्रोफेसर एम.एस. राठौड़ थे। इस सत्र का विषय 'जनजातीय

Page 2 of 6

अस्तित्व' था। इस सत्र में मुख्य वक्ता श्री राजाराम कटारा ने कहा कि जनजातीय अस्मिता और अस्तित्व पर शोध व विमर्श होना सुखद है। जनजातियों की अस्मिता ठीक से जानने पर ही हम उनके कल्या (विकास) की ठीक से योजना बना पाएंगे। मात्र भौतिक उन्नति से ही जनजाति कल्याण को जोड़ लिया जाता है, यह उचित नहीं है। इस दृष्टि के कारण कई विषय छूट जाते हैं। अब तक इस समाज के परंपरागत ज्ञान को ठीक से नहीं समझा गया। इस कारण यह स्वावलंबी समाज बेरोजगार हो गया। स्वास्थ्य, बीज संरक्षण, रस्सी निर्माण, प्राकृतिक चिकित्सा आदि का जो ज्ञान इस समाज के पास है, इनके इस ज्ञान पर ध्यान देना अपेक्षित है। हमें आदिवासी समाज की आध्यात्मिकता को समझना होगा। जनजाति समाज का धर्म व आध्यात्म देने की परंपरा से जुड़ा है। अपने भजन और आरती में यह 'स्वयं के कल्याण के स्थान पर लोक कल्याण' की कामना व्यक्त करता है।

इस सत्र में श्री गिरीश जी कुबेर जी कहा कि जनजाति अस्मिता की बात केवल जल, जंगल, जमीन की लड़ाई तक नहीं है। उन्होंने 1871 क्रीमिनल एक्ट की बात भी की। उन्होंने प्रोटेक्शन ऑफ़ लेंड, कल्चर और लेंग्वेज पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि जनजातियों की सक्सेस स्टोरी लिखी जानी चाहिए। उन्होंने जमीन और पुनर्वास के विषयों पर विचार व्यक्त किए। नियमों और योजनाओं की जानकारी के अभाव के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ वहां तक नहीं पहुंच पाता है।

वक्ता के रूप में बोलते हुए प्रो. मदन सिंह राठौड़ ने कहा कि जनजातियों के लिए किया गया विकास विकारग्रस्त न हो। आपने वसुधैव कुटुंबकम की महता बताई। साथ ही नीति निर्माण और क्रियान्वयन के बीच का गैप खत्म करने पर बल दिया।

तृतीय सत्र

इस कार्यशाला का तीसरा सत्र 3:15 बजे प्रारंभ हुआ जिसके मुख्य वक्ता प्रोफेसर विवेक कुमार, श्री वैभव सुरंगे और श्री एस.एल. परमार ने जनजातीय विकास पर अपनी बात रखी।

श्री वैभव सुरंगे ने कहा कि विकास के साथ जनजातीय जीवन को ध्यान में रखने की महती आवश्यकता है। हम जंगल काटकर विकास की बात करते हैं, फिर पेड़ लगाने की चिंता करते हैं। हैप्पीनेस इंडेक्स को ध्यान में रखते हुए विकास के पथ पर अग्रसर होना होगा। पर्यावरण के अनुकूल विकास का मॉडल बनाना होगा। हमारे पास कम्युनिटी का मॉडल बचा नहीं है, जनजातियों के पास अभी बचा है। हम जनजाति समाज की स्थिति को जाने बिना

Page 3 of 6

मत तय कर लेते हैं, जो उचित नहीं है। शोधार्थी को अपने शोध के माध्यम से सरकारी योजनाओं का सही मूल्यांकन कर उसके निष्कर्ष सरकार तक पहुंचाने होंगे। विकास योजनाओं की असफलता का भी ठीक से मूल्यांकन करना होगा। श्री एस.एल. परमार ने कहा कि आजादी के बाद विकास दिखता है, पर सवाल गुणवत्ता का है। हमारे यहां शिक्षा के क्षेत्र में संख्या तो बढ़ी है, पर स्तर नहीं बढ़ा। प्रो. विवेक कुमार ने 'जनजातीय समाज की प्राचीन परंपरा और विकास' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हम जनजातीय समाज के विकास के लिए चिंतित हैं बल्कि हमें विकास के सही मॉडल को समझना होगा।

प्रो. नीरज शर्मा ने सनातन दर्शन, शांति और समन्वय की विराट प्रकृति पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि विवेक पूर्ण मानवीय आचरण जरूरी है। वैदिक दर्शन में प्रकृति की उपासना महत्वपूर्ण है। आपने नारायण दशावतार की बात करते हुए प्रकृति से विकास क्रम को दर्शाया। प्राकृतिक शक्तियों के मानवीकरण और पंच देवोपासना की चर्चा की और कहा कि सनातन का मूल एक है। सनातन वैदिक अस्मिता, आदिवासी आस्तिकता के बिना अपूर्ण है। सनातन वैदिक चिंतन प्रवाह आदिवासी मूल्यों से अभिन्न है। हमारी सनातन संस्कृति वन्य जीवन से अभिन्न है।

प्रो. सुरेश अग्रवाल ने वैदिक धर्म और भक्ति -पर अपने विचार रखे। संत मावजी के चौपड़े, वाणियों में निहित भविष्यवाणियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैदिक संस्कृति व जनजातीय संस्कृति, गोविंद गुरु के प्रवचन और अवदान को रेखांकित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम और जनजातीय विद्यार्थियों के ड्रॉपआउट के कारणों पर प्रकाश डाला। वहीं प्रो. दिग्विजय भटनागर ने समन्वय के दर्शन, शिक्षा को बढ़ाने पर बल दिया।

दूसरा दिन : 10 मार्च 2024

प्रथम सत्र

कार्यशाला के दूसरे दिन 10 मार्च, 2024 को सुबह 10:00 बजे प्रथम सत्र प्रारंभ हुआ जिसमें मुख्य वक्ता श्री भगवान सहाय जी, प्रो. बिनोद कुमार और डॉ. प्रियासी दत्ता थे।

प्रो. बिनोद कुमार ने कहा कि हम अपनी कहानी स्वयं नहीं लिख पाए तो कोई और उसे अपने तरीके से लिख गया। इस सत्र में डॉ. बिनोद कुमार ने Curriculum Design पर बात की। वहीं आदिवासी जीवन के विषय में Reclaiming Narrations & Documentations पर अपने विचार रखे। इस सत्र में श्री भगवान सहाय जी ने जनजातीय संस्कृति और सनातन संस्कृति को अभिन्न बताया और कहा कि जनजातीय संस्कृति रक्षण, पोषण और संवर्धन होना चाहिए। हमें जनजातियों के बीच सकारात्मकता लेकर जाना होगा।

द्वितीय सत्र

इस दिन का दूसरा सत्र 11:30 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें 'शोध प्रविधियां' विषय पर प्रकाश डाला गया। इस सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कोठारी ने कहा कि जनजातीय विषयों पर अनुसंधान और शोध करने से पहले उनसे जुड़ाव जरूरी है। पश्चिमी देशों के प्रबंधन के तरीके हमारे देश में हूबहू लागू नहीं किए जा सकते हैं। भारतीय जनजातियों में कई विषयों पर शोध की संभावना है। इसके बाद भोजन अवकाश हुआ।

समापन समारोह

इस कार्यशाला का समापन सत्र अपराहन 2.00 बजे प्रारंभ हुआ जिसके अध्यक्ष प्रो. बी.पी, शर्मा, मुख्य अतिथि श्री हर्ष चौहान और श्री सुधीर दवे थे। श्री सुधीर दवे ने जनजातीय विकास विभाग की गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी दी। श्री वारसिंह निर्देशक टी.आर.आई. ने टी.आर.आई. की गतिविधियों, उद्देश्यों एवं महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में बताया।

श्री हर्ष चौहान ने कहा कि जनजातीय समाज को लेकर अलग-अलग नेरेटिव हैं, उस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने Why Tribal Research ? विषय पर अपने विचार रखे और कहा कि जनजातीय समाज को हम ठीक से समझ नहीं पाए। अंग्रेजों की दृष्टि से हम इस समाज को देखते हैं, जो ठीक नहीं है। हमारी संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में इस पर अध्ययन करेंगे तो हम इस समाज को समझ पाएंगे। उन्होंने कहा कि नगरीय जीवन में आज आदिवासी को लेकर जो छवि बनी हुई है वह सोचनीय है। औपनिवेशिक मानसिकता से लिखा गया साहित्य और बनी हुई फिल्में आज भी आदिवासियों की छवि बदल नहीं सकीं। आज आंकड़े और यथार्थ में भेद दिखता है। अतः इस समाज को आधार बनाकर शोध एवं अध्ययन की महती आवश्यकता है। दृष्टि, पद्धति और संकल्प ठीक होने पर ही जनजातीय समाज पर सही शोध संभव है।

प्रो. बी.पी. शर्मा ने कहा कि सबसे सभ्य और सुसंस्कृत समाज जनजातीय समाज है। 'गवरी' नृत्य के माध्यम से हम उनकी श्रद्धा और अनुशासन देख सकते हैं। आस्था और समर्पण हम उनके इस वार्षिक पर्व में देख सकते हैं। गवरी के एक-एक पात्र पर शोध की अनेक संभावनाएँ हैं। जनजातीय समाज का हमने ठीक से अध्ययन अभी तक नहीं किया है। जनजातियों के पर्वों व मान्यताओं पर भी शोध की आवश्यकता है। इस समापन समारोह का संचालन डॉ. विनीता राजपुरोहित ने किया और आभार डॉ. बालूदान बारहठ ने व्यक्त किया किया। राष्ट्रगान के साथ इस कार्यशाला का समापन हुआ।

000

REPORT OF ONE DAY WORKSHOP ON **"ACCOUNTING FOR HOTELS"** [MAY 9, 2024 THURSDAY]

ORGANIZED BY

Department of Accountancy and Business Statistics,

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Raj.)



One day workshop on "Accounting for Hotels" was organized by Department of Accountancy and Statistics , University College of Commerce and Management Studies , MohanlalSukhadia University. The workshop was organized under the guidance of Honorable Vice chancellor of the University **Professor Sunita Mishra** and Dean of University, **Professor B.L Verma.**

Organizing Secretary of the workshop **Dr. Shilpa Vardia** said that the main objective of conducting this workshop is to provide practical Knowledge of "**Accounting for hotels**" and also increase there employment opportunities in hotel industry. Further , she said that there are immense possibilities of tourism in Udaipur. Hotel industry is biggest industry in Udaipur in which an investment of 1000 crores and about 1000 employees are working. She also focused significance of hotel accounting in present era and different services provided by hotel industry.

Thereafter, Department Head **Dr. Shurveer Singh Bhanawat**, also motivated students on creating their own employment and form groups and develop accounting skills and plan to start a start up. He enlightened the knowledge of participants by providing in depth knowledge about the concept of Hotel accounting.

The keynote speaker of present workshop **Mr. Piyush Soni**, made the participants aware of the introduction of Hotel Business Accounting, its types, license requirement and tax system through Power point presentation. Along with this, he also gave training of practical hotel accounting through case study related to hotel through tally software.

The present workshop was very informative and interactive as it ended with quiz and question and answer round that enabled the participants to put their queries which were very well explained and answered by resource person. Lastly , **E- Certificate** were provided to all **51** participants who attended the present workshop.

The Faculty members of the department, Assistant Professor **Dr. ShilpaLodha, Dr. Asha Sharma, Dr. ParulDashora, Dr. PushprajMeena**were present in this workshop. Along with this, Guest faculty of Accountancy department **Dr. RimpiSaluja, Dr. Nidhibhanawat, Dr. Priyanka Jain** and **Dr. Ruchika Jain** were also present.



Google

India UCCMS , MLSU, Opposite Hotel R Lat 24.581446° Long 73.712386° 09/05/24 11:59 AM GMT +05:30

FT.

oogle

1

India UCCMS , MLSU, Opposite Hotel R Lat 24.581446° Long 73.712386° 09/05/24 11:57 AM GMT +05:30

Google



India UCCMS , MLSU, Opposite Hotel R Lat 24.581446° Long 73.712386° 09/05/24 01:47 PM GMT +05:30



Google


ASSAULTED.

UCCMS, MLSU, Opposite Hotel R Long 73.712386° 09/05/24 12:22 PM GMT +05:30



Google

આવે ને અપના ભાવ્ય પાઠ વિષયો !

आर कलाकारा क सामन आस्तल का लाइव प्रस्तुत जा

स्टार्टअप सुजित कर रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे सुविवि में लेखांकन पर कार्यशाला

ब्यूरो नवज्योति/ उदयपुर।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के लेखांकन एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा गुरुवार को होटल लेखांकन पर कार्यशाला का आयोजन कंप्यूटर लैब में किया गया। कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा एवं विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबन्ध संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीएल वर्मा एवं व विभागाध्यक्ष प्रो.शुरवीर सिंह भाणावत के मार्गदर्शन में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन सचिव डा. शिल्पा वर्डिया ने बताया कि उदयपुर में लेखांकन में रोजगार की संभावना भरपुर है। अतः लेखा विद्यार्थियों के लिए यह कार्यशाला उनके रोजगार के अवसरों में अभिवृद्धि करेगी। विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने कहा कि स्वयं के रोजगार के सृजन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके लिए लेखांकन एवम टैक्सेशन

में कौशल विकसित करके स्टार्ट अप शुरू करने की योजना बनानी चाहिए।संचालन शौयगढगढ़ रिसॉर्ट के अकाउंट्स एग्जीक्यूटिव पीयूष सोनी ने किया। सुखाड़िया विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा एवं विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबन्ध संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीएल वर्मा ने कार्यशाला के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।



DEPARTMENT OF ACCOUNTANCY AND BUSINESS STATISTICS UNIVERSITY COLLEGE OF COMMERCE AND MANAGEMENT STUDIES MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR Workshop on Accounting For Hotels on 9 May, 2024 at 11 am

-

ir. no.	Name	Mobile No.	Signature	CLASS				
				M.Com	MFC	M.Voc (ATA)	Other	
1	Vikosh Kumar	7079840252	V.Koz			\checkmark		
2	Nayon GroxWoni	8203363307	Park.				1/	
3	Hussam Kruksdiwala	3423003162	·Har	V			Y	
4	Kamai Bhagwatilal Nagda.	9137509702	15.00	~				
5	Viek Bhati	9953763198	Sur	1			-	
6	Chinney Jaim	9799185787	Claim.	1/				
7	De Nidh Bharrowat Muldin	9414917061	Cidhi	1				
-8	Shudutt Singh Rug	9785567574	Shahman		1			
9	Robeken Sahan	8290115874	2410		1			
10	Khushi Mod	1300271346	Knuslei		1		-	
11	Druye Kalal	8355 30 2866	Divitat		x	~		
12	Komal Nanda	8824149482	Kenocat		it	-		
13	Meenalshi Pacigui	8769991269	P.				L	
-14	Juga Kuttoni	82 39376763	and they made		V	-		
-15	mayur ved	9588296278	my			V		
16	Nusciaina such shally	8890851125	Nogenang			V		
17	DIKSHA PLACHIT	7014527813	Dilksha-			V		
18	mulita Bhatmagor	890 57410 89	Butthe			1		

2/3

SS STATISTICS



DEPARTMENT OF ACCOUNTANCY AN. UNIVERSITY COLLEGE OF COMMERCE AND MANAGEMENT STUDIES MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR Workshop on Accounting For Hotels on 9 May, 2024 at 11 am

Sr. no.	Workshop on Accounting Name	Mobile No.	Signature	CLASS				
				M.Com	MFC	M.Voc (ATA)	Other	
49	Aayush Maheshwari	9649755098	-Data		V			
20	Dasshon Bhatia	8560 942464	Daulhon.		V			
21	Nures Mada	9057092628	Newy		V			
22	Ritika decudhary	9001973704	Ritika	1				
23	Vielly Vyas	63-18128273	Viden	~				
24	MOHD Shame Rhan	2424946402	Phase		V			
25	Mitch Kumoe Mong	8523583229	nutern.	V				
26	VIEN HUMARDAMOR	8107652586	VIPIN KUMAR	~			1	
27	Ships Lodie		And					
28	TE is sugar tothing	707:3:10016	Tein	V		-		
29	Divid' Shil	6690039954	Arth	1				
30	Aamna Banu	8107104491	Aamna Ben	-				
31	Khushi Sharma	3939671624	Kimmer !!	1				
22	Decanshy Rathera	7737193664	B	1-				
35.	Nicha Shaktawat	9521694587	Nebersetawat	V				
×	Nuper Palicual	9079101100	Supy	V				
35	Hemo Mali	9602355715	Hema	V				
36	Ashok Singh Rarag	9929713767	2 34-				PhD c	

DEPARTMENT OF ACCOUNTANCY AND BUSINESS STATISTICS
UNIVERSITY COLLEGE OF COMMERCE AND MANAGEMENT STUDIES
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR
Workshop on Accounting For Hotels on 9 May, 2024 at 11 am

	Name	Madale No.	Signature	CLASS			
Sr. no.				M.Com	MFC	M.Vec (ATA)	Other
37	ASHOK KUMAR SHAKMA	9664417552	disat				2
18	De Prola Salara	9382325121	De-faller				
20	The Amora Jam	18169924184	144		_		~
40	Dr Publice Jain	9462436369	A series				
M	Duria Nagra	1999 114 18 21	Dr.				
F	Hunden Chundanial	7942329915	huse				
4	* Robil Shanna	9024820471	Find.				
A	Renak Jan	7127120774	Tent.				
*	Chem dingh	9785 117004	4600				
46	Hozafa Behry	8230575415	They				
	last that isse	#NUT82518	have .				
48	Buil human Morna	787192562	Priv		V		
49	Bratik Charles	8875 133222	End Shanda		V		
50	Dr Ashe Shalme	80055 16509	· +		24	Same	C

3 of 3

D'

(Shilpa Vardia)



ST

seminar Report

हिंदी साहित्य, सिनेमा, समाज तथा अन्य माध्यम

उद्घाटन सत्र

दिनांक 06.10.2023 समय प्रातः 11:00 से 12:30

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् एवं मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 06-07 अक्टूबर,2023 को हिंदी साहित्य, सिनेमा, समाज तथा अन्य माध्यम विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी में देश के कई जाने-माने टीवी, वेब सीरीज तथा सिने कलाकार, निर्देशक, संगीतकार तथा पटकथा लेखक विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए। कई विश्वविद्यालयों से आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए । इस संगोष्ठी का शुभारंभ 06अक्टूबर,2023 शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद सभागार में हुआ । उदघाटन सत्र में विभागाध्यक्ष डॉ॰ नीतू परिहार ने स्वागत उद्बोधन दिया । प्रसिद्ध रंगकर्मी, सिने-टीवी कलाकार अखिलेंद्र मिश्र ने मुख्य अतिथि के रूप में अपना उद्बोधन दिया । उन्होंने बताया कि भगवान शिव के डमरू से 14 सूत्र निकले । इन्हीं सूत्रों से सारी विद्याएँ, विधाएं और भाषाएँ निकली। संस्कृत भी इन्हीं में से एक है, जिसकी हिंदी समेत कई बेटियां हैं।उन्होंने कहा कि सृष्टि प्रदत्त भाषा है संस्कृत और हिंदी।

आयोजन सचिव डॉ. नीता त्रिवेदी ने कहा कि हम उस पीढ़ी के प्रतीक हैं जो टीवी पर चित्रहार, रामायण, चंद्रकांता संतति जैसे सीरियल देखते हुए बड़े हुए हैं। उन्होंने सिनेमा के दौर को याद करते हुए कहा कि उस समय सिनेमा मनोरंजन का साधन होने के साथ हमें भावनात्मक और रहस्य की दुनिया से भी जोड़े रखता था। विशिष्ट अतिथि प्रो. गौरव वल्लभ ने बताया कि हिंदी भाषा में जो अपनत्व, ममता, प्रेम, करुणा, वात्सल्य है, वह दुनिया की किसी भी भाषा में महसूस नहीं होता। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रो. सुनीता मिश्रा ने कहा कि ऐसी संगोष्ठी समय की मांग है।मुख्य वक्ता प्रो. पुनीत बिसारिया ने कहा कि साहित्य के बिना समाज नहीं है और समाज के बिना सिनेमा नहीं है।सभी एक दूसरे के बिना अधूरे हैं।विशिष्ट अतिथि प्रो. नीरज शर्मा ने कहा कि अगर हिंदी भाषा का एक शब्द भी आपके भीतर समा जाए तो आपको उच्च सम्मान मिल सकता है। इस अवसर पर डॉ. आशीष सिसोदिया की पुस्तक 'मेवाड़ी लोककला एवं लोकगीत' का विमोचन किया गया।तेजस पूनिया की दो पुस्तकों का भी विमोचन हुआ।अतिथियों को स्मृति-चिह्न भी भेंट किए गए। डॉ. नवीन नंदवाना ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

व्याख्यान सत्र

दिनांक *06.10.2023* समय *12:35* से *1:30* तक स्थान : विवेकानंद सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

नाटक, सिनेमा, साहित्य और समाज

उद्घाटन सत्र के बाद व्याख्यान सत्र प्रारंभ हुआ जिसका संचालन डॉ. मुन्ना कुमार पांडे ने किया। इस सत्र में 'नाटक, सिनेमा, साहित्य और समाज' विषय पर प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं अभिनेता अखिलेंद्र मिश्र ने अपना व्याख्यान दिया। इस सत्र में डॉ. मुन्ना कुमार पांडे के साहित्य एवं सिनेमा से संबंधित सवालों के जवाब अखिलेंद्र मिश्र ने अपने अनोखे अंदाज़ में दिए साथ ही उन्होंने अपनी पुस्तक 'अखिलामृतं' से कुछ कवितायें भी सुनाई।

प्रथम तकनीकी सत्र

दिनांक 06.10.2023 समय 2:30 से 4:00 तक

स्थान : विवेकानंद सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर साहित्य, समाज तथा अधुनातन माध्यम

(क्षेत्रीय सिनेमा तथा वेब सीरीज, प्रिंट मीडिया, शॉर्ट मूवीज तथा टीवी सीरियल)

भोजन के पश्चात् प्रथम तकनीकी सत्र प्रारंभ हुआ।इस सत्र की अध्यक्षता सोमेन्द्र हर्ष,निदेशक (RIIF), जयपुर ने की। वक्ता के रूप में आदित्य ओम (तमिल एवं हिंदी फिल्म निर्देशक), तरुण डुडेजा (लेखक एवं निर्देशक), चिन्मय भट्ट (फिल्म निर्देशक, गीतकार, संगीतकार एवं पटकथा लेखक), जिगर नागदा (निर्माता, निर्देशक एवं लेखक) एवं कुणाल मेहता (फिल्म निर्देशक, अभिनेता एवं लेखक) ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस सत्र में साहित्य, समाज तथा अधुनातन माध्यम जिसके अंतर्गत क्षेत्रीय सिनेमा तथा वेब सीरीज, प्रिंट मीडिया, विज्ञापन, शोर्ट मूवीज तथा टीवी सीरियल पर विस्तृत चर्चा हुई जिसमें दर्शकों की जिज्ञासाओं का भी प्रतिउत्तर दिया गया। इस सत्र में विषय से संबंधित *06* पत्र आए।

साहित्यिक कार्यक्रम

दिनांक 06·10·2023 समय सायं 7:30 से 9:00 स्थान : बप्पा रावल सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर शब्द ब्रह्म (आखर से आख्यान की यात्रा)

06 अक्टूबर,2023 की शाम को 7:30 बजे से साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका विषय रखा गया - शब्द-ब्रह्म (आखर से आख्यान की यात्रा) । इस कार्यक्रम में सिनेमा से संबंधित लेखक से संवाद किया गया । इस कार्यक्रम में मशहूर पटकथा लेखक सत्य व्यास से उनकी पुस्तक 'मीना मेरे आगे' पर चर्चा की गई। साथ ही फिल्म विश्लेषक तेजस पूनिया से भी उनकी पुस्तक पर चर्चा हुई। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुन्ना कुमार पांडे ने किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र

दिनांक 07·10·2023 समय प्रात: 10:30 से 11:30 स्थान : बप्पा रावल सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर सिनेमा तथा अन्य माध्यमों का समाज तथा साहित्य से अंतर्संबंध

07 अक्टूबर,2023 को प्रातः 10:30 बजे से द्वितीय तकनीकी सत्र प्रारंभ हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो• संजीव दुबे (अध्यक्ष हिंदी अध्ययन केंद्र, गुजरात) ने की।इसमें वक्ता के रूप में उपस्थित विद्वानों में - प्रो• अशोक कांबले (अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन और अनुसन्धान विभाग कर्नाटक), डॉ• विशाल विक्रम सिंह (सहायक आचार्य, हिंदी विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर), डॉ• आशीष सिसोदिया (सह आचार्य, हिंदी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर) तथा डॉ• नवीन नंदवाना (सह आचार्य, हिंदी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर) ने सिनेमा तथा अन्य माध्यमों का समाज तथा साहित्य से अंतर्संबंध विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।इस सत्र में विषय से संबंधित 10 पत्र आए।मुख्य वक्ता प्रो· अशोक कांबले ने साहित्य की भाषा एवं सिनेमा की विकास यात्रा पर चर्चा की।

तृतीय तकनीकी सत्र

दिनांक 07·10·2023 समय प्रात: 11:35 से 12:40 स्थान : बप्पा रावल सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर सिनेमा तथा अन्य माध्यमों का सैद्धान्तिक एवं तकनीकी पक्ष

इसके बाद तृतीय तकनीकी सत्र प्रारम्भ हुआ जिसकी अध्यक्षता डॉ‧ मृत्युंजय सिंह (ओ·एस·डी· बंगाल सरकार, लेखक एवं निर्देशक) ने की। इसमें वक्ता के रूप में सुष्मिता सिंह (सह संस्थापक, उदयपुर टेल्स इंटरनेशनल स्टोरी टेलिंग फेस्टिवल), डॉ‧ मुन्ना कुमार पांडे (सह आचार्य, हिंदी विभाग, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय) डॉ‧ संदेश महाजन (सहायक आचार्य, पी·डी-ई·यू‧ गांधीनगर, गुजरात) तथा डॉ‧ दीपा सोनी (सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर) उपस्थित रहे। इस सत्र का विषय था - सिनेमा तथा अन्य माध्यमों का सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्ष । इस सत्र में विषय से संबंधित *05* पत्र आए। डॉ‧ मृत्युंजय सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय सिनेमा कला का एक अलग ही क्षेत्र है।विभिन्न कलाओं की तरह फिल्म निर्माण भी कला है। उन्होंने फिल्म निर्माण की सैद्धांतिकी को भी श्रोताओं को समझाया। इस अवसर पर डॉ‧ मृत्युंजय सिंह ने अपनी प्रसिद्ध कविता 'द्रौपदी' सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संवाद सत्र

दिनांक 07·10·2023 समय 12:45 से 02:00 स्थान : बप्पा रावल सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर सिनेमा तथा अन्य माध्यम : विविध आयाम (पटकथा लेखन, गीत-संगीत, निर्देशन, छायांकन रिकार्डिंग, मार्केटिंग)

तत्पश्चात द्वितीय संवाद सत्र शुरू हुआ जिसका संचालन सोमेन्द्र हर्ष (निदेशक (RIIF), जयपुर) ने किया। इस सत्र का विषय था- सिनेमा तथा अन्य माध्यम : विविध आयाम (पटकथा लेखन, गीत-संगीत, निर्देशन, छायांकन रिकार्डिंग, मार्केटिंग)।इस सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में दिलीप सेन (प्रसिद्ध संगीतकार), चिन्मय भट्ट (फिल्म निर्देशक, गीतकार, संगीतकार एवं पटकथा लेखक) तथा कपिल पालीवाल (गीतकार) ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। संगीतकार दिलीप सेन ने कहा कि जब तक फ़िल्में रहेंगी, संगीत रहेगा। संगीत फिल्म की रीढ़ है।

समापन सत्र

दिनांक 07·10·2023 समय 3:00 से 04:30 स्थान : बप्पा रावल सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर हिंदी साहित्य, सिनेमा, समाज तथा अन्य माध्यम

समापन सत्र की अध्यक्षता सोमेन्द्र हर्ष ने की। मुख्य वक्ता के रूप में दिलीप सेन ने अपने संगीत एवं धुन की निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से समां बांध दिया। उन्होंने गानों के माध्यम से दर्शकों का मन जीत लिया। उनहोंने कहा कि इस सृष्टि का संचालन तीन चीजों से होता है और वो है – सुर, लय और ताल। इन तीनों को मिलाकर ही संगीत बनता है। डॉ. आशीष सिसोदिया ने संगोष्ठी का प्रतिवेदन पढकर सुनाया। आयोजन सचिव डॉ. नीता त्रिवेदी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. नवीन नंदवाना ने किया। इसी के साथ दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। Programme Title: "Dabu Indigo Printing "

Coordinator: Dr. Dolly Mogra Co-Coordinators: Yogesh Chhipa Date: 12.04.2023 No. of Participants-50 Collaboration: Military Cant. Objectives of the Programme:

- To teach individuals the traditional art and techniques of Dabu indigo printing
- To promote eco-friendly practices through Dabu printing, including the use of sustainable materials and dyeing methods.
- To provide a historical and cultural context for Dabu indigo printing, helping participants appreciate its significance.

Outcomes:

- Participants acquired the knowledge and skills needed to create intricate and beautiful prints.
- Participants explored their creativity and developed their own unique designs and patterns in Dabu printing.
- Learners achieved a deeper appreciation for the cultural and historical significance of Dabu printing, connecting with the tradition and heritage behind the art.
- Participants learned eco-friendly practices, encouraged to adopt sustainable and environmentally responsible methods in their printing process

Overview of the Programme:

The training was organised in a military cantt. area for the military men wives on 12th April 2023 with the objective of creating awareness about the traditional art of the Dabu printing among the women. The training was given by the locally trained artisan Mr Yogesh cheepa. His family is totally involved in this art. He explained every step by live demonstration of mud resist printing. Women themselves did this craft and enjoy a lot by creating scarfs, dupatta and kurta. The incharge of the department Dr. Dolly Mogra threw light on the historical and cultural significance of the Dabu print and explained about its significance in this era of ever changing fashion world.



Annexure –2

Programme Title: "Mandala Art "

Coordinator: Dr. Dolly Mogra Resource Person : Ms. Yogini Dak Date: 2. 06.2023 No. of Participants-36 Collaboration: Objectives of the Programme:

- To provide a platform for participants to express their creativity and emotions through the creation of mandala art.
- To promote an appreciation for the beauty and symmetry found in mandala art.
- To teach the techniques and skills needed to create intricate and visually appealing mandala designs.
- To educate participants about the cultural and historical significance of mandalas in various traditions.

Outcomes:

- Participants created their own unique mandalas, expressing their creativity and individuality.
- Participants achieved a better understanding of the cultural and spiritual significance of mandalas in various traditions.
- Mandala art workshops provided a platform of the participants to express themselves artistically.

Overview of the Programme:

The workshop was organized by the Department of Fashion Technology and Designing on 2nd June 2023 for the 36 participants at Nehru hostel. The resource person for the training was Yogini Dak. She is a trained creative artist. Under the workshop the students were to explode about the mandala art. She finely demonstrated the art of mandala and also told about the key points in making fine and perfect mandala art. The training was basically organised to improve the skill of the students and also to enable them to start their own enterprise by using this historical and traditional technique of mandala. In this workshop the students prepared various samples in different shapes and sizes.

Dr. Dolly Mogra Incharge Department of Fashion Technology and Designing gave the detailed information regarding the importance and its use in this present era of globalization and also told the students how they can use this technique to start their own enterprise.

Programme Title: "Clay Pot Making "

Coordinator: Dr. Dolly Mogra Resource Person: Ms. Yogini Dak Date: 3 June 2023 No. of Participants- 36 Objectives of the Programme:

- To Provide a hands-on experience for participants to create their own clay pots.
- To Develop participants' skills in shaping, decorating, and firing clay pots.
- To Teach participants the traditional art of pottery and clay pot making.
- Potentially support local artisans and the pottery industry by encouraging interest in handmade pottery.

Outcomes:

- Participants acquired skills in working with clay, hand-building techniques, and pottery craftsmanship.
- Completing a clay pot boosted participants' self-esteem and sense of achievement.

Overview of the Programme:

The workshop was organized on 3rd June 2023 for the 36 participants at Nehru hostel. The resource person for the training was Yogini Dak. She is a trained creative artist. Under the workshop the students were explored about the various techniques of pot decoration with clay moulds and different styles of painting on the pot. The training is basically organised to improve the skill of the students and also to enable them to start their own enterprise by using this artistic way of creating pots and other items of decoration. In this workshop the students prepared various types of pots and decorative items by using clay and other techniques.

Dr. Dolly Mogra Incharge Department of Fashion Technology and Designing gave the detailed information regarding the importance and its use in this present era of globalization and also tell the students that by using their creativity they can develop many decorative items which are in demand .

Programme Title: " Lippan Art "

Coordinator: Dr. Dolly Mogra Co-Coordinators: Dimple Jain, Priyanka Jain Date: 21 July2023 No. of Participants-50 Collaboration: Objectives of the Programme:

- To acquaint students with the traditional Lippan art.
- To improve their creativity.
- To enhance their skill in lippan art.

Outcomes:

- They prepare many products by lippan art technique.
- Their speed of making products was also increased.
- Participants achieved a better understanding of the cultural and spiritual significance of lippan art in various traditions.
- Lippan art workshops provided a platform of the participants to express themselves artistically.

Overview of the Programme:

On 27th july 2023 a vibrant Lippan Art Training Workshop was conducted at Nehru hostel for 50 students], bringing together art enthusiasts and learners eager to explore the traditional folk art form of Lippan. The workshop aimed to provide hands-on training, fostering creativity and preserving the rich cultural heritage associated with this distinctive art.

The workshop included interactive sessions where participants could ask questions, seek guidance, and engage in discussions with the instructor i.e Dimple and Priyanka. This fostered a collaborative learning environment and allowed for a deeper understanding of Lippan art.

Participants were encouraged to express their creativity through both individual and group projects. This not only provided a platform for personal artistic expression but also promoted teamwork and camaraderie among the participants.

Towards the end of the workshop, an exhibition of the participants' Lippan art creations was organized. This showcase allowed participants to appreciate each other's work, share their experiences, and celebrate the diversity of artistic expressions within the Lippan art tradition. The Lippan Art Training Workshop proved to be an enriching and culturally immersive experience for all participants. It not only imparted practical skills in Lippan art but also provided a deeper appreciation for the cultural heritage embedded in this traditional folk art form

Programme Title: "Tri Colour Dupatta Making Workshop "

Coordinator: Dr. Dolly Mogra Co-Coordinators: Rekha Purohit Date: 12.08.2023 No. of Participants-50 Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To enhance knowledge about the mass production method.
- To learn how to complete a big order in a small time.
- To acquaint them with the raw material procurement.

Outcomes:

- They learned and practiced the mass production process.
- They get an understanding about the importance of time in completing order.
- They gained insight knowledge about raw material purchase.
- They prepare nice tri colour dupatta on time.

Overview of the Programme

On 12th August 2023, a "Tri Colour Dupatta Making Workshop" was organized under the guidance of the Department of Fashion Designing and Technology. The workshop aimed to celebrate the cultural diversity of our nation through the creation of tri-color dupattas, symbolizing the Indian flag.

Fifty enthusiastic participants gathered to learn and engage in the art of dupatta making. The workshop commenced with Dr. Dolly Mogra's opening remarks, emphasizing the importance of cultural expression and creativity.

Participants were provided with materials including fabric in saffron, white, and green colors, along with various embellishments such as sequins, beads, and embroidery threads. Under the expert guidance of Rekha Purohit and her team, participants learned different techniques including tie-dye, embroidery, and fabric painting to adorn their dupattas.

Throughout the workshop, participants displayed remarkable creativity, experimenting with different designs and patterns. The atmosphere was filled with joy and camaraderie as participants shared ideas and techniques with each other.

By the end of the workshop, each participant had successfully crafted their own unique tri-color dupatta, representing the spirit of unity in diversity.

Dr. Dolly Mogra concluded the event by congratulating the participants on their creativity and encouraging them to continue exploring their artistic talents.

The "Tri Colour Dupatta Making Workshop" was not only a celebration of artistic expression but also a reminder of the rich cultural heritage that unites us as a nation. It served as a platform for individuals to come together, learn, and celebrate our shared identity.

The success of the workshop would not have been possible without the dedication and guidance of Dr. Dolly Mogra and her team, as well as the enthusiasm and active participation of all the participants.

Overall, the workshop was a resounding success, leaving a lasting impact on all those who attended, and showcasing the power of creativity and unity in fostering cultural appreciation.

Programme Title: "Rakhi Making"

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators: Rekha Purohit

Date: 21.08.2023

No. of Participants- 36

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To enhance their creativity.
- To develop the skill of rakhi making.
- To sensitize students about the hand made rakhi.

Outcomes:

- Students rakhi making skill was developed
- Their creativity was also improved.
- They start earning by selling their handmade rakhi.
- They understand the importance of handmade rakhi.

Overview of the Programme:

On 21st August 2023, a delightful Rakhi Making Workshop was organized at Nehru Hostel in which 36 students engage in the creative and traditional art of crafting Rakhi. The workshop aimed to celebrate the spirit of Raksha Bandhan, promote creativity, and provide an opportunity for participants to make personalized Rakhis for their loved ones.

The workshop began with an introduction to various materials used in Rakhi making, including threads, beads, sequins, and decorative elements. Different techniques such as braiding, beadwork, and embroidery were demonstrated to give participants a diverse range of options for creating their Rakhis.

To guide participants, expert Ms. Rekha Purohit and Ms. Chanda Sharma were invited to demonstrate advanced techniques and share tips for creating intricate and visually appealing Rakhis. These demonstrations added value to the workshop by showcasing professional craftsmanship.

The Rakhi Making Workshop proved to be a delightful and engaging event, successfully achieving its objectives of promoting creativity and celebrating the cultural significance of Raksha Bandhan. Participants left the workshop not only with beautifully crafted Rakhis but also with a sense of pride in their creative abilities.

The success of the workshop underscored the importance of hands-on activities in celebrating festivals and connecting with cultural traditions. Participants expressed their appreciation for the opportunity to create personalized Rakhis, reinforcing the sentiment behind the festival of Raksha Bandhan – a celebration of love, protection, and the bond between siblings.

Programme Title: "Textile Surface embellishment "

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Resource person: Sophia

Date: 5-7 Sep.2023

No. of Participants-55

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- Introduce participants to various techniques for surface embellishment.
- Teach participants how to enhance the appearance of surfaces through decorative methods.
- Provide hands-on experience with different tools and materials used in surface embellishment.
- Empower participants to incorporate embellishment techniques into their own artistic or design practices.
- Encourage collaboration and sharing of ideas among workshop participants

Outcomes:

- Improved skills in applying decorative methods.
- Increased creativity and experimentation.
- Expanded knowledge of tools and materials.
- Empowered participants to incorporate techniques into their own work.

Overview of the Programme:

The programme was organised between 5-7 sep 2023 at Nehru hostel . The resource person of the workshop was Ms. Sophia . She taught three different surface ornamentation techniques to students-

- 1. Fabric painting
- 2. Kuch embroidery with three D outliner
- 3. Cutwork

Students enthusiastically participated in this workshop and prepared the article from each technique.

The co ordinator of the workshop Dr. Dolly Mogra gave detailed information about the implication of these techniques in fashion garments. She also guide the students about the importance of traditional work on apparel in India as well as around the world.

Programme Title: "Clay Art: Ganesha"

Coordinator: Dr. Dolly Mogra Co-Coordinators: Rekha Purohit , Samiksha Sharma Date: 17 Sep.2023 No. of Participants-80 Collaboration: Objectives of the Programme:

- To send a message of eco friendly environment .
- To develop the skill of making Ganesha from clay among the students.
- To develop their creativity.

Outcomes:

- Eco-Friendly handmade Ganesha made by the students.
- Confidence was developed amongst students
- Students gained huge exposure from this workshop.

Overview of the Programme:

A one-day workshop on making eco-friendly Ganesh idol was organized in the Fashion Technology and Designing Department of Mohanlal Sukhadia University. Under the direction of art teacher Yogini Dak, As an innovation, seeds were put in the soil of the statues being made so that after immersion the seeds could germinate and take the form of plants and help in environmental protection.

Dr. Dolly Mogra, in-charge of the department, said that the department has been moving forward in environmental protection since the beginning and on the auspicious occasion of Ganesh Chaturthi, it has led the students towards innovation by putting seeds in the clay Ganesh idols made by the students.

Programme Title: Terracotta Creations

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators: Dr. Sonu, Dr Rupali & Dr. Mamta

Date: 6.11.23 & 7.11.23

No. of Participants- 200

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- Introduce the history and significance of terracotta.
- Provide hands-on experience in terracotta techniques.
- Foster creativity and artistic expression.
- Facilitate networking and collaboration.

Outcomes:

- Enhanced understanding of terracotta's cultural importance.
- Development of practical terracotta skills.
- Increased creativity and expression through artwork.
- Networking opportunities within the artistic community.

Overview of the Programme:

The Terracotta Workshop coordinated by Dr. Dolly Mogra was held on November 6th and 7th, 2023, with a total of 200 participants in attendance. The workshop aimed to introduce participants to the art and techniques of working with terracotta.

Throughout the two-day event, participants engaged in hands-on activities guided by experienced instructors, learning various methods of shaping, molding, and decorating terracotta creations. Dr. Dolly Mogra, along with her team of facilitators, provided Mr. Ghasiram comprehensive demonstrations and personalized assistance to ensure a fulfilling learning experience for all attendees.

The workshop covered fundamental techniques such as coil building, slab construction, and wheel throwing, allowing participants to explore their creativity and experiment with different forms and designs. Additionally, sessions on surface decoration techniques including carving,

painting, and glazing provided participants with a well-rounded understanding of terracotta artistry.

Interactive discussions and presentations by guest speakers further enriched the workshop, offering insights into the historical significance and contemporary applications of terracotta in art and architecture. Participants were encouraged to exchange ideas, share their experiences, and seek inspiration from one another, fostering a collaborative and supportive learning environment.

Overall, the Terracotta Workshop led by Dr. Dolly Mogra and her team was a resounding success, providing participants with valuable skills, knowledge, and inspiration to further explore the versatile medium of terracotta in their artistic pursuits. The event received positive feedback from participants, highlighting its effectiveness in promoting creativity, craftsmanship, and cultural appreciation within the community.

Programme Title: "Phad Painting"

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators: Dr. Meenaxi Mishra

Date: 26-27.10.23

No. of Participants-45

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- Introduce students to the traditional art form of Phad painting, originating from Rajasthan, to promote cultural awareness and appreciation.
- To promote innovations and creativity.
- To raise the potentiality of the students.
- To encourage and build confidence among the new students.
- To provide an platform to showcase their talent

Outcomes:

- Students acquire and improve their painting techniques, gaining proficiency in the intricate details of Phad painting.
- Increase their cultural awareness towards Phad Painting.
- Increase in the Self confidence of the students.
- Talents and skills of the students have been Identified

Overview of the Programme:

The workshop on Phad Painting, organized by Dr. Dolly Mogra and Dr. Meenaxi Mishra, took place on 26-27 October 2023. The event aimed to introduce participants to the traditional art form of Phad Painting, originating from Rajasthan, India.

Day 1:

Dr. Dolly Mogra provided an overview of the history and cultural significance of Phad Painting.

Dr. Meenaxi Mishra demonstrated the traditional techniques and materials used in Phad Painting, including the use of natural pigments and cloth canvas.

Participants were guided through the initial stages of creating their own Phad Paintings, learning basic strokes and patterns.

Day 2:

Dr. Meenaxi Mishra led a session on advanced techniques in Phad Painting, including intricate detailing and color mixing.

Participants continued working on their own Phad Paintings, with guidance and feedback from the coordinators.

A mini-exhibition was organized where participants displayed their finished Phad Paintings, followed by a discussion on the experience and challenges faced during the workshop.

The workshop fostered appreciation for traditional art forms and encouraged participants to continue exploring and preserving such cultural heritage.

The workshop on Phad Painting was a resounding success, thanks to the efforts of Dr. Dolly Mogra, Dr. Meenaxi Mishra, and the enthusiastic participation of 45 attendees. It not only provided valuable insights into a traditional art form but also served as a platform for cultural exchange and artistic expression.

Traditional Wall Hanging (Birds)

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators:

Date: 13.2.2024 - 16.2.2024

No. of Participants-15

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To teach participants traditional techniques for creating wall hangings featuring bird motifs.
- To enhance skills in textile art and craft.
- To foster appreciation for traditional craft and design methods.

Outcomes:

- The students were able to try their creativity in making traditional wall hanging.
- They learned the technique and art of creating wall hangings.

Overview of the programme:

The "Traditional Wall Hanging (Birds)" programme, coordinated by Dr. Dolly Mogra from February 13 to February 16, 2024, engaged 15 participants in crafting traditional wall hangings. The workshop focused on techniques for designing and creating wall hangings with bird motifs, emphasizing traditional methods and craftsmanship. Participants received step-by-step instruction, including guidance on materials, patterns, and execution. The event concluded with an exhibition of the participants' work, showcasing their creativity and newly acquired skills. The programme successfully blended traditional art with practical learning, allowing participants to create unique decorative pieces and gain deeper insight into textile arts.

Report of the International Conference on "Minerals, Mining and Metallurgy in South Asia: Historical Perspectives", dated 11-12 January, 2024

The International Conference on "Minerals, Mining and Metallurgy in South Asia: Historical Perspectives" was organised on 11 - 12 January 2024 by the Department of History, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur at the Golden Jubilee Guest House of MLSU. The proposal of the conference was submitted to ICSSR on 27 September 2023. Rajasthan States Mines and Minerals Limited, Wonder Cement, and Hindustan Zinc Limited agreed to help in the conference. The conference brochure and invitation was sent to many Universities of India and abroad. About 71 abstracts were received and 50 of them were taken for presentation in the conference. There were about 40 physical participants and the rest of the papers were discussed online.

The inaugural session began at 10:30 AM on 11 January 2024 at the Conference Hall, Guest house. On the dais were Chief Guest: Lieutenant General Anil Kapoor AVSM, VSM Retired, Keynote Speaker: Padmashri Professor Sharada Srinivasan (Professor, School of Humanities, National Institute of Advanced Studies, Indian Institute of Science Campus, Bangalore; International Honorary Member, American Academy of Arts and Sciences; Member, Advisory Board, Exeter University; Hon. Exeter University Fellow; Member, Advisory Board, Institute of Archaeometallurgical Studies, London; Dr. Kalpana Chawla Woman Scientist Awardee; Padmashri Awardee in Archaeology.), Guest Speaker: Dr. Shri Krishna Jugnu, Guest of Honour: Prof. Chulani Rambukwella from Sri Lanka (Chair Professor of Archaeology, Department of Archaeology, University of Peradeniya, Sri Lanka) Professor Sunita Mishra, HVC, MLSU, Prof. Pratibha, HOD and Dr. Peeyush Bhadviya, Conference Convener. In the audience were distinguished guests, participants, and students of History Department.

After all technical sessions, Valedictory session was conducted from 5:15 pm to 6: 30 pm. It was chaired by Prof. Pooranmal Yadav, Faculty Chairman, Social Sciences, MLSU, Chief Guest was Brig. Sandeep Kumar, VSM, Valedictory Address was given by Prof. Jeevan Singh Kharakwal from Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth, Prof. Pratibha, HOD, History, MLSU and Dr. Peeyush Bhadviya was also on dais.

Participants from Foreign Nations: Dr. Naira Mrktchyan from Armenia (Diplomat, T.V. Anchor, Writer, Orientalist, Lecturer, Northern University, Yerevan, Republic of

Meo man 4 MM 14/01/20215

Armenia.), Prof. Poonam R.L. Rana from Nepal (Associate Professor, Nepalese History Culture & Archaeology, Tribhuvan University, Nepal), Prof. Chulani Rambukwella (Chair Professor of Archaeology, Department of Archaeology, University of Peradeniya, Sri Lanka), Upeksha Gamage (Senior Lecturer, Department of History and Archaeology, University of Ruhuna, Sri Lanka.), Dr. Sonali Dasnayke (Lecturer, Department of History and Archaeology, University of Ruhuna, Sri Lanka.), Dr. R.M.N.P.K. Jayasinghe (Gem and Jewellery Research and Training Institute, Welivita, Kaduwela & Postgraduate Institute of Science, University of Peradeniya, Peradeniya, Sri Lanka) from Sri Lanka ; Online Participants : Prof. Som Prasad (Professor, Central Department of Nepalese History, Culture and Archaeology Tribhuvan University, Nepal) from Nepal, Alkesh Zaveri from U.S.A., Githa U.B. from Sweden.

Participants from India 1 JAMMU: Dr. Anita Gupta (Assistant Professor, Department of History, Central University, Jammu, JKUT, India.), Dr. Tirthraj Bhoi (Assistant Professor, Department of History, Faculty of Social Sciences, University of Jammu, Jammu, JKUT, India.) 2 UTTAR PRADESH: Dr. D.P. Sharma (B.H.U., Varanasi, Uttar Pradesh, India.), Dr. Madhuri Sharma (B.H.U., Varanasi, Uttar Pradesh, India.), Dr. Ravindra Kumar (Assistant Professor, Department of Ancient History, Culture and Archaeology, University of Allahabad, Prayagraj, Uttar Pradesh, India.) 3 UTTARAKHAND: Prof. Yogambar Singh Farswan (Professor in Environmental Archaeology, Department of History, Ancient Indian History, Culture and Archaeology, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University), Srinagar Garhwal, Uttarakhand, India), Dilshad Fatima (Ph.D. Research Scholar, University of Allahabad, Prayagraj, Uttar Pradesh, India.) 4 HARYANA: Prof. Bhagat Singh (Professor, Department of Ancient Indian History, Culture & Archaeology, Kurukshetra University, Kurukshetra, Haryana, India.), Prof. Rajpal Singh (Professor, Department of Ancient Indian History, Culture & Archaeology, Kurukshetra University, Kurukshetra, Haryana, India.) and Ms. Monu (Ph.D. Research Scholar, Department of Ancient Indian History, Culture & Archaeology, Kurukshetra University, Kurukshetra, Haryana, India.) 5 DELHI: Dr. Rimjhim Sharma (Assistant Professor, Department of History, PGDAV College, Nehru Nagar, New Delhi, India.), Dr. Vandana Singh (Kalasampada, New Delhi, India), Lt. Gen. Anil Kapoor, AVSM, VSM, Grp. Capt. R.S. Mehta SC (General Secretary, Indus International Research Foundation, New Delhi, India.), Debyani Mukherjee (M.A. Anthropology, IGNOU, Delhi & M.A. Archaeology, Indian Institute of Heritage, Noida, Uttar Pradesh, India.), 6 GUJARAT: Prof. Arun Vagehla (Professor, Department of History, Gujarat University, Ahmedabad, Gujarat, India.), Dr. Nandan Shastri (Freelance Museologistcum-Geologist, Gujarat, India.), Dr. Dinesh Pancholi (Freelance Museologist-cum-Geologist,
Gujarat, India.), Dr. Rita Parikh (Associate Professor, Department of Sanskrit, Mr. and Mrs. P.K. Kotwala Arts College, Patan, Gujarat, India.), Dr. Meena Agrawal (Assistant Professor, History Department, Mr. and Mrs. P.K. Kotwala Arts College, Patan, Gujarat, India.), Dr. Bhangraj Choudhary (Assistant Professor, History Department, Arts College, Deesa, Gujarat, India.) 7 MAHARASHTRA: Prof. Madhu Kelkar (Professor, Department of Foundation Course, HR College of Commerce and Economics, Churchgate, Mumbai, Maharashtra, India), Dr. Nandita Moitra (Assistant Professor, Guru Nanak College of Arts, Science and Commerce, Guru Tegh Bahadur Nagar, Sion, Mumbai, Maharashtra, India.), Dr. Madhumita Bandopadhyay (Smt. P.N. Doshi Women's College, Ghatkopar, Mumbai, Maharashtra, India), Dr. Shaikh Musak Rajjak (Associate Professor & Head, Department of History, Maulana Azad College of Arts, Science & Commerce, Aurangabad, Maharashtra, India), Dr. Kazi Yasmin Papamiya (Faculty Member, Department of History, Maulana Azad College of Arts, Science & Commerce, Aurangabad, Maharashtra, India), Dr. Balaji Chirade (Associate Professor, Department of History, Central University, Warda, Maharashtra, India) 8 GOA: Prof. Louisa Rodrigues 9 KARNATAKA: Padmashri Prof. Sharada Srinivasan (Professor, School of Humanities, National Institute of Advanced Studies, Indian Institute of Science Campus, Bangalore; International Honorary Member, American Academy of Arts and Sciences; Member, Advisory Board, Exeter University; Hon. Exeter University Fellow; Member, Advisory Board, Institute of Archaeometallurgical Studies, London; Dr. Kalpana Chawla Woman Scientist Awardee; Padmashri Awardee in Archaeology.), Brigradier Sandeep Kumar VSM (President Indus International Research Foundation New Delhi, India), Lt. Gen. C.A. Krishnan PVSM, UYSM, AVSM (online) 10 KERALA: Ahira Chandra Babu (Ph.D. Research Scholar, Department of Sanskrit Sahitya, Sree Sankaracharya University of Sanskrit, Kalady, Kerala, India.) (online) 11 TAMIL NADU: Dr. S. Vasanthi (Deputy Superintending Archaeologist (retd.)), Dr. Rajesh (Assistant Professor, Kongunadu Arts and Science College, Coimbatore, Tamil Nadu, India.) and Dr. Rajalakshmi (Assistant Professor, Department of Tamil, Kongunadu Arts and Science College, Coimbatore, Tamil Nadu, India.) 12 RAJASTHAN: Dr. Hansmukh Seth (Associate Curator, The City Palace Museum, Udaipur, Rajasthan, India.), Dr. Arvind Kumar (Geological Survey of India, Field Training Centre, Zawar, Udaipur, Rajasthan, India), Dr. Shrikrishna Jugnu (Renowned historian, Udaipur, Rajasthan, India.), Dr. A.K. Grover (Dy. D.G. (Retired), Geological Survey of India) (online) Dr. P.R. Golani (Formerly Director, Training Institute, Geological Survey of India, Zawar Centre, Udaipur, Rajasthan, India.) (online), Dr. Suman Rathore (Associate Professor

Government College, Khairwada, Udaipur, Rajasthan, India.), Mangilal Mahawar (Assistant Professor Government Post Graduate College, Dausa, Rajasthan, India.), Mohit Shankar Sisodia (Ph.D. Research Scholar, Department of History, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, Rajasthan, India.), Kriti Kataria (Ph.D. Research Scholar, Department of History, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, Rajasthan, India.), Suresh Kumar (Ph.D. Research Scholar, Department of History, Mohanlal Sukhadia University, Idaipur, Rajasthan, India.)

The following sessions were conducted

Day 1st: 11.01.2024 Plenary Session – 1: Conference Hall Time: 01 P.M. to 02:50 P.M.

1	Archaeometallurgy of Copper Hoard in India	
2	Mineral Resources of Sri Lanka : An Archaeological and Historical Review	Dr. D.P. Sharma
	Review Review	Prof. Chulani Rambukwella
3	Silver Mines from the 4 th millennium DCE	
4	The Mineral Kingdom (Focus on Jewellery) & its Symbolic Values in Nepal	Dr. Nandan Shastri
	Nepal Nepal	Dr. Poonam R.L. Rana

Parallel Technical Session - 1: Conference Hall

Tea

	Time 2 DM () Conterence Hall	
	Time 3 P.M. to 04:30 P.M.	
1	Dession ("hair: Drof American II is a	itra
	Copper Workings and Ritual Artefacts in the Chotanagpur Region: A Survey of Typological Variations	Dr. Rimjhim Sharma
2	Historical Significance Conveyed by Coins	and the second se
3	The Metal Objects Revealed from Archaeological E	Dr. A. Rajalakshmi
	Nadu and their Historical Significances	Dr. S. Vasanthi
4	प्राचीन भारत में धातकर्म विरासत	Contra 1991 Presid
5	Archaeometallurgy of Buddhist Metal Images of Central India	डॉ. शीतल ए. अग्रवाल
	gy of Buddhist Wetal Images of Central India	Dr. Madhuri Sharma

Parallel Technical Session - 2: Meeting Hall

Time: 3 P.M. to 04:30 P.M.

Tea

Session Chair: Dr. Nandan Shastri & Dr. Shaikh Musak Rajjak

	आयुवद में धातुआ और खनिजों का उपयोग (चरक संहिता के संदर्भ में)	डॉ. रीटा एच. पारेख
2	Foreign Travelogues as Source of Indian Gemmological Knowledge System	Dr. Kazi Yasmin Papamiya
3	Sands at Risk: Analyzing Consequences and Paving the Way for Sustainability	Kriti Kataria
4	Harappan Metals and its Sound Beauty	Dilshed Esti-
5	Mines and Metallurgy during Moussier Devi-1	Dilshad Fatima
	es entres juit i crioù	Debyani Mukherjee

Plenary Session – 2: Conference Hall

Time: 04:45 P.M. to 06:45 P.M.

Tea

	Session Chair: Prof. Yogambar Singh Farswan	
1	New insights into the metallurgy of Rajghat Iron (600-400 BCE) from the Middle Ganga plains of India	Dr. Vandana Singh
2	Exploring the Indian Knowledge System: Advanced Metallurgy and Copper Extraction Techniques in the Himalayas	Dr. Amita Gupta
	Rituals and Traditions : The Spiritual Dimensions of Gem Mining Practices in Sri Lanka	Dr. Upeksna Gamage
4	Sedimentology and Geochemistry of Kalu River Gem-bearing Sediments in Sri Lanka: Implication for Provenance and Paleoclimate	
5	Documentation Issues of Objects, Ornaments, Tools, Weapons During Maratha Period	
6	1 7 1 1 '	Gp. Captain (Retd.) R.S. Mehta
		Dinner

Day 2nd: 12.01.2024

Breakfast

Online Parallel Technical Session - A: Conference Hall

Time: 9 A.M. to 10:45 A.M.

Session Chair:	Gp. Capta	in (Retd.)) R.S. Mehta, SC & Dr. Naira Mkrtchyan	

	Archaeological Heritage and its management in Lastern repar	Prof. Som Prasad Khatiwada
2	Ancient Gold Mines of Bhukia and Hinglaz Mata-Bharkundi Prospects in South Rajasthan and their Probable Antiquity	and the second second second second
3	Ancient and Medieval Mining and Metallurgy and its Significance in the History of Rajasthan	Dr. P.R. Golani
-	history of Rajastian	Lt. Gen. C.A. Krishnan
4	Unveiling Karnataka's Golden Past: Ancient Mining Technologies	Dr. Harihara Sreenivasa Rao

Online Parallel Technical Session - B: Meeting Hall

Time: 9 A.M. to 10:45 A.M.

Session Chair: Prof. Madhu Kelkar & Dr. Balaji Chirade

	Session Chan. 1101. Maana 120mm et g	
1	Use of Iron in Jammu and Kashmir : An Ethnographic Study of Megalithic Sites	and the second
2	Diseases and Miners: Coal Mines of Raniganj and Jharia in the Late	Dr. Sandip Chatterjee
2	Colonial Period	long? data and shall
2		डॉ. स्मन राठौड़
3	जरापर के केर्द्रश्वही राजवरा के सन्य हायपार जार पर्यापन	एवं मांगीलाल महावर
4	A Study of Indigenous Brass Metal Handicraft & Industry of Hajo, Assam	
5	Sculptures as Repertoire of Mineral Resources : With special Reference	
6	Gemstones and Cultural Exchange : Indian Gemstone Trade Along the Maritime Silk Road	Pallavi Mohanan
7	Unmasking the Veil of Gender : Women in Underground Mines	Apeksha Gandotra
8	Mercury in Rasaratnasamuccaya : Retrieving Lost Traditions	Athira Chandrababu
9		Himadri Mukherjee

10	Pañcaloha : A Metallurgical Analysis of a Five-Metal Alloy from the Devahar V.
	Tantrasamuccaya

Plenary Session - 3: Conference Hall

Time: 11 A.M. to 1 P.M.

Session Chair: Dr. D.P. Sharma

1	An Overview of the History of Metallurgy in the Indian Subcontinent	Prof. Yogambar Singh Farswan
2	Coalescing Development: Coal Trade and Technology in British India with special reference to Bombay Presidency (1774-1947)	Prof. Madhu Kelkar
	Metal and Metallurgy in Painted Grey Ware Phase (With Special	Monu & Dr. Bhagat Singh
4	Agate Industry in Cambay: A Historical Perspective and Present Context	Prof. Arun Vaghela
5	A Comparative Study Between Ancient and Modern Pyrometallurgical Techniques Related to Extraction of Zinc from Sphalerite-rich Ores: A Global Perspective	Dr. Arvind Kumar

Lunch

Plenary Session – 4: Conference Hall Time: 2 P.M. to 3:30 P.M.

Session Chair: Drof Dhaget Sin

1	Session Chair: Prof. Bhagat Singh	
1	A Study of Harappan Metal Kilns in the Eastern Domain with Special Reference to Haryana	Neelam Sharma & Prof. Rajpal Singh
2	An Insight into the Intriguing Journey of Diamonds in India from Past to Present	Dr. Nandita Moitra
3	Iron Foundry at Poonassa: Debates, Deliberations and Outcomes	Dr. Madhumita Bandyopadhyay
4	Thakkar Pheru: A Shrimal Jain Expert on Gemology, Numismatics & Metallurgy in Medieval India	Dr. Shaikh Musak Rajjak
5	Metallurgy in Ancient Armenia : Export of Metallic Items to Eastern and Western Countries	Dr. Naira Mkrtchyan

Plenary Session - 5: Conference Hall

Time: 3:45 P.M. to 4:45 P.M.

Session Chair: Prof. Rajpal Singh

1	Traditional Practices of the use of Minerals and Metals in Ayurvedic Medicines, with Special Reference to the Pre-medieval Period	borro LainoPo)
2	Ancient Metal Coin Minting Techniques in Ancient Sri Lanka: Metals, Methods, and Administrative Insights	Dr. Upeksha Gamage & Dr. Sonali Dasanayake
3	Mines and Minerals in South Rajasthan	Dr. Hansmukh Seth
4	Mineral Resources of Southern Rajasthan, An Attraction to Ancient Civilization Settlements (Evidenced by Presence of Ancient Mining Activity Along Archaean Proterozoic Boundary)	Diksha Pande, N.K. Chauhan, Abhay S. Dashora, Kavita Bharadwaj

Tea

Tea





Newspapers





उदयपुर। सुविवि के इतिहास विभाग द्वारा 11 एवं 12 जनवरी को मिनरल्स, माइनिंग एंड मेटालजी इन साठथ एशिया- हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोधी के पोस्टर का विमोचन कुलपति प्रो. सुनौता मिश्रा ने किया। संगोधी समन्वयक डॉ पीयूप भादविया ने व्ताया प्री. सुनौता मिश्रा ने किया। संगोधी समन्वयक डॉ पीयूप भादविया ने बताया कि इसमें विशिष्ट व्याख्यान सहित करोब 60 शोधपत्रों की प्रस्तुति होगी। देश-विदेश से 60 प्रतिभागी उदयपुर आ रहे हैं। आने वाले विद्वानों में अर्मेनिया, नेपाल एवं श्रीलंका के प्रोफेसर शामिल हैं। भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि उदयपुर में होंगे। मुख्य रूप से पराश्री प्रो. शारदा श्रीनिवासन, प्रो. चुलानी रामबुकवाला, प्रो. पुनम राणा, प्रो. योगंबर सिंह, प्रो. भगतसिंह, प्रो. चुलानी रामबुकवाला, प्रो. पुनम राणा, प्रो. योगंबर सिंह, प्रो. भगतसिंह, प्रो. चुलानी रामबुकवाला, प्रो. पुनम राणा, प्रो. वेयाफ्रकाश शर्मा, प्रो. ल्युर्गसा रोडि्रस, प्रो. वीनस जैन, प्रो. जीवन खरकवाल, डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, डॉ. नाइरा मार्कच्यान आदि संगोधी के विषय पर प्रकाश डालंगे।



12-01-2024

दैनिक भारकर

उत्यपुर

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर का विमोचन

सहायक आवार्य ने वताया की विशिष्ट

की प्रस्तुति होगी। इसमें अमेनिया, भावनिया, इतिनित सोनी, राकेश्व नेपाल एव भीलंका के पोकेसर धोजीत कुमार बसील, वो जेकिस जैन उपस्थित थे। संगोध्दी जामिल होंगे।भारत के 14 राज्यों से जका दो देवरकाल सर्म जादि समन्वयक डॉ पीयूब भादविया, प्रतिनिधि उदयपुर आएगे। मुख्य रूप संगोष्ती में शामिल होते।

से पद्मश्री प्रो. शारदा श्रीनिवासन प्रो

गुलानी रामबुकवाला, धो. पूनम राणा, धो. योगंबर सिंह, धो. भगतसिंह, पो

HILL

अध्यक्ष प्रो. पूरणमल यादव, इटिहास व्याख्यान सहित करीब 60 शोधपत्रों

विश्वविद्यालय की ओर से इतिहास विमाग की 11 एवं 12 जनवरी को मिनरत्स, माझनेंग एंड मेटालजी इन

साउग रारीयाः हिस्टोरिकल

पसंपेतिरव्म दिषय पर अंतरराष्ट्रीय

शनिवार को इसके पोस्टर का विमोधन कुलपति हो, सुनीता मिश्रा ने किया। सामाजिक विज्ञान संकाय

विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा, डॉ पीयूष

संगोष्ठी होगी।

संगोष्टी • माइनिंग एंड मेटलर्जी इन साउथ एशिया पर दो दिवसीय आयोजन शुरू, विशेष सत्र में बोले वक्ता

दक्षिण राजस्थान में धातुओं की कई खानें, इसलिए आक्रमणकारियों के लिए हमेशा रण बना रहा मेवाड़

सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

दक्षिण राजस्थान एशिया महाद्वीप में समुद्धि का सूचक रहा है। संसार के व्यापारियों और धातुविदों की पैनी नजर इस क्षेत्र के जावर, दरीवा, आगुचा जैसी खानों पर रही और देखेश, आगुचा जसा खाना पर रहा आर हजार वर्ष पहले भी कर्नाटक, गुजरात, पंजाब, सिंध आदि के व्यापारी मेवाड़ आकर बसे, जो राजकीय संरक्षण में धातुओं का व्यापार कर संसार की और्योगिक और

व्याचा कर सत्वार का आधागक आर सामाजिक प्रगति के सुत्रधार बने। यह विवार सुविधि में मिनसरस, माइनिंग एंड मेटलजी इन साठथ एशिया पर आयोजित दो दियसीय अंतरराष्ट्रीय संगोध्ही में विशेषज्ञों ने रखे। हिस्टोरिकल पर्सपविद्याल विषय पर आयोजित संगोष्ट्री के पहले दिन गुरुवार को पद्यक्षी प्रसिद्ध धारिवक इतिहासकार प्रो. शारदा श्रीनिवासन ने कहा कि धातु केवल धन ही नहीं, मानवीय संस्कृति के उन्नति का वोधक भी है। धातु हमार अलंकरण, मूर्ति, द्वार आदि

के लिए उपयोगी रहे और भारत में हर युग में धातु का महत्व रहा है। इतिहास, हमारे व्यापार और संबंधों को भी यदि परिभाषित करता है तो उसके मूल के धातु और धन ही हैं। मेवाड़ की धरती इसका पर्याय है।

हैं। मंथाइ की धरती इसको पर्गाय है। विशिष्ट वक्ता श्रोतंका की ग्रो. चुलानी यमकुकवेला ने कहा कि राजस्थान की खनिज सम्प्रदा पर संसार की नजर रहती है। यह धातु की धरती है। तंका, कर्नाटक आदि के अधितेखीय प्रमाण धातु और संबंधों को संगड़ाने के लिए बड़े उपभोगी है। मेखाड के प्रसिद्ध इतिहास और संस्कृतिविद डॉ. श्रीकृष्ण चुगनु ने मेखाड़ को धालिक खनिज सम्पदा की भूमि बतावा और दरी, दतीबा, जाबर, आगुचो, भुखिया आदि में प्राचीन काल से ही हो रही खनन गाविविधियों को इतिहास की दृष्टि से सहस्वपूर्ण बताया। उनका कहना धा कि पालिक स्थुद्धि के कारण ही मेखाड़ बाई धारियक समुद्धि के कारण ही मेवाड़ ढाई हजार वर्षों तक आक्रमणकारियों के लिए रण बना रहा।



धातु की उपलब्धि और समृद्धि, देशों की उन्नति को परिभाषित करती

मुख्य अतिथि ले. जनरल अनिल कपूर ने कहा कि धातु की उपलच्छि और समृद्धि, देशों की नि पहा का उपराधक आर समृत्य, दशा को उन्नति को परिभाषित करती है, कोहिनुए एक उदाहरण है। खार्ने हमें समुद्ध बनाने वाली रही है। यह विषय हमें नई पीडियों को पढ़ाने चाहिए, क्योंकि यह आरमनिर्भाता के सुन्दर उपाय है। सुबिधि बुख़्लपति प्रो. सुगीला मिश्रा ने कहा कि धालु और उसकी धारणा को हम कोई कभी नहीं भूल सकते, बयॉकि वे हमारे दैनिक जीवन से जुडे हुए हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा ने देश-विदेश से आने वाले शोधार्थियों,

अष्येताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन दीपांशी धाकड़ व सुचिता हिरण ने किया। डॉ. भादविया द्वारा संपादित एनोमल्स इन साउथ पशिवन हिंस्ट्री और भारतीय इतिहास में पशु-पक्षी तथा संगोध्ती की स्मारिका विमोचन किंवा गया। इस संगोध्ती में आर्मेनिया की डॉ. ालना गंधा इस स्मार्ट्या में आधानसी को डॉ. नायरा मर्कचयन, नेपाल को प्रो. पूनम आर.एल. राणा, श्रीतंका से डॉ. बोनाली दस्मायके, डॉ. दस्नायके, डॉ. उपेक्षा गमांग, प्रो. चुल्तानी रामखुकवेला, नलिन क्यॉसिंहे सहित भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

. .

. .



भाजारा में वाहन पाकिंग में हा खड़ करवाए जाए। साल का जनसंख्या के आधार भर किया जाए।

#MLSUniversity सुविवि में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

काचरा इचर-तथर फला रहता हा

खनिज सम्पदा समृद्धि की पर्याय का

पत्रिका न्यूज नेटवकं patrika.com

उवचपुर . दक्षिण राजस्थान संपूर्ण एशिया में समृद्धि का सुचक रहा है। संसार के व्यापारियें एवं धातुविदों की हण्टि इस क्षेत्र के जावर, दरीबा, आगुचा आदि खानों पर रही और हजार वर्ष पहले भी कर्नाटक, एआर वर्ष पहल भा कनाटक, गुजरात, पंजाब, सिंध आदि के व्यापारी मेवाइ आकर बसे, जो राजकीय संरक्षण में धातुओं का व्यापार कर संसार की ओद्योगिक और सामाजिक प्रगति में सूत्रधार बने। यह विचार गुरुवार को सुखाड़िया विश्वविद्यालय में शुरु हुई 'मिनरत्नर, माइनिंग एंड मेटेलर्ज़ इन सुर्खाइच्या बरबवावचालय भ बुरू तुइ "मिसरस्स, महानेम एइ पेदेलज्ञे इन . ले. जनसल अनिल कपूर ने कठा कि कठा कि धातु और उसकी धारणा को . लारदा ग्रीनियासन ने कठा कि धातु साउछ एसिया हिस्टोरिकल धातु की उप्लव्यि और समुद्धि देशों हम कोई कमी नहीं भूल सकते, केवल धन ही नहीं का मत्वय सरकृति पसपेक्टिप्स विषयक अंतरराष्ट्रीय की उप्लति को परिभाषित करती हैं, क्योंकिये हमारे देनिक जीवन से जुड़े के उप्लत के बोधक भी है। विजिप्ट संयोध्ये से अंदर विषयक अंतरराष्ट्रीय की उप्लति को प्रिभाषित करती हैं, क्योंकिये हमारे देनिक जीवन से जुड़े के उप्लत के बोधक भी है। विजिप्ट संयोध्ये में देश विषयक अंतरराष्ट्रीय का राही कुलपति प्रो. सुनिता सिश्च ने अंलकृत धालिक इतिग्रस्कार ग्रे. रामयुक्तवेला ने कहा कि राजस्थान बिह्यनों ने व्यव्ह किए। मुख्य अतिथि कर राही कुलपति प्रो. सुनिता सिश्च ने अंलकृत धालिक इतिग्रस्कार ग्रे. रामयुक्त



सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्टी में रमारिका विमोचन करते

नेपाल की प्रो. पूनम आरएल राणा, श्रीलंका से डॉ. सोनाली दसनायके, डॉ. दसनायके, डॉ. उपक्षा गमांग, प्रो चुलानी रामबुकवेला, नलिन जयसिंह सहित भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि जामिल हुए।

12/01/2024 | Udaipur City | Page : 6 Source : https://epaper.patrika.com/

उदयपुर, सोमवार 15 जनवरी 2024

बाजार / समाचार

मेवाड़ की खनिज संपदा समुद्धि की पर्याय

<text><text><text><text>

Contract of the

श्रीकृष्ण 'चुगनू' ने मेवाङ् को धारिवक खनिज सम्पदा की भूमि बताया और दरी, दरीबा, जावर, आगूका, भूखिया बांसवाज़) आदि में प्राचीन काल से ही



से रही खनन गतिविभियों को इतिहास कहना था कि भारितक समुदि के कहना था कि भारितक समुदि के जाकना था कि भारितक समुदि के जाकनगकारियों के हिए रण बना रहा। इस के चर्च समसा के सौरागर 9 तो सदी में कर रहे थे। विशिष्ट चक्ता श्रीलंका की ग्री. खुलानी रामसुरुवेश्वरी है। वह भार की प्रवासा को खनिज सम्पदा पर संसर भारती है। वह भारत की वास्त है। कि समद भार की विश्वि प्रमाण भार और सम्बन्धी को समझने के तिर्म बडे उपयोगी है। मुख्य अतिथि के जपत्र आदि के अधित खोव प्रमाण भार और सम्बन्धी को समझने के तिर्म बडे उपयोगी है। मुख्य अतिथि के जावत को परिभाषस करती है। को उपलब्धि कार समुद्दि देशों को उपलब्धि कार समझने के तिर्म बडे जपतोगी है। मुख्य अतिथि है। काति को परिभाषस करती है कोति की परिभाषस के रसी ही कोति की परिभाषस के रसी ही कोति की

6

की खनिज सम्पदा पर संसार की

नजर रहती है। यह धातु की धरती है।

बताई। संचालन दीपांकी धाकड़ एवं

<text><text><text><text><text><text><text>

मेवाड़ की खनिज सम्पदा समृद्धि की पर्याय



धात, खान और तकनीक का आधिक एवं वैज्ञानिक महत्त

सविवि में खनिज, खदान एवं चात्तिकी एर

अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी शरू 10000 (पकार)। टीरप राजन्यान संपूर्ण एतिक में समुद्धि का सका रा है। संसर के व्यावरिये एवं धानुविद्यें की दूरि इस क्षेत्र के जक, रोब, अगुच आरे खने ए रहे और इन्हर की पाले भी कर्नहरू. गुवाट, पंचन, सिंध आदि के

ल्यापरी मेवाह आका बसे, जो राजकोय सांखण में चतुओं का म्याका का संसार को और्योगिक और समाजिक प्रगति में सुत्रधार बने।

ख विचा गुरुवा को सुखादिय विश्वविद्यालय में आरम्भ हुई "गिनात्स, पार्डीनेंग एंड मेटेलजी इन माज्य एतिया हिस्टोरिकल प्रसंधिवेरव्स" विषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोड़ी में देश-विदेश से आए विद्वानों ने प्रकट किए। संगोष्ठे के प्रायोजक आईमीएसएसआर, आगण्मारमारमा, बंडर सीमेन्ट एवं

हिन्दुस्तान जिंक है। मुख्य अतिथि ले. जनरल अनिल

रूपू ने कहा कि धातु की उपलब्धि और समुद्धि देशों की उन्नति को

परिधाणित काती है, कोहिनुर एक उदाहरण है। खाने हमें समुद्ध बनाने वाली रही है। यह विषय हमें नई पीठियों को पद्यने चाहिए, क्योंकि यह आत्मनिर्भरता के सुदर उपाव है। अध्यवता कर ली सविवि को कुलपति प्रो. सुनिता मित्रा ने कहा कि धात और उसको धारणा को हम कोई कभी नहीं भूल सकते, क्योंकि वे हमारे दैनिक जीवन से जुड़े हुए है। धातु से किसी को अलगाव अच्छा नहीं लगता है। मेवाड, धातु के मूल्य को समझता है और इसी दृष्टि से इस संगोछी का महत्व है।

उदाटन सत्र में पद्मश्री से अंलकृत प्रसिद्ध धालिक इतिहासकार प्रो. शारदा श्रीनिवासन ने कहा कि धातु खनिज सम्पदा पर संसार भर की

केवल धन ही नहीं, मानवीय संस्कृति के उजति के बोधक भी है। धातु हमारे अलंकरण, मुर्ति, द्वार आदि के लिए उपयोगी रहे और भारत में हर युग में धातु का महत्व रहा। इतिहास, हमारे व्यापार और संबंधों को भी यदि परिभाषित करता है, तो उसके मूल के धात और धन ही है। मेवाड़ की धरती इसका पर्वाय है।

प्रारम्भ में संगोन्ते समन्वयक इतिहास विभाग के सहायक आचार्य,.. डॉ. पीयूष भादविया ने खनिज, धातु और धात शोधक तकनीक विषय पर संगोधी को उपयोगिता बताई। विशिष्ट वक्ता श्रीलंका की प्रो. चुलानी रामवकवेला ने कहा कि राजस्थान की

नजर रहती है। यह धात की घरती है। लंका, कर्नाटक आदि के अभिलेखीय प्रमाण धातु और संबंधों को समझने के लिये बडे उपयोगी है। इतिहासकार डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू ने मेवाड़ को धात्विक खनिज सम्पदा की भूमि बताया और दरी, दरीबा, जावर, आगूचां, भूखिया आदि में प्राचीन काल से ही हो रही खनन गतिविधियां को इतिहास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि धात्विक समुद्धि के कारण ही मेवाड़ ढाई हजार वर्षों तक आक्रमणकारियों के लिए रण बना रहा।

संगोष्ठी की उपयोगिता को विभागाच्यक्ष प्रो. प्रतिभा ने प्रतिपादित की और देश-विदेश से आने वाले गोधाधियों, अध्येताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन दीपांशी धाकड एवं सचिता डिरण ने किया। संगोष्ट्री के उदाटन के अवसर पर हाँ. पीय्य भादविया द्वारा संपादित "एनिमल्स इन साठय एशियन हिस्ट्री' और ''भारतीय इतिहास में पश्-पश्ची'' तथा संगोष्ठी की स्मारिका विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। इस संगोधी में अमेनिया की दी. नायरा मकीचयन, नेपाल की प्रो. पुनम आर.एल. राणा, श्रीलंका से वर्. सोनाली दसनायके, डॉ. दसनायके, हों, उपेक्षा गमांग, प्रो. चुलानी रामबुकवेला, नलिन जयसिंह सहित भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि शामिल हो रहे है।



शत, खान और तकनीक का आर्थिक एवं वैज्ञानिक महत्व, सुविवि में खनिज, खदान एवं धात्विकी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोधी शुरू

त्रसम्पर्धात्व सी आसाम)। तीलन बान संपूर्व दीएस में समृदि मा संख्य का है। संस्था के उनन्दींनी कर मानुसिट की बीट इस केंप्र के जाया, हरीजा, आगुच आहे. खानें पर रही और राजा को खाले की कार्यतम, मुझाल, tiens, fain cafe is securit some जानग आहे. जो साजनीत संस्थल हे साहजी का जगाया का संसार को और्वामिक और सामाजिक प्रयोग में सम्बद्धाः स्रोत्।

ना किया गुरुवा को सुवाहिया 罪 fardiamen à anna ef बाह्यमिनराज, सहीतिम ग्रंड मेरेलाजी इन जोतित्वा एक उदावरमा है। स्वान करी समृद जीवम farettener. 100.00 weitherweigen forware alsolution attes à tre-faiter à son famil à प्रसार किया जोगीती के प्राणीतक ลสร้าในหมาย สม, สถาบสนอยุบลลส, dai diba na kagana tala ka



स्टल असिंग से. जनसा अनित बापूर ने संज्ञानिक प्रातु जो उपलोका औत समृदि, रेशें की दर्जात की चीत्सांगत करती है. मन्त्रने चला रही है। इन जिल्ह इसे नई सीटचे को फाले चाहिए, क्लीव का जन्मवात का रही सुविधि की मुतायीन थे. सुनिता फिल्ल में सता कि म्यतु और उसकी मतनमा सो इन सोई कभी तहीं भूत सकते.

क्वोंकि ये इसले देविक जीवन से लुई हुए है। यहतु से फिली को अलगाय अच्छा नहीं सामन है। मेलाइ, धानु के मुल्य को सामाइन्छ है और इसी सीर से इस समीकी का more to

तवाटन मत्र में पद्यों में अंसकृत जातमीवर्षरात के सुन्दर उपाय है। इतिह धारियक इतिसरक्षात थे, सारच शीतिवासन ने बता कि चानु केवल बन हो नहीं, मानवीय संस्थात के उन्होंने के वोसक भी है। यातु इसाते आतंकतम, मुहिं,



में इन मुख में बालु का महत्व रहा। इतिहास, तमारे व्यागात और संबंधों को भी चहि चरभाषित करना है, तो उसके मूल के मातु और घर ही है। पेपाड़ की घरती इसका पर्याय है। प्रायन्त्र में प्रयोगी समन्त्रमक इतिहास विश्वास के सहायक आण्यामें, डॉ. गीनून भारतिमा ने सामित, पातु और पातु सोयक तकतीक विषय पर संगोही को जस्योगिता बताई हीपतित बन्हा बीलंका की

इस आदि के लिए उपयोगी रहे और भारत थों, चुलानी रामचुकवेला ने कहा कि राजस्थान को खनिज सम्भवा पर संसार भर को नगर खतो है। यह धातु की घलों है। लंका, कर्नाटक आहि के आपलेखीय प्रमाण चातु और संबंधों को समझने के लिये बते उपलोगों हैं। इतिहासकार डॉ. बोंकृष्ण जुनन् ने नेवाड़ को धारिकक खनिज सम्मदा को भूमि बताया और तरी, दरीबा, जावत, आग्यां, भूमित्या आदि में प्राचीन काल से ती हो खो खनन पतिविधियां को इतिहास

को रष्टि से महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना या कि धारिकक समृदि के कारण हो मेवाड़ वर्ष हजार वर्षों तक आक्रमणकारियों के लिए रण बना रहा। संगोही को उपनोगिता को लिभागाच्यक्ष प्रो. प्रतिभा ने प्रतिपादित को और देश-विदेश से आने वाले लोधाधियों, अध्येताओं का ख्यायत किया। कार्यक्रम का संचालन दीपांसी भाषतत् एयं सुचिता हिरण ने किया। संगोधी के उद्घाटन के अवसर पर डाँ, पौष्म पादविचा द्वरा संपादित वाताणीनेमल्स इन साउथ एशियन जिस्ट्रोच और ग्राम्रभारतीय इतिसास में पशु-पक्षीताया तबा संगोही की समर्रिका विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। इस संगोक्षे में अमेनिया की हो, नायरा मर्काचयन, नेपाल की प्रो. पुनम आर.एल. राणा, बोलंका से डॉ. सोनालो दसनावके, डॉ. दसनावके, डॉ. उपेक्षा यमांग, प्रो. चुलानी रामयुकवेला, बॉलन जबसिंह सहित भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि शामिल तो रहे ते।



13-01-2024

सुविवि • अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आखिरी दिन वक्ताओं ने कहा-धातु देशों को धनी बनाते रहे हैं तो जीवन के संस्कारों व स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

खनिज, खदान और उनसे जुड़ी प्रौद्योगिकी संसार की समृद्धि के लिए आवश्यक है। धातु यदि देशों को धनी बनाते रहे हैं तो जीवन के संस्कारों और स्वार-ध्य के लिए भी आवश्यक है। ये विचार सुविवि में हुई दो दिन की मिनरल्स. माइनिंग एंड मेटलर्जी इन साउध एशिया : हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोफी के आखिरी दिन शुक्रवार को वक्ताओं ने व्यक्त किए।

से आए विद्वानों ने अनेक सत्रों में गमांग, प्रा. चुलाती रामयुकवेला, अपने शोधपत्रों को पढ़ा और सिद्ध तालन जयसिंह भी शामिल रहे। किया कि धातु, धन और धरती के किया कि धातु, धन और धरती के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध पुराविद प्रो. लिए अनेक लड़ाइयां हुई हैं लेकिन जीवनसिंह खरकवाल ने प्राचीन अब मानवता के संरक्षण के लिए खनिज संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि विग्रेडियर सी संदीप कुमार ने कहा कि हमें इस दौर में अनेक सावधानियां रखने जरूरत है और हमें उद्यमिता

Udaipur City - 13 Jan 2024 - Page 4



और उद्योग हो नहीं, खनिज, खान आदि के विषय में गंभीर अध्ययन के लिए सोचना होगा। यह समय को आवश्यकता भी है। संगोफी में अमेरिका से नन्दन शास्त्री, आर्मेनिया को डॉ. नायरा मर्कचयन, श्रीलंका से संगोफी में एशिया के अनेक देशों डॉ. सोनाली दसनायके, डॉ. उपेक्ष

संसाधनों की उपलब्धि को महत्वपूर्ण बतायां और कहा कि भारत में धातुओं को प्राप्ति संसारभर को चकित करती है। नेपाल को प्रो. पूनम आरएल राणा ने कहा कि यह संगोण्ठी छात्रों

का पोर

के लिए ही नहीं, विद्वानों के लिए भी बहुत प्रेरक रही है। धातु भारत ही नहीं, नेपाल तक भी जीवन के संस्कारों से जुड़े हुए हैं। सुविधि के प्रो. पूरणमल यादव

ने कहा कि समुद्धि देने वाले धातु खास्थ्य के साधक भी हैं। कार्यक्रम को रिपोर्ट संगोफी समन्वयक डॉ. पीयूष भादविया ने प्रस्तुत की। संगोफी में 55 पत्रों का पत्रवाचन किया गया। भारत के 14 राज्यों के भारत में खनन कार्य और खनिज प्रतिनिधि और श्रीलंका, आर्मेनिया व नेपाल से प्रतिनिधियों ने भी शोध पत्रों का वाचन किया। इस अवसर पर पद्मश्री प्रां. शारदा श्रीनिवासन. डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, डॉ. राजेन्द्रनाथ पुरोहित आदि मौजूद थे।

खनिज, खदान संसार की समृद्धि के लिए आवश्यक सुविवि में खनिज, खदान एवं धात्विकी पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्टी का समापन ब्यूरो नवज्योति/उदयपुर। खनिज, स्वव खदान और उनसे जुड़ी प्रौद्योगिकी संसार 18 की समृद्धि के लिए आवश्यक है। धातु हार्ह यदि देशों को धनी बनाते रहे हैं तो जीवन ाओं के संस्कारों और स्वास्थ्य के लिए भी নষ্ঠ आवश्यक है। भारतीय चिंतकों ने धातुओं नई के बहुदृष्टि उपयोग पर विचार किया है। গাল यह विचार यहां सुखाडिया विश्वविद्यालय दीप में शुक्रवार संपन्न मिनरल्स, माईनिंग नेती, एंड मेटेलजी इन साउथ पशियाः हिस्टोरिकल मां, पर्मपविटव्स विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोधी तन, में उभरे।इस संगोधी में एशिया के अनेक संह देशों से आए विद्वानी ने शोधपत्री का त्वी. वाचन किया। विशिष्ट अतिथि बिग्रेडियर বাঘ (रि.) सी. संदीप कुमार ने कहा कि हमें विंत उद्यमिता और उद्याँग ही नहीं, खनिज,

खान आदि के विषय में गंभीर अध्ययन

चोरी एवं अन्य अपराधों में कमी आएगी

दैनिक नवज्योति

5

Ta

के लिए सोचना होगा। मुख्य वक्ता प्रसिद्ध पुराविद प्रो. जीवनसिंह खरकवाल ने प्राचीन भारत में खनन कार्य और खनिज संसाधनों की उपलब्धि को महत्वपूर्ण वताया। नेपाल की प्रो. पूनम आर. एल. राणा ने कहा कि यह संगोधी छात्रों के लिए ही नहीं, विद्वानों के लिए भी बहुत प्रेरक रही है। अध्यक्षता सुविवि के संकाय आध्यक्ष प्रो. पूरणमल यादव ने की। संगोष्ठी में पदाश्री प्रो. शारदा श्रोनिवासन, डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, डॉ. राजेन्द्रनाथ पुरोहित, डॉ. डी.पी. शर्मा, प्रो. भगतसिंह, प्रो. राजपाल, प्रो. अरूण वाघेला, प्रो. दिग्विजय भटनागर, विभागाध्यक्ष प्रतिभा, डॉ. वन्दनासिंह डॉ. समीर व्यास, डॉ. हसमुख सेठ, मोहित शंकर सिसोदिया, दिलावर्रसंह, सुरेश कुमार, कृति कटारिया, प्रवेश कुमार, उमेश आदि उपस्थित रहे। संचालन निकिता खंडेलवाल, दीपाक्षी धाकड एवं सुचिता हिरण ने किया। संगोष्टी समन्वयक डॉ. पीयूष भादविया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।



इन साउथ एशिया : हिस्टोरिकल पर्सपीक्टिव्स' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उभरे। सगोष्ठी में एशिया के अनेक देशों से आए विद्यनों ने शोध पत्रों को पढ़ा और सिद्ध किया कि धातु, धन और धरती के लिए अनेक लडाइयां हुई हैं, लेकिन अब मानवता के सरक्षण के लिए

करना चाहिए। संगोष्ठी समन्वयक डॉ. पीयूष भादविया ने बताया कि कुल ऽऽ पत्रों का पत्रवाचन हुआ। भारत के 14 राज्यों के प्रतिनिधि एवं श्रीलंका, आर्मेनिया एवं नेपाल से प्रतिनिधियों ने शोध पत्रों का वाचन किया। विशिष्ट अतिथि बिग्रेडीयर (रि.) सी. संदीप कुमार ने कहा कि हमें इस दौर में अनेक सावधानियां रखने की जरूरत है। उद्यमिता और उद्योग ही नहीं खनिज, खान आदि के विषय में गंभीर अध्ययन के लिए सोचना होगा। मुख्य वक्ता प्रसिद्ध पुराविद प्रो. जीवनसिंह खरकवाल ने प्राचीन भारत में खनन कार्य और खनिज संसाधनों की उपलब्धि को महत्वपूर्ण बताया।



14-01-2024

भ्रमण• दुर्ग और जावर माइंस क्षेत्र का भ्रमण कर इतिहास, पुरातत्व पर करेंगे शोध 14 देशों के प्रोफेसर शोध भ्रमण पर चित्तौड आ

संस्थान सदस्यों और विधायक मीरा की प्रसिद्धि जगजाहिर है। आक्या ने उपरना व मेवाड़ी पगड़ी क्षत्राणियों का जौहर मन को पहिनाकर परस्पर अभिनेदन झकड़ोर देता है। रवि विराण, किया। विधायक ने कहा कि कि महेंद्र सिंह, मुकेश मेघवाल आदि गत वर्ष इसी संस्थान की ने प्रतिनिधि मंडल का स्वागत

भारयज्ञर संयाददाता | वियौड़गढ़ एनिमल्स इन द हिस्ट्री ऑफ साउथ एशिया वियय पर उदयपुर के माणिक्य लाल वर्मा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोल्डी में विश्वविद्यालय में मिनरल, वे भी शामिल हुए थे। इस वार माइनिंग मेटल ओर मेट्रोलॉजी सदस्यों का चित्तौडगढ़ प्रमण का ऑफ साउथ एशिया पर निर्णय सराहनीय है। इससे यह अन्तर्राष्ट्रीय संगोध्ठी में शामिल भक्ति, शक्ति, त्याग व बलिदान 14 देशों के प्रतिनिधि शनिवार को की धरती और अधिक यहां पहुंचे। इनमें अधिकांश विश्वपटल पर आएगी। भारत का प्रोफेसर है। सबसे पहले विधायक यह सबसे बड़ा किला प्राचीन चंद्रभासिंह आक्या से भेंटकर इतिहास की याद दिलाता है। यहां चित्तौडगढ़ इतिहास की वातें साझा के शासकों व वीरांगनाओं ने को। उनका इसके बाद दुर्ग भ्रमण स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं कर इतिहास व संस्कृति का किया। महाराणा प्रताप, कुंभा, अध्ययन करने का प्रोग्राम है। सांगा, रानी परिानी, प्रवाधाय व

विधायक चंद्रभानसिंह आक्या से मिलकर चित्तौडगढ के इतिहास की ली जानकारी, मेवाडी पगडी पहनाकर स्वागत किया अन्तरांष्ट्रीय संगोष्ठी के निदेशक



माणिक्य लाल वर्मा विश्वविद्यालय के सह आचार्य डॉ. पीयूष भादविया ने बताया कि सेमिनार में आर्मेनिया, अमेरिका, नेपाल, श्रीलंका व भारत सहित 14 देशों व दक्षिण भारत के प्रतिनिधि शामिल है। जो चित्तौड दर्ग और जावर माइंस क्षेत्र का भ्रमण कर प्राचीन संस्कृति, इतिहास, पुरातत्व संस्कृति आदि पर शोध करेंगें। श्रीलंका

से नोलम जयसिंग, आमंनिया से डॉ. लुईजा राड्रिक्स व डॉ. नायरा, काठमांडू नेपाल से डॉ. पूनम राणा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी जम्मू को डॉ. अमिता गुजा, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी को दिलशाद फातिमा, डॉ. डौपो शर्मा व डॉ. माधुरी शर्मा वाराणसी, डॉ. रविंद्र कुमार इलाहाबाद, प्रो. वोगेंवर सिंह व सुमन रानी उत्तराखंड आदि प्रमुख संभागी प्रतिनिधि उपस्थित थे।

किया।गत वर्ष की अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशित दो पुस्तकें भारतीय इन साउथ एशियन हिस्ट्री की प्रति संगोष्ठी परचात संस्थान द्वारा इतिहास में पशु-पक्षी व एनमिल्स विधायक आक्या को भेंट को गई।

Neo on com

14) ALLO2025 Jepartment J. MISTURY Mohan Lai Sukhadia University Udeinuu 4 104

Traditional Wall Hanging (Birds)

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators:

Date: 13.2.2024 - 16.2.2024

No. of Participants-15

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To teach participants traditional techniques for creating wall hangings featuring bird motifs.
- To enhance skills in textile art and craft.
- To foster appreciation for traditional craft and design methods.

Outcomes:

- The students were able to try their creativity in making traditional wall hanging.
- They learned the technique and art of creating wall hangings.

Overview of the programme:

The "Traditional Wall Hanging (Birds)" programme, coordinated by Dr. Dolly Mogra from February 13 to February 16, 2024, engaged 15 participants in crafting traditional wall hangings. The workshop focused on techniques for designing and creating wall hangings with bird motifs, emphasizing traditional methods and craftsmanship. Participants received step-by-step instruction, including guidance on materials, patterns, and execution. The event concluded with an exhibition of the participants' work, showcasing their creativity and newly acquired skills. The programme successfully blended traditional art with practical learning, allowing participants to create unique decorative pieces and gain deeper insight into textile arts.

Programme Title: Costume Design for Design Show Coordinator: Dr. Dolly Mogra Co-Coordinators: Date: 01-01-2024-15.02.2024 No. of Participants-40 Objectives of the Programme:

- To teach and enhance skills in costume design for fashion shows.
- To provide practical experience in creating costumes that align with design show themes.
- To prepare participants for showcasing their designs in a professional setting.

Outcomes :

- The participants gained an understanding of the costume design industry.
- The programme helped students to consider this field as a career option.

Overview of the programme:

The "Costume Design for Design Show" programme, coordinated by Dr. Dolly Mogra and running from January 1 to February 15, 2024, focused on equipping participants with skills in costume creation tailored for fashion shows. The programme included workshops on design principles, fabric selection, and construction techniques. Participants engaged in hands-on practice, working on costumes that would be featured in an upcoming design show. The course culminated in a showcase where students presented their costumes, demonstrating their technical skills and creativity. The event provided valuable exposure and practical experience, helping participants refine their design abilities in a real-world context. Programme Title: Male Tailoring Coordinator: Dr. Dolly Mogra Co-Coordinators: Date: 27.02.2024- 14.03.2024 No. of Participants- 25 Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To teach basic and advanced male tailoring skills.
- To equip participants with practical skills in garment construction and fitting.
- To provide hands-on experience in tailoring techniques and pattern making.

Outcomes :

- The participants usually engaged in female garments gained a great opportunity to understand male garment construction.
- The participants understood the drafting and construction of male garments.

Overview of the programme:

The Male Tailoring programme, held from February 27 to March 14, 2024, and coordinated by Dr. Dolly Mogra with the help of co-coordinators, successfully engaged 25 participants. The course covered a range of tailoring techniques, including fabric selection, pattern drafting, and garment assembly. Participants received practical training through demonstrations and hands-on practice, culminating in the creation of tailored garments. The programme also included individual feedback sessions to enhance tailoring skills. Overall, the event provided valuable technical skills and practical experience in male tailoring, contributing to the participants' professional development in the field.

NATIONAL STATISTICS DAY

29th June 2024

REPORT

National Statistics day is celebrated every year to commemorates the birth anniversary of Professor Prasanta Chandra Mahalanobis the father of Indian statistics. National Statistics day was celebrated by Department of Mathematics & Statistics, University College of Science, Mohalal Sukhadia University on 30rd June 2024, Udapar to pay tribute to renownedscientist and statistician, Prof. C. Mahalanobis.

Shei Pauli Sharma Chief Planning Officer, Udaipur (Joint Director Statistics) Planning Department, Govt, of Rajarahan was the eminent speaker of the event. Shri Pauiti Sharma appreciated the importance of statistics and its contribution to socio-economic development and policy making. Prof. Atul Tyagi head of the department and Prof. G. S. Rathore delivered motivational specehes to the students.

All the faculty members of the department contributed to the program. Department organized a debate competition and poster presentation competition, which were enthusiastically participated by more than 14 students.

About 60 students, research scholar, and faculty members participated in this program.. Certificates had been issued to the participants. 7.1.11-million + Stabilico - 4 5.3.2 Mathematico + Stabilico - 4



NATIONAL MATHEMATICS DAY

19, Decome 2023 REPORT

5.33- Mathematics & Huter his - 3 Fill-mathematics & Still to - 3

National Mathematics day is celebrated every year to commemorates the birth anniversary of Shriniyasan Ramanujan. National Mathematics day was celebrated by Department of Mathematics & Statistics, University College of Science, Mohanlal Sukhadia University, Udaiour on 19th December 2023.

On this auspicious occasion Rangoli, Drawing and Painting competition were organized in which 48 students participated in poster (drawing & painting) and 27 students in Rangoli.

Prof. C.P. Jain, Dean UCoS, Prof. Atul Tyagi head of the department motivate the students.

All the faculty members of the department contributed to the program.

Celebrates NATIONAL STATISTICS DAY

on

29 June, 2024

29th of June commemorates the birth anniversary of Professor Prasanta Chandra Mahalanobis, considered the father of Indian statistics.

The day highlights the importance of development, and informed decision making.

7.1.11- Matternation + Statistics - 2

Activities:

Debate Comnetition

Time & Venue: 11.00 AM, P.C. Ranka Smart Classroom, UCoS, MLSU

For Registration click here; https://forms.glc/xyuRFzPGoXqLK1iA7

Prof. Atul Tyagi Head of the Department

Dr. Pradeep Kumar Vishwakar

Faculty members:

Dr. Rakeshwar Purohit, Dr. Sushil Kumar Gandhi, Dr. Auparajita Krishna, Dr. Ajit Kumar Bhabor, Dr. Dhirendra Chhajed, Dr. Kirti Khurdiya, Dr. Mahesh Puri Goswami, Mr. Bharat Kumar Yaday

For more details, please con

Ms. Usha Audichya (96806 00561), act: Ms. Richa Rajput (8764117678)

Note: Certificates and Prizes will be awarded to the top 3 participants in each competition Last date for registration will be 25th June 2024



Gavt. of Rajasthan



(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : coa@mlsu.ac.in

STUDENT WORK EXHIBITON 9-10TH JUNE 2023

TYPE OF EVENT – ACADEMIC FEST

Number of participant- 34









संघटक कॉलेज ऑफ आकिटेक्ट मॉडल्स की बारीकियों के साथ-और इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग साथ कोर्स में संचालित होने वाले एंड टेक्नोलॉजी में दो दिवसीय सेमेस्टर की जानकारी दी गई। करियर काउंसलिंग और स्टूडेंटस कार्यक्रम में स्टूडेंटस द्वारा मंड के मॉडल्स का प्रदर्शन शुक्रवार से वाटर कूलर, टेरेस्टिल कंटूरिंग शुरू हुआ। आयोजन में आकिटेक्ट व्हीकल, सर्व्यूलर रन-वे, स्मार्ट और इंजीनियरिंग में प्रवेश लेने वाले हाई-वे, ग्रीन एंड सोलर सिटी, विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों आर्किटेक्ट के डिजाइन के प्रिंसिपल संग शिरकत की। इस दौरान कोर्स, को समझने के लिए प्रेक्टिकल फीस, एडमिशन प्रोसेस सहित अन्य मॉडल और प्लानिंग के माध्यम से कई जानकारियां उपलब्ध करवाई समझाया।



(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

INDUSTRY ACADEMIA INTERFACE 1ST JULY 2023 – ER. ASHU GUPTA AND AR. GAURAV AGARWAL

TYPE OF EVENT – ACADEMIC FEST







(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

MONSOON CRICKET BALL WITH IIA UDAIPUR. 3RD JULY 2023

TYPE OF EVENT – SPORTS









(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

INDUSTRY ACADEMIA INTERFACE 9TH JULY 2023 – ID. GAURAV SINGHVI

TYPE OF EVENT – ACADEMIC FEST







(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

URBAN 95 4TH WORKSHOP AT NAGAR NIGAM 17TH JULY 2023

TYPE OF EVENT – TECHNICAL





(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

ECBC-ENERGY CONSERVATION 3-DAY TRAINING PROGRAM – 22 JULY 2023

TYPE OF EVENT – TECHNICAL







_	-	Two Days Wo	kshop on ECBC/ENS	, Friday 21st July 2023 , MLSU ,U	Idalour	
5.00	Name		Department	Mail 14	Mob.No	Signature
1	FOHIT SAM	ARCHITELT		nohitson 12.52 good lo	722-0013/053	Signature
2	VARUN KANNIA	ARCHIT	SRIDIO VI AM			64.6
3	WIVER RAI BUILTA	APUNGTRUE	SHARPA SHIETAN LANSAR.	Sarpari palana Symutron	9461252873	0/105
4	UMANG JAIN	AKCHLIECT	UMANG ACHITAN		70149234294	1
5	SHIVANGI-DISHT	ARCHITECT	S SQUARE ARCHITEC	Forch umang frind good a	4 4001840020	lang
6	STEFALT KALARTA	RECHITECT	STUDIO INTERSECT	3 Aliangid Set & grow F. com	957/948255	Simme
7	SHANTAND SHARMA	ARCHITECT	Sentre Stavene	Shelati Katawan of gun from	99.28281774	SL/al.
8	RUCHEN EVANNU		MLSU Unaihite	in arthoutonus umail om	3828438701	Sma-
9	YPEH SEN	LANGINGER	Dag	Kuching alegograil com	9509398285	and
10	SHUBHANGE DOSHT	ARCHI IGGT		episheen & drigue aupu	Va- 9146631036	Ki-
11	PRIVANKA KOTHART	ARCHITECT	SSQUARE AROUTE	Eingbers reidelle 10 gooil 10	m 9919717279	5 Tabland
12	Depak Mine dely of	AKCHITELT	MLSU, Udaipur	pankaych Joho am dil con	8949726255	10
13	and the second		Munddened store	Khanddwalisefskon grad	\$789385882	Saper
14	PALKEEN THEN	ALMITELT	HNM ARCHITECTS	ar. dilipsingh & grait in	9115117/10	TH
	TODESHWASI GAMOT	STUDENT	MLSU. COA	baiktoniain built gmail com	7568294009	Guikby-
		STUDENT	COA, MIGU	Marshuged & 02 Damil - 1000	21390/7868	in Simil
17	BHAVING JHALORA	STUDENT	COR', MILSU	Charlen Holora & good Com	6376 3990 74	the star
	VIDIN PARDING	SP. DENT	CCA, MIGU	Victor transform to mother	CASS ADTLUS	2ml G
	Inmany I CHOLMAN	STUDENT	COA, MLGU	Jakamichondard & Daniel	B-241771 8 B	Beter
	MING INTOININA	STUDGNT	COA. MISU	Bongetu - Amayar Egyndi - im	0351555707	Indet
D	NTALL CHEVHON	STUDENT	(DA. MLSU	And it it makes Parent, come	7878759415	allel
	HEGHA JANGID	STUBIENT	COR, NESU	mistaxing (a) amail com	337807470V	
2 1	KAPU JAIN INTODIA	ARCHIFECT	KARL ZAIN ASUNTAL	a month of any 20 for formation	5.114011101	Signa Pille.
3 1	A JENDRA MANTRI	ARCHITECT	PRACTICINIC	T Rapit in Brache Broke Co	7 1782767 331	But
4 3	INAL WE NAME	STUDENT	CCA . MISU	Donauca incl Of Chiman and		tutenas
	NJALI SINGH	STUDENT	CON MLSU	an a listeak kinochwawai) on	96100 56763	
1.	INBNA O NETARGIA	STEDENT	CON . HLSU	Winstheman artal Deallie	895.5046567	diali.
	KINAKINAN DALJWAL	STUDENT	COA IMILSU	DE YOA & HAN PAYTHAN O LICE		Dinheral.
	PODRVA ADMCRA	ARTHITECT	MLGU / Dorge Alinne	a years, aperros (Jone 2110.9	2352907636	1 23
ť	Carbon Sectores	mann 1661	in the first states	When a short of the family the	26627251386	(gener
÷						
+						





(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

NIPPON STORE VISIT – 02 August 2023

TYPE OF EVENT – TECHNICAL









(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

INDEPENDENCE DAY - 15 AUGUST 2023

TYPE OF EVENT – CULTURAL







(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

URBAN 95 5TH WORKSHOP AT NAGAR NIGAM -17TH AUGUST 2023.

TYPE OF EVENT – TECHNICAL









(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

INDUSTRY VISIT AT GANESH PLYWOOD 23 AUG 2023

TYPE OF EVENT – TECHNICAL







COLLEGE OF ARCHITECTURE Mohanlal Sukhadia University (Formerly Known as Udaipur University) Established by

(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

BAGORE HAVELI VISIT – 25TH AUGUST 2023 TYPE OF EVENT – ACADEMIC Number of participant- 32







COLLEGE OF ARCHITECTURE Mohanlal Sukhadia University (Formerly Known as Udaipur University) Established by

(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

TEACHER'S DAY CELEBRATION – 5TH SEPTEMPER 2023

TYPE OF EVENT – ACADEMIC







(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

ORIENTATION PROGRAM – 16TH SEPETEMBER 2023

TYPE OF EVENT – ACADEMIC







(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

INDUCTION PROGRAM – 21ST SEPTEMBER 2023

TYPE OF EVENT – ACADEMIC







(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

NEXKNOS – 29TH SEPTEMBER 2023 – 1ST OCTOBER 2023

TYPE OF EVENT – ACADEMIC









(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

RAJASTHAN ARCHITECTURE FESTIVAL 6TH – 8TH OCTOBER 2023

TYPE OF EVENT – ACADEMIC









COLLEGE OF ARCHITECTURE Mohanlal Sukhadia University (Formerly Known as Udaipur University) Established by

(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

Makar Sankranti ,15 Jan 24

TYPE OF EVENT – CULTURAL





COLLEGE OF ARCHITECTURE Mohanlal Sukhadia University (Formerly Known as Udaipur University) Established by

(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

Indoor Games Competition ,17 Jan 24

TYPE OF EVENT – SPORTS




COLLEGE OF ARCHITECTURE Mohanlal Sukhadia University (Formerly Known as Udaipur University) Established by

(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

HERITAGE WALK – BEDLA HAVELI – 27 JANUARY 2024

TYPE OF EVENT – ACADEMIC







(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

INTERIOR DESIGN SITE VISIT WITH AR. AMIT SEN -01FEBUARY 2024

TYPE OF EVENT – ACADEMIC







COLLEGE OF ARCHITECTURE Mohanlal Sukhadia University (Formerly Known as Udaipur University) Established by

(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

IIM SITE VISIT – 11TH FEBUARY 2024

TYPE OF EVENT – ACADEMIC









(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

NURSERY SITE VISIT – 13TH FEBUARY 2024

TYPE OF EVENT – ACADEMIC







COLLEGE OF ARCHITECTURE Mohanlal Sukhadia University (Formerly Known as Udaipur University) Established by

(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

THIRD SPACE SITE VISIT – 14TH MARCH 2024

TYPE OF EVENT – ACADEMIC







(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

PHOTOGRAPHY WORKSHOP WITH AR. DEVANK SHARMA AND AR. PRATEEK PARASHAR – 16TH MARCH 2024

TYPE OF EVENT – ACADEMIC





(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

Hand Painting, 22 Mar 24 TYPE OF EVENT – CULTURAL Number of participant- 34







(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

RUBAL LIFT VENDOR VISIT- 21ST JUNE 2024

TYPE OF EVENT – TECHNICAL







COLLEGE OF ARCHITECTURE Mohanlal Sukhadia University (Formerly Known as Udaipur University) Established by

(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

ABHILASHA SCHOOL VISIT, 21 FEB 24

TYPE OF EVENT – ACADEMIC







COLLEGE OF ARCHITECTURE Mohanlal Sukhadia University (Formerly Known as Udaipur University) Established by

(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

CONSTITUTION PARK SITE VISIT,5THDecember 23

TYPE OF EVENT – ACADEMIC









(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

MODEL MAKING FOR UDAIPUR SMART CITY LTD FOR THEIR PARTICIPATION IN THE INDIA SMART CITIES AWARD CONTEST

22ND SEPTEMBER 2023

TYPE OF EVENT – ACADEMIC











COLLEGE OF ARCHITECTURE Mohanlal Sukhadia University (Formerly Known as Udaipur University) Established by

(Formerly Known as Udaipur University) Established by Ministry of Higher Education, Government of Rajasthan, India in 1952 University Campus, Udaipur- 313001 (Rajasthan)E-mail : <u>coa@mlsu.ac.in</u>

REPUBLIC DAY –26 JANUARY 2024

TYPE OF EVENT – CULTURAL





Date:3rd July 2023

Report on Guru Purnima

On the 3rd of July, the students of IET MLSU in their second year came together to joyously celebrate Guru Purnima, a day dedicated to expressing gratitude for the wisdom and guidance imparted by their revered mentors. In a touching display of appreciation, the students honored their Gurus with thoughtfully arranged bouquets, symbolizing the blossoming of knowledge under their guidance. The air was filled with a sense of respect and admiration as each bouquet became a token of the profound impact these mentors had on the academic and personal journeys of the students. The celebration wasn't just a ritual; it was a heartfelt acknowledgment of the pivotal role played by Gurus in shaping the intellectual and ethical fabric of the IET MLSU community. The fragrance of gratitude lingered, creating a memorable tapestry of mutual respect and the enduring bond between teachers and students.





Date: 15 July, 2023

Report on Civil Industrial Week

The civil workshop organized by the Civil Department of IET College was a hands-on and informative event for the students. This workshop provided "students of IET College" with an invaluable opportunity to gain practical experience in the field of civil engineering.

The civil workshop was a bridge between theoretical classroom learning and real-world application. It provided "students of IET College" with the skills and knowledge necessary for a successful career in civil engineering, as well as a deeper understanding of the challenges and opportunities in the field. This hands-on experience was a valuable addition to their academic journey, equipping them with practical skills and insights to excel in the civil engineering profession.





Date: 15/08/2023

Report on Independence Day 2023

On Independence Day, the sense of happiness and pride was seen on the faces of all the people as India was celebrating its 77th Independence Day on 15TH August, 2023. Institute of Engineering and Technology, MLSU celebrated Independence Day with great pomp and show. All the teachers and students gathered in the college premises. Firstly, the National Flag was hoisted by the Honorable Director of the college, Mr. B.L. Ahuja.

After flag hoisting ceremony, the Director gave an inspiring speech and encouraged us to possess a significant personality that makes the nation proud through their actions. The students showcased their talent and enthusiasm by performing various group dances and a solo dance. A patriotic song was also presented by a student. A Gujarati dance performed by the senior girls group also send the audience in an awe moment. After the mesmerizing performances, the winners of Science Project and various competitions were awarded by the director and faculty members. The Director also honored the cleaners and security guards of the college for their daily contribution in the college.

The function came to an end with the distribution of sweets among the students. Everyone enjoyed this glorious occasion. 15th August is very important to us as this day reminds us of the sacrifices of those who fought for our Nation and its freedom.





UDAIPUR (Raj.) 313001

Date: 08/09/2023

Report On Essay Writing Competition

Essay writing competitions are invaluable opportunities for individuals to showcase their writing skills, critical thinking abilities, and creativity on various topics of interest. These competitions serve as platforms for participants to express their unique perspectives, engage with important issues, and contribute to meaningful discourse. Whether organized at the local, national, or international level, essay writing competitions foster intellectual growth, promote literacy, and encourage lifelong learning.

An essay writing competition was held under Er. Prafull Kothari and Literary Club at IET. Students from different grades of B.Tech and B.Arch participated eagerly, demonstrating their writing skills on various topics. Mr. Prafull supervised the event efficiently, making sure everything ran smoothly and offering encouragement to the participants. At the end of the competition, the students received certificates to recognize their hard work, highlighting the success of the event in promoting writing skills and academic achievement. This competition not only improved the students' writing abilities but also emphasized the importance of intellectual involvement and academic excellence.







UDAIPUR (Raj.) 313001

Date: 15/09/2023

Report On Orientation Program 2023

The college orientation program is a vital event designed to introduce incoming students to the academic, social, and cultural aspects of campus life, facilitating a smooth transition into their college journey. Through a diverse range of activities and sessions, students are acquainted with academic resources, advising services, and degree requirements. Socially, the program fosters connections among peers through ice-breaking activities and group discussions, while also showcasing campus traditions and community diversity.

The orientation program began on 15th September 2023 with the welcome of the students, faculty members and Prof. B.L. Ahuja (Emeritus Scientist & Director – IET), Dr. Avinash Panwar (Nodal Officer and Program Convenor), Dr. Ghanshyam Purohit (Program Coordinator), Prof. Meera Mathur (Program Coordinator) who graced the occasion with their presence.

The dance programs featuring traditional captivating performances by the female students, showcasing their talent and skill in dance. The girls' performance was met with enthusiasm and applause from the audience, further enhancing the overall atmosphere of the orientation program. The new students also interacted with the senior students to get a overview of their experience. The program was deemed successful as many students praised the management and culture of college.









Date: 19-09-2023

Report on Induction Week & Ganesh Chaturthi

Institute of Engineering and Technology, Mohan Lal Sukhadia University, Udaipur, warmly welcomed their incoming engineering batch (2023-2027) with a comprehensive five-day Induction Programme. Designed to ease students into the world of engineering, the program offered a diverse range of activities. Industrial Talks provided a glimpse into real-world applications, while interactive sessions with experts across various engineering fields allowed students to gain valuable insights and perspectives. Ice-breaking sessions fostered connections among the incoming students from diverse backgrounds, and Yoga sessions promoted physical and mental well-being to equip them for the demands of academic life. The program even incorporated a celebration of Ganesh Chaturthi, fostering a sense of community and cultural appreciation among the new batch. This well-rounded experience successfully integrated the new students into the engineering program, provided them with a foundational understanding of the various disciplines, and fostered a sense of belonging within the university community.







UDAIPUR (Raj.) 313001

Date: 15/12/2023

Report on Fresher's Party 2023

Fresher's Party, an eagerly awaited event, marked the commencement of a new academic year at [Institute of Engineering and Technology]. Fresher's Party took place on 15 **December 2023** at [Swamy Vivekanad Auditorium, MLSU]. The venue was transformed into a lively and festive space, adorned with colorful decorations, dazzling lights, and thematic props, creating an enchanting ambiance for the attendees.

The Fresher's Party commenced with an opening welcoming the newcomers and setting the tone for the evening. Firstly, the event started with the Saraswati Puja where all college staff participated to devote to Saraswati goddess, followed by the national anthem. Then, hosts made their presence on the stage and announced the first performance, which was a dance performance. Afterward, the main event began, which was the Ramp Walk with the theme being Bollywood. Many junior contestants participated in that event. Following the cultural performances, both junior and senior students showcased their talent through dance routines and musical performances, demonstrating their creativity and entertaining their peers. A DJ night was arranged, with students showcasing their dance moves and enjoying the music with friends. It provided a perfect opportunity for students to unwind and let loose after a hectic day of orientation. To keep everyone energized throughout the event, a variety of refreshments and snacks were served, ensuring that everyone had a delightful dining experience.







UDAIPUR (Raj.) 313001

DATE: 12/01/2024 - 13/01/2024

REPORT ON ANNUAL SPORTS DAY 2023-2024

Introduction:

The Annual Sports Day event held at Institute of Engineering and Technology was absolutely amazing. It was a day filled with energy, excitement, and a whole lot of fun. Students had a variety of sports activities, including cricket, volleyball, throwball. The athletes showcased their skills and gave their best in each game. The atmosphere was electric, with cheers and applause echoing throughout the ground. It was a great opportunity for everyone to come together, support their favorite teams, and enjoy some healthy competition. Overall, the sports event was a huge success and left everyone feeling motivated and inspired.

This report provides a detailed account of the matches that took place during the event.

Cricket Tournament

The cricket tournament was played between six teams, with two teams representing each year. The first match was played between Team Yash (first year) and Team Shubham. Team Shubham emerged victorious, winning the match by a comfortable margin.

The second match saw Team Yash Bhavsar take on Team Nikhil. The match was closely contested, but Team Nikhil managed to secure a narrow victory, thanks to some impressive batting and bowling performances.

The third match was played between Team Jatin and Team Naidu. This was an exciting encounter, with both teams displaying excellent skills on the field. However, it was Team Jatin that came out on top, winning the match by a few runs.

Semifinals:

After the group stages, it was time for the semifinals. In the first semifinal, Team Jatin faced off against Team Nikhil. This was a closely contested match, with both teams fighting hard for every run and wicket. However, it was Team Jatin that prevailed, securing a spot in the final.

In the second semifinal, Team Shubham took on Team Nikhil. This was another exciting encounter, with both teams displaying some impressive cricket skills. However, it was Team Shubham that emerged victorious, securing their place in the final against Team Jatin.

Final:

The final was an eagerly anticipated match, with both teams determined to come out on top. The match was closely contested throughout, with both teams displaying some excellent cricket skills. However, it was Team Jatin that ultimately prevailed, securing a hard-fought victory and lifting the trophy in front of a cheering crowd.

Winning Team:- Jatin (c), Karan, Dinesh, Aaditya, Chandresh, Aryan, Hakam, Krishna, Dakshit, Meet, Nikhil.

Runner-up Team:- Shubham (c), Pratham Bhoi, Digvijay Singh, Nikhil Singh, Rituraj Singh, Pratham Vaishnav, Hira ram, Bhavesh, Lakshya, Chirayu, Vinay.

Conclusion:

Overall, the cricket matches at IET Sports Day event were a huge success. The six teams represented their years with pride and passion, displaying some excellent cricket skills throughout the day. The final between Team Jatin and Team Shubham was an exciting encounter that will be remembered for years to come. The crowd cheered and looked forward to even more exciting cricket action at next year's Sports Day event!

Throwball Tournament



Date: 18/01/2024

Report on GIS Workshop

The Institute of Engineering and Technology (IET), MLSU, Udaipur, successfully conducted a two-day workshop on drone surveying and Differential Global Positioning System (DGPS) surveying. Held under the guidance of Er. Prafull Kothari, the workshop aimed to equip participants with the latest advancements in surveying technologies.

The first day focused on remote sensing, introducing participants to the concept of acquiring information about an object or phenomenon without making physical contact with it. The session delved into the types of remote sensing, platforms used, and its applications in various fields, particularly in geography and civil engineering.

The second day shifted its focus to DGPS surveying. Participants gained a comprehensive understanding of DGPS technology, its working principles, and its applications in accurate positioning and mapping. Hands-on training on DGPS equipment setup, data collection, and processing using specialized software was a highlight of the day. The workshop also emphasized the importance of factors affecting DGPS accuracy and safety protocols during operations.

The workshop concluded with a successful outcome, imparting valuable knowledge and practical skills to the participants. By understanding the intricacies of drone surveying and DGPS, attendees are now equipped to leverage these technologies effectively in their respective fields. The event underscored the importance of staying updated with technological advancements in the surveying domain.





Date: 14/02/2024

Report on Basant Panchami Celebration

"Basant-panchami" is the occasion which marks the advent of spring season and is also celebrated to worship Maa Saraswati, "The goddess of knowledge and wisdom". This day was celebrated at IET with great fervour and enthusiasm. Yellow colour-representative of spiritual knowledge, is given importance on Basant-panchami, moreover everyone dressed in the yellow formals on the auspicious occasion making it more special.

The event was held in the building of college IET, MLSU on 14/02/2024 started from 10 AM till 12 PM. The students from B.Tech 1st year especially showed their participation with great energy, excitement in different cultural activities held on that day including group dance, singing, poetry, speech, etc. where they were joined by their helpful seniors, who guided them under the presence of respected faculty members .

The event started with performing rituals including offering flowers to the goddess and the pooja started with a beautiful Saraswati Vandana, as all students assembled to pray and to attain blessings from Maa Saraswati to reach the epitome of knowledge.

After the event started, everyone gave wonderful performances to brighten the day with joy and with this beautiful event came to its last episode involving an impactful speech from the respected faculties, who illumined all the students with their great knowledge in both spirituality as well as technology, it was truly a heartwarming experience to be a part of such an enlightening event.







Date: 04/03/2024

Report on World Engineers Day – Quiz and Popsicle Bridge making comp.

On the occasion of World Engineers Day, Quiz and Popsicle Bridge making competition was organised by Institute of Engineering and Technology, Udaipur.

Activities:

1. Quiz Competition: The quiz competition attracted participation from various engineering disciplines. Questions covered a wide range of engineering topics, challenging participants' knowledge and problem-solving skills. The competition was intense, with teams showcasing their expertise and teamwork. Winner team -Karan rawani -Aryan Mishra -muskan Sharma 1st runner up -Pranjal -Rahul Kumar -vinay Pratap 2nd runner up -kashish Singh -Rituraj Singh -piyush dhakar

2. Popsicle Bridge Making Competition: The popsicle bridge making competition provided an opportunity for students to apply engineering principles in a creative and practical manner. Participants constructed bridges using only popsicle sticks and glue, with the goal of maximizing strength and efficiency.

Judges consisting of faculty members evaluated bridges based on factors like load-bearing capacity, design, and aesthetics. The event fostered collaboration and camaraderie among engineering students. Participants demonstrated innovation and ingenuity in both the quiz and bridge making competitions.

Winners were awarded for their exceptional performance and creativity. At last, certificates were distributed to the students. The World Engineers Day event successfully celebrated the spirit of engineering excellence, encouraging students to apply their knowledge and skills in fun and challenging activities. It provided a platform for learning, creatively, and networking within the engineering community.







Date: 04/03/2024

Report on World Engineer's Day- Er. Ketaki Moondra

On the occasion of World Engineer's Day, Er. Ketaki Moondra, CEO of Mundra Energies Pvt. Ltd., delivered a compelling speech in the Institute of Engineering and Technology premises. She emphasized upon the vital role of engineers in advancement of sustainable development in society, urging them to innovate for a future that balances economic growth, social progress, and environmental stewardship.

Moondra's address resonated deeply with attendees, sparking engaging discussions on integrating sustainability into engineering practices. The event showcased student and faculty projects, highlighting the institute's commitment to driving positive change through innovative solutions.

As the event concluded, participants were left inspired and compelled to leverage their engineering skills for a more sustainable future. Er. Ketaki Moondra's insights served as a catalyst for a renewed enthusiasm and dedication among the IET engineering community.







Date: 22/03/2024

Report on World Water Day - Brick Masonry

On 23rd March 2024, the Institute of Engineering and Technology at MLSU celebrated World Water Day with enthusiasm and purpose. The event aimed to raise awareness about the importance of water conservation and sustainable management of water resources. One of the significant highlights of the celebration was the initiative taken by the Civil Engineering students. They undertook a practical project to enhance the sustainability of water resources on campus. Specifically, they focused on improving the infrastructure around a tubewell through brick masonry. The students, under the guidance of Er Prafull Kothari sir, executed a project to construct brick masonry around a tubewell. This initiative aimed to strengthen the tubewell structure, prevent soil erosion, and enhance the durability of the installation. By utilizing local materials and their engineering skills, the students demonstrated practical solutions for sustainable water management. The brick masonry project was inaugurated during the World Water Day event. The ceremony included a demonstration where the students showcased their craftsmanship and explained the technical aspects of the project to the attendees. This practical demonstration not only highlighted the students' learning outcomes but also inspired others to take similar initiatives intheir respective fields. The event was attended by faculty members, students, and administrative staff from IET, MLSU. Throughout the celebration, the emphasis was on spreading key messages about water conservation, such as the importance of using water responsibly, adopting sustainable practices, and safeguarding water resources for future generations. The brick masonry project served as a tangible example of how smallscale interventions can contribute to larger sustainability goals. In conclusion, the World Water Day celebration at IET, MLSU, was a resounding success, thanks to the active participation of students and the impactful initiatives undertaken. The event not only raised awareness about water-related issues but also inspired practical actions towards sustainable water management. Such initiatives reflect the commitment of the institute towards environmental stewardship and community engagement.





DATE:25/05/2024

REPORT ON BADMINTON COMPETITION

First year students' batch 2023-27 organize a badminton competition in college campus by the permission of honorable director sir **Pr. Hanuman Prasad** sir and supervision **of Engg. Praful Kothari** sir. The competition held on 25 may 2024 in which total 34 students take participate with two players in each team makes total 17 teams. Total 16 matches are played which include final and semi-finals. **2nd year student Bhairav Kumawat** and **1st year student Lakshya Upadhyay** make the 1st place on their name by winning 2 sets out of 3 of total 11 points. Their opponents **Gaurav Malvi** and **Karthikey Sharma** students of 1st year also play well and become 1st runner up of the competition.

Whole faculty including **Director sir, Praful sir** and **Jaipal sir** are present to cheer up the teams. Whole competition organizes in new block common hall of college in which complete management handled by whole team of **Ayush Yadav** including **Abhishek Meena** (1st year), **Piyush Agarwal** (1st year), **Bhairav Kumawat** (2nd year) and **Divyanshu Meghwal** (2nd year).





Date: 25/05/2024

REPORT ON E-SPORTS (BGMI & FREEFIRE)

On 25 May 2024, IET MLSU, was buzzing with excitement as students organized and participated in an eSports tournament featuring two popular mobile games: Battlegrounds Mobile India (BGMI) and Free Fire. The event aimed to promote competitive gaming among students and foster a sense of camaraderie within the college community.

The tournament was meticulously organized by a dedicated team of student (AYUSH YADAV, ABHISHEK MEENA, PIYUSH AGARWAL, BHAIRAV AND DIVYANSHU MEGHWAL) who demonstrated exemplary planning and execution skills. They arranged for ensured stable internet connections, and created a competitive yet inclusive atmosphere for participants.

The eSports tournament of BGMI and Free Fire organized by IET was a resounding success, thanks to the active participation of students, valuable guidance from Prafull Kothari sir, and the diligent efforts of the organizing team.

WINNERS OF BGMI Divyanshu's Squad WINNERS OF FREE FIRE Bhairav's Squad







Date: 20/06/2024

Report on Math Maze Olympiad 2024

IET ,MLSU Hosted an intellectually stimulating event . The MATHMAZE OLYMPIAD on 20 June 2024 organized by MEDIA CLUB volunteers. This Olympiad aimed to celebrate mathematical provess encourage problem solving skills and foster a spirit of healthy competition among students of Ist year and IInd year. At IET studio-1.

The MATHMAZE OLYMPIAD featured a series of challenging mathematical problems designed to test participant's analytical thinking, mathematical reasoning and general aptitude. The competition was structured into two rounds. In first round 65 students participated out of them top 15 selected for second round.

In conclusion, "The MATHMAZE OLYMPIAD" organized by the Media Club at IET was a resounding success, thanks to the active participation of students, valuable guidance from Prafull Kothari sir, and the diligent efforts of the organizing team. The event not provided a platform for showcasing talent but also encouraged a deeper appreciation for mathematics with in the academic community.

WINNERS:

- 1. Prasanam Tiwari,CSE-I Yr
- 2. Piyush Kumar, CSE-I Yr
- 3. Sher Singh Rao, CSE-II Yr







Date: 22/06/2024

REPORT OF SEMINAR ON ADVANCED SURVEYING INSTRUMENTS

The Civil Department of IET MLSU recently had the opportunity to participate in a seminar on advanced surveying instruments, organized by Technosys Systems at Regenta Central Hotel on June 22, 2024.

The event was a valuable learning experience for the students and faculty members who attended. The seminar showcased a range of advanced-level surveying instruments from two leading companies, Sokkia and Topcon.

The instruments on display included state-of-the-art GPS devices, Total stations, LN-150 and other cutting-edge technology used in surveying and mapping. The participants were able to get hands-on experience with these instruments and learn about their features and applications.

Karan Rawani, Karan Lohar, Deepika Dhamala from the Civil Department volunteered to assist with the event, providing valuable support to the organizers and ensuring a smooth flow of the program.

Er Prafull Kothari Sir, Er Vikrant Pachouri Sir and Jigyasa Mam also attended the seminar, staying updated on the latest developments in the field of surveying and mapping.

The seminar was informative and engaging, providing a unique opportunity for the students and faculty to interact with industry experts and learn about the latest trends and advancements in surveying technology. The event also facilitated networking opportunities among professionals and academia, fostering collaboration and exchange of ideas.

Overall, the seminar was a successful event that contributed to the growth and development of the students and faculty members who attended. It highlighted the importance of staying updated with the latest technologies and innovations in the field of surveying and mapping.





Date: 25/06/2024

Report on Media Extravaganza 2024 Reel & Photography Contest

IET Udaipur witnessed a vibrant display of talent and creativity at the recently concluded Media Extravaganza 2024. Organized by the college's Media Club, the event served as a platform for students to showcase their skills in reel making and photography. Participants enthusiastically captured the essence of college life, the IET campus, its laboratories, and the surrounding natural beauty through their lenses.

The competition encouraged students to explore their artistic abilities and document the various facets of campus life. From the bustling corridors to the serene green spaces, the submitted reels provided a glimpse into the vibrant tapestry of IET Udaipur. The participants' keen eye for detail and innovative storytelling techniques were evident in their captivating creations.

To ensure a fair and transparent evaluation process, the submitted reels were meticulously reviewed by the Media Club's experienced mentors and secretaries. Their expert judgment helped identify the most outstanding entries that effectively captured the spirit of the competition.

Winner- Riya Maroo, II yr- CSE





Date: 25/06/2024

Report on Tech-Artistry- Digital Poster Making Competition

The Media Club at IET Udaipur successfully hosted a vibrant Digital Poster Making Competition on June 25th, 2024. Held from 1:00 PM to 2:00 PM, the event aimed to foster creativity and digital design skills among students across various disciplines. The competition saw enthusiastic participation, drawing talented artists and aspiring designers eager to showcase their abilities. The competition platform buzzed with activity as students put their digital artistry to the test. Participants utilized a variety of design tools and software to create visually stunning posters that captivated the judges' attention. Themes ranged from social awareness campaigns to promoting upcoming campus events, demonstrating the versatility of the medium and student's diverse interests. The judges, a panel of experienced faculty members with expertise in design and communication, were impressed by the quality of entries. Winning submissions were meticulously evaluated based on three key criteria: creativity, originality, and the poster's overall effectiveness in conveying the intended message.

The Media Club is delighted to announce the competition winners:

- 1st Place: Ayush Yadav
- 1st Runner-Up (tie): Kavish Sahu (CSE 1st Year) & Pankaj Kalani (CSE 1st Year)
- 2nd Runner-Up (tie): Krishna Patidar (CSE 1st Year) & Piyush Kumar (CSE 1st Year)





Date: 29-06-2024

Report on Debate Competition

The "Institute of ENGINEERING & TECHNOLOGY" conducted a Debate competition on the Theme "Challenges faced by women engineers in today's date" on 29th June,2024 at the building of IET,MLSU from 1:15 to 2:00PM for the combine students of 1st and 2nd year B.Tech. The event was organized by Karan Rawani and Akshat Soni (Vice secretaries) of the "LITERARY CLUB".

The aim of organizing debate competition was to hone the public speaking skills of the students and teach them to be articulate while expressing their thoughts and opinions. The session was the kaleidoscope of opinions, thoughts and perspective that enhanced the knowledge and understanding about the challenges faced by women engineers in India among two students.

Points presented were accepted by the spectators with cheers and claps. Some of the points even made us think about the facts. There was so much talent in the room. Arguments were made and roved. The competition was so interesting with the exchange of student's perspective by equally stating the merits and demerits above the topic.

The event was judged by Er. Jaishree Chouhan and Mrs. Chhavi Giri, and under their guidance the event came towards it's end by announcing the winners.

With a tie between the 1st position in the debate competition

1) TEJASWIEE SINGH, CSE-II year
 2) MUSKAN SHARMA, CSE-I year

2nd position in the debate competition

1) DIVYANSHU CHAUDHARY, CSE-1 year



ONGAINIZENS			Cumitation C
Patron	: Prof. Sunita Mishra Hon'ble Vice Choncellor	alor	Inucuation -
Co Patron	: Prof. Seema Jalan Chairiman, Facuity of Earth Sciences	n of Earth Sciences	12" All India
Co Patron	: Prof. C. P. Jain Dean, University College of Science	Mege of Science	Students Symposium
Chairman	: Dr. Ritesh Purohit Head Department of Geology	t kogr	on Geology
Convener	: Dr. Harrish Kapasya Asstr. Prof., Department of Geology	a ment of Geology	GEOYOUIH
Advisory Committe	tee :		23" - 24" February, 2024
Prof. (Retd.) P. Kataria	Prof. (Retd.) R. L. Jodhawat	(odhawat	
Prof. (Retd.) Vinod Agrawal Prof. (Retd.) Harsh Bhu	rawal Prof. (Retd.) N. K. Chsuhan u Prof. (Retd.) M. L. Nagori	Chauhan Nagori	
Members of Organ	Members of Organizing Committee:	1	
 Mr. Akhil Kumar Dwivedi 	•	Dr. Subhash C. Jangal	
 Dr. Ankush Shrivastava 	•	Dr. Niranjan Mohanty	
 Dr. Anjali Singh 	•	Rarh	
 Dr. Maya Chaudhary 		Dr. Rajnikant Patidar	A DESCRIPTION OF THE OWNER OWNER OF THE OWNER OWNER OF THE OWNER
Student Members:			
 Ms. Vandana Mewar 	•	annawat	A DE LA CARA DE LA CAR
 Mit Praveen Sharma 	•	Ac Kuldeep Singh Chouhan	
 Mr. Ramesh Kumar 	¥: •	Mukul Singh Rathore	
Mr. Mahesh Kalal	Mit Arnam Kolman Mit Arnam Kolman	Artiam Kothan	
Mr. Hemai Shivan		adom	
 Mr. Prabhat Singh 	• MK	iand	1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1
Ms. Jyoti Darji	· Mit Handle	Hardika Dachora	
Mr. Rohit Gupta	¥ : • •	KM Anamika	
MS, Nandris solanis Ma brief burchal	11	Machusuchan Lohar	
Mr. Dheeral Suthar		Mohit Choudhary	
 Mr. Sumit Sevak 	W .	Rajari Sharma	
 Mr. Yogesh Vaishnav 		du ub	
Mr. Dinesh Dangi	 Ms. Alshita Asoda 	Asoda	
 Mr. Vijesh Suthar 	• M3•	solanici	
 Ms. Shivani Suhalka 	• Ms.	Apama Vaishnav	
 Mr. Wvek Khoja 		h Lodha	Ornanized hu
Ms. Ghanishtha Sharma			A ANTING A
WY VOID WINKS	toosat invent (CM		DEPARTMENT OF GEOLOGY Eacuity of Farth Sciences
Venue :	: Department of Geology	Ago	
	Faculty of Earth Sciences		Monanial Sukhadia University, Udaipur-313 002 (Rajasthan)
Mohanlal Sukl	Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Rajasthan)	Rajasthan)	E-mail: geoyouth.misu@gmail.com

¢

Dr. Harish Kapasya Convener – GEOYOUTH Department of Geology Mohanai Sukhadia University 51, Saraswati Marg, Udaipur –313002 (Rajasthan) e-mail: geoyouth.misu@galail.com e-mail: geoyouth.misu@galail.com 0

4.9

5

J

5.3.3

5.3.3



you are warmly invited to

THE CHIOLITE & THE CARNELIAN

FRIDAY 20th OCTOBER

TIME: 2PM 6PM

VENUE: HERON HALL

DEPARTMENT OF GEOLOGY FACULTY OF EARTH SCIENCES, MLSU

[ON BEHALF OF MSC. 2nd SEMESTER]

5.3.3 1 สารอากอาอราอสารกราย (การอาสาก 1 sineau, sinaler - Dabar, uelan, ot Geology, MLSU, Udatour

0

Friday, October 2013 Masser of 1959

Autoritation attipistion autoritation autoritation autoritation autoritation autoritation autoritation autoritation

DEPARTMENT OF GEOLOGY, MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR
NAME OF THE COLLEGE: University College of Social Science and Humanities

5.3.1 Number of awards/medals won by students for outstanding performance in sports/cultural activities at interuniversity/state/national/international events (award for a team event should be counted as one) during the year (01 July 2023-30th June 2024)

Year	Name of the award/ medal	Team / Individual	Inter-university / state / National / International	Name of the event	Name of the student	Annexure no. as 5.3.1_College
			international			Name
2024	GOLD	INDIVIDUAL	Inter-university	AIIU KICK BOXING	Karnika Champawat	1
2024	BRONZE	INDIVIDUAL	Inter-university	AIIU KICK BOXING	Vimla Kanwar	2
2024	GOLD	TEAM	Inter-university	AIIU American Football	Himakshi Laxkar	3
2024	GOLD	TEAM	Inter-university	AIIU American Football	Laxita Kumawat	4
2024	PARTICIPATION	INDIVIDUAL	Inter-university	Khelo India University Games Boxing	Pranjal Menaria	5
2024	GOLD	INDIVIDUAL	Inter-university	South West Zone Boxing	Amil Ali	6
2024	BRONZE	INDIVIDUAL	Inter-university	AIIU KICK BOXING	Praveen Puri Goswami	7
2024	BRONZE	INDIVIDUAL	Inter-university	AIIU KICK BOXING	Harsh Jain	8

ANNEXURE: Attach a copy of award letter or certificates/or place the list on letterhead of College with DEAN seal and Signature/or any other relevant document and write the annexure no. as 5.3.1_College Name

NAME OF THE COLLEGE:

5.3.3 Number of sports and cultural events / competitions /Technical/academic fests/any other event organised by the institution during the year (01 July 2023-30th June 2024)

Date of event/competition (DD-MM-YYYY)	Name of the event/competition	Type of the event / competition (Sport / cultural / Technical / academic fest / any other (please specify) event through active club / forum	
28-30oct 2023	football (m/w)	sports	1 (A)
22-23 nov 2023	Power Lifting, Weight Lifting and best physique	sports	2 (B)

ANNEXURE: Attach a copy of event report min. 250-500 words mentioning number of participants and highlights of the event duly signed by the Head/ organizing secretary (any other relevant document can also be given alongwith the report) and write the annexure no. as 5.3.3_College Name_1, 5.3.3_College Name_2 and so on

October 25, 2023



UNIVERSITY SPORTS BOARD MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY Ph.: +91-294-2417308, Fax: 2471150 Email: usbmlsu@gmail.com | Website: www.mlsu.ac.in MAHARANA BHUPAL SPORTS COMPLEX, SARASWATI MARG, UDAIPUR-313 001 (Rajasthan)

F. () / USB/ MLSU/ 2023/ 2 의원



UCSSH Mohanlal Sukhadia University UDAIPUR

Sub: ICT of Football (M/W) Tournament for the Session 2023-2024.

Dear Sir/Madam,

With reference to above cited subject, it gives me pleasure to introduce you to, Dr. Hemraj Singh Chaudhary, ADPE, UCCMS & UCOS, Udaipur, who has been nominated as University Observer and Shri Gulam Khan, Football Coach & Shri Kanhaiya Lal Barbar, Football Expert who has been nominated as Member Selection Committee for the Inter Collegiate Football (M/W) Tournament for the Session 2023-2024, organized by the your college from 28.10.2023 to 30.10.2023.

TA & DA will be paid by the University Sports Board as per University rules to person concerned.

Please also find 120 Certificates for ICT Winner (20+20), Runner (20+20) and Third Position (20+20) of this tournament and Performa of Organizing Secretary Report for necessary action.

I wish a grand success of the event.

Thanking you,

Yours truly,









Copy forwarded for information and necessary action to: -

- 1. The Chairman, University Sports Board, MLSU, Udaipur.
- 2. The Organizing Secretary, ICT Football (M/W) Tournament, Udaipur.
- 3. Dr. H.R.S. Chaudhary, University Observer, Udaipur for information
- 4. Shri Gulam Khan, Member Selection Committee, Udaipur for information
- 5. Shri Kanhaiya Lal Barbar, Member Selection Committee, Udaipur for information
- 6. The Office File, University Sports Board, MLSU, Udaipur.



(Dr. Bheem Raj Patel) Secretary

Dr. Bheem Raj Patel Secretary University Sports Board 



UNIVERSITY SPORTS BOARD MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY Ph.: +91-294-2417308, Fax: 2471150 Email: usb@mlsu.ac.in | Website: www.mlsu.ac.in MAHARANA BHUPAL SPORTS COMPLEX, SARASWATI MARG, UDAIPUR-313 001 (Rajasthan)

F. () / USB/ MLSU/ 2023/ 🗇 🖉 🖉

November 2023

Τo,

The Dean University College of Social Science & Humanities Mohanlal Sukhadia University

Mohanlal Sukhadia University UDAIPUR

Sub: ICT of Weight Lifting (M/W), Power Lifting (M/W) & Best Physique (M) Tournament 2023-2024.

Dear Sir/Madam,

With reference to above cited subject, it gives me pleasure to introduce you, Dr. Deependra Singh Chauhan, Coordinator, University Yog Centre, MLSU, who has been nominated as University Observer and Shri Kamlesh Sharma, Wt.Lifting, Power Lifting Expert as Members Selection Committee for the Inter Collegiate Weight Lifting (M/W), Power Lifting (M/W) & Best Physique (M) Tournament for the Session 2023-2024, which will be organized by the your college from 22.11.2023 to 23.11.2023.

TA & DA will be paid by the University Sports Board, as per University rules to the person concerned. Kindly extend full cooperation to them.

Please also find 114 Certificates for ICT Winner, Runner & Third Position Holder (Individual Categories) of this tournament and Performa of Organizing Secretary Report. Please arrange to send unused certificate if any.

I wish a grand success of the event.

Thanking you,		
Yours truly,		
(Dr. Bheem Raj Patel) Secretary	نې نو) F

Copy forwarded for information and necessary action to: -

- 1. The Chairman, USB, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur.
- 2. The Organizing Secretary of ICT Wt. & Power Lifting (M/W) and Best Physique.
- 3. Dr. Deependra Singh Chauhan, University Observer for information.
- 4. Shri Kamlesh Sharma, Udaipur for information.
- 5. The Office File, University Sports Board, Udaipur.

(Dr. Bheem Raj Patel) Secretary Dr. Bheem Raj Patel Secretary University Sports Board M.L. Sukhadia University UDAIPUR-313001 विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय द्वारा 16, 18 एवं 19 जनवरी को वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत 16 जनवरी को वाद -विवाद,आश् भाषण, प्रश्नोत्तरी एवं कविता पाठ का आयोजन किया गया। वाद- विवाद में निखिलअंश् जनवा प्रथम ,राजश्री सिसोदिया द्वितीय तथा हर्षराम रामस्नेही तृतीय स्थान पर रहे, आशु भाषण प्रतियोगिता में शैतान सिंह बिश्नोई प्रथम ,तौसीफ द्वितीय और रौनक के राजावत तृतीय रहे, कविता पाठ प्रतियोगिता में अदिति शारदा प्रथम ,प्रिया सुथार द्वितीय तथा जिया खंडेलवाल तृतीय स्थान पर रहीं, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में स्वप्निल जोशी प्रथम ,किरण कुमार द्वितीय तथा दिव्यांगना राणावत तृतीय स्थान पर रहीं, मेहंदी प्रतियोगिता में कोमल प्रजापत प्रथम, संगीता कुमावत द्वितीय तथा हितिशा आमेटा तृतीय स्थान पर रही, रंगोली प्रतियोगिता में रिद्धिश्री डीडवानियां प्रथम स्थान पर, झलक बड़वाल द्वितीय स्थान पर और अनिशा मोची तृतीय स्थान पर रही, मांडना प्रतियोगिता में मोहित व्यास प्रथम ,कोमल प्रजापत द्वितीय और तुलसी प्रजापत तृतीय स्थान पर रहे, फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में रेशमा सुथार प्रथम ,मोहित व्यास द्वितीय तथा झलक बन्दवाल तृतीय स्थान पर रहीं। स्पॉट फोटोग्राफी में किरण गोस्वामी प्रथम, भव्या सिंह,द्वितीय और कुणाल सेन तृतीय रहे, क्ले मॉडलिंग में रुद्र प्रताप सिंह प्रथम, भावेश सुथार द्वितीय ,और अक्षत खटीक तीसरे स्थान पर रहे, इंस्टॉलेशन में सिद्धिका दया एवम समूह प्रथम और यशस्वी श्रीवास्तव और समूह द्वितीय स्थान पर रहे, ओन द स्पॉट पेंटिंग मैं यशस्वी श्रीवास्तव प्रथम, भावेश सुथार द्वितीय और प्रिंस शर्मा तृतीय स्थान पर रहे, पोस्टर मेकिंग में रुद्र प्रताप सिंह तृतीय दिव्यांगना राणावत द्वितीय और किरण सुखपाल प्रथम स्थान पर रहे, कार्टूनिंग में अंश कुमार दाधीच प्रथम स्थान पर भावेश स्थार द्वितीय स्थान पर और हिना स्थार तीसरे स्थान पर रहे, प्रतियोगिता के अंतिम दिन 19 जनवरी को विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित नृत्य एव संगीत प्रतियोगिता में, एकल गायन प्रतियोगिता में कविश वरनौती प्रथम स्थान पर ,राकेश ढोली दवितीय स्थान पर और विवेक चौबीसा तीसरे स्थान पर रहे इसी तरीके से एकल नृत्य प्रतियोगिता में गुनीशा मकोल प्रथम स्थान पर, हर्षिता बैरागी द्वितीय स्थान पर और मोहित व्यास तृतीय स्थान पर रहे, समूह नृत्य प्रतियोगिता में गुंजन सोलंकी एवं प्रिया स्थार प्रथम , एवम अहाना एवं समूह द्वितीय तथा चारु पालीवाल एवं अंकित कुमार तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम की प्रस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुनीता मिश्रा रही तथा कार्यक्रम के सम्मानिय अतिथि आर्ट्स कॉलेज के डीन प्रो. सी आर स्थार रहे। कार्यकम के संयोजक डॉ. गिरिराज सिंह चौहान रहे।

प्रतिभाओं ने दिखाया हुनर तो मिले पुरस्कार आर्ट्स कॉलेज का वार्षिक

उदयपुर। मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान एवं मानवीको महाविद्यालय वा जानवरी को वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय को कुलपति प्रोफेसर सुनीता मिश्रा रहीं। सम्याननीय अतिथि आर्ट्स कॉलेज के डीन प्रो. सी आर सुधार रहे। सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.. गिरिराज सिंह चौहान ने बताया की तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत 16 जनवरी को वाद - विवाद, में निखिल, अंशु पढां कविता पाठ का आयोजन किया गया। बाद- विवाद में निखिल, अंशु जनवा प्रथम, राजश्री संसोदिया द्वितीय तथा हर्षराम रामकेश्रेष्ठ तूर्तीय स्थान्य पर

जनवा अयम,राजत्रा ।संसादिया । द्वताव तथा हर्षराम रामस्रोही तृतीय स्थान पर रहे। आशु भाषण प्रतियोगिता में शैतान सिंह बिश्नोई प्रथम ,तौसीफ द्वितीय और रौनक के राजावत तृतीय रहे, कविता पाठ प्रतियोगिता में अदिति शारदा प्रथम ,प्रिया

उक्यपुर, श्रनिवार २० जनवरी, २०२४

6



सुथार द्वितीय जिया खंडेलवाल तथा सुधार ।इताथ तथा ।जथा खडलवाल तुतीय स्थान पर रहीं, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में स्वप्लिल जोशी प्रथम, किरण कुमार द्वितीय तथा दिव्यगिना प्राणवत तुतीय स्थान पर रहीं, मेहंदी प्रतियोगिता में कन्दि प्रजापत प्रथम, आतंशागता म कामरत अजारत अयम्त संगीता कुमावत द्वितीय तथा हितिशा आमेटा तृतीय स्थान पर रही, रंगोली प्रतियोगिता में रिद्धिश्री डीडवानियां प्रथम स्थान पर, झलक बड़वाल द्वितीय और



तृतीय स्थान पर जारता पाचा पूर्णांच स्वान कर एक मांडना प्रतियोगिता में मोहित व्यास प्रथम ,कोमल प्रजापत द्वितीय और तुलसी प्रजापत त्तीय स्थान पर रहे, फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में रेशमा सुथार प्रथम ,मोहित व्यास द्वितीय तथा झलक बन्दवाल तृतीय स्थान पर रहीं। स्पॉट फोटोग्राफी में किरण स्थान पर रहा। स्थाट फोटाग्राफो में किरण गोस्वामी प्रथम, भव्या सिंह,द्वितीय और कुणाल सेन तृतीय रहे, क्ले मॉडलिंग में रुद्र प्रताप सिंह प्रथम, भावेश सुथार

द्वितीय ,और अक्षत खटीक तीसरे स्थान पर रहे, इंस्टॉलेशन में सिद्धिका दया एवं पर रह, इस्टालशन म सिद्धका दया एव समूह प्रथम और यशस्वी श्रीवास्तव और समूह द्वितीय स्थान पर रहे, ओन द स्पॉट पेंटिंग मैं यशस्वी श्रीवास्तव प्रथम, भावेश सुधार द्वितीय और प्रिंस शर्मा तृतीय स्थान पर रहे, पोस्टर मेकिंग में रुद्व प्रताप सिंह तृतीय दिव्यांगना राणावत द्वितीय और किरण सुखपाल प्रथम स्थान पर रहे। पर रहे।

Giclichical

संत समाज

उदयपुर (वि)। श्री राम लला की में सर्व सम्प्रद महासचिव महन्त दयाराम कथावाच गुलाब दास, को 22 जनवरी को प्रतिष्ठा में सम्मि संतो का शहर के के साथ भक्तों व गया। महंत इंद्र माला,उपरना पह वैष्णव,शिव गुर्ज आदि ने संतों का स्वागत किया।





Activity No. 1: Programme Title: Workshop on "Dabu Indigo Printing"

Programme Title:	Workshop on "Dabu Indigo Printing"	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra	
Resource Person:	Mr. Yogesh Cheepa	
Date:	12th April 2023	
No. of Participants:	40 Military Cantonment Wives	
Objectives of the Programme:	 To teach individuals the traditional art and techniques of Dabu indigo printing. To promote eco-friendly practices through Dabu printing, including the use of sustainable materials and dyeing methods. To provide a historical and cultural context for Dabu indigo printing, helping participants appreciate its significance. 	
Overview of the Programme:	The training session on Dabu indigo printing was held at a military cantonment area, specifically for military wives. The session aimed to create awareness about the traditional art of Dabu printing. Mr. YogeshCheepa, a locally trained artisan whose family has been deeply involved in this art form, demonstrated the steps of mud resist printing. Participants engaged in creating scarves, dupattas, and kurtas using Dabu printing techniques, enjoying hands-on experience. Dr. Dolly Mogra, the department in-charge, highlighted the historical and cultural significance of Dabu printing and its relevance in today's fast- changing fashion world.	
Outcomes:	 Participants gained knowledge and skills to create intricate and beautiful prints. They explored creativity, developing unique designs and patterns in Dabu printing. Participants appreciated the cultural and historical significance of Dabu printing. They adopted eco-friendly and sustainable methods in the printing process. 	

5.3.3_DFTD_2

Programme Title:	"Tie & Dye"	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra	
Resource Person:	Ms. Yogini Dak	
Date:	1st June 2023	
No. of Participants:	36	
Objectives of the Programme:	• To introduce participants to the traditional art of Tie & Dye.	
	• To teach various techniques such as folding, tying, marbling, and knotting.	
	 To inspire creativity in fabric design and pattern creation. To explore the potential of Tie & Dye as an entrepreneurial venture in the textile industry. 	
Overview of the Programme:	A workshop on Tie & Dye techniques was conducted at Nehru Hostel for 36 participants. Ms. Yogini Dak, a skilled creative artist, demonstrated techniques such as folding, tying, marbling, and knotting. Participants created various samples, including cushion covers, table covers, bed sheets, and apparel like dupattas and kurtas. The session aimed to enhance participants' creativity and skills while encouraging them to consider starting enterprises using this traditional technique. Dr. Dolly Mogra elaborated on the importance of Tie & Dye in the globalized world and its entrepreneurial opportunities.	
Outcomes:	 Participants improved skills in creating diverse patterns and designs. 	
	 They learned various Tie & Dye techniques and color theory. Unique, one-of-a-kind artistic pieces were created. Students explored entrepreneurial potential in Tie & Dye art. 	

Activity No. 2; Programme Title- Tie & Dye Workshop

5.3.3_DFTD_3 Activity No. 3; Programme Title: Workshop on "Mandala Art"

Programme Title:	"Mandala Art"	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra	
Resource Person:	Ms. Yogini Dak	
Date:	2nd June 2023	
No. of Participants:	36	
Objectives of the Programme:	• To introduce participants to the art of Mandala creation.	
	 To explore the cultural, spiritual, and aesthetic significance of Mandalas across different traditions. To encourage participants to express their creativity through symmetrical design and pattern-making. To provide insights into using Mandala art for personal and professional purposes. 	
Overview of the Programme:	The Mandala Art workshop was organized at Nehru Hostel with 36 participants. Ms. Yogini Dak demonstrated the intricate art of Mandala creation, emphasizing techniques, symmetry, and design. Students were encouraged to explore their artistic side while learning about the cultural and spiritual significance of mandalas in various traditions. Participants created samples in different shapes and sizes, expressing their individuality and creativity. Dr. Dolly Mogra provided insights into the importance of Mandala art in today's globalized context and guided participants on how they could use this skill for entrepreneurial ventures.	

5.3.3_DFTD_4 Activity No. 4; Programme Title: Clay Pot Making

Programme Title:	"Clay Pot Making"	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra	
Resource Person: Ms. Yogini Dak		
Date:	3 rd June 2023	
No. of Participants:	36	
Objectives of the Programme:	• To teach participants basic and advanced clay pot making techniques.	
	• To encourage creativity and craftsmanship in pottery.	
	 To explore the economic potential of pottery as an entrepreneurial skill. To inspire participants to create functional and decorative pottery items. 	
Overview of the Programme:	A hands-on Clay Pot Making workshop was organized at Nehru Hostel for 36 participants. Ms. Yogini Dak demonstrated techniques for shaping, decorating, and painting clay pots. The training aimed to improve participants' skills in pottery while inspiring them to consider entrepreneurial opportunities in this art form. Participants created various types of pots and decorative items, showcasing creativity and craftsmanship. Dr. Dolly Mogra explained the importance of pottery in a globalized world and emphasized the potential of this craft for creating demand-driven decorative items.	
Outcomes:	 Participants acquired skills in pottery and decoration techniques. They gained confidence and a sense of achievement. The workshop encouraged interest in handmade pottery and its various uses. 	

5.3.3_DFTD_5 Activity 5; Programme Title: Celebration on World Environment Day

Programme Title:	World Environment Day	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra	
Resource Person:	Rekha Purohit	
Date:	5 June 2023	
No. of Participants:	50	
Objectives of the	• To increase awareness and understanding of critical environmental	
Programme:	issues.	
	• To encourage individuals to become more informed about the	
	environment.	
	• To promote efforts to protect and conserve the environment.	
Overview of the	The World Environment Day celebration at Nehru Hostel on 5 June 2023	
Programme:	fostered a spirit of environmental awareness among students.	
	Informative sessions and hands-on activities, including a tree plantation	
	drive, emphasized environmental conservation and sustainability. The	
	event concluded with a collective pledge for eco-friendly practices,	
	reinforcing the college's commitment to environmental consciousness.	
Outcomes:	Plantation of around 50 plants.	
	· Students understood the real face of environmental issues.	
	· Better understanding of the importance of World Environment	
	Day.	



5.3.3_DFTD_6 Activity 6; Programme Title: Celebration of World Yoga Day

Programme Title:	World Yoga Day	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra	
Co-Coordinator:	Dr. Annu Jain	
Resource Person:	Ms. Seema Lodha	
Date:	21 June 2023	
No. of Participants:	50	
Objectives of the	• To create awareness about yoga.	
Programme:	• To acquaint students with the importance of yoga for physical and mental	
	wellness.	
Overview of the	World Yoga Day was celebrated at Nehru Hostel with participants from the	
Programme:	MSME sewing training camp. Guided yoga sessions were complemented by	
	discussions on yoga's benefits. Cultural programs, including poetry recitations,	
	enhanced the celebration, highlighting yoga's role in holistic development. The	
	Head of the Department emphasized yoga's importance alongside skill	
	development.	
Outcomes:	Participants learned various asanas.	
	· Gained knowledge about the importance of yoga in fitness.	



5.3.3_DFTD_7 Activity 7; Programme Title: Guru Purnima Celebration

Programme Title:	Guru Purnima Celebration
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Coordinator:	Mrs. Rekha Purohit
Date:	3 July 2023
No. of Participants:	55
Objectives of the	$\cdot To$ show gratitude to teachers for their dedication and positive influence
Programme:	on students.
	·To promote respect and understanding between students and teachers.
	· To foster a positive learning environment.
Overview of the	The Guru Purnima celebration included cultural performances and the
Programme:	felicitation of Retd. Prof. Dr. VijayalaxmiChouhan, the founder Director
	of the Department. The event highlighted the significance of mentorship,
	fostering respect and appreciation for teachers. Dr. Dolly Mogra
	motivated students to uphold Indian traditions and value their mentors.
Outcomes:	Enhanced understanding and respect for teachers.
	Students expressed gratitude towards their mentors.
	· Strengthened relationships between students and teachers.



5.3.3_DFTD_8 Activity 8; Programme Title: Industrial Visit to Textile & Apparel Manufacturing Unit

	Industrial Visit to Textile & Apparel Manufacturing Unit
Programme Title:	
Coordinator:	Dr. Mamta Kavadia, Rekha Purohit
Date:	7 July 2023
No. of Participants:	45
Objectives of the	· To provide students with hands-on experience in textile
Programme:	manufacturing.
	• To understand the textile supply chain, from raw materials to finished
	products.
	 To explore career opportunities in the textile industry.
	 To highlight innovation and technology in textile production.
Overview of the	Students visited Nakoda Textile Fab, Eklingpura, gaining insights into the
Programme:	textile manufacturing processes. The visit bridged the gap between
	theoretical knowledge and practical applications, preparing students for
	future careers in the textile industry. The visit emphasized technological
	advancements and sustainability.
Outcomes:	· Gained practical insights into the textile industry.
	Exposure to real-world industry operations.
	• Enhanced understanding of the role of innovation and sustainability.

शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने जाना स्टिचिंग, फैशन का न्यू डवलपमेंट

महानगर संवाददाता

उदयपुर। कपड़ा कैसे बनता है? हमें कपड़ा मिल में जॉब कैसे मिल सकती है? कपड़े पर डिजाइन कौन तय करता है? डिजाइनिंग के लिए कौन से सॉफ्टवेयर काम में लिए जाते है? आदि सवालों के मिल के विशेषज्ञों ने बारी.बारी से विद्यार्थियों की जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। यह सवाल हुए सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार एमएसएमई तथा सुविवि के डिपार्टमेंट ऑफफैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग के संयुक्त तत्वावधान में बेरोजगार युवक.युवतियों के निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण में इंडस्ट्रीयल विजिट में। वहां विद्यार्थियों ने स्टिचिंग एवं फैशन के नए डवलपमेंट की जानकारी ली। प्रशिक्षणार्थियों ने उदयपुर के एकलिंगपुरा स्थित नाकौड़ा टेक्सटाइल फैब में वस्त्रों की बनावट से लेकर उसके अलग.अलग आकार में बनने की प्रक्रिया को जाना। इंडस्ट्री की ऑर्गेनाइजर विद्या कंठालिया ने प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत किया और कहा इस प्रकार की विजिट से इस क्षेत्र में आने वाले युवक.युवतियों को बढ़ने का मौका मिलेगा। डिपार्टमेंट हैड डॉ डॉली मोगरा ने कहा स्टडी के साथ.साथ प्रायोगिक ज्ञान जरूरी है। कौशल आधारित अध्ययन में इंडस्ट्री अवलोकन से न केवल विद्यार्थियों को नई दिशा मिलेगी बल्कि इस क्षेत्र में होने वाले डवलपमेंट से भी अपडेट होंगे। नई शिक्षा नीति के तहत इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विश्वविद्यालय स्तर पर जारी रहेंगे। ट्रेनर रेखा पुरोहित ने कहा प्रशिक्षण के बाद छात्र.छात्राओं को स्वयं का कार्य शुरू करने या स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए इंडस्ट्रीयल भ्रमण की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षणार्थियों को यहां कार्य करने के अवसर मिलेंगे।



5.3.3_DFTD_9 Activity 9; Programme Title: Lehriya Day Celebration on Hariyali Amavasya

Programme Title:	Lehriya Day Celebration on Hariyali Amavasya
Coordinator:	Dr. Mamta Kavadia, Ms. Rekha Purohit
Date:	17 July 2023
No. of Participants:	45
Objectives of the	• To acquaint students with the historical significance of
Programme:	Hariyali Amavasya.
	 To enhance knowledge of various Lahariyas.
	 To improve Mehndi application skills.
Overview of the	
Programme:	Lahariyasaree draping, the event encouraged cultural appreciation. Dr.
	Dolly Mogra emphasized the interdependence of humans and nature,
	urging eco-consciousness. Winners were felicitated with prizes.
Outcomes:	 Improved Mehndi application skills.
	Learned diverse saree draping styles.
	Gained knowledge about HariyaliAmavasya traditions.
	<section-header></section-header>
	पुराव अतिर्थ के रूप में प्रतिभाषिण्यं को संस्वीर्थन करते हुए कही। मोलन स्वतार्थण कि स्वाला क परिवार देवलेलियी एक स्वात्म सुम्प्र, लगु, मण्यम, उद्यम मंत्रालय भारत सरकार (एमर्स्सपर) के संयुक्त तलकावन में आयोजना ति मुरुष्टल्ल सिल्प प्रतिकृषण कपरिक्र के तता हरिपाली आयागरण के उलालप में एवस एकडाओं में 'सावन उलाव' मंद्रे को जास के साथ मनया। तिभाषाण्यक जे उलीस मोरान ने सवाल कि स्वालन उलाव के उलालप में एवस एकडाओं में 'सावन उलाव' मंद्रे की जासन के उलालप में एवस एकडाओं में 'सावन उलाव' मंद्रे की जास के साथ मनया। तिभाषाण्यक जे उलीस मोरान ने सवाल कि स्वालन आयोजन की न्या स्वार्थका को सुमुख्य मंद्री प्रत प्रति जी सिंद, क्षेत्रनी मांव चाकेल एव कीमती अनिता गारीर भी अधिति की मांकि सालन उलाव का आतन्द दिवारा प्रतिक्ष रेखा प्रतिक्र की मुख्य मेंव मेंत्री क्षान से मुख्य मीय सावन एवस लहरिया दिवा मात्र तिसमें काको ने अलग आगर स्वार देवला मां कर प्रतिक्ष रेखा प्रतिक स्वाल प्रति का कि मांकि मांकि भी प्रायम मेंत्री की मुख्य मोक प्रतुत राख्य महान राखा गया। सभी प्रतिकीष्ठा की मुख्य मेंत्र स्वाल भाव के उत्तरत प्रत प्रतिक्र कि प्राय संवित्त की न्या के अत्युत्त स्वान भाव क्राल प्रतिक्ष क्राल में स्वाल क्षात्री की मुख्य मेंत्र प्रतान राखन स्वात्म त्या प्रत का नित्त कि साधन संवी प्रतिकीष्ठि में एक अन्तर संवत्न में सार प्रत क्षा स्वात्म के स्वान स्वात संवी प्रतिकीष्ठि में प्रायम मेंत्र के अनुसार अत्या के प्रत स्वात में क्षा प्रवान संवी प्रतिकीष्ठ में क्षा के अत्युत्त राज्य मात्र स्वात्म कि प्रतन कि प्राय संवी प्रतिकीष्ठ में क्षा के अत्युत्तर अत्या के ख़र प्रवर्भ कि मा संवी की के बाता कि प्रत्येक स्वान में उत्यात्म का आतन्तर कि प्रायक्र की स्वात

5.3.3_DFTD_10 Activity 10; Programme Title: Lippan Art Workshop

	Lippan Art Workshop
Programme Title:	
Coordinator:	Dr. Mamta Kavdia, Ms. Rekha Purohit
Resource Person:	Dimple Jain, Priyanka Jain
Date:	21 July 2023
No. of Participants:	50
Objectives of the	 To acquaint students with traditional Lippan art.
Programme:	 To enhance creativity and artistic skills.
	 To foster appreciation for cultural heritage.
Overview of the	A vibrant workshop introduced students to the intricacies of Lippan art.
Programme:	Interactive sessions and collaborative projects provided a platform for
	artistic expression. An exhibition of creations concluded the workshop,
	celebrating cultural heritage and creative achievements.
Outcomes:	· Created products using Lippan art techniques.
	• Enhanced speed and efficiency in artistic production.
	· Gained cultural and spiritual insights into Lippan art.





सुविवि : लिप्पन आर्ट की कार्यशाला में सीखे हस्तनिर्मित उत्पाद वनाना



उदयद्या सिका स्वा सुवादिम विश्वनिक्तालय के पैकार टेक्केलीजी एवं मुख्य व्यु सप्ता, उत्यम संकल्प काठा सरकर (प्रसरस्वार) प्राय राज्यांका दि मुख्य हिम्ला से किर्फ के पिता प्राय काठा के करेकल विश्वस के लिए ही विश्वमें विल्यम के पिता प्राय काठा के करेकल विश्वस के लिए ही विश्वमें विल्यम के प्राय हिम्ल करके स्वा राज्यांका का मुख्य उद्योग किल्प के प्राय किरक काठा अपनींतन के पीत राज्यांका कि ति कुल्प सिल्प कोटन किल्पाय काठी की संस्तित कार्याका कि ति कुल्प सिल्पा के प्राय साथ माठा काठा-उठाकों की भारती पार्वाका कर का मां स्वार्थना कालकार है। प्राय के काठा का स्वार स्वार्थका कर का मां स्वार्थना कालकार है। प्राय साथ माठा काठा-उठाकों की भारती साथकीक काठा की स्वार्थना कालकार हो प्राय की स्वार्थना के स्वार्थना से स्वार्थकाल के नह अवसार प्राय स्वार्थ स्वार्थ से कारा का प्राय स्वार्थका के नह अवसार प्राय स्वार्थ के प्राय के काठा के स्वार स्वार्थका के नह अवसार प्राय स्वार्थ के स्वार से किराम स्वार स्वार्थ हो के नमुने स्वार-अक्ताओं द्वारा किस्त निव्य उदा शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने जाना स्टिचिंग, फैशन का न्यू डवलपमेंट _{पहानगर संबाहदाल}

उपरवृत्ताः भाराप्त मेथों भारत है? स्वे भाराप्त सिरा में साँच में को किस स्वार्थने है? भारते पर सिताहार और तम भारत है? सिताहींग के लिए और ये भारतरेपर साथ में हिए जा है? उन्हें साराध्यों के साथ के लिए के के में भारतरेपर साथ में हिए जा है? उन्हें साथ भारता के साथ के साथ के साथ भारतरेपर साथ में हिए जा है? उन्हें साथ भारा भारतर साराय स्वारण्य जाय सुविध के स्वित्यरेट उन्हे सिराइन दे ने सिताइन के साथ कि साथ आप साथ साथ सुध्य, भार, भारत भारत साथ साथ साथ साथ प्रारत्न के साथ के प्रारत के साथ के प्रारत के साथ के प्रायत के साथ कि साथ के प्रायत के साथ का साथ के साथ के साथ के साथ साथ साथ कि साथ ने साथ की साथ का साथ साथ के साथ के साथ का साथ साथ साथित का ताय की साथ कि साथ का साथ का साथ का साथ साथ साथ साथ कि साथ का ताय कि साथ के साथ का साथ के साथ का साथ के साथका भारत साथ कि साथ की साथ का साथ का साथ का साथ के साथ के साथ का सीयम के साथ का साथकी के साथ का साथ का साथ का साथ के साथ के साथ का साथ के साथका भारत का साथकी के साथ का साथ का साथ का साथ का साथ का साथ का साथ के साथका भारत का साथका की का साथ का साथ कि साथ का साथकी का साथ का

Programme Title:	"Handloom Day Celebration"
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia
Date:	01.08.2023
No. of Participants:	150
Collaboration:	Academy of Well Being Society, Udaipur
Objectives of the Programme:	 To develop awareness about the significance of Handloom Day celebration. To improve the knowledge of students about handloom products. To promote handloom products.
Overview of the Programme:	On 1st August 2023, at VidyaNiketan School, Udaipur, Dr. Dolly Mogra, In-charge of the Department of Fashion Technology and Designing, delivered a lecture on Handloom Day. The aim was to raise awareness about the rich heritage of handloom weaving, promote the use of handcrafted textiles, and celebrate the skilled artisans contributing to this traditional craft. An exhibition showcasing various handloom creations was organized, where students and teachers actively presented their hand-woven items, including clothing, accessories, and decorative pieces. This exhibition displayed the diversity and beauty of handcrafted textiles. The celebration successfully promoted awareness, education, and appreciation for handloom weaving. It also reinforced the importance of preserving and supporting traditional crafts, reminding the school community about the cultural wealth embedded in handloom weaving and
Outcomes:	 the need to sustain this heritage for future generations. The students' knowledge about handloom products increased
	tremendously. • They learned the importance of handloom products in daily life. • They learned how to effectively use their creativity in the handloom sector.
<section-header></section-header>	

ACTIVITY No. 11; Programme Title: "Handloom Day Celebration"

,	5
Programme Title:	"Gayatri Hawan"
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia
Date:	08.08.2023
No. of Participants:	30
Objectives of the Programme:	• To introduce students to the spiritual and cultural significance of GayatriHawan in Hinduism and understanding diverse religious practices. • To encourage a sense of community and unity among students as they participate in a collective spiritual activity. • To emphasize the importance of virtues such as truth, wisdom, and righteousness associated with the Gayatri mantra recited during the Hawan.
Overview of the Programme:	The Fashion Technology and Designing Department organized a "GayatriHawan" at Nehru Hostel on 8th August 2023. A total of 30 students participated enthusiastically in the spiritual ceremony. The ambiance was filled with reverence and serenity as students gathered for the rituals and sought blessings. The event served as a platform for students to come together and connect with each other. It was a harmonious blend of tradition and modernity, highlighting the department's commitment to holistic development. The event was a resounding success, fostering unity and good fellowship among the students while also providing a peaceful moment amid academic endeavors.
Outcomes:	Positive energy encompassed the students. • Spiritual enlightenment occurred among the students. • It helped students attain a sense of inner peace and tranquility.

ACTIVITY No. 12; Programme Title: "Gayatri Hawan"

Programme Title:	"Tri Colour Dupatta Making Workshop"
Programme Title:	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Dr. Mamta Kavdia
Resource Person:	Rekha Purohit
Date:	12.08.2023
No. of Participants:	30
Objectives of the Programme:	• To enhance knowledge about the mass production method. • To learn how to complete a big order in a small time. • To acquaint participants with raw material procurement.
Overview of the Programme:	On 12th August 2023, the Department of Fashion Designing and Technology organized a "Tri Colour Dupatta Making Workshop" to celebrate the cultural diversity of the nation through the creation of tri- colourdupattas symbolizing the Indian flag. Fifty participants enthusiastically learned the art of dupatta making. Dr. Dolly Mogra's opening remarks highlighted the importance of cultural expression and creativity.
	Participants were provided with fabric in saffron, white, and green colors and embellishments such as sequins, beads, and threads. Guided by experts, they learned techniques including tie-dye, embroidery, and fabric painting. The workshop concluded with participants showcasing their creations. The workshop was a successful platform for cultural expression, creativity, and unity.
Outcomes:	 Participants learned and practiced the mass production process. They gained an understanding of the importance of time in completing orders. They acquired insight into raw material purchase. They prepared high-quality tri-colour dupattas on time.

ACTIVITY No. 13; Programme Title: "Tri Colour Dupatta Making Workshop"



Programme Title:	Educational Visit "Jainam Fair Visit"
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia
Date:	19.08.2023
No. of Participants:	15
Objectives of the Programme:	 To enhance students' knowledge of sewing and embroidery technology. To acquaint them with prevailing market trends. To understand the pricing strategy of products. To improve their knowledge about window display techniques.
Overview of the Programme:	A group of 15 participants, accompanied by RekhaPurohit, visited the Janome Fair on 19th August 2023. The fair showcased advancements in sewing and embroidery technology. Students explored various products, interacted with representatives, and witnessed live demonstrations of advanced techniques. This visit enriched their knowledge of current trends, pricing strategies, and window displays, inspiring future projects. Special thanks to Dr. Dolly Mogra for coordinating this enriching experience.
Outcomes:	 Students' knowledge of the latest fashion and technology was updated. They learned effective window display techniques. They gained insights into pricing strategies. They understood various marketing strategies.

Programme Title: "Jainam Fair Visit"



Programme Title:	Workshop on "Rakhi Making"
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Dr. Mamta Kavdia
Resource Person:	Rekha Purohit
Date:	21.08.2023
No. of Participants:	28
Objectives of the Programme:	• To enhance creativity. • To develop Rakhi-making skills. •
	To sensitize students about handmade Rakhis.
Overview of the Programme:	On 21st August 2023, a Rakhi Making Workshop was held at
	Nehru Hostel with 36 participants engaging in crafting Rakhis.
	The workshop began with an introduction to materials such
	as threads, beads, and decorative elements. Experts
	demonstrated advanced techniques to create intricate designs. The workshop successfully promoted creativity and
	celebrated RakshaBandhan's cultural significance.
	Participants expressed pride in their creations and
	appreciated the opportunity to connect with traditions while
	exploring their artistic potential.
Outcomes:	Students developed Rakhi-making skills. Their creativity
	improved. • They started earning by selling handmade Rakhis. • They
	understood the significance of handmade Rakhis.

Programme Title: Workshop on "Rakhi Making"



5.3.3_DFTD_16 Programme Title: Raksha Bandhan Celebration with Indian Soldiers

Programme Title:	Raksha Bandhan Celebration with Indian Soldiers
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia
Date:	25.08.2023
No. of Participants:	10
Collaboration:	Academy of Well Being Society, Udaipur
Objectives of the	To inspire students to consider their own roles and
Programme:	responsibilities as citizens of the nation.
	• To express gratitude and respect to the men and women
	who serve in the armed forces.
	• To promote unity and harmony among the students.
Overview of the	On 25th August 2023, a heartwarming Raksha Bandhan celebration was
Programme:	organized at the Eklingpura Military Cantonment Area, Udaipur.
	Students had the honor of tying Rakhis to Indian soldiers to express gratitude to the brave men and women in uniform, symbolizing the spirit
	of protection associated with Raksha Bandhan. The event included
	interactive sessions where soldiers and students shared experiences,
	fostering mutual respect and understanding. Small gifts and sweets were
	distributed to the soldiers as tokens of appreciation, creating a joyous
	and festive atmosphere.
	Dr. Dolly Mogra highlighted the significance of the event, emphasizing
	the shared responsibility of civilians and armed forces in safeguarding
	the nation. The ceremony left a lasting impact, strengthening the bond
	between students and soldiers and embodying the true spirit of
	RakshaBandhan.
Outcomes:	Cultural appreciation and understanding.
	Increased patriotism and respect for the armed forces.
	• Development of empathy and gratitude.
	 Inspiration to contribute positively to society.
	Personal bonding experiences.
	 Learning valuable lessons from soldiers' experiences.



5.3.3_DFTD_17 Programme Title: Teachers' Day Celebration

Programme Title:	Teachers' Day Celebration
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia
Date:	05.09.2023
No. of Participants:	55
Objectives of the Programme:	 To sensitize students about the importance of the day. To provide a platform for students to show their gratitude to their teachers. To raise awareness about the role of teachers in shaping individuals and society.
Overview of the Programme:	On 5th September 2023, Teachers' Day was celebrated with enthusiasm and energy. The entire event was organized by the students to honor their teachers. The celebration included cultural performances, speeches, and other activities, showcasing the respect and gratitude students hold for their educators. Dr. Dolly Mogra spoke on the significance of the day, highlighting the role of teachers in shaping students' personalities and futures. The event reinforced the importance of recognizing educators' contributions and brought the community together in a spirit of appreciation and unity.
Outcomes:	 Students understood the importance of teachers in their lives. Developed a sense of gratitude and appreciation for their teachers.



5.3.3_DFTD_18
Programme Title: Textile Surface Embellishment

Programme Title:	Textile Surface Embellishment
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia
Resource Person:	Ms. Sophia
Date:	05 to 07.09.2023
No. of Participants:	55
Objectives of the Programme: Overview of the Programme:	 To introduce participants to various techniques for surface embellishment. To teach participants how to enhance the appearance of textiles through decorative methods. To provide hands-on experience with tools and materials used in embellishment. To empower participants to incorporate these techniques into their artistic or design practices. To encourage collaboration and sharing of ideas among participants. From 5th to 7th September 2023, a workshop on Textile Surface Embellishment was conducted at Nehru Hostel. Ms. Sophia, the resource person, introduced three techniques: Fabric Painting, Kuch Embroidery with 3D Outliner, and Cutwork. Participants enthusiastically practiced these techniques, creating articles from each method. Dr. Dolly Mogra provided insights into the application of these techniques in fashion garments and emphasized the importance of traditional textile
	work in India and globally. The workshop fostered creativity and hands- on learning, leaving a significant impact on participants.
Outcomes:	 Improved skills in applying decorative methods. Increased creativity and experimentation. Expanded knowledge of tools and materials. Empowered participants to incorporate techniques into their work.



5.3.3_DFTD_19 Programme Title: Janmashtami Celebration

Programme Title:	Janmashtami Celebration
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Shikha Dashora, Samiksha Sharma
Date:	07.09.2023
No. of Participants:	55
Objectives of the	• To increase awareness and understanding of cultural
Programme:	expressions and spiritual reflections centered around Lord
	Krishna.
Overview of the	On 7th September 2023, Janmashtami was celebrated at Nehru Hostel
Programme:	with great enthusiasm. Students, faculty, and staff gathered to
	commemorate Lord Krishna's birth, fostering cultural and spiritual unity.
	Devotional prayers and bhajans set a serene atmosphere.
	bevolional prayers and onajans set a serene atmosphere.
	The highlight of the event was the DahiHandi ceremony,
	where participants formed human pyramids to break the pot,
	symbolizing Lord Krishna's playful nature. Dr. Dolly Mogra
	delivered a discourse on Janmashtami's significance and
	5
	Lord Krishna's teachings from the Bhagavad Gita. The event
	celebrated tradition and spirituality, leaving a lasting impact
	on all attendees.
Outcomes:	 Increased cultural awareness and appreciation.
	• Enhanced understanding of Janmashtami's significance.
	 Participation in traditional rituals and customs.
	 Promotion of unity and community spirit among students.



5.3.3_DFTD_20
Programme Title: DIC - Government Initiative & Policies

Programme Title:DIC - Government Initiative & PoliciesCoordinator:Dr. Dolly MograCo-Cordinator:Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia, Samiksha SharmaResource Person:Shree Bhagwan Das, DIC, UdaipurDate:09.09.2023No. of Participants:80Collaboration:DIC, UdaipurObjectives of the Programme:- To familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. - To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. - To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students.Overview of the Programme:On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility criteria, application processes, and the importance of artisan support
Coordinator:Dr. Dolly MograCo-Cordinator:Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia, Samiksha SharmaResource Person:Shree Bhagwan Das, DIC, UdaipurDate:09.09.2023No. of Participants:80Collaboration:DIC, UdaipurObjectives of the Programme:· To familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions.Overview of Programme:Collaboration:Overview of Programme:Con 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
Co-Cordinator: Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia, Samiksha Sharma Resource Person: Shree Bhagwan Das, DIC, Udaipur Date: 09.09.2023 No. of Participants: 80 Collaboration: DIC, Udaipur Objectives of the Programme: · To familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. · To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. · To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students. Overview of the Programme: On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail.
Co-Cordinator: Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia, Samiksha Sharma Resource Person: Shree Bhagwan Das, DIC, Udaipur Date: 09.09.2023 No. of Participants: 80 Collaboration: DIC, Udaipur Objectives of programme: the image: the image of the
Resource Person: Shree Bhagwan Das, DIC, Udaipur Date: 09.09.2023 No. of Participants: 80 Collaboration: DIC, Udaipur Objectives of the Programme: • To familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. • To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. • To provide exposure to the support services of DIC. • To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students. • On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail.
Date: 09.09.2023 No. of Participants: 80 Collaboration: DIC, Udaipur Objectives of the Programme: · To familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. · To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. · To provide exposure to the support services of DIC. · To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students. On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail.
Date: 09.09.2023 No. of Participants: 80 Collaboration: DIC, Udaipur Objectives of the Programme: · To familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. · To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. · To provide exposure to the support services of DIC. · To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students. On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail.
No. of Participants: 80 Collaboration: DIC, Udaipur Objectives of the Programme: · To familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. · To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. · To provide exposure to the support services of DIC. · To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students. On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail.
No. of Participants: 80 Collaboration: DIC, Udaipur Objectives of the Programme: · To familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. · To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. · To provide exposure to the support services of DIC. · To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students. On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail.
Collaboration:DIC, UdaipurObjectives of programme:the · To familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. · To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. · To provide exposure to the support services of DIC. · To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students.Overview of programme:the On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
Collaboration:DIC, UdaipurObjectives of programme:the · To familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. · To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. · To provide exposure to the support services of DIC. · To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students.Overview of programme:the On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
Objectives Programme:of thetheTo familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. To provide exposure to the support services of DIC. To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students.Overview Programme:of thethe On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
Objectives Programme:of thetheTo familiarize students with the District Industries Centre (DIC) and its functions. To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. To provide exposure to the support services of DIC. To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students.Overview Programme:of thethe On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
Programme: (DIC) and its functions. To acquaint students with various loan schemes offered by DIC. To provide exposure to the support services of DIC. To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students. Overview of the On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
OverviewoftheProgramme:On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
DIC.To provide exposure to the support services of DIC.To raise interest in self-employment and entrepreneurship among students.OverviewoftheOn 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
Overview of the On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was Organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
Overview of the On 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
OverviewoftheOn 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
OverviewoftheOn 9th September 2023, a session on DIC's initiatives and policies was organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
Programme:organized at Nehru Hostel, MLSU, Udaipur. DIC members ShalenderJi Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
Sharma and Bhagwan Das Ji discussed Artisan Cards and various government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
government schemes in detail. Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
Participants actively engaged in discussions, learning about eligibility
systems. Dr. Dolly Mogra coordinated the session, which provided
invaluable insights into government initiatives, inspiring participants to
explore self-employment opportunities.
Outcomes: Students learned about Micro, Small, Medium, and Large
industries.
· Gained knowledge about DIC's schemes and their
applications.
· Understood the importance of quality product
manufacturing.
· Sensitized towards eco-friendly industrial growth.



5.3.3_DFTD_21
Programme Title: Educational Tour: "Sadhna Store"NGO

Programme Title:	Educational Tour: "Sadhna Store" NGO
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Dr. Mamta Kavdia
Resource Person:	Ms. Shubhangi Rathore
Date:	15 Sep. 2023
No. of Participants:	15
Collaboration:	
Objectives of the Programme:	 To know the process of operating NGOs. To upgrade knowledge of the industrial sector. To provide exposure to a variety of handmade products. To motivate students to pursue a career in the industrial sector.
Overview of the Programme:	The Department of Fashion Designing and Technology organized an educational visit to Sadhna Women's Handicraft Enterprise on September 15, 2023. Coordinated by Dr. Dolly Mogra with co- coordinators Dr. Mamta Kavadiya and Rekha Purohit, the visit aimed to provide insights into the operations of a women's handicraft enterprise. Participants interacted with artisans, observed the production process, and learned about the significance of traditional handicrafts in empowering women and preserving cultural heritage. The visit was both informative and inspiring, fostering a deeper understanding and appreciation for women's contributions in the handicraft industry.
Outcomes:	 Students gained significant exposure to the industrial sector. Developed an understanding of the importance and value of artisans. Acquired practical knowledge about large-scale industrial production.


5.3.3_DFTD_22

Programme Title:	"Induction Programme"- Sukritam
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Dr. Mamta Kavdia, Annu Jain, Dr. Shikha Dashora, Dr. Meenakshi Mishra
Date:	16 Sep. 2023
No. of Participants:	150 Students
Objectives of the Programme:	 To enhance awareness among students about the department. To build students' morale. To raise students' potential. To help new students adjust to the department. To encourage and build confidence among new students.
Overview of the Programme:	

; Programme Title: "Induction Programme"

Outcomes:	 Increased self-confidence among students.
	 Identification of students' talents and skills.
	 Strengthened connection with the department.
	 Networking and rapport developed among students.

News Paper

फैशन, कला और परंपरा का सामंजस्य आवश्यक : प्रो. मिश्रा

ब्यूरो नवज्योति/उदयपुर। सखाडिया विश्वविद्यालय के फैशन टेक्नोलोजी एंड डिजाइनिंग विभाग द्वारा नव विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम में 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि सुविवि की कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा ने कहा कि फैशन, कला और परंपरा का सामंजस्य आवश्यक है।रेखाओं, रंगों का समुचित रूप से उपयोग कर-के कॉस्ट्यूम और पर्सनेलिटी को अच्छी तरह से प्रदर्शित कर सकते हैं। इस अवसर पर आईक्यूएसी निदेशक प्रो . शूरवीर सिंह भाणावत ने कहा कि ज्ञान को सही जगह लगाने से ही आगे बढा जा सकता है। कला महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सीआर सुथार ने पूर्व छात्रों और नए छात्रों के बीच समन्वय के महत्व को बताकर, आगे बढने के



लिए प्रेरित किया। विवि के प्रवक्ता डॉ. कुंजन आचार्य ने कहा कि टेक्सटाइल इंटस्ट्री बहुत बड़ी है और सभी विद्यार्थी अपने आप को सराहें व अपनी प्रतिभा को पहचाने और सही दिशा में आगे बढते रहें। विभाग प्रभारी डॉ. डॉली मोगरा ने फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग विभाग की विस्तृत जानकारी प्रदान की।





111 111



rit as myfan en it prite त्वे कोट्ल के जावित्ये के त्वर पर प्रेटीर के सा अन्य पत के प्रदेश कर सकते हैं। अन्यस्य की सुध्धान दिपिकंट के मुख्य केने हैं, दियों निर्दार्थन में मुख्य में करना के अन्यस्य कर में साथ अन्यस्य के प्रदार्थनी कर के अन्यसम्य के प्रदार्थने के कहा कि प्रभावतर कार्य

र अगरे प्राप्त को फिल रे अने it of star man t

चेतर, वे फिल्म टेम्प्रेस्टेडी सा डिज्ड्रोंग डिप्टन को डिप्ट्रा प्रत्यप्रति प्रदुप की उन्होंने तिग्दा

trues dans it 150 faufüht b or for a unian al que série one galos terdas wordt it, ifter fen da

्रा अवल क कुल्ती है जिब है बत कि केलर, बल और काल बर menn mann fritund, til se erfter un it under anla uberpr भीर प्रतिविधी को अन्यते लाग से प्रतिति कर सकते हैं। अन्यपर को सुवन्धता प्रतिविधित से सुवन तीली है, जिसे ferfer al ne beer ark pre भागमा का ते जाव जा काम है। ये समय का ते जाव जा काम है। ये तिम वीत भी अप्रयान थे अवभावे बहरे पर सेर रेते हैं। कुलवीर रे महा कि परंगतना पर्ज का उन्हेल किन une valte alle allere, itaret alle enfa al dentre for ela:

्रा अवल क आई का ए थी. जिनक के . सुन्देर लिए प्रत्यान के set fa prosi est per regli è di et up is nur frühm ub ge is new formur favor is faged any and an at it folger and pl पुण्यत को बना रहे। कात ब्हाल के जीवता है, थे . आ mar I tri mit alt m mit is die स के प्रांत की बहाबर, अ uph is the ight face: public faces ut of from 4th is server and arit is for \$10 face, one of everyone obuit è erit al gleat al d कालन को। unter to fully is pour th



ने किया मनोचिकित्सा विभाग का दौरा

elfige feer, denne gafpe fordeare ab fulammen is most o is entrieven is versahrer futgefeit is shown all on al efferen is weitrikante feven au der faues wielkagen feven all serves served they die her is some fix ser slove fuller, as show shid is mpan al falve scentresit at cept as 2 and feative is duffes you al usuarity the second a larger we are d effect is eitfelane freet is sort place gine from it femföld at feler-wedens in forer, fen fagft, pare als finisisfree filt in, di an is were pole ourit a pole proof is all it forge securit & feativit ser of outes ittel it star fam als at 4 bar fa shar pr rek he feid hit ist bi af fagtikk i vagligfe a nitfigfe is

सविवि- विधि महाविद्यालय में एनएसएस इकाइयों की निबंध प्रतियोगिता

ne faul fide feefuit is un fine: afores sf. coak shot, afo st, she hie als erres are some oferer st, when wid is of

unerges einenen menfort fuft is fufe enformen ab e gen mennen ferre 2000 is mer forer streitten an soft start sample is used for investore. it unfalle an anitizer fann mei ufrieffen it manare fenn-2000





उदयपुर, 18 सितम्बर। मोहन लाल सखाडिया विश्वविद्यालय के फैशन टेक्नोलोजी एंड डिजाइनिंग विभाग द्वारा नव विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम में 150 विद्यार्थियों ने कहा कि फैशन, कला और परंपरा का

भाग लिया । कार्यक्रम को मुख्य अतिथि मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा थी।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. मिश्रा ने

सामंजस्य आवश्यक हैं। रेखाओं, रंगों का समुचित रूप से उपयोग करके कॉस्ट्यूम और पर्सनेलिटी को अच्छी तरह से प्रदर्शित कर सकते हैं। अध्ययन की शुरुआत सर्टिफिकेट से शुरू होती है, जिसे पिरामिड की तरह मेहनत करके उच्च अध्ययन तक ले जाया जा सकता है।

न्हें शिक्षा नीति की अवधारणा भी स्वावलंबी बनाने पर जोर देती है। कुलपति ने कहा कि परंपरागत वस्त्रों का उपयोग किया जाना चाहिए ताकि कौशल, रोजगार और समुद्धि को प्रोत्साहन मिल सके।इस अवसर पर आई. क्यू. ए. सी.

निदेशक प्रो . शुरवीर सिंह भाणावत ने कहा कि जान को सही जगह लगाने से ही आगे बढ़ा जा सकता है। कौशल को ज्ञान के साथ मिलाकर विभाग के विद्यार्थी बहत अच्छा काम कर रहे हैं। विभाग अपनी इसी गुणवत्ता को बनाएं रखें। कला महाविद्यालय के अधिष्ठता प्रो. सी . आर. सुधार ने पूर्व छात्रों और नए छात्रों के बीच समन्वय के महत्व को बताकर, आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभाग को नई शिक्षा नीति के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रेरित किया, साथ ही सामाजिक सरोकारों में बच्चों की भूमिका की भी सराहना की।

5.3.3_DFTD_23 Programme Title: Workshop "**Clay Art: Ganesha**"

	"Clay Art: Ganesha"
Programme Title:	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia
Resource Person:	Ms. Yogini Dak
Date:	17 Sep. 2023
No. of Participants:	80
Objectives of the	 To promote eco-friendly practices.
Programme:	• To develop students' skills in making Ganesha idols from clay.
	• To foster creativity.
Overview of the	A one-day workshop on creating eco-friendly Ganesh idols was held in
Programme:	the Fashion Technology and Designing Department of MohanlalSukhadia
	University under the guidance of art teacher Yogini Dak. A unique
	innovation involved embedding seeds in the clay statues, which could
	germinate post-immersion, promoting environmental protection.
	Dr. Dolly Mogra emphasized the department's consistent efforts toward
	sustainability and highlighted the innovative approach of integrating
	seeds in the clay idols to encourage environmental consciousness.
Outcomes:	· Eco-friendly handmade Ganesha idols were created by
	students.
	· Boosted students' confidence.
	• Students gained valuable exposure through the workshop.

मिही के गणेश से पर्यावरण संरंक्षण का संदेश

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के फैशन टेबनोलॉजी एंड डिजाइनिंग डिपार्टमेंट में एक दिवसीय इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा बनाने की कार्यशाला आयोजित हुई। कला प्रतिशत योगिनी दक के निर्देशन में प्रतिमाओं की मिट्टी में बीज भी डाले गए ताकि विसर्जन के बाद भीज अंकुरित होकर पौधे बन संके।



डाला। कार्यक्रम का निदेशन और संचालन दिव्या उपाध्याय ने किया एवं धन्यवाद खुशबु आहुजा ने

पर्व धन्यवाद खुरावु आहुना ने जापित किया। मित्री के गणेश जी बनाकर दिखा पर्यावरण संरक्षण का संदेश : मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के फेशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग विभाग एवं लघु मध्यम एवं सूक्ष उद्योग मंजालय एमएसएमई विभाग द्यारा स्वालय एमएसएम एवं सिभा हाविर में इको फेंडली गणेश जी प्रतिमा बनाने की कार्यशाला कला शिखिर में इको फेंडली गणेश जी प्रतिमा बनाने की कार्यशाला कला शिखित की गई। कार्यशाला के अंतर्गत डिपार्टमेंट में अध्यनरत एवं एमएसएमई द्वारा

चलाए जा रहे निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण शिविर के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्राराशवण रशावर के विद्यार्थियों ने मांग लिया। नवाचार के रूप में बनाई जा रही प्रतिमाओं की मिट्टी में बीज अल्हेरित होकर पौथों का रूप धारण कर सके और पर्यावरण संरक्षण में सहत्योग प्रदान कर सके। विभाग की प्रभारी डॉ. डोली मोगरा ने बताया कि डिपार्टसेंट शुरू से ही पर्यावरण संरक्षण को लेकर अग्रसर रहा है तथा गणेश चतुष्टी के शुर्भ अवसर पर विध्यार्थियों डारा बनाई जा मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं में बीज डालकर छत्रों को नवाचार की ओर अग्रसर किया है ।



5.3.3_DFTD_24 Programme Title: "Rubru: Success Stories"

	"Rubru: Success Stories"
Programme Title:	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Resource Person:	Vimal Vyas, Surat Textile Industry
Date:	21 Sep. 2023
No. of Participants:	80
Objectives of the Programme:	 To inspire students and encourage them to pursue their goals and dreams. To boost students' self-confidence and belief in their potential.
	 To teach students to view challenges as opportunities for growth.
Overview of the Programme:	"Rubaru", an interactive programme, featured Mr. VimalVyas, an eminent textile industrialist from Surat and an alumnus of the department. Around 80 students actively participated, engaging in discussions about the textile industry's operations and career opportunities. Mr. Vyas shared his journey and addressed students' queries, providing insights into securing jobs in the industry post-course completion. The session concluded with Mr. Vyas being felicitated by Dr. Dolly Mogra.
Outcomes:	Students were motivated, empowered, and equipped with the mindset and tools to embark on their professional journeys confidently.



5.3.3_DFTD_25 Programme Title: "Health Wellness Camp"

Programme Title:	"Health Wellness Camp"
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Dr. Shikha Dashora, Dr. Mamta Kavdia
Resource Person:	Dr. Shivika Joshi, Dr. Pritesh Tank, Dr. Vineeta
Date:	4 Oct. 2023
No. of Participants:	120
Collaboration:	Consumer Protection Organization, Lions Club Lake City
Objectives of the	• To provide health screenings and assessments for raising
Programme:	awareness of health status. • To emphasize preventive measures and promote healthy
	lifestyles.
	• To enhance overall well-being through a holistic approach.
Overview of the	The Department of Fashion Technology and Designing organized a
Programme:	Health Wellness Camp offering free eye and dental checkups and
	physiotherapy services. Collaborating with the Consumer Protection
	Organization and Lions Club Lake City, the camp benefited over 100 students.
	Eye checkups were conducted by Tara Institute, with Dr. Pritesh Tank
	and nursing staff providing guidance. Free spectacles and medicines
	were distributed. Dental checkups were led by Dr. Shivika Joshi and her
	team from Pacific College.
	Dr. Vineeta, a physiotherapist, shared insights on nutrition, fitness, and
	posture, while Dr. Rajshree Gandhi emphasized the importance of regular health checkups. The event received support from faculty
	members Samiksha Sharma, Rekha Purohit, and Meenakshi Kumari.
Outcomes:	Students understood the importance of physical well-being
	and regular health checkups.



हैत्य वैलनेस कैंप में स्टूडेंट्स का आई, डेंटल चेकअप

उदयपुर (म.म.)। मोठनताल मुखाडिया विश्वविद्यालय के फैलन टेक्नोलीजी एवं डिनाडनिंग के विद्यार्थियों ने अपने हेल्प के डॉर जालककता दिखाने हुए अपनी आंखों, दांतों के साथ विश्वियोधोर्थि की जांच करवाई। कोन्यूचर फ्रोटेक्शन आर्गेनाइजेशन और लापंस कलब लेकस्टिटी के संयुक्त तल्वाभान में बुधव्यार को मेडिकल केंप लगा, जिसमें सी से ज्यादा लोगों की नित्रात्म जांच की गई। आई चेकलप तारा संस्थान डारा किया गया, तिसमे वी प्रतिता टॉक, नेत्र स्तायक वी पदा शर्जा ने विष्यत्र्वियों को नेत्र चिक्रित्व वी प्रतित टॉस, नेन सारापक वी पदा तथी ने विश्वविधियों को नेव चिकित्सा एवं देखभाल संबंधित जानकारी प्रदान को। पुनावर्थं और हेला एस, जीवंग स्टायभे भी साराजीय प्रदान किया। जलता के तिसाब से निरुद्धकः परस्य और पत्थापा जितरित की मां। डेंटल पेक-भर पेसिफिस कॉलेन को जी तिविका जोगी, वी पीर्पिसीस, जी अंतरिति देहरिणा, जी निया रोख, जी उजसब प्रवार्थ, जी अनूम्वी फीमरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम संग्रेजक जी जीले मोरण ने बजाया विजयादी तिज्ञादीना और सिटांधन का कर्य करते है, जिसमे अंतर्थ का पूर्व भाग से स्वरूप्त सेवा करता है। भरतीने पर कर्या करते समय अध्या का पूरा कर से स्वस्थ हत्वा जन्छ हो। महाता पर बच्च करते समय करिरे के परेश्वर का सही होना भी अवश्वपत्रक है। इसके लिए जी विन्वीज चिंतनोथेपेयिटद डारा गुट्टीतन, ब्रिटनेस और पोलसर के खारे में जानकारी देने के साथ जन्मपार के खारे में बाताया गया। कंजूमर प्रोटेक्तन अलैन्डाजेतन की राष्ट्रीय प्रेसिटेंट जी राजकी गांधी ने बाताया निवधित स्वरूप्य परोखन के लिए प्रापेक जगरिक को जानूसक राजना जरूरी है।

विद्यार्थियों के आंखों व दांतों की जांच



थी, निम्मु सेख, सी, प्रचलन भी, अनुमं भीभनी हान कि मानेक्रम संवेतनक थी, डीन्से मानक्रम कि किन्द्रभी दिवास किर्टिपेट का करने काले हैं जिस र देख्येंगतीजे एवं डिज्ज्युविंग के फिल्ड्रियेंचे के तेल्य के प्रति आपन नियाति हुए अन्यर्थ जोवती, आपन किल्क्रियेंचेंचे को जांच पंजन्मू हिंग्रेस्ट करी आर्थेडियेंच पंजन आपन केंद्रियों के प्रवाह तोगी न किंग्रे के की प्रवाह तोगी न किंग्रे के की जांच तोगी ्न का फार्म क पूर्ण साथ से सका incal f दि मई । लाग भोरबाव फिला फंच, जिलावि श्री. एक साथ ने देव निर्वाचनक राज धोनिश सारकारी प्रेरण करा। असे देश सार, अर्थित कराज केत पुरात किया। सलाव के नित्युल्व भाषत और परायां कि मार्ट के सारकार के नित्युल्व भाषत और प्रयाप की गई। दिराय पिक्र क्यां की गई। दिराय पिक्र क्यां की गई। दिराय ____

हैल्थ- वैलनेस कैंप में सौ से अधिक स्टूडेंट्स का आई -डेंटल चेकअप



We can also the balance of the large contrast of the large contre . 1

10

ज, अल्ला फल्टो, डॉ

5.3.3_DFTD_26
Programme Title: "Sanitary Napkin Distribution"

	"Sanitary Napkin Distribution"
Programme Title:	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Ms. Annu Jain
Date:	14-10-23
No. of Participants:	50
Collaboration:	Lion's Club Elite, Udaipur
Objectives of the Programme:	 To provide education on menstrual hygiene practices, including proper use and disposal of sanitary napkins, to promote health awareness. To ensure that women and girls have regular and reliable access to sanitary napkins to manage their menstrual hygiene effectively. To improve the overall menstrual health and wellbeing of women and girls, ensuring they have the necessary resources and knowledge to manage their menstrual hygiene comfortably and with dignity.
Overview of the Programme:	The sanitary napkin distribution initiative at Nehru Hostel was a commendable effort to promote menstrual hygiene awareness and ensure the well-being of female students. By addressing accessibility and fostering an environment of support, the department took a significant step towards breaking menstrual taboos and contributing to students' overall health and dignity. Dr. Dolly Mogra spearheaded this initiative as part of a commitment to creating an inclusive and informed community. The collaboration with Lion's Club ensured a sustainable supply of quality sanitary napkins, supporting the program's long-term impact.
Outcomes:	 Increased confidence during menstrual periods. Increased knowledge about overall health and hygiene. Reduced incidence of infections and related health issues.

• Reduced health risks associated with proper menstrual hygiene.



5.3.3_DFTD_27 ; Programme Title: "Craft Demonstration Programme"

	"Craft Demonstration Programme"
Programme Title:	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia
Date:	20-10-23
No. of Participants:	132
Collaboration:	Ministry of Textiles (Handicrafts), Commissioner Office
Objectives of the Programme:	 To create awareness about the various arts and crafts of Mewar. To impart the skills of traditional crafts to students in the modern age. To revive crafts using innovative product development techniques.
Overview of the Programme:	The Craft Demonstration Programme successfully highlighted Mewar's crafts, imparting skills and fostering innovation in craft revival techniques. The enthusiastic participation of 132 students demonstrated the programme's effectiveness. The event featured guests like Ashish Ji Meena, Manohar Ji Meena, Mahender Ji Meena, and Gopal Gujrati, adding prestige to the program. Overall, it contributed significantly to cultural and economic development in the region.
Outcomes:	 Students were delighted and amazed by the intricacies of the crafts. Students actively tried their hands at learning the crafts. Artisans and crafts were appreciated and recognized. Students were motivated to innovate and revive traditional crafts.



5.3.3_DFTD_28 Programme Title: "Dandiya Programme"

	"Dandiya Programme"
Programme Title:	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Shikha Dashora
Date:	20-10-23
No. of Participants:	36
Objectives of the Programme:	 Celebrate Indian culture and tradition. Promote the traditional dance form of DandiyaRaas. Foster community engagement and cohesion. Increase cultural awareness among participants. Provide a platform for participants to showcase their dance talent.
Overview of the Programme:	The Dandiya Programme, held on October 20, 2023, brought together 36 enthusiastic participants who showcased their talent in traditional Dandiya Raas performances. The event, led by Dr. Dolly Mogra, was a vibrant celebration of Indian culture. Interactive sessions educated participants about DandiyaRaas' cultural significance, fostering a deeper appreciation for the art form.
Outcomes:	 Enhanced understanding and appreciation of Indian culture and traditions. Increased participation and engagement within the community. Strengthened social bonds among participants. Promotion of cultural exchange and dialogue. Encouragement of talent and creativity in dance performances.



5.3.3_DFTD_29 Programme Title: "Phad Painting"

Programme Title:	Workshop on "Phad Painting"
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia, Dr. Meenaxi Mishra
Date:	26 to 27-10-2023
No. of Participants:	41
Objectives of the Programme:	 Introduce students to the traditional art form of Phad Painting from Rajasthan. Promote innovation and creativity. Identify and raise the potential of students. Build confidence among new students. Provide a platform to showcase their artistic talent.
Overview of the Programme:	The Phad Painting workshop introduced 41 participants to this intricate traditional art form. The two-day event featured detailed demonstrations, hands-on activities, and a mini- exhibition, fostering appreciation and skill development in preserving cultural heritage.
Outcomes:	 Students improved their painting techniques and gained proficiency in Phad Painting. Increased cultural awareness of traditional art forms. Boosted students' confidence and creativity. Identified talents and skills among participants.

5.3.3_DFTD_30 Programme Title: "Mehandi & Pooja Thali Decoration"

Programme Title:	"Mehandi & Pooja Thali Decoration"
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Samiksha Sharma
Date:	31-10-2023
No. of Participants:	38
Objectives of the Programme:	• Celebrate and showcase traditional Indian art forms like Mehandi and PoojaThali decoration.
	 Encourage community participation and engagement in cultural activities.
	 Enhance social interaction among participants.
	• Promote innovation in traditional Mehandi and PoojaThali
	designs.
Overview of the	
Programme:	The Mehandi &Pooja Thali competition celebrated Karwa Chauth
	with a blend of tradition and creativity. The event saw 45
	participants showcasing innovative and traditional designs,
	preserving cultural identity and fostering community engagement.
Outcomes:	• Increased appreciation of traditional Indian art forms.
	• Encouraged creativity and artistic expression.
	• Promoted cultural diversity and inclusivity.
	• Strengthened community bonds through participation and collaboration

5.3.3_DFTD_31 ; Programme Title: Terracotta Creations

Programme Title:	Terracotta Creations
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia
Resource Person:	Yogini Dak
Date:	6.11.23 & 7.11.23
No. of Participants:	200
Objectives of the Programme:	 Introduce the history and significance of terracotta. Provide hands-on experience in terracotta techniques. Foster creativity and artistic expression. Facilitate networking and collaboration.
Overview of the Programme:	The Terracotta Workshop, held on November 6th and 7th, 2023, was coordinated by Dr. Dolly Mogra and attended by 200 participants. The workshop included comprehensive demonstrations of terracotta techniques, such as coil building, slab construction, and wheel throwing. Participants engaged in hands-on activities and learned methods of shaping, molding, and decorating terracotta. Guest speakers shared insights into terracotta's historical significance and modern applications, fostering a collaborative and inspiring environment. The event was well-received, promoting creativity, craftsmanship, and cultural appreciation.
Outcomes:	 Enhanced understanding of terracotta's cultural importance. Development of practical terracotta skills. Increased creativity and expression through artwork. Networking opportunities within the artistic community.



5.3.3_DFTD_32 Programme Title: NAAC Visit & Exhibition

Programme Title:	NAAC Visit & Exhibition at UCSSH, MLSU
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia
Date:	6.11.2023
No. of Participants:	102
Objectives of the Programme:	 Showcase institutional achievements. Highlight areas of improvement. Facilitate interaction with NAAC representatives. Foster collaboration opportunities.
Overview of the Programme:	The NAAC team visited the Department of Fashion Technology & Designing on November 6th, 2023. During the visit, they assessed curricular activities, research, infrastructure, and other aspects of the institution. They interacted with various stakeholders, including students, alumni, and faculty. The visit also featured cultural performances by students, creating a vibrant and engaging atmosphere.
Outcomes:	 Increased understanding of the accreditation process. Greater awareness of quality assurance in higher education. Exposure to best practices and innovations in education. Enhanced student engagement in quality enhancement.



5.3.3_DFTD_33 Programme Title: NAAC Visit & Exhibition

Programme Title:	NAAC Visit & Exhibition on "Mewar Art textiles Form" at Nehru Hostel Premises				
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra				
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia				
Date:	08.11.2023				
No. of Participants:	80				
Objectives of the Programme:	 Showcase institutional achievements. Highlight areas of improvement. Facilitate interaction with NAAC representatives. Foster collaboration opportunities. 				
Overview of the Programme:	On November 7th, 2023, the NAAC team visited the RUSA- sponsored apparel designing and construction lab and the exhibition of Mewar Art Forms. The exhibition showcased Dabu printing, Danka work, Pichwai painting, Macrame, hand embroidery, and other traditional crafts. Live demonstrations impressed NAAC members, who encouraged students by purchasing their creations.				
Outcomes:	 Increased understanding of the accreditation process. Greater awareness of quality assurance in higher education. Enhanced student engagement in quality enhancement. 				



5.3.3_DFTD_34 Programme Title: Exhibition & Demonstration on "Mewar Textile Art Forms"

Programme Title:	Exhibition & Demonstration on "Mewar Textile Art Forms"		
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra		
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia		
Date:	6.11.23 to 8.11.2023		
No. of Participants:	80		
Objectives of the	 Showcase Mewar textile art forms. 		
Programme:	 Promote new talents in the field. 		
	 Provide live demonstrations of various art forms. 		
Overview of the Programme:	The exhibition at Nehru Hostel showcased Mewar's rich textile heritage, featuring live demonstrations by students. NAAC members appreciated the efforts and creativity displayed. The event celebrated cultural pride and artistic skill, encouraging students to embrace traditional crafts.		
Outcomes:	 Successful display of Danka work, Dabu printing, Phad painting, Miniature painting, Pichwai painting, Macrame, hand embroidery, and Tie & Dye. Positive feedback and appreciation from NAAC members. Promotion of cultural heritage and craftsmanship. 		

5.3.3_DFTD_35

Programme Title: Industrial Visit (Textile & Apparel Manufacturing Unit, Nakoda Textile Fab, Eklingpura)

Programme Title:	Industrial Visit (Textile & Apparel Manufacturing Unit, Nakoda Textile Fab, Eklingpura)			
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra			
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia			
Date:	16.12.23			
No. of Participants:	60			
Collaboration: Objectives of the	Shree Arvind jainProvide firsthand exposure to textile manufacturing			
Programme:	 processes. Highlight the importance of quality control measures. Introduce students to job roles and career opportunities. Promote awareness of the economic and social significance of textiles. Encourage exploration of innovative and sustainable practices. 			
Overview of the Programme:	On December 16th, 2023, 60 students visited Nakoda Textile Fab, gaining valuable insights into textile production. The visit bridged academic concepts with industrial practices, emphasizing sustainability and innovation. Owner guided the students, ensuring a comprehensive and enlightening experience.			
Outcomes:	 Enhanced understanding of textile manufacturing processes. Improved awareness of technologies and machinery used in the industry. Expanded insight into job roles and career opportunities. Bridged theoretical knowledge with practical applications. 			



5.3.3_DFTD_36 Programme Title: Extension Lecture (IGNOU)

Draganana Titlar					
Programme Title:	Extension Lecture (IGNOU)				
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra				
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia				
Resource Person:	Dr. Ajay Vardhan Acharya, IGNOU				
Date:	25.12.2023				
No. of Participants:	50				
Collaboration:	IGNOU				
Objectives of the	Provide insights into government schemes.				
Programme:	Offer career guidance for students.				
	 Facilitate knowledge exchange. 				
	Enhance learning opportunities for participants.				
	Create a platform for interaction and discussion.				
Overview of the Programme:	On December 25, 2023, a guest lecture was organized in collaboration with IGNOU under the guidance of Dr. Dolly Mogra and co-coordinator Rekha Purohit. The event aimed to provide students with insights into various government schemes and career guidance. The session included discussions about government initiatives, skill development programs, and career planning strategies. The resource person addressed students' queries and encouraged them to explore opportunities for their professional growth. This interactive lecture fostered knowledge exchange and enhanced learning experiences for all 50 participants.				
Outcomes:	 Increased awareness of government schemes. Improved understanding of career opportunities for students. 				



5.3.3_DFTD_37 Programme Title: Stall in Wool Expo 2023

Programme Title:	Stall in Wool Expo 2023		
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra		
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia		
Date:	24 to 30.12.2023		
No. of Participants:	12		
Collaboration:	Wool Department, Ministry of Textiles		
Objectives of the Programme:	 Showcase wool-related products, including clothing, accessories, and home textiles. Educate visitors on the benefits and versatility of wool as a material. Facilitate networking opportunities in the wool industry. Promote wool as a sustainable and eco-friendly material. 		
Overview of the Programme:	From December 24 to December 30, 2023, the Department of Fashion Technology and Designing participated in the Wool Expo 2023 held at B.N. College Ground. Coordinated by Dr. Dolly Mogra and RekhaPurohit, 12 students showcased and sold woolen garments crafted as part of their entrepreneurial initiative. The stall highlighted wool's versatility and sustainability while providing students with hands-on experience in marketing and customer interaction. Visitors appreciated the creativity and craftsmanship on display, making the event a significant success.		
Outcomes:	 Increased awareness about wool-based products and industries. Networking opportunities with industry professionals. Enhanced exposure to trends and innovations in the wool sector. 		



5.3.3_DFTD_38 ; Programme Title: Ramp Walk (Wool Expo 2023)

	Ramp Walk (Wool Expo 2023)	
Programme Title:	Ramp Walk (Wool Expo 2023)	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra	
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia	
Resource Person:	Mr. Shashi, Faculty, pacific College	
Date:	26.12.2023	
No. of Participants:	12	
Collaboration: Objectives of the Programme:	 Wool Ministry, Ministry of Textiles Highlight the versatility and elegance of wool in fashion. Showcase innovative uses of wool in textile design. Provide a platform for designers to present woolbased creations. Promote wool as an eco-friendly material in the fashion industry. 	
Overview of the Programme:	The Ramp Walk event, organized as part of Wool Expo 2023 on December 26, 2023, showcased the elegance of wool in fashion. Coordinated by Dr. Dolly Mogra, with support from Dr. Sonu and Dr. Shikha, 12 participants presented unique designs featuring wool as the primary material. The event offered a platform for creativity and sustainable innovation, receiving applause from attendees and collaborators from the Wool Ministry. This event emphasized wool's potential in high fashion and its role in eco-friendly textile practices.	
Outcomes:	 Successfully highlighted wool's fashion potential through innovative designs. Increased awareness of sustainable practices in the textile industry. Provided a platform for creative expression and craftsmanship. 	



5.3.3_DFTD_39
Programme Title: Government Initiatives: PM VishwakarmaYojana

Programme Title:	Government Initiatives: PM VishwakarmaYojana		
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra		
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia		
Resource Person:	Mr. Shalender and Mr. Bhagwan Das		
Date:	03.01.2024		
No. of Participants:	75		
Collaboration:	District Industries Centre (DIC), Udaipur		
Objectives of the Programme:	 Educate participants about PM VishwakarmaYojana and its benefits. Explain eligibility criteria and the application process. Address participant queries regarding the scheme. 		
Overview of the Programme:	On January 3, 2024, a seminar on PM VishwakarmaYojana was organized in collaboration with DIC, Udaipur, under the leadership of Dr. Dolly Mogra. The resource persons, Mr. Shalender and Mr. Bhagwan Das, delivered an engaging lecture, discussing the scheme's benefits and implementation. The seminar attracted 75 participants who gained valuable insights into the scheme. The interactive session clarified doubts and encouraged attendees to apply for the program, emphasizing its role in skill development and career enhancement.		
Outcomes:	 Increased awareness about PM VishwakarmaYojana. Clarified eligibility and application procedures. Motivated participants to utilize the scheme for career advancement. 		

5.3.3_DFTD_40

Programme Title: Registration Camp: VishwakarmaYojana

Programme Title:	Registration Camp: Vishwakarma Yojana		
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra		
Co-Cordinator:	Rekha Purohit, Dr. Mamta Kavdia		
Resource Person:	Sh. Shailendra, DIC, Udaipur		
Date:	08.01.2024		
No. of Participants:	75		
Collaboration: Objectives of the Programme:	 District Industries Centre (DIC), Udaipur Facilitate registration for VishwakarmaYojana. Inform participants about the scheme's benefits and criteria. Address queries related to the registration process. 		
Overview of the Programme:	On January 8, 2024, a registration camp for VishwakarmaYojana was organized in collaboration with DIC, Udaipur. Dr. Dolly Mogra coordinated the event, ensuring a smooth registration process for 75 participants. Held at a kiosk in Hiran Magri, the camp provided accessibility and assistance to individuals interested in availing of the scheme. The event highlighted the benefits of VishwakarmaYojana in promoting skill development and socioeconomic growth. This initiative demonstrated the department's commitment to empowering participants through government schemes and creating opportunities for personal and professional growth.		
Outcomes:	 Successful registration of participants for VishwakarmaYojana. Enhanced awareness of the scheme's benefits and eligibility. Resolved registration-related queries effectively. 		



5.3.3_DFTD_41						
Programme	Title:	National	Youth	Day	Career	Guidance

Programme Title:	National Youth Day "Career Guidance"				
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra				
Co-Cordinator:	Dr. Mamta Kavdia, Ms. Rekha Purohit				
Resource Person:	Ms. Vandana				
Date:	12.01.2024				
No. of Participants:	35				
Collaboration:	Centre of Excellence for Tourism Training, MLSU, Udaipur				
Objectives of the	· To empower young individuals with information about				
Programme:	various career paths and opportunities on National Youth				
	Day.				
	To inspire and motivate youth to pursue their career				
	aspirations with determination and focus.				
Overview of the	On January 12, 2024, a National Youth Day Career Guidance Programme				
Programme:	was organized in collaboration with the Centre of Excellence for Tourism				
	Training at MLSU, Udaipur. Vandana Mam was the resource person for				
	the session, and Rekha Purohit coordinated the event, which saw 35 active participants.				
	The program aimed to guide youth in exploring career paths, specifically				
	within the tourism industry, aligned with the ideals of National Youth				
	Day. Interactive sessions and discussions were held to introduce various				
	career opportunities and pathways.				
	Experts from the Centre shared valuable insights about skill				
	development, career prospects, and educational opportunities in the				
	tourism sector. The session also addressed participants' queries, offering				
	personalized advice based on their interests. The event left a positive				
	impact, empowering participants with essential knowledge for navigating				
	their careers.				
- Outcomes:

 Provided valuable career guidance and counseling to the participants.
 Empowered youth with knowledge about various career
 - paths and opportunities.
 - Inspired and motivated participants to pursue their career aspirations with determination and focus.



5.3.3_DFTD_42 Programme Title: Career Guidance Programme

Programme Title:	Career Guidance Programme
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Ms. Rekha Purohit
Resource Person:	Dr. Dolly Mogra
Date:	12.01.2024
No. of Participants:	55
Collaboration:	Govt. Senior Sec. School Sarekalla, Udaipur
Objectives of the Programme:	 Provide insights into various career options available to students.
	 Offer guidance on educational pathways and skill development required for different career paths. Facilitate interaction with professionals from diverse fields for mentorship and advice. Empower students to make informed decisions about their future career paths.
Overview of the Programme:	Dr. Dolly Mogra was invited to speak at Govt. Senior Secondary School, Sarekalla, Udaipur, on January 12, 2024. During the session, Dr. Mogra provided detailed insights into various career options available to students after completing their 12th grade. She emphasized the importance of sincerity, regularity, and punctuality as essential factors for achieving success. Dr. Mogra also shared the inspiring thoughts of Swami Vivekananda, encouraging the students to work hard and remain focused on their career goals. The session was interactive, with 55 students actively participating, and concluded with a Q&A session where students had the opportunity to clarify their doubts.
Outcomes:	 Increased awareness among participants about various career options. Enhanced understanding of educational pathways and skill requirements for different careers.



5.3.3_DFTD_43 ; Programme Title: Fashion Show- TEX ARCH

Programme Title:	Fashion Show- TEX ARCH
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Ms. Annu Jain, Ms. Rekha Purohit
Date:	19.01.2024
No. of Participants:	65
Objectives of the Programme:	 Provide a platform for showcasing innovative design concepts. Facilitate networking opportunities among emerging designers and industry professionals. Promote creativity and skill development in fashion design.
Overview of the Programme:	 TEX ARCH, a design show organized by the Department of Fashion Technology and Designing, took place at the Vivekananda Auditorium, MLSU, on January 19, 2024. The event featured 65 enthusiastic participants showcasing their creative designs. The theme of the show focused on representing the rich architecture of Mewar through apparel, using various surface enrichment techniques. The event was divided into five rounds, showcasing the diverse talents of the students: First Round: Diploma students of Technology and Ready-made Garment presented creative apparel using techniques such as aari, sequence work, and zardosi. Second Round: Textile diploma students used white as the base color for trendy western dresses. Third Round:M.Voc I semester students creatively draped sarees, showcasing hand embroidery and architecture-inspired painting. Fourth Round:M.Voc II semester students showcased black-themed designs, incorporating Udaipur's landmarks, such as the City Palace and Vijaysthambh.

	 Fifth Round: Students presented costumes representing different states of India, including Rajasthan, Punjab, Gujarat, and more.
Outcomes:	 Successful showcase of 65 participants' innovative designs. Enhanced exposure and recognition for emerging designers.
	 Facilitated networking opportunities among participants and industry professionals.



5.3.3_DFTD_44 Programme Title: Workshop on "Traditional Wall Hanging (Birds)"

Due creme Titles	Workshop on "Traditional Wall Hanging (Birds)"
Programme Title:	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Dr. Mamta Kavdia, Ms. Annu Jain
Date:	13.02.2024 to 16.02.2024
No. of Participants:	15
Objectives of the Programme:	 Teach participants traditional techniques for creating wall hangings with bird motifs. Enhance skills in textile art and craft. Foster appreciation for traditional craft and design methods.
Overview of the Programme:	The "Traditional Wall Hanging (Birds)" program, held from February 13 to 16, 2024, was designed to teach participants the techniques for creating wall hangings featuring bird motifs. A total of 15 participants attended the workshop. The event focused on traditional crafting methods, guiding participants step-by-step through material selection, pattern creation, and execution. At the end of the program, the participants displayed their creations in an exhibition that highlighted their newfound skills and creativity.
Outcomes:	 Participants engaged creatively in making traditional wall hangings. Acquired skills in the technique and art of creating wall hangings.

5.3.3_DFTD_45
Programme Title: Jewelry Making Competition

Programme Title:	Jewelry Making Competition
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Ms. Annu Jain, Ms. Rekha Purohit
Date:	14.02.2024
No. of Participants:	15
Objectives of the Programme:	Foster creativity and technical skills in jewelry making.Promote the art of jewelry design and craftsmanship.
Overview of the Programme:	 A Jewelry Making Competition was held on February 15, 2024, at Nehru Hostel to promote creativity and craftsmanship. The competition featured 15 students from different backgrounds. The competition consisted of two rounds: Design Round: Participants submitted detailed design sketches of their proposed jewelry pieces, judged on originality and feasibility. Making Round: Shortlisted participants created their jewelry pieces from a kit of materials and tools within a specified time limit. The jewelry pieces were judged by a panel of experts based on creativity, technical skill, craftsmanship, and overall presentation. The event was a success, fostering a sense of community and healthy competition, while also providing valuable learning opportunities for the participants.
Outcomes:	 Participants learned the art of jewelry making and the various processes involved. Participants showcased their creativity through designer jewelry pieces.

Programme Title:	Celebration of Basant Vibes
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Ms. Rekha Purohit
Date:	14.02.2024
No. of Participants:	17
Objectives of the Programme:	 To immerse participants in the traditions and festivities of the Basant festival. To provide insights into the historical and cultural significance of Basant. To involve participants in kite-making, music, and dance activities related to the festival. To foster connections and shared experiences among participants.
Overview of the Programme:	The Basant Vibes event, coordinated by Dr. Dolly Mogra, took place on February 14, 2024, with 17 participants. The programme celebrated the arrival of spring through a series of engaging activities, including kite- making workshops, traditional music, and dance performances. Participants also explored the cultural and historical significance of Basant, making it a holistic experience. The event successfully combined creativity with cultural appreciation, encouraging participants to share in the joy of the season.
Outcomes:	 Participants gained knowledge about the Basant season, its cultural importance, and the beliefs associated with it. The programme provided participants with new skills, fostering a deeper appreciation for cultural traditions.

Programme Title: Celebration of Basant Vibes

Programme Title:	Workshop on Costume Design for Design Show
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Dr. Mamta Kavdia, Dr. Shikha Dashora, Ms. Annu Jain
Resource Person:	
Date:	15.02.2024
No. of Participants:	64
Objectives of the Programme:	 To enhance skills in costume design for fashion shows. To provide practical experience in creating costumes that align with design show themes. To prepare participants for showcasing their designs in a professional setting.
Overview of the Programme:	The "Costume Design for Design Show" programme, coordinated by Dr. Dolly Mogra, ran from January 1 to February 15, 2024. The course provided participants with hands-on experience in costume creation for fashion shows. Students worked on designing and constructing costumes aligned with upcoming fashion events. The programme covered design principles, fabric selection, and garment construction techniques. The event concluded with a showcase, providing students with exposure to real-world fashion design environments.
Outcomes:	 Participants gained a comprehensive understanding of the costume design industry. The programme encouraged students to consider costume design as a potential career option.

Programme Title: Workshop on Costume Design for Design Show

.

Programme Title:	The Design Show "Swarnim 2024: Hathkargha"
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Dr. Mamta Kavdia, Dr. Sonu Mehta, Dr. Rupali Rajbanshi
Date:	17.02.2024
No. of Participants:	123
Objectives of the Programme:	 To showcase student designs in a fashion show format. To promote and celebrate innovative fashion technology and design skills. To provide a platform for students to gain exposure and experience in fashion presentation.
Overview of the Programme:	Swarnim 2024: Hathkargha, coordinated by Dr. Dolly Mogra, took place on February 17, 2024, as a fashion show highlighting student-designed collections. The event showcased a variety of styles, highlighting the students' creativity and technical fashion skills. The fashion show also provided students with valuable feedback from industry professionals, allowing them to refine their designs and presentation. This event was an excellent opportunity for students to demonstrate their talents in a live setting.

; Programme Title: The Design Show "Swarnim 2024: Hathkargha"

Outcomes:	• Increased Student Exposure: The event provided students with significant exposure, allowing them to present their designs in front of an audience that included industry professionals, faculty, and peers. This boosted their confidence and provided them with a platform to showcase their work.
	· Industry Feedback: Students received constructive feedback
	from experts in the fashion industry, helping them refine their
	designs and presentation skills. This feedback is invaluable for their
	future careers.
	Innovation in Fashion Technology: The event highlighted the
	students' ability to integrate innovative fashion technologies and
	sustainable design techniques, marking a forward-thinking
	approach to modern fashion.
	• Networking Opportunities: The event opened doors for
	students to connect with industry professionals, potential
	employers, and collaborators, expanding their professional
	network.
	• Skill Development: Participants gained hands-on experience in
	various aspects of fashion show production, including styling,
	choreography, and event coordination, providing them with a comprehensive skill set for future projects.
	• Celebration of Craftsmanship: The name "Hathkargha"
	emphasized the tradition of handcrafts, celebrating the students'
	ability to merge traditional techniques with contemporary design
	aesthetics.
	• Recognition of Talent: The event successfully identified and
	recognized exceptional talent among the students, providing them
	with opportunities for further career advancement and recognition
	in the fashion industry.

Programme Title:	Workshop on "Male Tailoring"
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Dr. Shikha Dashora
Resource Person:	Mr. Amit
Date:	14.03.2024
No. of Participants:	25
Objectives of the Programme:	 To teach basic and advanced male tailoring skills. To equip participants with practical skills in garment construction and fitting. To provide hands-on experience in tailoring techniques and pattern making.
Overview of the Programme:	The Male Tailoring programme, coordinated by Dr. Dolly Mogra from February 27 to March 14, 2024, engaged 25 participants in mastering male garment construction. The course covered fabric selection, pattern drafting, and garment assembly. The practical sessions included detailed demonstrations and hands-on experience in creating tailored garments. This programme enhanced participants' technical skills and provided a valuable learning experience in male tailoring.
Outcomes:	 Participants, typically engaged in female garment design, had the opportunity to understand male garment construction. The programme helped participants grasp the drafting and construction of male garments.

Programme Title: Workshop on "Male Tailoring"

Programme Title:	Women's Day Celebration
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Ms. Annu jain
Date:	04.03.2024
No. of Participants:	103
Objectives of the Programme:	 To celebrate and honor the achievements of women. To raise awareness about women's rights and gender equality. To provide a platform for networking and empowerment among women.
Overview of the Programme:	The Women's Day celebration, coordinated by Dr. Dolly Mogra on March 4, 2024, attracted 100 participants. The event included inspirational speeches, panel discussions on women's rights, and workshops focused on empowerment and career development. Participants also enjoyed performances and networking opportunities, which helped foster a supportive environment for discussing gender equality and women's achievements.
Outcomes:	 Participants gained a deeper understanding of the need for women's empowerment. The programme educated students about women's rights and career opportunities available to women.

Programme Title: Women's Day Celebration

Programme Title:	Macrame Workshop
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra
Co-Cordinator:	Ms. Rekha Purohit
Resource Person:	Ms. Hemlata, Ms. Monica Nagar
Date:	15.03.2024
No. of Participants:	20
Objectives of the	• To introduce participants to the art of macrame.
Programme:	• To teach basic macrame techniques and patterns.
	 To provide a creative and hands-on experience in crafting.
Overview of the Programme:	The Macrame Workshop, coordinated by Dr. Dolly Mogra on March 15, 2024, was attended by 20 participants. The workshop introduced participants to the basics of macrame, focusing on knotting techniques and pattern creation. Participants engaged in hands-on crafting, creating their own macrame pieces, which showcased their creativity and technical skills.
Outcomes:	 Participants learned the art of macrame. They practiced macrame techniques and created their own designs. The workshop opened up opportunities for participants to consider macrame as a potential career option.

Programme Title: Macrame Workshop

Programme Title:	Celebration of Rangotsav (Holi)		
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra		
Co-Cordinator:	Ms. Rekha purohir, Ms. Annu Jain		
Date:	21.03.2024		
No. of Participants:	30		
Objectives of the Programme:	 To celebrate and promote the traditional festival of Holi, emphasizing its cultural significance and communal harmony. To provide a platform for participants to engage with each other in a joyful and interactive environment. To educate participants about the history, significance, and various traditions associated with Holi. 		
Overview of the Programme:	The Rangotsav (Holi) celebration, coordinated by Dr. Dolly Mogra, was a lively event with 30 participants. The programme aimed to highlight Holi's cultural significance while offering a joyful and interactive atmosphere. The event included informative sessions, traditional practices, cultural performances, and festive games, providing participants with a comprehensive understanding of Holi. The celebration successfully promoted communal harmony and cultural appreciation.		
Outcomes:	• The festival was celebrated with enthusiasm, fostering community bonding among students.		

Programme Title: Celebration of Rangotsav (Holi)

5.3.3_DFTD_53 Programme Title: Junior Fashion Show: Cool Summer

Programme Title:	Junior Fashion Show: Cool Summer			
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra			
Co-Cordinator:	Ms. Rekha purohir, Ms. Annu Jain			
Date:	31.03.2024			
No. of Participants:	30			
Objectives of the Programme:	 the To provide a platform for junior participants to showcase their fashion skills and creativity. To introduce participants to the art of design, styling, and modeling. To foster confidence and presentation skills among youth. To encourage the exploration of new trends and summer fashion themes. 			
Overview of the Programme:	The Junior Fashion Show: Cool Summer was held on 31st March 2024, featuring [number of] young participants showcasing their summer-inspired fashion creations. The event highlighted the creativity of the youth, with participants exploring innovative designs and gaining hands-on experience in the world of fashion. The program encouraged participants to express themselves through their designs, while learning about the key components of fashion, styling, and runway presentation.			
Outcomes:	 Enhanced creativity and confidence among participants. Provided a platform for students to showcase their fashion skills. Encouraged youth to explore new trends in fashion design and presentation. Positive feedback from participants and audience, with some 			
	expressing interest in pursuing fashion as a career.			

5.3.3_DFTD_54 Programme Title: Angdaan Jaagrukta Kaarykram

Drogramma Titla	Angdeen Joografite Koorderem	
Programme Title:	Angdaan Jaagrukta Kaarykram	
Coordinator:	Dr. Dolly Mogra	
Co-Cordinator:	Dr. mamta Kavdia, Ms. Annu Jain	
Date:	11.05.2024	
No. of Participants:	62	
Objectives of the Programme:	 To raise awareness about organ donation in the community. To debunk myths surrounding organ donation and educate participants on the process. To encourage people to register as organ donors and contribute to saving lives. To engage with healthcare professionals to provide valuable insights into the impact of organ donation. 	
Overview of the Programme:	On 11th May 2024, the Angdaan Jaagrukta Kaarykram was conducted to increase public awareness about the importance of organ donation. The event included a series of workshops, educational talks, and Q&A sessions with healthcare professionals and organ recipients. Participants were encouraged to understand the significance of organ donation and the life-saving potential it offers. Information regarding how to register as an organ donor was also shared, leading to a positive impact on the community's approach to organ donation.	

Outcomes:	• Increased community awareness about the significance of organ donation.
	• Educated participants on the organ donation process and its benefits.
	• Positive feedback from attendees, with many expressing their commitment to becoming organ donors.
	• Enhanced collaboration with healthcare professionals and organizations to support the cause.

भू-विज्ञान विभाग नग में भू-विविधता दिवस मनाया उदयपुर @ पत्रिका. भू-विज्ञान विभाग में शुक्रवार को भू-विविधता दिवस मनाया। विभागाध्यक्ष डॉ. रितेश पुरोहित ने राजस्थान और विशेष रूप से मेवाड़ की भू विविधता पर प्रकाश डांला। विशिष्ट अतिथि प्रो. जेएस खड्गवालं ने मेवाड़ में जावर माइंस के धात्विक खनिजों पर प्रातत्व से चली आ रही खनन प्रक्रियां पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता पूर्व छात्र परिषद के अध्यक्ष पीके वर्डियां ने की। डॉ. सुनील वशिष्ठ ने आभार जताया। संचालन सहायक. आचार्य डॉ. माया चौधरी ने किया।





SOCIETY OF ALUMNI DEPARTMENT OF GEOLOGY, UDAIPUR



Dr KP Rode Memorial Lecture Founder Professor, Department of Geology

Saturday, 2nd December, 2023, 11:30AM to 1:00 PM

Programme (Hybrid Mode)



Dr SC Mathur Professor (Retd), JNVU, Jodhpur (Guest Speaker)

11.30AM to11.35AM

11.35AM to11.45AM

11.45AM to12.30Npon

12.30 Noon to 12.40PM

12.40PMI012.50PM

12.50PM to1.00PM

Remembering Dr KP Rode

Weicome of the Guests

Invited Lecture: Significant Geoheritage of Jodhpur: Implication for Potential GeoparkSite in India

Address by Patron

Presidential Address

Open Session (Q & A) *

Vote of Thanks

HighTea

Dr SK Veshisth Secretary

Dr Vinod Agrawal Former Prof. Geology, MLSU

Dr SC Mathur Professor (Retd), JNVU

Dr Ritesh Purchit Head.Geology, MLSU

Shri PK Verdia President Audience

Dr Rajnikant Patidar Organizing Secretary

Venue: Aravalli Auditoriam, Department of Geology, MLSU, Udaipur YOU ARE CORDIALLY INVITED

Patron Dr Ritesh Purohit HoD, Geology, MLSU Udaipur President Shri PK Verdia Director, DMG (Retd) Rajasthan Secretary Dr SK Vashisth GM & Dy Director, Corporate Regulatory, HZL, Udalpur

Organizing Secretary Dr Rajnikant Patidar Asst Prof, Geology, MLSU

You may also join online

https://meet.google.com/atr-gzpk-rse



SOCIETY OF ALUMNI DEPARTMET OF GEOLOGY, UDAIPUR Organises



Dr PS Ranawat Memorial Lecture Former Professor, Department of Geology

Friday 27th October, 2023, 11:30 AM to 1:00 PM



Shri BB Sharma Director, GSI, WR (Retd) (Guest Speaker)

Programme (Hybrid Mode)

11.30 AM to 11.35 AM

Welcome of the Guests

11.35 AM to 11.45 AM

11,45 AM to 12.30 Noon

12:30 Noon to 12:40 PM

12.40 PM to 12.50 PM

12.50 PM to 1.00 PM

1.00 PM

Memories with Dr PS Ranawat

Invited Lecture : A case history of Exploration in Dariba-Bethumbi-Surawas Lead-Zinc deposit, Rejsemend district, Rejesthen

Address by Patron

Presidential Address

Open Session (Q & A)

Vote of Thanks

Dr SK Vashisth Secretary

Dr Vinod Agrawal Former Prof, Geology, MLSU

Shri BB Sharma Former Director, GSI (WR)

Dr Ritesh Purohit Head, Geology, MLSU

Shri PK Verdia President Audience

Dr SC Janagal Organizing Secretary

Venue: Diamond Jubilee Hall, Department of Geology, MLSU, Udaipur YOU ARE CORDIALLY INVITED

Patron Dr Ritesh Purohit HoD, Geology, MLSU Udaipur President Shri PK Verdia Director, DMG (Retd) Rajasthan Secretary Dr SK Vashisth GM & Dy Director, Corporate Regulatory, HZL, Udalpur

Organizing Secretary Dr SC Janagal Asst Prof, Geology, MLSU

You may also jotn online

https://meet.google.com/rvw-yfoj-bei



SOCIETY OF ALUMNI Department of Geology, Udaipur



Cordially invites you to join the



Dr. M. K. Pandya Memorial Lecture

Former Professor, Department of Geology

Saturday, 20th January, 2024, 11:30 AM to 1:00 PM



Title of the Presentation: Discovery of World Class Rampura Agucha Pb-Zn Deposit and Exploration Imperatives By

Mr. N. K. Kavdia Ex Associate Vice President (HZL)

PROGRAMME

11.30 AM to 11.35 AM Welcome of the Guest
11.35 AM to 11.45 AM Remembering Dr. M. K. Pandya
11.45 AM to 12.30 PM Invited Lecture
12.30 PM to 12.40 PM Address by Patron
12.40 PM to 12.50 PM Presidential Address
12.50 PM to 01.00 PM Open Session

Open Session Vote of Thanks Dr. S. K. Vashistha Secretary

Dr. Vinod Agrawal Former Prof., Geology, MLSU

Mr. N. K. Kavadia Ex Associate Vice President, HZL

Dr. Ritesh Purohit Head, Geology, MLSU

Sh. P. K. Verdia President

Audience

Dr. Maya Chaudhary Joint Treasurer

Tea

Venue: Diamond Jubilee Seminar Hall, Department of Geology, MLSU

Patron Dr. Ritesh Purohit Head, Geology MLSU, Udaipur President Shri PK Verdia Director (Retd.), DMG Rajasthan Secretary Dr. SK Vashistha GM & Dy Director Corporate Regulatory HZL, Udaipur Programme Coordinator Dr. Maya Chaudhary Assistant Professor Geology, MLSU



SOCIETY OF ALUMNI, DEPARTMENT OF GEOLOGY, UDAIPUR

Cordially Invites you to join the



Dr. B.L. Sharma Memorial Lecture Former Professor & Head, Department of Geology

Thursday, 7th December, 2023, 11.30AM to 1.00PM



Title of the Presentation: Role of Spatial Technologies in Land and Water Resource Assessment By Retd. Prof. (Dr.) Debasish Das Ex-HoD, Environmental Science, University of Kalyani, West Bengal

11.30AM to 11.35AM

11.35AM to 11.45AM

- 11.45AM to 12.30PM
- 12.30PM to 12.40PM
- 12.40PM to 12.50PM
- 12.50PM to 1.00PM

Programme (Hybrid Mode) Welcome of the Guest Remembering Dr. BL Sharma

Invited Lecture

Address by Patron

Presidential Address

Open Session Vote of Thanks

High Tea

Dr. SK Vashistha Secretary Dr. Harsh Bhu Former Prof., Geology, MLSU Dr. Debasish Das Professor (Retd.), University of Kalyani Dr. Ritesh Purohit Head, Geology, MLSU Shri PK Verdia President Audience Dr. Harish Kapasya Joint Secretary

Venue: Diamond Jubilee Seminar Hall, Department of Geology, MLSU

Patron Dr. Ritesh Purohit Head, Geology, MLSU, Udaipur President Shri PK Verdia Director (Retd.), DMG, Rajasthan Secretary Dr. SK Vashistha GM & Dy Director, Corporate Regulatory, HZL, Udaipur

Organizing Secretary Dr. Harish Kapasya Assistant Professor, Geology, MLSU

You may also join online

https://meet.google.com/dxr-idvn-bzw



Dr. Suresh Salvi IC-Head E-Mail : dr.sureshsalvi@gmail.com Mobile No. 9214560756

Date : 19-06-2023

हल्दीघाटी युद्ध की 447वीं जयन्ती

राजस्थानी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं राजस्थानी रा हेताळू मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में 18 जून 2023 रविवार को हल्दीघाटी युद्ध की 447वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में रविवार कोें व्याख्यान, कवि सम्मेलन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बप्पा रावल सभागार में हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. आई.वी. त्रिवेदी, कुलपति मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर विशिष्ट अतिथि प्रो. सी.आर. सुथार अधिष्ठाता, कला महाविद्यालय, श्री भेराराम चौधरी कमिश्नर आयकर विभाग, उदयपुर, मुख्य अतिथि डॉ. देव कोठारी पूर्व अध्यक्ष, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर ने मंच साझा किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में प्रो. आई.वी. त्रिवेदी ने राजस्थानी भाषा और इसकी महत्ता को उजागर करते हुए आज के समय में इसे बोलचाल की भाषा बनाने की बात बताई। जिससे मान्यता की राह आसान हो सके। विशिष्ट अतिथि प्रो.सी.आर. सुथार ने राजस्थानी भाषा की मान्यता और हल्दीघाटी युद्ध एवं महाराणा प्रताप की वीरता के बारे में बताया। श्री भेराराम चौधरी आयकर आयुक्त उदयपुर ने राजस्थानी भाषा से जुड़े प्रसंग को सुनाते हुए राजस्थानी भाषा में हो रहे लेखन के बारे में बात बताई। मुख्य अतिथि डॉ. देव कोठारी ने हल्दीघाटी युद्ध के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए महाराणा प्रताप की इस युद्ध में विजय के बारे में बताया। प्रथम सन्न के बाद दूसरा सन्न में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान के ख्यातनाम कवि डॉ. आईदान सिंह भाटी, जोधपुर श्रेणीदान चारण, उदयपुर, सोंहनलाल चौधरी, चित्तौड़गढ़, हिम्मतसिंह उज्जवल, भारौड़ी और नरेन्द्रसिंह रावल राजसमन्द कवियां ने हल्दीघाटी युद्ध, महाराणा प्रताप एवं चेतक घोड़े, पर काव्य पाठ किए।

इसके पश्चात् कार्यक्रम में राजेन्द्र राजपुरोहित, मुंबई की राजस्थानी भाषा पर आयकर पर आधारित ''आवकलाग अर लागदेणार'' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक आयोजन किया गया जिसमें विभांगी आमेटा, किरण लौहार, लूना और लवीना प्रजापत ने राजस्थानी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लोकेश राठौड़ ने किया। कार्यक्रम के अंत में राजेन्द्र राजपुरोहित ने महाराणा प्रताप की वीरता, त्याग एवं देशभक्ति पर विचार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. सुरेश सालवी

प्रभुति. Suर्ध्वाइम्ह्रेइविशं IC HEAD Department of Rajasthani Mohanlal Sukhadia University, Udaipur



Dr. Suresh Salvi IC-Head E-Mail : dr.sureshsalvi@gmail.com Mobile No. 9214560756

बावजी चतुरसिंह जी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

राजस्थानी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर की ओर से 9 फरवरी 2024 को लोक संत कवि चतुर सिंह जी बावजी की 144वीं जयन्ती के अवसर पर चतुरधाम नउवा चन्देसरा में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विभाग अध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बावजी चतुरसिंह ने जन मानस को सन्देश दिया कि मन को वश में रखकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। आध्यात्म से मन को तपाकर ही ईश्वर को पाया जा सकता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. देव कोठारी ने बावजी चतुरसिंह जी की नीति और भक्ति को उदाहरण सहित उजागर किया और कहा कि बावजी मायड़ भाषा में ही बच्चे को पढ़ाने के पक्षधर रहे है। राजस्थानी भाषा को मान्यता न मिलना दुर्भाग्य की बात है। इससे यहां के पढ़ने वाले शोधार्थियों, विधार्थियों को आगे आने वाली परेशानियों की बात की। सह अधिष्ठाता एवं विशिष्ठ अतिथि प्रो. दिग्विजय भटनागर ने बावजी की पुस्तकों के बारे में बताते हुए उनके द्वारा स्थापित मानवीय मूल्यों की जानकारी दी। विशिष्ठ अतिथि डॉ. विकास चौधरी लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने बावजी के व्यक्तित्व को बताते हुए कहा कि बावजी ने राजसी सुख वैभव को छोड़कर सामान्य जन जीवन का मार्ग अपनाया।

इस संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. मदन सिंह राठौड़ ने कहा कि बावजी चतुर सिंह जी ने अपने पदो के माध्यम से जनमानस को आध्यात्म का पाठ पढ़ाया। डॉ. आशीष सिसोदिया ने बावजी पर अपनी बात रखी। इस अवसर पर डॉ. सुरेश देव, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. साबिहा, डॉ. दीपिका माली ने भी विचार रखे। डॉ. गजेन्द्र सिंह राव, डॉ. महीपाल गरासिया, डॉ वन्दना चौधरी शोधार्थी, भूपेन्द्र सिंह राठौड़, संगीता मेहरा, रावलराम पंवार, जगदीश गुर्जर, मुबीना बी, सैयद बंटी ने शोध पत्रों का वाचन किया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों ने डॉ. महीपाल गरासिया की पुस्तक ''राजस्थान की वागड़ अंचलीय आदिवासी लोक संस्कृति'' का मंचासीन अतिथियों ने विमोचन किया।

Dr. Suresh Salvi IC HEAD Department of Rajasthani Mohanlal Sukhadia University, Udaipur



Dr. Suresh Salvi IC-Head E-Mail : dr.sureshsalvi@gmail.com Mobile No. 9214560756

Date : 19-06-2023

हल्दीघाटी युद्ध की 447वीं जयन्ती

राजस्थानी विभाग, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं राजस्थानी रा हेताळू मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में 18 जून 2023 रविवार को हल्दीधाटी युद्ध की 447वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में रविवार को व्याख्यान, कवि सम्मेलन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बप्पा रावल सभागार में हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. आई वी. त्रिवेदी, कुलपति मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर विशिष्ट अतिथि प्रो. सी.आर. सुथार अधिष्ठाता, कला महाविद्यालय, श्री भेराराम चौधरी कमिश्नर आयकर विभाग, उदयपुर, मुख्य अतिथि डॉ. देव कोठारी पूर्व अध्यक्ष, राजख्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर ने मंच साझा किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में प्रो. आई.वी. त्रिवेदी ने राजस्थानी भाषा और इसकी महत्ता को उजागर करते हुए आज के समय में इसे बोलचाल की भाषा बनाने की बात बताई। जिससे मान्यता की राह आसान हो सके। विशिष्ट अतिथि प्रो.सी.आर. सुथार ने राजस्थानी भाषा की मान्यता और हल्दीघाटी युद्ध एवं महाराणा प्रताप की वीरता के बारे में बताया। श्री भेराराम चौधरी आयकर आयुक्त उदयपुर ने राजस्थानी भाषा से जुड़े प्रसंग को सुनाते हुए राजस्थानी भाषा में हो रहे लेखन के बारे में बात बताई। मुख्य अतिथि डॉ. देव कोटारी ने हल्दीघाटी युद्ध के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए महाराणा प्रताप की इस युद्ध में विजय के बारे में बताया। प्रथम सन्न के बाद दूसरा सन्न में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान के ख्यातनाम कवि डॉ. आईदान सिंह भाटी, जोधपुर श्रेणीदान चारण, उदयपुर, सोहनलाल चौधरी, चित्तौड़गढ़, हिम्मतसिंह उज्जवल, भारौड़ी और नरेन्द्रसिंह रावल राजसमन्द कवियां ने हल्दीघाटी युद्ध, महाराणा प्रताप एवं चेतक घोड़े, पर काव्य पाठ किए।

इसके पश्चात् कार्यक्रम में राजेन्द्र राजपुरोहित, मुंबई की राजस्थानी भाषा पर आयकर पर आधारित ''आवकलाग अर लागदेणार'' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक आयोजन किया गया जिसमें विभांगी आमेटा, किरण लौहार, लूना और लवीना प्रजापत ने राजस्थानी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लोकेश राठौड ने किया। कार्यक्रम के अंत में राजेन्द्र राजपुरोहित ने महाराणा प्रताप की वीरता, त्याग एवं देशभक्ति पर विचार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. सुरेश सालवी

WHIEL SUPERSalvi Department of Rajasthani Mohanlal Sukhadia University, Udaipur



Dr. Suresh Satvi IC-Head E-Mail : dr.sureshsalvi@gmail.com Mobile No. 9214560756

बावजी चतुरसिंह जी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

राजस्थानी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर की ओर से 9 फरवरी 2024 को लोक संत कवि चतुर सिंह जी वावजी की 144वीं जयन्ती के अवसर पर चतुरधाम नउवा चन्देसरा में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विभाग अध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बावजी चतुरसिंह ने जन मानस को सन्देश दिया कि मन को वश में रखकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। आध्यात्म से मन को तपाकर ही ईश्वर को पाया जा सकता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. देव कोठारी ने बावजी चतुरसिंह जी की नीति और भक्ति को उदाहरण सहित उजागर किया और कहा कि बावजी मायड़ भाषा में ही बच्चे को पढ़ाने के पक्षधर रहे है। राजस्थानी भाषा को मान्यता न मिलना दुर्भाग्य की बात है। इससे यहां के पढ़ने वाले शोधार्थियों, विधार्थियों को आगे आने वाली परेशानियों की बात की। सह अधिष्ठाता एवं विशिष्ठ अतिथि प्रो. दिगविजय भटनागर ने बावजी की पुस्तकों के बारे में बताते हुए उनके द्वारा स्थापित मानवीय मूल्यों की जानकारी दी। विशिष्ठ अतिथि डॉ. विकास चौधरी लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने बावजी के व्यक्तित्व को बताते हुए कहा कि बावजी ने राजसी सुख वैभव को छोड़कर सामान्य जन जीवन का मार्ग अपनाया।

इस संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. मदन सिंह राठौड़ ने कहा कि बावजी चतुर सिंह जी ने अपने पदो के माध्यम से जनमानस को आध्यात्म का पाठ पढ़ाया। डॉ. आशीष सिसोदिया ने बावजी पर अपनी बात रखी। इस अवसर पर डॉ. सुरेश देव, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. साबिहा, डॉ. दीपिका माली ने भी विचार रखे। डॉ. गजेन्द्र सिंह राव, डॉ. महीपाल गरासिया, डॉ वन्दना चौधरी शोधार्थी, भूपेन्द्र सिंह राठौड़, संगीता मेहरा, रावलराम पंवार, जगदीश गुर्जर, मुबीना बी, सैयद बंटी ने शोध पत्रों का वाचन किया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों ने डॉ. महीपाल गरासिया की पुस्तक ''राजस्थान की वागड़ अंचलीय आदिवासी लोक संस्कृति'' का मंचासीन अतिथियों ने विमोचन किया।

Dr. Suresh Salvi IC HEAD Department of Rajasthani Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

Two Weeks Training Programme-V

on "Skill Development in Social Sciences"

'Research Skill Development in Social Sciences, Communication & Management' Organized by Dept. of Sociology under RUSA 2.0 project (18.11.2024 to 01.12.2024)

S.No.	Date	Time & Session	Торіс	Resource Person
1.	18.11.2024	10-12	INAUGURAL SESSION Chair Person- Prof. Sunita Mishra Chief Guest- Prof. D.S. Chundawat Keynote Speaker- Prof. Mohan Advani Resource person- Prof. G. Soral Topic – Scientific and Doctoral Research Guest of Honor- Prof. K.B.Joshi	Prof. G. Soral
2.	Monday	1-3	Welcome Adders- Dr. Raju Singh Communication :A Comprehensive Overview	Dr. G.S. Chauhan
-	-		-	
3.	19.11.2024	10-12	Bhartiy Gyan Parampara me Shiksha Vyavastha	Dr. Gattu Lal Patidar
4.	Tuesday 20.11.2024	1-3	Hypothesis-Types and Sources Research Process	Prof. Seema Jhalan
<u>5.</u> 6.		10-12 1-3		Dr. Deepa Soni
<u>0.</u> 7.	Wednesday 21.11.2024	1-5	Research Process: A Trans Disciplinary Exercise Open Educational Resources for teaching and research	Prof. Rajeev Gupta Dr. Shriram Pandey
8.	Thursday	1-3	Qualitative and Quantitative research Methods.	Prof. P.C.Jain
9.	22.11.2024	10-12	New Education Policy and skill Development in the Context of Higher education scenario	Prof. Ashutosh Vyas
10.	Friday	1-3	Statistical tools in research and skill development	Dr. Deepa Soni
11.	23.11.2024	10-12	Sustainable development Goals and present scenario	Prof. S.L. Sharma
12.	Saturday	1-3	Few issues related to sociological studies and research	Dr. Satish Kumar Sharma
13.	24.11.2024	10-12	Statistical tools in research	Dr. Deepa Soni
14.	Sunday	1-3	Evolution of Higher Education in India and Research Agencies	Dr. G.S. Chauhan
15.	25.11.2024	10-12	Wining personality- Vijayee Vyaktitva	Prof. Ramesh Arora
16.	Monday	1-3	Statistical analysis in social sciences	Dr. Deepa Soni
17.	26.11.2024	10-12	Empowering Research with Artificial intelligence: Practical Applications	Dr. Kiran Soni
18.	Tuesday	1-3	Diagrammatic presentation of Data in Social Sciences	Dr. Deepa Soni
19.	27.11.2024	10-12	Gender sensitization	Dr. Sumitra Sharma
20.	Wednesday	1-3	Field survey and strategy	Dr. Deepa Soni
21.	28.11.2024	10-12	Pracheen subhashit parampara main shodh sutra	Dr. Murlidhar Paliwal
22.	Thursday	1-3	Write a research Paper and publication	Pro. Karunesh Saxsena
23.	29.11.2024	10-12	From modernity to post- modernity: Is it a paradigmic shift in social sciences?	Prof. Rajeev Gupta
24.	Friday	1-3	Measurement scale and research design	Pro. Karunesh Saxsena
25.	30.11.2024	10-12	Emile Durkheim's concept Suicide and Present Perspective	Prof. P.C.Jain
26.	Saturday	1-3	Urban Studies	Prof. Rajeev Gupta
27.	01.12.2024	10-12	Time and Stress Management	Pro. Karunesh Saxsena
28.	Sunday	1-2.30	Valedictory Session- Chair Person- Prof. Sunita Mishra Chief Guest- Prof. D.S.Chundawat Keynote Speaker- Prof.Mohan Advani Resource person- Topic- New dimensions of research skill development in Social Sciences. Guest of Honor-Prof. Kanika Sharma. Lot of Thanks Dr.Sangeeta Athwal	Dr. Deepa Soni

Report

One day Regional Workshop on New Labour Codes in India : Gender Concerns of Women Workers

The workshop was organised jointly by Centre for Women's Development Studies, New Delhi in collaboration with UGC Centre for Women's Studies, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur on June 24, 2024 at Conference Hall, Golden Jubilee Guest House, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur from 9 :30 am to 4 : 30 pm.

Workshop deliberated upon New Labour Codes in India, gender concerns and implications of these codes on women workers. The inaugural session began with Deep Prajjwalan and the kulgeet of the University. At the inauguration, Dr. Garima Mishra, regional coordinator and Assistant Professor at the UGC Centre for Women's Studies, welcomed everyone and the opening remarks was given by professor N. Manimekalai, organiser of the workshop and Director of the Centre for Women's Development Studies, New Delhi. Porf. Manimekalai raised the concerns related to new labour codes whether MSME is being clustered, which leads to women's discrimination, and what is the actual status of how women's participation in labour is falling and how self-help employers are not covered under these codes. Professor Sunita Mishra, Hon'ble Vice Chancellor of MLSU, and Professor Sudha Chaudhary, Director, UGC Centre for Women's Studies at MLSU Udaipur could not attend the workshop and sent their best wishes to the organisers.

Session I

Panelists -

Prof. Ritu Dewan, President of 64th Indian Society of Labour Economics Institutionalizing Inequalities via Labour Codes

Ms. Indrani Mazumdar, former faculty member of the of the Centre for Women's Development Studies, Delhi *New Labour Codes and Wage Gaps*

Moderator - Mr. Sudhir Katiyar, Centre for Labour and Action

Prof. Ritu Dewan, contextualized labour codes and rights and started with inequality issues in the context of women workers and their participation. India's ranking in the gender gap index demonstrates increased gender gap and lower economic participation of women in labour force and onus is on the government machinery and system which promotes privatization and monetization, pro-industrial policies, and centralization of the regime. New development projects like development in Dharavi lead to displacement of labours and rehabilitation of locals ultimately pushes them to worst condition. Rapid shrinking of the formal sector is leading to expanse of informal sectors in India and the informal sector has the highest part of the labours coming out as contractual based employment. Domestic workers are totally unrecognized, with a total of 4.8

million, of which 3 million are women and 28% are minors. The states of Rajasthan, UP, and Uttarakhand have the highest rate of child labour. The year 2017–18 may be considered a year of the lowest dip, where labours faced the most difficulties especially women. The reasons behind this was demonetization, policies on taxes (higher and unreasonable tax like 18% on books and no tax on churi or sindoor) followed by pandemic lockdown in the country.

Prof. Dewan mentioned that currently, two thirds of the women workers are unpaid and there's no social security benefits, no paid leave given to them, and this number has been rising to 50% in some of the sectors. men (60%) and women (56%) both workers are engaged in contractual jobs as there is no job available in the market. Going beyond binary of men and women, whole system do not recognize transgender or third gender as labour in the labour force market. She also shared that Rajasthan has the biggest number of trans people in comparison to any other state. whereas no dedicated efforts is being witnessed in this regard. If we see the labour codes with their passing and enactment date-wise, then it is understandable that there was no consultation with the organizations, the genuine advisory board, committee, or concerned sectors while passing these laws. She also focused on language used in New Labour Code that is not gender inclusive and gender neutral.

Ms. Indrani Mazumdar discussed labour laws emergence from power struggle and how master servant laws were evolved with the time. Role of revolutionary struggle demonstrated that there is a dual function that if the power is giving you some concessions then it will have some rights which are taking away the labours rights and also restricting power of labours to fight or retaliate over running the movement. She chronicled about the revolutionary acts of Bidi workers. Prof. Mazumdar analysed that labour laws are an instrument for both organised and unorganised workers. She explained that division of informal and formal sector has lost its relevance. She also highlighted the non-inclusiveness of home based workers in these laws and codes. There's no minimum wages to bidi workers, home based workers and domestic workers.

Prof. Mazumdar was concerned about objectionable and non-inclusive language of these codes. She chronologically explained political legal history of labour laws and genesis of labour acts during the emergency and part of political agenda, procedure of these laws. She emphasized on issues related to the absence of equal remuneration, issue of maternity relief to women employee being area of debate since 1950s. It is correctly assumed that the wage has to cover the family unit because without this survival is difficult. Even male members are being paid lower and how the village economy, family economy, rural economy is getting affected and how it is leading to the low weight economy need to be considered. This is a difficult for women to be in industrial economy or industrial workplaces which are totally male dominated domain. Women have their struggles to get in jobs in industrial workplace because women specially are preferred on the basis of gender norms. Preference of women is growing with the modernisation within brackets of gender bases work and socialization.

Women are in minority in the garment work force in the northern part of India but in some places of South India women are in majority. Government schemes focusing on skills development train girls or young women and provide them services which are just the period of 6 months to 3 years and these all are young unmarried girls so once they are get married, perspective of social security to a permanent job remain a question. Also there are no social health securities and for entitlements to benefits of provident fund one has to serve for 10 years in the service. Due to short span of work of young girl or women in work keep them out as a beneficiary of such provisions.

Strikes play a role of significant tool for labours to show resistance and to fight for and get their rights; now in the pro-industrial system and the power discourse in the matter of caste & religion, system is not delivering the jobs and also not providing legal power to strike. She concluded her discussion with the issue of the pendency of complaints filed and redtapism in the system.

The moderator, Mr. Sudhir Katiyar submitted that 85 to 90% of labour is from informal sectors and unorganized and new labour codes are very limited. There is a crucial need for the informal sectors to be included in these codes and to be recognized, and the biggest challenge is: how is that development and implementation possible? He also referred that Udaipur, Kotra, Indore extension is the south golden border and 80% rate of participations of the labours are unrecorded.

Session II

The panellists

Dr. Sophy KJ, Associate Professor, National Law University, Delhi
Domestic Workers and New Labor Reforms: A Battle Lost in the Reproductive Rights Framework.
Ms. Khushboo Choubisa, Senior Law Officer, CEO, Udaipur
Occupational Safety at Workplace: Special Reference to Sexual Harassment

Moderator - Sister Kirti, state coordinator, Rastriya Gharelu Mahala Shramik Sansthan.

Dr. Sophy KJ started her discussion with Jurisprudence of labour or trade law and how it is rooted in common law or private law as contract law. She notified that labour law has its origins in the UK and discussed the chronology and how the demands of workers created the legal existence of labour laws. She elaborated on vocalizing the demands of labour. She also argues about the legislative idea of the labour union so that they can contribute and make laws effective. She expressed her concerns about provisions not being covered by these codes. She specifically mentioned the provisions of the Indian Penal Codes, namely, criminal trespass, obstruction of property, attempt to obstruction of property to labours not being included in these laws. She also summarised the five phases of labour laws. The relevance of industrialization in reference to rationalization. She classified the artificial division between industrial laws and contract-based employment as she stressed on the fact that workers need to be defined. She also explains the role of small factories in reference to industrialization. She presented the fact that 83% of the workers are Dalit and from the unorganized sectors. She highlighted the role and division of caste, religion, and gender and indicated that the labour laws should be labour and worker-oriented. India has richer legal literature on domestic workers but still domestic workers, and specifically women workers, are abandoned from the law provisions. She concluded with political ignorance and legislative lethargy towards it.

Ms. Choubisa emphasized on gap at the level of execution at the ground level, lack of awareness, gender discrimination, violation of fundamental rights of women workers at workplace. She referred to the Vishakha guidelines and POSH act and highlighted the physical abuse and sexual harassment at the workplace with women. She stated that the incidents of sexual harassment and sexual abuse are constant because employers are not aware of the provisions of the acts. The SLO also informed about provisions of the ICC & LCC in detail. In this discussion, Ms. Indrani submitted that sexual harassment has been kept separated and isolated from labour laws and women workers are being deprived of their rights and the exploitation in the context of wages is continued with zero liability of compensation or answerability on the employers. This a way of social isolation of complainants. The session concluded with the submission that the women workers don't know their rights and are hence exploited, and no reports or complaints are being made against such abuses.

The moderator was sister Kirti works for rights of domestic women workers, their right to wage and social security. She said that implementation of minimum wage and inclusion of domestic workers in formal domain will help women find employment. And because of these domestic women workers, many of the contributing people are able to live their lives efficiently and do their jobs easily.

Session III

Penalists

Ms. Shruti Nair and Ms. Dimpal Sharma, Aajeevika Bureau

Mr. Sarfaraz Sheikh, Program Director, Kotra Adivaai Sansthan

Miss Nair discussed migrant women workers and informal workers from the tribal belt of district Banswada, South Rajasthan. When the male worker of the family migrates for employment, the women are left out at their place, and they have no individual identity other than the relationship with the man, so they do not have any employment opportunity. She also reported that in Banswada district, the whole family migrates because the area is dry and arid and agriculture is not possible there, so the whole family migrates and the migration of women also increases.

She stressed on the law being made but not implemented well and the inefficient redressal system. She collected the data and reported that the casual worker ratio is 9/10, the figure for self-employed workers is 3/5 and 30 crore people in India are earning less than the minimum wage. Her report shows concerns about in case of injury to workers, employers are not being responsible but the worker herself/ himself due of her/his fault and their inattention. Lack of legal support system and hiring an advocate for which they cannot afford the fees mostly deprive them from their jobs. In Rajasthan, cases registered between 2021 and 2024 is 8855 and the figures for women were

9.6%. Only 268 out of the total 8855 were filed, but directly by women, only 3%. In 9 States data, 21538 total cases were registered between May 2021 and June 2024 out of which 41616 men and 3479 were women.

She noticed that women and girls are less skilled and more vulnerable and they are either coolies or helpers, and construction or factory work. The higher numbers of workers are from the informal sector, who do part-time work and get low wages. She also marked political exclusion at both ends, source and destination, falling labour force and the participation of women, disproportionate impact on Dalit and tribal women. In the tribal areas, women living in open areas are deprived of sanitation and safety.

It is emphasized that unpaid work isn't counted, and wages are reduced on the basis of the female's low ability, meaning that she cannot do much hard work or physical work or has less physical capacity to work. She further signified that even supervisors are being paid low wages. In the workplace of a woman worker should be a washroom, restroom, and meeting room, and for that, there should be collective bargaining. She concluded her argument with the issue of unfair labour practices.

Mr. Sheikh reported on the region of Kotda, the tribal area of Rajasthan, which has 95.8% tribal population. He informed that 2.5 to 3 lakh labours are migrant labours, go only from one village to another for agricultural purposes, and the immigrant rate is 49.2% in the area. These workers or migrants go towards Gujarat or Banaskantha. The report included a Bhil tribe, culturally known as BHAGIYA, in this system the whole family move for agriculture purposes and employment purposes and this family works for the peasants in the area. In some parts, they are not paid wages but production of the crops. But in commercial crops, the cash is also paid; the fifth to sixth part is paid to them. When the whole family moves, women don't get any wages, but she still works as an unpaid worker. He concluded his discussion with concern for these tribes.

Ms. Mazumdar is of the opinion that it's not a progressive step that women's unemployment rates are increasing, but this is an absolute unemployment issue. The session was moved forward by an open discussion where everyone contributed their opinion. Some of the research scholars had their opinions and questions, and some of them had some suggestions. Despite having some subjective opinions, all the participants, and the speakers collectively seemed unsatisfied with these labour codes and of the opinion that there is much to do with these acts for the empowerment of labour, especially women. Each participant was given a feedback form to fill out, which was collected by the coordinators at the end of the workshop. Workshop was concluded with an anticipation for more advanced discussion on the topic in near future. At the end of the workshop, Dr. Garima Mishra gave a vote of thanks from the Center for Women Development Studies, Delhi and the Center for Women Studies, MLSU.

This workshop engaged academicians, research scholars working in this area, civil societies who are working in different areas like domestic workers, women in informal sector, street vendors, garment sector, Adivasi women workers and Mazdoor Sangthan from the region. As an outcome, collaborative efforts towards inclusion of gender concerns in labour codes and implementation of these labour laws in right spirit was demanded. Civil societies will constantly write to the government highlighting missing agenda and gaps in these codes which are mere compilation of all the 29 laws with a complicated note. New research ideas were churned out for research scholars willing to engage in this field. Deliberation between academicians and civil society and initiative by Women's Studies Centres in this discussion was appreciated by representatives of civil societies.







National Seminar

on

New Innovation and Emerging Technologies for Libraries: Enriching Education in Alignment with National Education Policy

January 30-31, 2024

Organized By

Department of Library and Information Science

and

Sponsored by NRC-Indian Council of Social Science Research (ICSSR), New Delhi

Venue

Department of Library and Information Science Mohanlal Sukhadia University Udaipur, Rajasthan – 313001

राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन एवं आईसीएसएसआर नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन हुआ। इस सेमिनार के उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ इंडिया के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर ए.पी. सिंह व बाबासाहब भीमराव अंबेडकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ के प्रोफेसर एम.पी. सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संघठक कला महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सी. आर. सुथार ने की। इस कार्यक्रम में कला महाविद्यालय के सहअधिष्ठाता प्रोफेसर दिग्विजय भटनागर, प्रोफेसर एस. के. कटारिया ने अपनी उपस्थिति प्रदान की। दो

HEAD lation Science



दिवसीय इस नेशनल सेमिनार में देशभर से आये हुए पुस्तकालय विज्ञान के कुल 180 प्रोफेशनल्स एवं शोधार्थी- विद्यार्थीयों ने भाग लिया एवं प्रथम दिवस के तकनीकी सेशन में डॉ क्षेमा प्रकाश, डॉ सीमा परिहार सहित कुल 12 प्रतिभागियों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए ।

द्वितीय दिवस के अंत तक इस राष्ट्रीय सेमिनार में कुल 40 शोध पत्रों का वाचन किया गया । सेमिनार की रूपरेखा के अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और आधुनिक तकनीकी को पुस्तकालय में उपयोग व राष्ट्र के विकास में पुस्तकालय के योगदान के बारे में चर्चा की गई। जिसमे कृत्रिम बुधुमत्ता का पुस्तकालय में उपयोग, इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के उपयोग व विकास, आधुनिक व तकनीकी शिक्षा आदि विषय मुख्य धारा में रहे।

इस कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. पी. एस. राजपूत रहे और पुस्तकालय एवं सुचना विज्ञान विभाग से डॉ राजाराम भाट, नवीन छापरवाल, जितेंन्द्र सुहालका, अनुज यादव, जितेन्द्र मेघवाल, श्रवण श्रीमाली, महेंद्र इत्यादि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

पुस्तके और पुस्तकालय भारतीय संस्कृति की अमूल धरोहर : प्रो.सिंह

किसी भी देश की उन्नति और अवनति वहां के सूचना तंत्र पर निर्भर करती है : प्रो. अजय प्रताप सिंह

दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का शुभारंभ उदयपुर (कास.)। राजा राममंहन राव लाइग्रेरी फाउंड्यन रवं आईमीएसएसआर नई दिल्ले क मंत्रुक तल्वाधात में सहतलाल पुप्तकल्लय एवं सूचना विज्ञान विभाग ढरा दो दिवसीय नेजनल संगमर का गुप्तभार हुआ। कार्यकम को शुरुआत में सेमिनार के सचिव इ. पी एस राजपुर ने सभी पर्भा हुए विद्वनतनों एवं प्रतिभागियों का स्वानकरते हुए वताय कि सेमिनार में देश के विभिन्न राज्यों से 150 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं जो पुस्तकल्तय में आधुनिकीकरण, आंदोयसत, नई तकनौंकी वर्ड



तकनौकी और प्रौद्यांगिको का पुम्तकालय में प्रयोग एवं राष्ट्रय शिक्षा नीति के संदर्भ में किये जा रह प्रयासों के बारे में मंधन करें।। बाबासारल भोमराव अवेडकर सेंट्रल यूनिवसिंटी लाउनऊ से पथारे

प्रोफेसर एम.पी. सिंह ने कहा कि पुस्तकालय जान के मंदिर है एवं पुस्तकालय संस्कृति को संजोकर रखते हैं। उन्हेंने पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में नई प्राद्योगिकियों ने अवगत करव्यथा। प्रोफेसर एस.के. कटरिया ने यतंमान डिजिटल युग में एतेरिज्म से संबंधित मुद्दें पर चर्च की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेजनल लाइबेरी अफि इंडिया के उपरेक्टर जनरल प्रोफेसर ए.पी सिंह ने आरआरआरएनएफ इए

किए जा रहे कार्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर पुस्तकालय की महत्ता के खारे में समझाया। साथ हो पस्तकालय विज्ञान क्षेत्र के प्रोफेशनल्स को अपने क्षेत्र में पुस्तकालय के विकास से सम्बंधित कार्य करने हेतु प्रोत्स्राहित किया। कला महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सी.आर. सुथार ने पुस्तकालय से संबंधित एक्ट के विषय में अपनी वात रखी। सहअधिष्ठाता प्रोफेसर दिग्विजय भटनागर ने इस दो दिवसीय संपिनार हेतु सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। तकनीकी सत्रों में डॉ क्षेमा प्रकारा, डॅं सीमा परिहार सहित कुल 12 प्रतिभागियों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

HEAD Deptt. of Library & Information Science MLSU, Udaipur (Rej.)

CS CamScanner





डों अनिल शर्मा एवं अखिलेन्द्र सूर्यवंशी ने भी पुस्तकालय विज्ञान में भविष्य में होने वाले अपार संभावनाएं के बारे में अपने विचार रखें। अंत में विभाग के शोधार्थी नवीन छपरवाल ने पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र में आधुनिक व तकनीकी शिक्षा में विद्यार्थियों को उच्च ज्ञान को अर्जित करने पर जोर दिया। पुस्तकालय विज्ञान विभाग से डॉ राजाराम भाट, नवीन छपरवाल, जितेन्द्र मेघवाल, महेंद्र इत्यादि मौजूद थे।

आधुनिक तकनीकी को पुस्तकालय में उपयोग व राष्ट्र के विकास में पुस्तकालय के योगदान के बारे में बताया। उमेश शर्मा ने प्रतिभागियों को भविष्य में पुस्तकालय विज्ञान प्रोफेशन में होने वाले बदलाव से अवगत करवाया। पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र से संगप्तिया तिवारी ने वर्तमान युग में बिग डाटा के पुस्तकालय में अनुप्रयोगों के बारे में बताया। दीपाली जैन ने पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के उपयोग व विकास के बारे में विचार रखें।

उदयपुर। राजा राममोहन राय लाइवेरी फाउंडेशन, आईसीएसएसआर नई दिल्ली व मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के तत्यावधान में चल रहे दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का समापन बुधवार को हुआ। कार्यक्रम के सचिव डॉ पी एस राजपूत ने बताया कि दो दिवसीय इस राष्ट्रीय सेमिनार में 40 शोध पत्रों का वाचन किया गया। सेमिनार की रूपरेखा के अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और

INCHARGE HEAD INCHARGE HEAD Depitt. of Library & Information Science NISU, Udaipur (Raj.)



आधुनिक पुस्तकालय से विकसित भारत की संकल्पना पर दिया जोर

उदयपुर| राजा राममोहन राय' लाइब्रेरी फाउंडेशन एवं आईसीएसएसआर नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजुन किया गया।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सचिव डॉ. पीएस राजपूत ने बताया कि सेमिनार में 40 शोध पत्रों का वाचन किया गया। पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र से संगप्रिया तिवारी ने वर्तमान में बिग डाटा के पुस्तकालय में अनुप्रयोगों के बारे में बताया। दीपाली जैन ने पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के उपयोग व विकास के बारे में अपने विचार रखे।

इस मौके पर डॉ. अनिल शर्मा, अख़िलेंद्र सूर्यवंशी, नवीन छपरवाल, डॉ. राजाराम भाट, जितेंद्र सुहालका, अनुज यादव, श्रवण श्रीमाली, जितेंद्र मेघवाल आदि मौजुद रहे।

देश की उन्नति और अवनति सूचना तंत्र पर निर्भर : प्रो. अजय प्रताप

उद्यपुर। राजा राममोहन राय लाइबेरी फाउंडेशन एवं आईसीएसएसआर नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय नेशनल सेपिनार का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में सेपिनार के सचिव डॉ. पी एस राजपूत ने सभी पधारे हुए विद्वानजनों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते

हुए बताया कि सेमिनार में देश के विभिन्न राज्यों से 180 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं जो



पुस्तकालय में आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन, नई तकनीकी नई तकनीकी और प्रौद्योगिको का पुस्तकालय में प्रयोग एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में किये जा रहे प्रयासों के बारे में मंथन करेंगे। बाबासाहब भीमराव अंबेडकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ के प्रो. एम.पी. सिंह ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान के मंदिर है एवं पुस्तकालय संस्कृति को संजोकर रखते हैं। उन्होंने पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों से अवगत करवाया। प्रोफेसर एस.के. कटारिया ने वर्तमान डिजिटल युग में प्लेगरिज्म से संबंधित महों पर चर्चा की। मुख्य अतिथि नेशनल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर ए.पी. सिंह ने आरआरआरएलएफ द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर पुस्तकालय की महत्ता के बारे में समझाया। साथ ही पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र के प्रोफेशनल्स को अपने क्षेत्र में पुस्तकालय के विकास से सम्बंधित कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। कला महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी.आर. सुथार ने पुस्तकालय से संबंधित एक्ट के विषय में अपनी बात रखी। सह अधिष्ठाता प्रो. दिग्विजय भटनागर ने दो दिवसीय सेमिनार हेतु सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ प्रेषित को। तकनीकी सत्रों में डॉ क्षेमा प्रकाश, डॉ सीमा परिहार सहित कुल 12 प्रतिभागियों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

पुस्तकालय में आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन, नई तकनीकी पर दी जानकारी

प्रौद्योगिकी का पुस्तकालय में प्रयोग के संदर्भ में किये जा रहे प्रयासों के बारे में मंथन करेंगे। मुख्य अतिथि नेशनल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर ए.पी. सिंह थे। कला महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सी.आर. सुथार, सहअधिष्ठाता प्रोफेसर दिग्विजय भटनागर आदि ने विचार रखे।



शुभारंभ हुआ। सेमिनार के सचिव इसमें विभिन्न राज्यों से 180 पुस्तकालय में आधुानकाकरण, डॉ. पी एस राजपूत ने बताया कि प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जो ऑटोमेशन, नई तकनीकी और

उदयपुर@पत्रिका. राजा रामभोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन एवं आईसीएसएसआर नई दिल्ली के तत्वावधान में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का शुभारंभ हुआ। सेमिनार के सचिव डॉ. पी एस राजपत ने बताया कि

INCHARGE HEAD Deptt. of Library & Information Science





आधुनिक पुस्तकालय से कराया अवगत

पुस्तकालय के योगदान के बारे में बताया। उमेश शर्मा ने प्रतिभागियों को भविष्य में पुस्तकालय विज्ञान प्रोफेशन में होने वाले बदलाव से अवगत करवाया। पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र से संघप्रिया तिवारी ने वर्तमान युग में बिग डाटा के पुस्तकालय में अनुप्रयोगों के बारे में बताया। कार्यक्रम में दीपाली जैन, डॉ अनिल शर्मा, अखिलेन्द्र सूर्यवंशी, डॉ राजाराम भाट, नवीन छापरवाल, जितेन्द्र सुहालका, अनुज यादव आदि ने विचार रखे।

उदयपुर. राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन एवं आइसीएसएसआर नई दिल्ली के तत्वावधान में सुविवि के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का समापन हुआ। कार्यक्रम सचिव डॉ पीएस राजपूत ने बताया कि सेमिनार में 40 शोध पत्रों का वाचन किया। सेमिनार की रूपरेखा के अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और आधुनिक तकनीकी को पुस्तकालय में उपयोग व राष्ट्र के विकास में

> 01/02/2024 | Udaipur City | Page : 7 Source : https://epaper.patrika.com/

INCHAF Deptt. of Libra

